# वार्षिक प्रतिवेदन

# Annual Report
# (2021-2022)

# उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

## UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY

**(Established by the Govt. of Uttarakhand vide Act No. 23 of 2005)**

उत्तराखण्ड सरकार का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय

---

विश्वविद्यालय मार्ग, ट्रान्सपोर्ट नगर के पीछे (तीनपानी बाईपास), हल्द्वानी- 263139, नैनीताल, उत्तराखण्ड

University Road, Behind Transport Nagar (Teenpani Bypass), Haldwani-263139, Nainital, Uttarakhand

## सम्पादन

डॉ. नन्दन कुमार तिवारी – समन्वयक
विनीत पौडियाल

**© उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी**
**प्रकाशक : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी**
**मुद्रण : उत्तरायण प्रकाशन, हल्द्वानी**

University Grants Commission
Bahadur Shah Zafar Marg
New Delhi-110002

2308-2766
F.No.UGC/DEB/2013
Dated 14.10.2013

The Registrar/ Director
Of all the Indian Universities
(Deemed, State, Central Universities/
Institutions of National importance)

**Subject: Equivalence of Degrees awarded by Open and Distance Learning (ODL) Institutions at par with Conventional Universities / Institutions**

Sir/ Madam,

There are a number of Open and Distance Learning Institutions (ODLIs) in the country offereing Degree/ Diploma/ Certificate programmes through the mode of non formal education. These comprise Open Unviersities, Distance Education Universities, Deemed to be Unviersities, Institutions of National Importance or any Council/ Societies registered under the Society Registration Act 1860.

2. A circular was earlier issued vide UGC letter Fl No.-52/2000 (CPP-11) dated May 05, 2004 (copy enclosed) mentioning that Degrees/Diplomas / Certificates / awarded by the Open Universities in conformity with the UGC notification of degree be treated as equivalent to corresponding awards of the traditional Unviersities in the country.
3. Attention is also invited to UGC circular No Fl-25/93(CPP-II) dated 28th July 1993 (copy enclosed) for recognition of degrees and diplomas as well as transfer of credit for course successfully completed by students between the two types of Universities / institutions is ensured without any difficulty.
4. The Government of India, in exercise of ots power conferred under section 20 (1) of UGC Act 1956, issued directions dated 29th December 2012 entrusting UGC with the responsibility of regulating higher education programme in open and distance learning (ODL) mode. Consequently, Universities/ Institutions desirous of offering any programme through distance mode would require recognition of UGC.
5. As you are aware, the Government of India has envisaged a greater role for the Open and Distance Education System. The envisaged role may be fulfilled by recognizing and treating the Degrees / Diplomas / Certificates awarded through distance mode at par with the degrees obtained through the formal system of education. Open and Distance Education System in the country is contributing a lot in expansion of Higher Education and for achieving target of GER, without compromising on quality. Non recognition / non equivalence of degrees of ODl Instituions for the purpose of promotion/ employment and pursuing higher education may prove a deterrent to many learners and will untimately defeat the purpose of Open and Distance Education.
6. Accordingly, the Degrees / Diplomas/ Certificates awarded for programmes conducted by the ODL institutions, recognized by DEC (erstwhile) and UGC, in conformity with UGC Notification on specification of Degrees should be treated as equivalent to the corresponding awards of the Degree/Diploma/Certificate of the traditional Universities/ Instituions in the country.

(Vikram Sahay) 14/10/13

Director (Admn)
Tel: 011 23230405
Email: vikramsahay7@gmail.com

Encl: As above

Copy to:

1. Secretary, Government of India, Ministry of Human Resource Development, Department of Higher Education, Shastri Bhawan, New Delhi-110 001
2. Secretary, All Indian Council for Technical Education, 7th Floor, Chandra Lok Building, Janpath, New Delhi.
3. Secretary, Association of Indian Unviersities, AIU House, 16 Comrade INdrajit Gupta Marg (Kolta Marg), New Delhi-110002.

# अनुक्रमणिका (Index)


| | पृष्ठ संख्या |
|---|---|
| कुलपति की कलम से | 1 |
| आमुख (Preface) | 2 |
| उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय: एक परिचय | 3 |
| विश्वविद्यालय की स्थापना काल से कुलपतियों एवं कुलसचिवों की सूची | 4 |
| 1. पाठ्यचर्या आयाम (Curricular Aspects) | 5-10 |
| 2. शिक्षण: अधिगम एवं मूल्यांकन (Teaching: Learning and Evaluation) | 11-72 |
| 3. शोध, परामर्श एवं प्रसार (Research, Consultancy and Extension) | 73-88 |
| 4. अधिसंरचना एवं अधिगम संसाधन (Infrastructure and Learning Resources) | 89-96 |
| 5. शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ एवं प्रगति (Student Support and Progression) | 97-105 |
| 6. प्रशासन, नेतृत्व एवं प्रबन्धन (Governance, Leadership and Management) | 106-107 |
| 7. नवाचार एवं उत्तम क्रियायें (Innovations and Best Practices) | 108-148 |
| **APPENDICES** | 149 |
| Appendix I षष्ठ दीक्षान्त समारोह (Sixth Convocation) | 150 |
| Appendix II दीक्षान्त समारोह में शोधोपाधि लेने वाले शिक्षार्थी एवं सम्मानित क्षेत्रीय निदेशक | 151 |
| Appendix III दीक्षान्त समारोह में शोधोपाधि लेने वाले शिक्षार्थियों की सूची | 152 |
| Appendix IV कार्य परिषद् (Executive Council) | 153 |
| Appendix V विद्या परिषद् (Academic Council) | 154 |
| Appendix VI योजना परिषद् (Planning Board) | 155 |
| Appendix VII वित्त समिति (Finance Committee) | 156 |
| Appendix VIII विश्वविद्यालय प्राधिकरण के सदस्य(Members of the University Authority) | 157-158 |
| Appendix IX वार्षिक लेखा (Financial Statements - 2021-22) | 159 |
| Appendix X विश्वविद्यालयीय मानव संसाधन (Human Resources of the University) | 160-165 |
| Appendix XI उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम (Programmes of the University) | 166-170 |
| Appendix XII क्षेत्रीय केन्द्रों की सूची (List of Regional Centers) | 171 |
| Appendix XIII अध्ययन केन्द्रों की सूची (List of Study Centers) | 172-178 |

# कुलगीत

जहाँ ज्ञान श्रद्धा से जुड़ता, जहाँ ज्ञान चेतना बसे;
जहाँ ज्ञान का योग निरन्तर, जहाँ ज्ञान से मुक्ति मिले,
जहाँ ज्ञान से बिछुड़ों की भी आशाओं के दीप जले;
जहाँ सभी को ज्ञान-यज्ञ में आहुति का अधिकार मिले।

पीठ ज्ञान की मुक्त लिये रोली-कुंकुम।
श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं। श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम्॥

पर्वत की श्रृंखला यहाँ दृढ़ता के पाठ पढ़ाती;
निर्मल जल-धारायें निशि-दिन कल-कल गीत सुनातीं,
भाँति-भाँति की औषधियाँ, फल-फूल, प्रकृति मुसुकाती;
देवभूमि की सुन्दरता से अमरावती लजाती।

पीठ ज्ञान की मुक्त लिये रोली-कुंकुम।
श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं। श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम्॥

परम्परायें यहाँ ज्ञान की, तपोभूमि भारत की;
ज्ञानभूमि है यही विवेकानन्द, आदि-शंकर की,
धरा यही ऋषियों-मुनियों की, योग-ध्यान साधन की;
बहीं शारदा, सरयू, यमुना, कोख यही सुरसरि की।

पीठ ज्ञान की मुक्त लिये रोली-कुंकुम।
श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं। श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम्॥

विद्या देती विनय-पात्रता, शुभ प्रसाद धन-सुख का;
ज्ञान मोक्ष का द्वार, यही उद्घोष देव-संस्कृति का,
नई विधायें, नई दिशायें, पथ नवीन आशा का;
मुक्त विश्वविद्यालय अपना, है अभियान प्रगति का॥

पीठ ज्ञान की मुक्त लिये रोली-कुंकुम।
श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं। श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम्॥

# विश्वविद्यालय के उद्देश्य

विश्वविद्यालय, दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से जिसमें किसी संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग भी है, अधिसंख्यक जनसमुदाय में शिक्षा और ज्ञान के प्रसार में अभिवृद्धि करेगा और अपने क्रियाकलापों को संचालित करने में अधोलिखित विनिर्दिष्ट उद्देश्यों का सम्यक् ध्यान रखेगा-

**1-**विश्वविद्यालय राज्य के विकास में रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए जो राज्य की समृद्ध परम्पराओं पर आधारित हो राज्य की जनता की संस्कृति और उसके मानवीय संसाधनों की उन्नति और अभिवृद्धि के लिए शिक्षा, शोध, प्रशिक्षण और विस्तारण के माध्यम से, प्रयास करेगा। इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए वह-

क. नियोजन की आवश्यकताओं से सम्बन्धित तथा देश की अर्थव्यवस्था के, उसके प्राकृतिक और मानवीय साधनों के आधार पर, निर्माण के लिए आवश्यक उपाधि, डिप्लोमा और प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रमों को प्रोत्साहित करेगा और उन्हें विविध प्रकार का बनायेगा;

ख. जनता के बड़े भागों और विशिष्टतया सुविधारहित समूह को, जैसे कि वे समूह जो दूरस्थ व ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे हैं, जिनके अंतर्गत श्रमजीवी जनता, घरेलू महिलायें और ऐसे वयस्क हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में अध्ययन के माध्यम से ज्ञान बढ़ाने व अर्जित करने की इच्छा रखते हैं, उच्चतर शिक्षा तक उनकी पहुँच के लिए उपबन्ध करेगा;

ग. शीघ्रता से विकसित और परिवर्तित होने वाले समाज में ज्ञान के अर्जन का संवर्धन करेगा और मानव प्रयास के सभी क्षेत्रों में नव-परिवर्तन, अनुसन्धान, शोध के सन्दर्भ में ज्ञान, प्रशिक्षण और कुशलता बढ़ाने के लिए लगातार अवसर प्रस्तुत करने के लिए प्रयास करेगा;

घ. ज्ञान के नये क्षेत्रों में विद्या की अभिवृद्धि करने और उसे विशिष्टतया प्रोत्साहित करने की दृष्टि से विद्या के तरीकों और गति, पाठ्यक्रमों के मिश्रण, नामांकन की पात्रता, प्रवेश की आयु, परीक्षाओं के संचालन और कार्यक्रमों के प्रवर्तन के सम्बन्ध में सुनिश्चय और निर्बाध विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा की नई प्रणाली के लिए उपबन्ध करेगा;

ङ. औपचारिक पद्धति की अनुपूरक अनौपचारिक पद्धति का उपबन्ध करके और विश्वविद्यालयों द्वारा विकसित पाठों और अन्य सॉफ्टवेयर का व्यापक रूप से उपयोग करके गुणवत्ता के अन्तरण को और शिक्षण कर्मचारी वृन्द के विनिमय को प्रोत्साहित करके शैक्षणिक पद्धति के सुधार में सहयोग देगा;

च. देश की विभिन्न कलाओं, शिल्पों और कुशलताओं में, उनकी गुणवत्ता में सुधार करके जनता के लिए उनकी उपलब्धता में वृद्धि करके शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए उपबन्ध करेगा;

छ. ऐसे कार्यकलापों या संस्थाओं के लिए अपेक्षित शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए उपबन्ध या प्रबन्ध करेगा;

ज. अध्ययन के यथोचित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए उपबन्ध करेगा और अनुसन्धान को बढ़ावा देगा;

झ. अपने छात्रों के लिए परामर्श एवं मार्गदर्शन के लिए उपबन्ध करेगा; और

ञ. अपनी नीति एवं कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता व मानव व्यक्तित्व के समन्वित विकास में वृद्धि करेगा।

**2-** विश्वविद्यालय दूर और अनुवर्ती शिक्षा के विविध माध्यमों से उक्त उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रयास करेगा और उच्चतर शिक्षा के विद्यमान विश्वविद्यालयों और संस्थाओं के सहयोग से कृत्य करेगा और नवीनतम ज्ञान का और नई शिक्षण प्रौद्योगिकी का ऐसी उच्च गुणवत्ता की शिक्षा देने के लिए जो समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप हो, पूर्ण उपयोग करेगा।

(उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम, 2005)

**महामहिम लेफ्टिनेन्ट जनरल गुरमित सिंह**

**श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय**

प्रो० ओम प्रकाश सिंह नेगी
कुलपति
Prof. Om Prakash Singh Negi
Vice Chancellor

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
Uttarakhand Open University

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

## कुलपति की कलम से

मनुष्य के सर्वांगीण विकास का आधार है – शिक्षा। शिक्षा ग्रहण करने की प्रक्रिया में अध्ययन से बोध होता है एवं बोध जब मानव जीवन के आचरण में उतर जाय, तब उसे ज्ञान की प्राप्ति होती है। शिक्षा से ज्ञान की इस यात्रा में मानव को सम्पूर्ण जीवन प्रयासरत रहना चाहिये, तभी जीवन की सार्थकता सिद्ध होती है। शास्त्र भी कहता है – **'विद्याधनं सर्वधनं प्रधानम्।'** अर्थात् विद्यारूपी धन ही सर्वश्रेष्ठ है। भौतिक धन का तो क्षय हो जाता है, परन्तु विद्यारूपी धन का क्षय कभी नहीं होता क्योंकि विद्या अनन्त है। विद्या संसार का एकमात्र ऐसा धन है जिसका दान करने पर इसकी उत्तरोत्तर अभिवृद्धि होती है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, शिक्षा का ऐसा केन्द्र है, जो पूर्णतया दूरस्थ शिक्षा पद्धति पर आधारित है। यहाँ गुरु-शिष्य का संवाद प्रत्यक्ष रूप से (Face to Face) न होकर अध्ययन सामग्री में द्रष्टव्य होता है। इस केन्द्र के शिक्षक अपनी गुरुता लेखनी के माध्यम से स्व-अध्ययन सामग्री द्वारा परिलक्षित करने का साहस करते हैं और शिक्षार्थी अध्ययन सामग्री रूपी दर्पण में ही अपने गुरु की छवि देखने का प्रयास करता है। इस विश्वविद्यालय की शिक्षा पूर्णतया छात्र केन्द्रित है। शिक्षार्थी हित इस केन्द्र की प्राथमिकता है। अपने स्थापना काल से ही विश्वविद्यालय निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। आज यहाँ शिक्षार्थियों की संख्या लगभग 1 लाख के आसन्न पहुँच चुकी है। वर्ष 2021-22 विश्वविद्यालय के लिए कई उपलब्धियों से भरा रहा है। ऑनलाइन राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार, कार्यशालायें, मौखिकी परीक्षा, प्रायोगिक परीक्षा, पूरक परीक्षा तथा अन्य समस्त कार्य दृढ़तापूर्वक सम्पादित किया जाता रहा। यद्यपि 2021 का सत्रार्द्ध कोरोना (COVID-19) से ग्रसित रहा तथापि विश्वविद्यालय द्वारा निरन्तर कार्य सम्पादन होता रहा।

वर्ष 2021 में विश्वविद्यालय की भौतिक संरचना तथा मानव संसाधन विकसित होने से निरन्तर कार्य में सुलभता हुई तथा कार्य क्षेत्र का विस्तार हुआ। उक्तावधि में NAAC मूल्यांकन हेतु समस्त तैयारियाँ पूरी करने के साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा SSR भरने की प्रक्रिया चरण भी पूर्ण किया गया। कोरोना के कारण यदा-कदा बीच में कार्य बाधित भी हुआ। इसी कालावधि में विश्वविद्यालय द्वारा षष्ठ दीक्षान्त समारोह का आयोजन भी किया गया, जिसमें वर्ष 2020 तक के उत्तीर्ण छात्रों को प्रमाण-पत्र तथा उपाधियाँ दी गयी। इसके अतिरिक्त तीन महानुभावों को माननीय कुलाधिपति द्वारा डी-लिट् की मानद उपाधि भी प्रदान की गई।

प्रस्तुत वार्षिक प्रतिवेदन (2021-22) राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) के सात मानकों को आधार मानकर निर्मित किया गया है। अत: इस कार्य हेतु सम्पादक मण्डल को विशेष बधाई देता हूँ।

**(प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी)**
कुलपति

Vishvidhyalaya Marg, Near T.P. Nagar, Haldwani-263139 (Nainital) Uttarakhand विश्वविद्यालय मार्ग, निकट ट्रान्सपोर्ट नगर, हल्द्वानी–263139 (नैनीताल) उत्तराखण्ड
Mob. : 8954043377, Ph. : 05946-263014 Fax : 05946-262032 Website: www.uou.ac.in, E-mail: vc@uou.ac.in

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
Uttarakhand Open University

Ref. No. UOU .....

Date .....

## आमुख (Preface)

मुझे यह जानकर अतीव प्रसन्नता हो रही है कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा यह सातवीं वार्षिक प्रतिवेदन (2021-22) राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC)के सात मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है। इस प्रतिवेदन में विश्वविद्यालय की वर्ष 2021-22 से सम्बन्धित पाठ्यचर्या आयाम, शिक्षण: अधिगम एवं मूल्यांकन, शोध परामर्श एवं प्रसार, अधिसंरचना एवं अधिगम संस्थान, शिक्षार्थी सहायता सेवायें एवं प्रगति, प्रशासन, नेतृत्व एवं प्रबन्धन, नवाचार एवं उत्तम क्रियायें आदि तथ्य सम्मिलित हैं।

सम्प्रति उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अपनी प्रगति यात्रा के 17 वें वर्ष में गतिमान है। अपने स्थापना काल से सम्प्रत्यावत् यात्रा में एक लघु पौधा रूप से बढ़कर आज यह विश्वविद्यालय एक सम्पूर्ण वृक्ष बनने की ओर निरन्तर उन्मुख है, अर्थात् निरन्तर पुष्पवित एवं पल्लवित हो रही है, यह इसकी निरन्तर अभिवृद्धि का सूचक है।

भारतवर्ष जैसे व्यापक देश में विशेषकर उच्च शिक्षा का पारम्परिक ढाँचा वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सकता है। साथ ही आर्थिक दबावों के कारण काम करते हुए शिक्षा प्राप्ति की आवश्यकता के दृष्टिगत भी वैकल्पिक माध्यम सशक्त हुआ है। उस विकल्प माध्यम का नाम है – मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली (Open and Distance Learning)। यह प्रणाली डिजिटल युग में दूरस्थ शब्द को निष्प्रभावी बना देती है और वस्तुत: डिजिटल माध्यमों से शिक्षक एवं शिक्षार्थी के बीच की दूरी सिमट जाती है और वे नियमित सम्पर्क में रह सकते हैं। यह प्रणाली विशुद्ध रूप से शिक्षार्थी केन्द्रित है और समय तथा धन दोनों दृष्टियों से कम खर्चीली है। दूरस्थ शिक्षा पद्धति में शिक्षक का स्थान अध्ययन सामग्री रूपी पुस्तकें ले लेती है। मैं ऐसा मानती हूँ कि समसामयिक युग कीआवश्यकताओं के अनुकूल और युग की संभावनाओं में सृजनात्मक विकल्प की निरन्तर खोज के बीच 'दूरस्थ शिक्षा' का प्रादुर्भव हुआ है। आज दूरस्थ शिक्षा मानव समाज के लिए युगानुरूप केवल वैकल्पिक न होकर आवश्यकता बन गयी है। विगत दो वर्षों में (2020 से 2022) इसकी महत्ता को सम्पूर्ण शैक्षणिक जगत् ने स्वीकार किया है। जो लोग दूरस्थ शिक्षा को दोयम दर्जे की शिक्षा के रूप में देखते थे उनका दृष्टिकोण भी कोराना के कालखण्ड में परिवर्तित हो गया। उस समय सम्पूर्ण विश्व में यदि शिक्षण पद्धति की बात करें तो केवल 'ऑनलाइन शिक्षण' ही सबसे सशक्त एवं प्रभावकारी रहा। अत: आगामी भविष्य भी मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण पद्धति का होगा, इसकी आवश्यकतायें निरन्तर बढ़ेगी, इसमें संशय नहीं है।

अन्त में मैं वार्षिक प्रतिवेदन 2021-22 के निर्माणकर्ताओं को साधूवाद देती हूँ।

**(प्रोफेसर रश्मि पन्त)**

कुलसचिव, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

Teenpani Bypass, Haldwani - 263139, Nainital, Uttarakhand तीनपानी बाईपास, हल्द्वानी - 263139, नैनीताल, उत्तराखण्ड
Tel.: 05946-286 000 • Toll Free No.: 1800 180 4025 • Fax: 05946-264 232 • E-mail: info@uou.ac.in • Website: www.uou.ac.in

# विश्वविद्यालय: एक परिचय

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना, उत्तराखण्ड शासन के एक्ट 23, 2005 द्वारा विधानसभा में पारित प्रस्ताव के माध्यम से हुई। इस विश्वविद्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य राज्य में दूरस्थ प्रणाली के माध्यम से उच्च शिक्षा को प्रदान करना, शिक्षा को रोजगारपरक एवं तकनीकी रूप में सर्वजन सुलभ ढंग से उत्तराखण्ड के दुर्गम क्षेत्रों तक के निवासियों तक पहुँचाना तथा शिक्षा को सर्वजन सुलभ बनाना है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना को 17 वर्ष से अधिक हो चुके हैं। इन 17 वर्षों में इस विश्वविद्यालय ने प्रगति की नित्य-नवीन ऊँचाइयों को छुआ है। सीमित अवधि और अल्प संसाधनों के बावजूद भी विश्वविद्यालय की अकादमिक और प्रशासनिक गतिविधियाँ राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखित होती रही हैं। आज यह विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है, जिसकी पहुँच उसके सभी जिलों व सुदूर क्षेत्रों तक है। वर्तमान में विश्वविद्यालय के मुख्यालय हल्द्वानी के अतिरिक्त देहरादून में भी एक क्षेत्रीय परिसर है। विश्वविद्यालय के 8 क्षेत्रीय केन्द्र तथा 121 अध्ययन केन्द्र हैं। मुक्त विश्वविद्यालय की संरचना में क्षेत्रीय केन्द्र तथा अध्ययन केन्द्र उसकी धमनियों के समान हैं, जिसके माध्यम से पूर्ण विश्वविद्यालय की गति प्रवाहित होती रहती है। मुक्त विश्वविद्यालय केन्द्र और विकेन्द्रीकरण का अद्भुत समन्वय होता है। एक ओर इसकी अपनी संदृष्टि और कार्य–उद्देश्य की पूर्ति के लिए विभिन्न केन्द्र होते हैं, अर्थात् एक केन्द्र और फिर उसके बहुकेन्द्र। इस प्रक्रिया में केन्द्रीयता भी होती है और जनबद्ध-बोझिल एकरूपता का अभाव भी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्रों पर संचालित होने वाले कार्यक्रम इसकी लोकधर्मिता, संजीवता व व्यापक प्रकार की ही प्रतिध्वनि हैं। इस विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान में लगभग 100 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं, जिसमें प्राच्य विद्याओं के साथ-साथ आधुनिक विषयों का भी समावेश है। यथा - मानविकी विद्याशाखान्तर्गत (हिन्दी, अंग्रेजी, ज्योतिष, कर्मकाण्ड, संस्कृत, संगीत तथा उर्दू) समाज विज्ञान विद्याशाखान्तर्गत (इतिहास, समाज शास्त्र, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन), विज्ञान विद्याशाखान्तर्गत (भौतिकी, रसायन, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, गणित) भौमिकी एवं पर्यावरण विद्याशाखान्तर्गत (जिओलॉजी, वानिकी, भूगोल) पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन, कम्प्यूटर साइंस, लाइब्रेरी साइंस आदि विषयों से लेकर प्रबन्धन एवं वाणिज्य, पर्यटन, व्यावसायिक अध्ययन जैसे रोजगारपरक विषय भी हैं।

प्रस्तुत वार्षिक प्रतिवेदन में अप्रैल 2021 से लेकर मार्च 2022 तक की विश्वविद्यालयीय क्रियाकलापों का उल्लेख है। सत्र 2021-2022 विश्वविद्यालय के लिए विशेष उपलब्धियों से युक्त रहा हैं। वर्ष 2021 में विश्वविद्यालय की भौतिक संरचना तथा मानव संसाधन विकसित होने से निरन्तर कार्य में सुलभता हुई तथा कार्य क्षेत्र का विस्तार हुआ। उक्तावधि में NAAC मूल्यांकन हेतु समस्त तैयारियाँ पूरी करने के साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा SSR भरने की प्रक्रिया चरण भी पूर्ण किया गया। कोरोना के कारण यदा-कदा बीच में कार्य बाधित भी हुआ, तथापि विश्वविद्यालय की समस्त गतिविधयाँ शनै: शनै: सम्पादित होती रही।

इसी कालावधि में विश्वविद्यालय द्वारा षष्ठ दीक्षान्त समारोह का आयोजन भी किया गया, जिसमें वर्ष 2020 तक के उत्तीर्ण छात्रों को प्रमाण-पत्र तथा उपाधियाँ दी गयी। इसके अतिरिक्त दो महानुभावों श्री सच्चिदानन्द भारती एवं पद्मश्री अनूप साह जी को माननीय कुलाधिपति द्वारा डी-लिट् की मानद उपाधि प्रदान कियागया तथा दो क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रश्मि पन्त एवं डॉ. नेगी को भी महामहिम द्वारा सम्मानित किया गया।

## उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना काल से कुलपतियों की सूची

| क्रम सं. | नाम | कार्यकाल | |
|---|---|---|---|
| | | कब से | कब तक |
| 1. | प्रोफेसर एस.एस. हसन | 22-11-2005 | 15-07-2008 |
| 2. | श्री इन्दु कुमार पाण्डेय (अतिरिक्त प्रभार) | 16-07-2008 | 24-11-2009 |
| 3. | प्रोफेसर विनय कुमार पाठक | 25-11-2009 | 24-11-2012 |
| 4. | प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल (कार्यकारी) | 25-11-2012 | 13-02-2013 |
| 5. | प्रोफेसर सुभाष धूलिया | 14-02-2013 | 13-04-2016 |
| 6. | प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल (कार्यकारी) | 14-04-2016 | 02-05-2016 |
| 7. | प्रोफेसर नागेश्वर राव | 03-05-2016 | 17-07-2018 |
| 8. | प्रोफेसर डी.के. नौडियाल | 18-07-2018 | 08-02-2019 |
| 9. | प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी | 08-02-2019 | 07-02-2022 |
| 10. | प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी | 08-02-2022 | 24-07-2022 |
| 11. | प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी | 25-07-2022 | अब तक |

## कुलसचिवों की सूची

| क्रम सं. | नाम | कार्यकाल | |
|---|---|---|---|
| | | कब से | कब तक |
| 1. | डॉ. एस.ए.चारी | 20-01-2006 | 22-06-2006 |
| 2. | श्री महादेव प्रसाद (अतिरिक्त प्रभार) | 03-11-2006 | 05-03-2007 |
| 3. | डॉ. अनिल कुमार जोशी | 06-03-2007 | 19-12-2007 |
| 4. | डॉ. बी.आर.पन्त (विशेष कार्याधिकारी) | 20-12-2007 | 21-06-2010 |
| 5. | प्रोफेसर आर.सी.मिश्र | 22-06-2010 | 27-12-2011 |
| 6. | श्री सुधीर बुड़ाकोटी | 28-12-2011 | 24-07-2012 |
| 7. | प्रोफेसर आर.सी.मिश्र | 25-07-2012 | 25-12-2012 |
| 8. | प्रोफेसर जी.पी. पाण्डे | 26-12-2012 | 16-09-2013 |
| 9. | श्री लक्ष्मण सिंह रावत | 17-09-2013 | 16-09-2015 |
| 10. | प्रोफेसर गोविन्द सिंह | 16-09-2015 | 04-12-2015 |
| 11. | प्रोफेसर आर.सी. मिश्र | 04-12-2015 | 18-09-2018 |
| 12. | श्री भरत सिंह | 18-09-2018 | 12-10-2020 |
| 13. | प्रोफेसर गोविन्द सिंह | 12-10-2020 | 29-12-2020 |
| 14. | प्रोफेसर एच.एस. नयाल | 29-12-2020 | 10-03-2022 |
| 15. | प्रोफेसर पी0डी0 पन्त | 11-03-2022 | 10-08-2022 |
| 16. | डॉ. रश्मि पन्त | 10-08-2022 | अब तक |

# 1. पाठ्यचर्या आयाम
## (Curricular Aspects)

किसी भी विश्वविद्यालय के लिए उसके शैक्षणिक कार्यक्रम उसके दृष्टिगत दायित्व के परिचालक होते हैं। विश्वविद्यालय जब किसी विषय में कोई पाठ्यक्रम संचालित करता है, उससे हम उसकी क्रियात्मकता एवं समाज के प्रति उसकी दृष्टि एवं उत्तरदायित्वों को समझ सकते हैं। शैक्षणिक कार्यक्रम विश्वविद्यालय के आंतरिक दर्शन का बाह्य विस्तार होता है, कारण यह है कि इन्हीं के माध्यम से वह अपने शैक्षिक–सामाजिक उत्तरदायित्वों का प्रसार करता हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का ध्येय उत्तराखण्ड के दूरस्थ व्यक्तियों को उच्च शिक्षा से तो जोड़ना है ही, साथ ही विश्वविद्यालय इस बात के लिए भी कृत संकल्प है कि राज्य एवं देश के अध्येताओं को तकनीकी एवं आधुनिक विषयों को उच्च शिक्षण सामग्री के साथ प्रस्तुत करे, जिससे अध्येताओं के सामने गम्भीर चिन्तन की पृष्ठभूमि प्रस्तुत हो सके। इस समय विश्वविद्यालय 100 से भी अधिक पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है, जो परम्परागत पाठ्यक्रम (बी.ए, एम.ए., बी.कॉम, एम.कॉम) से लेकर आधुनिक रोजगारपरक विषयों से भी जुड़े हुए हैं। विश्वविद्यालय ने इस वर्ष कुछ नए पाठ्यक्रम चलाने का निर्णय लिया है। इन पाठ्यक्रमों में साइबर सुरक्षा, रेडियो जॉकी जैसे आधुनिक पाठ्यक्रम के साथ ही संस्कृत तथा ज्योतिष जैसे परम्परागत पाठ्यक्रम भी शामिल हैं। विश्वविद्यालय इस बात के लिए कृतसंकल्प है कि वह अपने पाठ्यक्रमों में परम्परागत शिक्षा के साथ ही आधुनिक ज्ञान-विज्ञान का भी समावेश कर सके।

## 1.1. कार्यक्रम की प्रकृति (Nature of the Programmes)

पाठ्यक्रम के बाह्य संरचना के स्तर पर इसे वार्षिक, सेमेस्टर, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में विभक्त किया गया है। बी.ए, एम.ए. जैसे परम्परागत पाठ्यक्रम वार्षिक हैं, जबकि एम.बी.ए., एम.जे.एम.जी एम.टी.एम, एम.एच.एम. जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को सेमेस्टर पद्धति के अनुसार रखा जाता है। भविष्य में बी.ए, एम.ए, बी.कॉम, एम.कॉम जैसे पारम्परिक पाठ्यक्रमों को भी सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत रखे जाने की योजना है। इसके अतिरिक्त व्यावसायिक एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स के अंतर्गत रखा गया है।

## 1.2. पाठ्यक्रम और क्रेडिट प्रणाली (Syllabus and Credit System)

मुक्त विश्वविद्यालय की शिक्षण पद्धति में प्रत्यक्ष शिक्षण पद्धति के कक्षा–अध्यापन के समतुल्य स्व-अध्ययन सामग्री का निर्माण किया जाता है। यह अध्ययन सामग्री कक्षा अध्यापन का लिखित प्रतिरूप है, इसलिए एक विशेष व्यवस्था के तहत इसे नियोजित किया जाता है। पाठ्यक्रमों की समयावधि सुनिश्चित करने के लिए इन्हें क्रेडिट प्रणाली के अंतर्गत विभाजित किया गया है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में विभिन्न श्रेणी के पाठ्यक्रमों के लिए अलग-अलग क्रेडिट्स तथा अध्ययन अवधि निर्धारित की गयी है। इस व्यवस्था में एक (01) क्रेडिट का अभिप्राय 30 घंटे के छात्र अध्ययन के बराबर माना जाता है, जिसमें समस्त अध्ययन गतिविधियॉ शामिल हैं, जैसे: पढ़ने और स्वअध्ययन सामग्री (SLM) को समझने, ऑडियो सुनने, वीडियो देखने, परामर्श सत्र में भाग लेने, दूरसंवाद और सत्रीय कार्य लेखन, इत्यादि।

विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित क्रेडिट एवं सामान्य अवधि का विवरण निम्नवत हैं-

| पाठ्यक्रम | निर्धारित क्रेडिट | पाठ्यक्रम की सामान्य अवधि |
|---|---|---|
| प्रमाण-पत्र | 12-18 | 6 मास |
| डिप्लोमा / पी.जी. डिप्लोमा | 28-36 | 1 वर्ष |

| | | |
|---|---|---|
| स्नातक उपाधि (सामान्य / व्यावसायिक) | 96-100 | 3 वर्ष |
| स्नातक उपाधि (प्राविधिक) | 160-105 | 5 वर्ष |
| द्वितीय स्नातक उपाधि | 32 | 1 वर्ष |
| स्नातकोत्तर उपाधि (सामान्य) | 60-66 | 2 वर्ष |
| स्नातकोत्तर उपाधि (प्राविधिक/व्यावसायिक) | 96-100 | 3 वर्ष |

## 1.3. विद्याशाखाएं (Schools)

वर्तमान में, विश्वविद्यालय 14 विद्याशाखाओं एवं 52 विभागों के माध्यम से विभिन्न शैक्षिक पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है। ये विद्याशाखाएं निम्नलिखित हैं:-

1. कृषि एवं विकास अध्ययन
2. कम्प्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी
3. स्वास्थ्य विज्ञान
4. विज्ञान
5. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान
6. प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य
7. शिक्षाशास्त्र
8. मानविकी
9. समाज विज्ञान
10. विधि
11. पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन
12. पर्यटन, आतिथ्य एवं होटल प्रबंधन
13. व्यावसायिक अध्ययन
14. भौमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान

## 1.4. पाठ्यक्रम एवं स्व-अध्ययन सामग्री(Curriculum and SLM)

मुक्त विश्वविद्यालयी शिक्षा पद्धति का आधार स्वचिंतन, स्वाध्याय एवं स्व-निर्माण है । प्रत्यक्ष शिक्षण-पद्धति का आधार गुरू ज्ञान एवं गुरू व्यक्तित्व की समीपता है। प्रत्यक्ष शिक्षण- पद्धति में गुरू-शिष्य संवाद की पर्याप्त गुंजाइश तो है, किन्तु धीरे-धीरे उनका स्थान शिलाधर्मी गुरुओं के एकालापी वक्तव्य ने ले ली है। फलत: प्रत्यक्ष शिक्षण-पद्धति एकालाप तथा ज्ञान के आतंक तक सीमित होती चली गयी। मुक्त शिक्षण पद्धति ज्ञान के एकालापी पद्धति की जगह गुरू–शिष्य संवाद को स्थापित करती है। मुक्त विश्वविद्यालय की स्व-अध्ययन सामग्री गुरू की लिखित उपस्थिति है। श्रेष्ठ लेखकों /प्राध्यापकों द्वारा निर्मितअध्ययन सामग्री छात्रों को इस योग्य बनाती है कि वह स्वयं ही ज्ञान के आत्मसातीकरण की प्रक्रिया को सुनिश्चित कर सकें। ज्ञान की सार्थकता तब तक नहीं होती जब तक कि वह छात्र के भीतर स्वयं ही प्रश्न निर्मित करने की योग्यता न उत्पन्न कर दे। मुक्त शिक्षा पद्धति में स्तरीय अध्ययन सामग्री के माध्यम से हम यह कार्य करते हैं। स्व-अध्ययन सामग्री निर्माण में मनोवैज्ञानिक पद्धति का प्रयोग करते हुए छात्र के वातावरण, उसकी मानसिक गति-स्थिति तथा प्रश्नों –सामग्री के क्रमिक विस्तार के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को वैज्ञानिक आधार प्रदान किया जाता है।

पाठ्यसामग्री का निर्माण दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के अत्यन्त महत्वपूर्ण घटकों में से है। पाठ्यक्रमों को सहज एवं बोधगम्य बनाने हेतु उन्हें सबसे पहले विषय केंद्रित खण्डों (ब्लॉक) में विभक्त किया जाता है। तत्पश्चात् प्रत्येक खण्ड को चार से छ: छोटी-छोटी इकाइयों में विभक्त किया जाता है। इस प्रक्रिया का मुख्य ध्येय यह है कि विद्यार्थी एक या दो चरण में एक इकाई का पूर्ण अध्ययन कर सके। पाठ्यवस्तु की शैली इस प्रकार नियोजित की जाती है कि वह कक्षा में अध्यापक की उपस्थिति को प्रतिबिंबित कर सके। इसलिए विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री के बीच-बीच में ऐसे प्रश्नों की श्रृंखला दी जाती है, जो उन्हें प्रेरित करने के साथ –साथ उस पाठ का तथ्यपरक ज्ञान भी करा सकें। कठिन तथा पारिभाषिक शब्दावली की आख्या द्वारा जटिल तथ्यों एवं विचारों को बोधगम्य बनाया जाता है। अध्ययनार्थियों को व्यापक एवं गहन अध्ययन के लिए उस विषय के महत्वपूर्ण तथा सहायक ग्रन्थों की सूची उपलब्ध करायी जाती है। इकाई के अन्त में दिये गये प्रश्न परीक्षा की तैयारी में विद्यार्थियों के लिए सहायक सिद्ध होते हैं।

## 1.5. ऑडियो – विजुअल सामग्री (Audio-visual Material)

दूरस्थ शिक्षा पद्धति को रोचक एवं प्रभावशाली बनाये जाने हेतु कुछ पाठ्यक्रमों में ऑडिया-विजुवल व्याख्यानों को विकसित किया गया है। ऑडियो-विजुअल की कुछ सामग्री विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। भविष्य के लिए यह प्रयास किया जा रहा है कि प्रत्येक पाठ्यक्रम हेतु इकाई/ ब्लॉक के अनुसार ऑडियो-विजुअल सामग्री का विकास किया जाए फलस्वरूप विद्यार्थी को पाठ्य की सामग्री समझने में और अपनी समझ को और अधिक बढ़ाने में सहायता मिल सके। विश्वविद्यालय के एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम के तहत ऑडियो–विजुअल व्याख्यानों को 'एडुसेट' के माध्यम से सरकारी महाविद्यालयों मे अपने स्वयं के अध्ययन केंद्रो से प्रसारित करने की योजना है,जिससे विद्यार्थियों को इसका अतिरिक्त लाभ मिल सके। इस दिशा में हमारे केंद्र कार्य कर रहे हैं और वे सफल रहे हैं।

## 1.6. स्व-अध्ययन पाठ्यसामग्री लेखन एवं प्रशिक्षण (Study material writing and training)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के कुछ एक वर्षों में ही अपनी पाठ्य सामग्री का निमार्ण प्रारंभ करा दिया था। आज विश्वविद्यालय ने लगभग सारे विषयों में अपनी पाठ्य सामग्री निर्मित कर ली है। विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री नवीन ज्ञान-विज्ञान, शोधपरक दृष्टि एवं तथ्यात्मकता से युक्त है। प्रत्येक विषय के समन्वयक के निर्देशन में विषय विशेषज्ञों की सहायता से विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री निर्मित की जाती है। विश्वविद्यालय की स्व-अध्ययन सामग्री प्रत्यक्ष शिक्षण का विकल्प होता है, इसलिए इसकी लेखन-प्रक्रिया सामान्य पुस्तक लेखन प्रक्रिया से भिन्न होती है। सामान्य लेखन में लेखक अपने मतों को अपने दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत कर देता है। उसके लेखन के केंद्र में कोई निश्चित पाठक नहीं होता। अत: वह अपने मत को व्यक्तिगत रूप देकर लिखता है। इस लेखन की अपनी स्तरीयता के अनुरूप ही पाठक स्वयं तय हो जाते हैं।

अत: लेखक पाठ की सम्प्रेषणीयता से मुक्त होता है, किन्तु मुक्त विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री का निमार्ण सुनिश्चित पाठक के आधार पर होता है। इसलिए इसकी प्रक्रिया सरल भी होती है और ज्यादा वस्तुनिष्ठ भी। स्व-अध्ययन सामग्री का लेखन एक विशेष पद्धति (संवादात्मक ) पर होता है, इसलिए यह पद्धति व्याख्यात्मक पद्धति से भिन्न होती है। इन्हीं कारणों से जब स्व-अध्ययन सामग्री का निर्माण किया जाता है, तब इसके लेखन में विशेष सावधानी की आवश्यकता पड़ती ही है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय समय-समय पर बाह्य एवं आंतरिक विषय-विशेषज्ञों की सहायता से स्व-अध्ययन सामग्री निर्माण की कार्यशाला आयोजित करता रहता है, जिससे उच्च पाठ्यसामग्री निर्मित हो सके। इस प्रकार के पाठ्यसामग्री लेखन की कार्यशाला एवं प्रशिक्षण से एक तो विश्वविद्यालय की पाठ्यसामग्री उन्नत होती है तो दूसरे उनमें एकरूपता भी आती है।

**विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित अध्ययन सामग्री की रूपरेखा इस प्रकार है –**

| क्रम संख्या | विषय | विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित अध्ययन सामग्री |
|---|---|---|
| 1. | अंग्रेजी | सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री |
| 2. | हिन्दी | सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री |
| 3. | संस्कृत | सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री |
| 4. | ज्योतिष | सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री |
| 5. | उर्दू | बी0ए0 |
| 6. | संगीत | सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री |
| 7. | समाज कार्य | सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री |
| 8. | इतिहास | सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री |
| 9. | लोक प्रशासन | सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री |
| 10. | राजनीति विज्ञान | सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री |
| 11. | योग | सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री |
| 12. | गृह विज्ञान | सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री |
| 13. | पर्यटन | सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री |
| 14. | होटल मैनेजमेन्ट | डीएचएम & बीएचम |
| 15. | अर्थशास्त्र | सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री |
| 16. | शिक्षाशास्त्र | बी0ए0 व एम0ए0/ बी0एड0 (शिक्षाशास्त्र) एवं बी0एड0 (विशिष्ट शिक्षा) |
| 17. | लोक प्रशासन | सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री |
| 18. | जन्तु विज्ञान | सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री |
| 19. | रसायन विज्ञान | सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री |
| 20. | वनस्पति विज्ञान | सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री |
| 21. | भौतिकी | सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री |
| 22. | पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान | बी0 लिब0 |
| 23. | मनोविज्ञान | सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री |
| 24. | समाज शास्त्र | सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री |
| 25. | भूगोल | सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री |

**विषयवार अध्ययन सामग्री की सूची**

## 1.7 कार्यशाला/प्रयोगात्मक कार्यशाला/परियोजना कार्य

**1.7.1** मुक्त विश्वविद्यालयी शिक्षण पद्धति में ज्ञान तथा पाठ को सैद्धान्तिक रूप देकर ही छोड़ नहीं दिया जाता अपितु उसे व्यावहारिक निकष पर भी परखा जाता है। ज्ञान को व्यावहारिक रूप प्रदान करने के लिए मुक्त विश्वविद्यालय में समय-समय पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। कार्यशाला को एक प्रकार से हम

सैद्धान्तिक ज्ञान का व्यावहारिक परीक्षण या उपस्थापन के रूप में समझ सकते हैं। कार्यशाला आयोजन के पीछे मुख्य मत यह है कि छात्र द्वारा अध्ययन सामग्री के वाचन पश्चात उसके ज्ञान की व्यावहारिक उपस्थिति का पता लगाना। इन कार्यशालाओं में विश्वविद्यालय के शिक्षकों के अतिरिक्त बाह्य विषय-विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया जाता है, जिससे छात्र विषय को सैद्धान्तिक और व्यावहारिक रूप में ग्रहण करने की समुचित योग्यता धारण कर सके।

विज्ञान, शिक्षा, समाज कार्य, मनोविज्ञान, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पाठ्यक्रमों में कार्यशाला/प्रयोगात्मक कार्यशालाओं का प्रावधान किया गया है, जिससे विद्यार्थियों की प्रायोगिक समझ विकसित हो सके। इसके अतिरिक्त कुछ पाठ्क्रमों में परियोजना कार्य पाठ्यक्रम के अनिवार्य भाग के रूप में शामिल किया गया है, जिससे विद्यार्थी के प्रायोगिक/व्यावहारिक/शोधपरक ज्ञान में वृद्धि हो सके।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षण पाठ्यक्रम मुख्यालय, क्षेत्रीय केन्द्र तथा अध्ययन केन्द्रों की त्रिस्तरीय व्यवस्था द्वारा संचालित होते हैं। राज्य के विभिन्न भागों में स्थित 8 क्षेत्रीय केन्द्र विश्वविद्यालय द्वारा नियन्त्रित तथा निर्देशित होते हैं। प्रत्येक क्षेत्रीय केन्द्र अपने क्षेत्र में स्थित अध्ययन केन्द्रों और विश्वविद्यालय के बीच समन्वय तथा सक्रिय सहयोग की भूमिका निभाते हैं। अध्ययन केन्द्र, क्षेत्रीय कार्यालय तथा विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार छात्रों का प्रवेश, पाठ्य-सामग्री परामर्श तथा प्रयोगात्मक कार्य से सम्बन्धित सभी कार्यों का सम्पादन करते हैं। समस्त शिक्षण कार्यों का संचालन विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित अध्ययन केन्द्रों से ही होता है। इस समय विश्वविद्यालय में 121 अध्ययन केंद्र हैं।

## 1.8 निदेशालय, क्षेत्रीय सेवाएं (आर.एस.डी.)

विश्वविद्यालय मुख्यालय में क्षेत्रीय सेवा प्रभाग की स्थापना की गयी है। यह प्रभाग 8 क्षेत्रीय केन्द्रों एवं 121 अध्ययन केन्द्रों का नियमन एवं समन्वय करता है। यह अनुभाग क्षेत्रीय केन्द्रों एवं अध्ययन केन्द्रों के संचालन का सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक अनुप्रयोग स्थिर करता है। (देखें परिशिष्ट – XII & XIII)

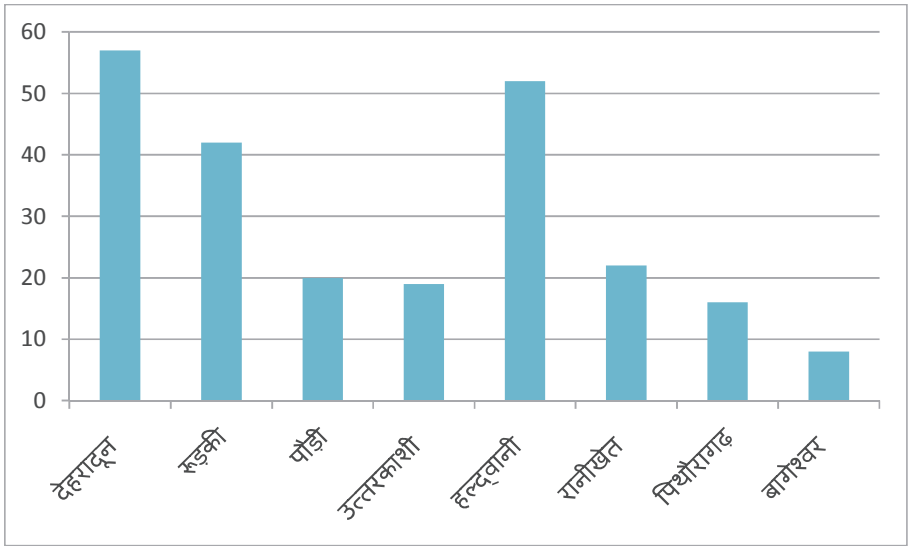


**क्षेत्रीय केन्द्रों की स्थिति**

## 1.9 क्षेत्रीय केन्द्र

क्षेत्रीय केन्द्रों का कार्य अध्ययन केन्द्रों एवं विश्वविद्यालय के बीच शैक्षिक पाठ्यक्रमों हेतु समन्वय स्थापित कर विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों को उत्तराखण्ड के दूर-दराज के क्षेत्रों तक पहुंचाना है। ये केन्द्र सामान्यतः भौगोलिक पहुंच एवं अध्ययन केन्द्रों की परिस्थिति के दृष्टिकोण से बीच की जगह में स्थापित किये गये हैं। ऐसे आठ क्षेत्रीय केन्द्र, जिसमें से चार गढ़वाल मण्डल में (देहरादून,रूड़की,पौड़ी एवं उत्तरकाशी) तथा चार कुमाऊँ मण्डल (रानीखेत, हल्द्वानी, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़) में स्थापित किये गये हैं। इन क्षेत्रीय केन्द्रों के अन्तर्गत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से शैक्षिक पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाता है।

## 1.10 अध्ययन केन्द्र

अध्ययन केन्द्र मुक्त विश्वविद्यालयी शिक्षण पद्धति की प्राथमिक इकाई हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय सेवा प्रभाग के द्वारा समुचित कार्यवाही के उपरान्त अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की जाती है। प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी सुविधानुसार अध्ययन केन्द्र चुनने की स्वतंत्रता होती है। छात्रों के प्रवेश के साथ साथ उनके लिए परामर्श सत्रों तथा प्रयोगात्मक कार्यों की व्यवस्था भी अध्ययन केन्द्रों द्वारा की जाती है। इन केन्द्रों के माध्यम से प्रत्येक छात्र अपने विश्वविद्यालय से निरन्तर जुड़ा रहता है।

छात्र हित के दृष्टिगत विश्वविद्यालय में दो आदर्श अध्ययन केन्द्र यूओयू मॉडल स्टडी सेन्टर 16000 एवं देहरादून स्थित मॉडल स्टडी सेन्टर 11000 भी स्थापित किये गये हैं, जिसकी सहायता से छात्रों के समस्याओं का निराकरण किया जाता है।

# 2. 2. शिक्षण: अधिगम एवं मूल्यांकन
## (Teaching: Learning and Evaluation)

### 2.1 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में वर्षवार छात्र संख्या

| क्र.सं. | शैक्षिक सत्र | छात्र संख्या |
|---|---|---|
| 1 | 2006-07 | 2776 |
| 2 | 2007-08 | 1898 |
| 3 | 2008-09 | 1503 |
| 4 | 2009-10 | 629 |
| 5 | 2010-11 | 7380 |
| 6 | 2011-12 | 13729 |
| 7 | 2012-13 | 21316 |
| 8 | 2013-14 | 22272 |
| 9 | 2014-15 | 23875 |
| 10 | 2015-16 | 33095 |
| 11 | 2016-17 | 40,281 |
| 12 | 2017-18 | 68,230 |
| 13 | 2018-19 | 56,014 |
| 14 | 2019-20 | 79355 |
| 15 | 2020-21 | 90253 |
| 16 | 2021-22 | 90601 |

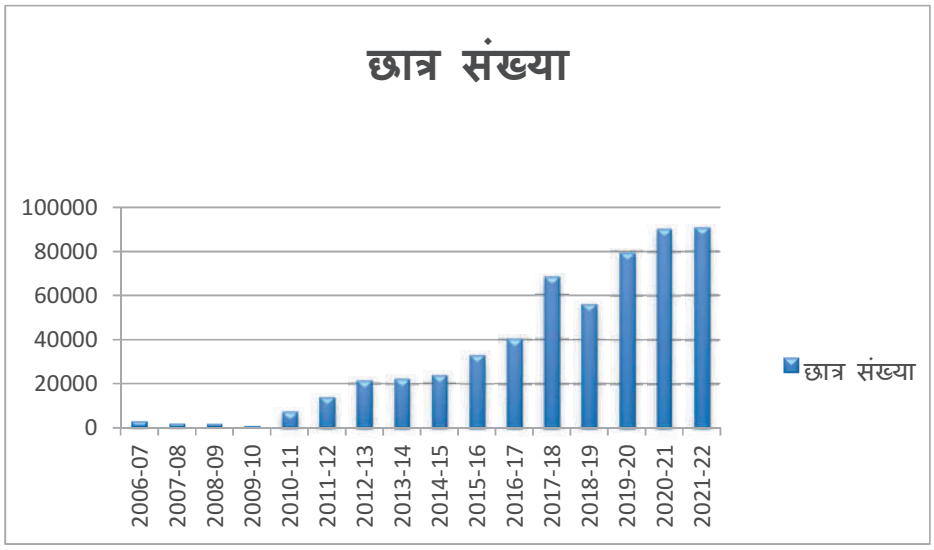


**वर्ष वार छात्रों की संख्या**

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की छात्र संख्या उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है। ऊपर दी गयी सारिणी में अवलोकन करने पर यह स्पष्ट हो रहा है कि जहाँ 2006-07 में हमारी छात्र संख्या महज 2776 थी, अब वर्ष 2021-22 में 90,601 पहुँच चुकी है। विकास की यह गति निरन्तर गतिमान है। UGC द्वारा विश्वविद्यालय को अन्य नवीन पाठ्यक्रमों की मिल जाने से छात्रों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है, भविष्य में भी इसकी अभिवृद्धि का अनुमान किया जा सकता है।

**सामान्य / दिव्यांग छात्र**

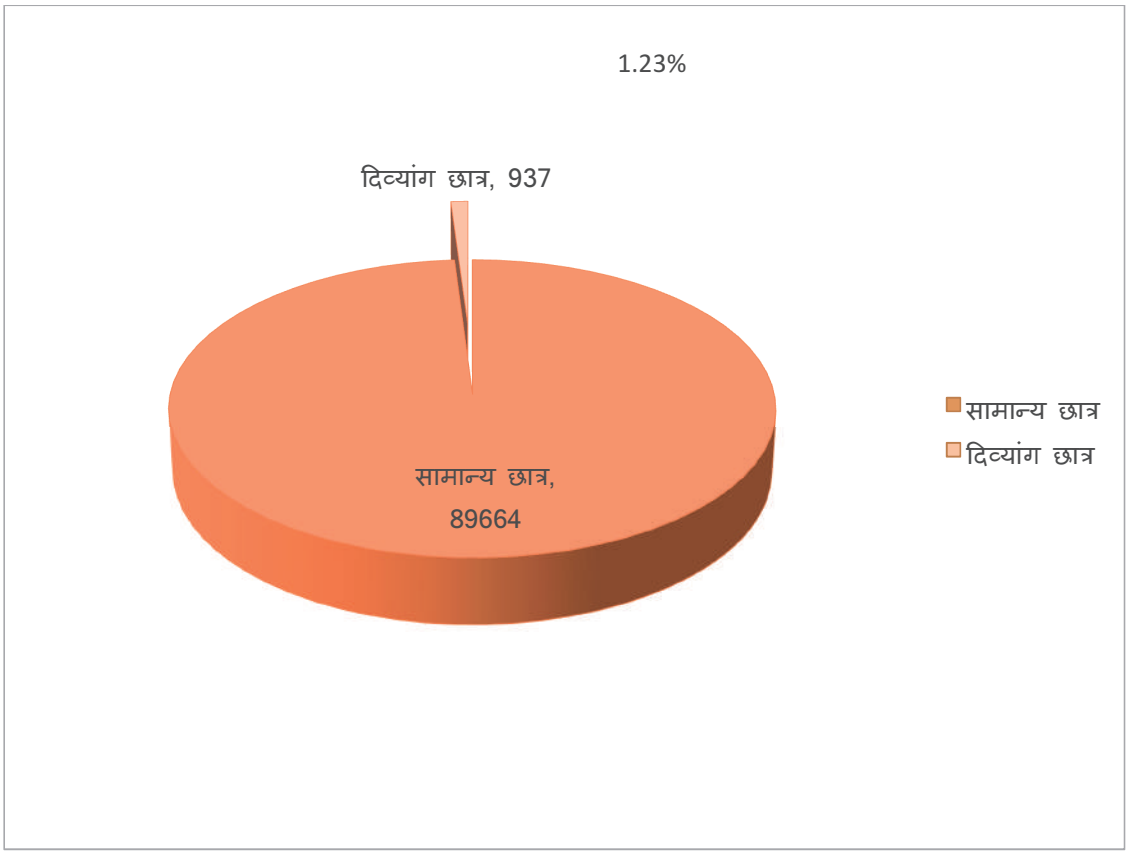


**सामान्य/ दिव्यांग छात्र वर्तमान परिस्थिति**

विश्वविद्यालय सामान्य छात्रों के साथ-ही-साथ दिव्यांग छात्रों के लिए भी कृतसंकल्प है। विश्वविद्यालय में पिछले वर्ष कुल 90,253 छात्रों में से 2324 दिव्यांग छात्र थे। सत्र 2021-22 में कुल 90,601 छात्रों में दिव्यांगों की संख्या 937 है, जो कि विगत वर्ष से कम है। कोई भी समाज नहीं चाहता कि उसके यहाँ अप्राकृतिक रूप से कोई व्यक्ति अपने अस्तित्व का निवर्हन करे। बावजूद इसके हमारा दायित्व है कि दिव्यांग छात्रों के प्रति अपनी संवेदनशीलता का परिचय दें। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने दिव्यांग छात्रों के लिए समय-समय पर विशेष कार्यशालाओं का आयोजन तो करता ही रहता है, साथ– ही-साथ अन्य मानवीय सहायता एवं सुविधा भी उपलब्ध

कराता है। विश्वविद्यालय का यह ध्येय है कि वह दिव्यांग छात्रों के भीतर आत्मविश्वास का संचार कर उन्हें इस योग्य बना दे, जिससे वह समाज की मुख्यधारा में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकें।

- **पुरूष एवं महिला छात्र**

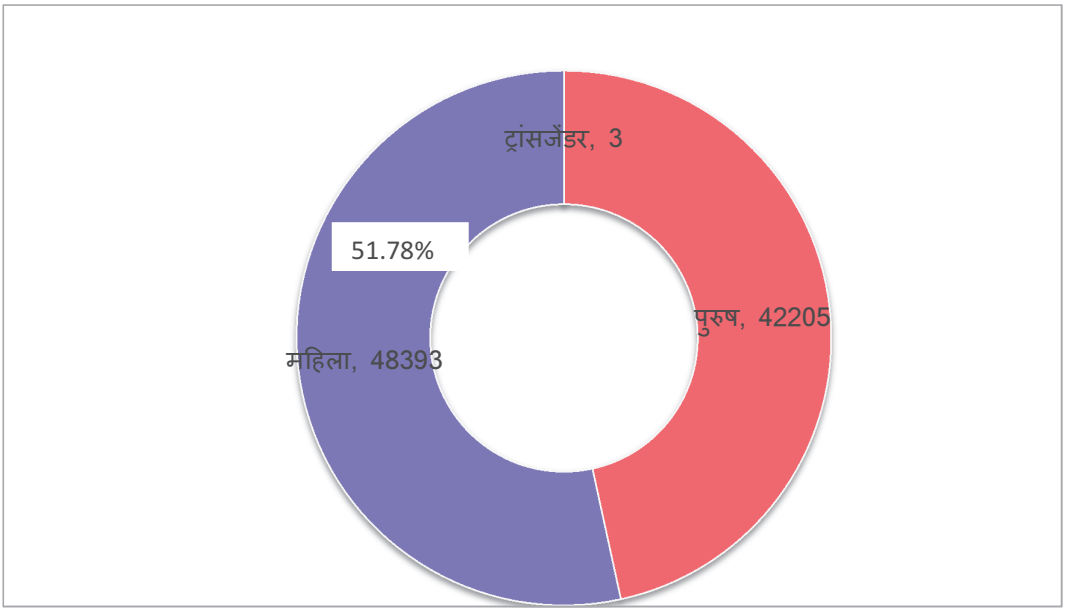


उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय पुरूष और महिला दोनों वर्गों के समान अधिकार व विकास का पक्षधर है। बावजूद हमने महिलाओं की सुविधा को विशेष रूप से दृष्टिगत रखा है। अपने महिला कर्मचारियों को ध्यान में रखते हुए हमने हमेशा उनको आगे रखा है। पुरूष और महिला छात्रों की संख्या में भी इसीलिए समानता है, बल्कि महिला छात्रों की संख्या पुरूषों की अपेक्षा कुछ ज्यादा ही है। वर्ष 2020-21 में 40648 छात्रों के मुकाबले 49600 छात्रायें थीं। इस वर्ष छात्राओं की संख्या में वृद्धि हुई है। सत्र 2021-22 में 42205 छात्रों के मुकाबले छात्राओं की संख्या 48393 हैं। विगत वर्ष के अपेक्षा इस वर्ष महिला छात्राओं की संख्या में थोड़ी कम वृद्धि हुई है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि हम छात्राओं के प्रति एक अनुकूल अध्यापन परिसर का निर्माण विकास करने में सफल रहे हैं।

- **जाति वर्गीकरण के आधार पर छात्र विभाजन**

Category-wise Numbers of Students

| Year | GEN. | SC | ST | OBC |
|---|---|---|---|---|
| 2012-13 | 16994 | 2095 | 508 | 3798 |
| 2013-14 | 16240 | 2062 | 537 | 3690 |
| 2014-15 | 16825 | 2348 | 744 | 4403 |
| 2015-16 | 28881 | 1375 | 717 | 2569 |
| 2016-17 | 26287 | 4022 | 1896 | 8076 |
| 2017-18 | 45995 | 7517 | 2707 | 12011 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 2018-19 | 37710 | 6523 | 2477 | 9304 |
| 2019-20 | 51911 | 10494 | 3972 | 12938 |
| 2020-21 | 57378 | 12285 | 4686 | 15838 |
| 2021-22 | 57263 | 12546 | 4333 | 16197 |

**वर्ष वार जाति वर्गीकरण के आधार पर छात्रों की संख्या**

किसी भी समाज का सर्वांगीण विकास तब तक संभव नहीं है, जब तक कि उस समाज के सभी वर्ग मुख्यधारा का हिस्सा नहीं बन जाते। भारतीय समाज का एक बड़ा अंतर्विरोध या विशेषता इसका जाति विभाजित समाज है। पूर्व की अपेक्षा आज हमारे समाज के सभी वर्गों की जातियाँ सामाजिक गतिशीलता में अपना योग दे रही हैं। एक अध्ययन परिसर के भीतर हमारा यह दायित्व है कि हम सभी वर्गों के लिए समान सुविधा व अवसर को विकसित कर सकें।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने समाज कल्याण विभाग की सहायता से अनुसूचित जाति व जनजाति जाति के शुल्क वापसी का प्रावधान भी नियत किया है। विश्वविद्यालय के समावेशी चरित्र ने सभी वर्ग के छात्रों में अपनी विश्वसनीयता निर्मित की है। पिछले सत्र में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में अन्य पिछड़ी जाति के 15838 छात्र थे, जबकि अनुसूचित जाति के 12285 एवं अनुसूचित जनजाति के 4686 छात्र नामांकित थे। इस वर्ष संख्या में वृद्धि हुई हैं। सत्र 2021-22 में पिछड़े छात्रों की संख्या 16197 हो गई है, जबकि अनुसूचित जाति के 12546 छात्र एवं अनुसूचित जनजाति के 4333 छात्र नामांकित हैं।

विश्वविद्यालय में जाति वर्गीकरण के आधार पर नीचे दिए गए चार्ट द्वारा वर्षवार छात्रों की स्थिति का अवलोकन किया जा सकता है।

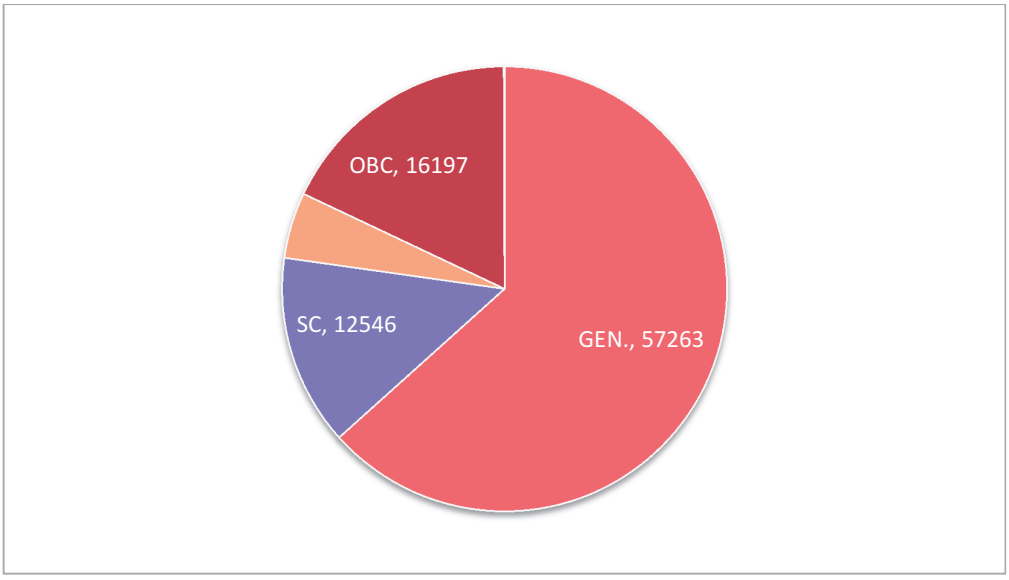

# 2.2 विद्याशाखाओं की अकादमिक गतिविधियाँ
## (SCHOOL-WISE ACADEMIC ACTIVITIES)

## मानविकी विद्याशाखा
### (SCHOOL OF HUMANITIES)

### ❖ अंग्रेजी विभाग

- डॉ. सुचित्रा अवस्थी द्वारा विभागीय छात्रों को परामर्श दिया गया एवं सत्रीय कार्य निर्मित कर ऑनलाइन अपलोड किये गयें तथा अन्य विभागीय कार्यों के साथ-साथ अंग्रेजी विषय के पुस्तकों का सम्पादन किया गया। इसके अतिरिक्त डॉ. अवस्थी द्वारा षष्ठ दीक्षान्त समारोह में प्रदत्त दायित्वों का निर्वहन भी किया गया।
- डॉ. नागेन्द्र गंगोला द्वारा अंग्रेजी विषय के स्नातक सम्बन्धित शिक्षार्थियों के लिए ऑडियो-विडिओ लेक्चर दिया गया और सेमेस्टर की पुस्तकों का सम्पादन भी किया गया।

### ❖ ज्योतिष विभाग

- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 6 जून 2021 को मानवाधिकार आयोग, (उत्तराखण्ड) एवं उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एकदिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में वक्ता के रूप में ''कोरोना में ज्योतिषीय चिन्तन'' विषय पर व्याख्यान दिया गया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा ज्योतिष-कर्मकाण्ड विभागीय छात्रों को परामर्श दिया गया तथा शिक्षार्थियों की ऑनलाइन कक्षायें ली गयी और ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड विषयक सत्रीय कार्यों का निर्माण कर वेबसाईट पर अपलोड भी किया गया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 12 जून 2021 को बी.ए. कर्मकाण्ड (तृतीय वर्ष) की प्रायोगिक परीक्षा ऑनलाइन माध्यम से सम्पन्न करायी गयी जिसमें 'आन्तरिक परीक्षक' के रूप में प्रतिभाग किया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा एम.ए. ज्योतिष के विद्यार्थियों के लिए गूगल मीट के माध्यम से पाठ्यक्रम से सम्बन्धित **'ऑनलाइन व्याख्यान'** दिया गया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा विश्वविद्यालय में NAAC मूल्यांकन के दृष्टिगत दो वर्षों (2019-20 एवं 2020-21) की वार्षिक प्रतिवेदन (Annual Report) का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा NAAC हेतु विभागीय सम्बन्धित सूचनाओं को एकत्र कर सम्बन्धित विभाग (CIQA) में प्रेषित किया गया।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के **ज्योतिष विभाग** तथा **'नमामि गंगे'** परियोजना के संयुक्त तत्वावधान में **''प्राच्य विद्या और पर्यावरण''** विषय को लेकर दिनांक 16 सितम्बर 2021 को ऑनलाइन के माध्यम से एकदिवसीय राष्ट्रिय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का शुभारम्भ दिवा 11:30 से भारतीय वैदिक सनातन परम्परा के अनुरूप मंगलाचरण के साथ आरम्भ हुआ। तत्पश्चात् समस्त समागत अतिथियों का स्वागत भाषण मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल जी के द्वारा किया गया। विषयोपस्थान कार्यक्रम समन्वयक एवं ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. नन्दन कुमार तिवारी के द्वारा किया गया। वस्तुत: यह वेबिनार दो सत्रों में आयोजित किया गया - प्रथम उद् घाटन सत्र और द्वितीय तकनीकी सत्र।

इस कार्यक्रम में भारतवर्ष के 15 राज्यों (उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखण्ड, राजस्थान, उडिसा, तमिलनाडु, दिल्ली, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, जम्मू, पंजाब, केरल तथा महाराष्ट्र) से 155 प्रतिभागियों द्वारा पंजीकरण कराया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी ऑनलाइन उपस्थित रहें।

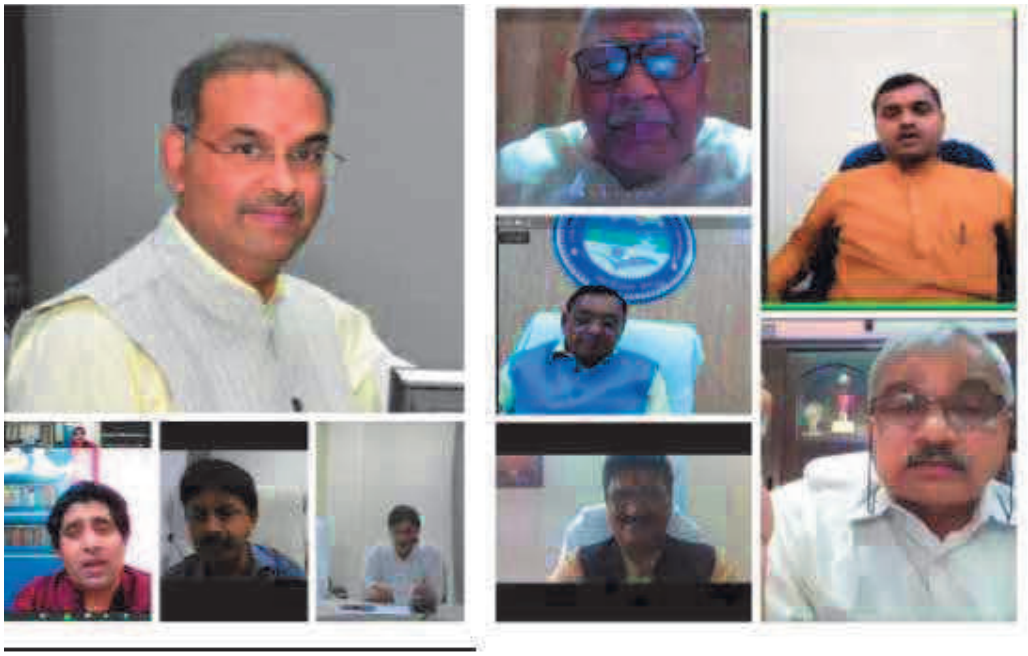

**दिनांक 16 सितम्बर 2021 को ज्योतिष विभाग द्वारा आयोजित एकदिवसीय राष्ट्रिय वेबिनार की छायाचित्र**

उद् घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी जी, कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने कहा कि प्राच्य विद्याओं का आधार लेकर पर्यावरण की संरक्षण कैसे की जाय? इस पर चिन्तन मनन करते हुए उसका व्यवहार में उपयोग करना चाहिये। ज्योतिष विज्ञान में भी पर्यावरण संरक्षण की अनेक विधाओं का उल्लेख प्राप्त होता है। वृक्षारोपण, जलाशय निर्माण, ऐसी वनस्पतियाँ जो मानव जीवन के लिए कल्याणकारी हो उसका संरक्षण अवश्य किया जाना चाहिये। साथ ही आपने 'नमामि गंगे परियोजना' के लिए कहा कि गंगा आस्था का प्रतीक है। सनातन परम्परा में इसकी महत्ता सर्वविदित है। भारतीय मूल ज्ञान-विज्ञान की परम्परा में 'गंगा' का सर्वोत्कृष्ट स्थान है। यह केवल एक बहती हुई नदी नहीं हैं अपितु प्रत्येक जीवों के लिए मोक्षदायिनी है। सृष्टि के

अन्त काल तक गंगा की धारा अक्षुण्ण रूप से प्रवाहित होते रहेगी। वर्तमान में इसकी स्वच्छता के दृष्टिगत भारत सरकार द्वारा 'नमामि गंगे परियोजना' की शुरूआत की गयी है।

सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर रामचन्द्र पाण्डेय, पूर्व अध्यक्ष एवं संकाय प्रमुख, ज्योतिष विभाग, BHU ने अपने वक्तव्य में कहा कि - 'गंगा' शब्द पर्यावरण का सूचक है। हमारी प्राच्य संस्कृति ने जो जीवन पद्धति दी है इसमें भूमि को माता तथा सभी जीव-जन्तु एवं वनस्पतियों में प्राणी ही नहीं, अपितु देवत्व का भाव भी प्रदर्शित किया है। हम वनस्पतियों का आवश्यकतानुसार उपयोग भी करते है परन्तु हम उनके प्रति आदर भाव भी रखते हैं। आपने पीपल वृक्ष को रोगनाशक बतलाया तथा अशोक वृक्ष को शोकनाशक। तुलसी, आम्रमंजरी, नीम आदि अनेक वृक्षों का महत्व प्रतिपादित करते हुए पर्यावरण संरक्षण में उसकी भूमिका क्या है? आपने इसे विस्तृत रूप से स्पष्ट किया।

उद् घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि प्रोफेसर विनय कुमार पाठक, कुलपति, छत्रपति साहूजी महाराज विश्वविद्यालय, (कानपुर) ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में स्थावर-जंगम-जड़-चेतन आदि सृष्टि की समस्त कोटियों से सम्बन्धित सभी इकाईयों को स्थान एवं काल के अनुसार उचित सम्मान देने की व्यवस्था है। यही संस्कृति है जो सर्वप्रथम विश्वबन्धुत्व और समस्त प्राणियों के कल्याण की कामना उन्मुक्त भाव से करती है –

सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे सन्तु निरामया:।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दु:ख भागभवेत्।।

आपने पर्यावरण संरक्षण की बात केवल तथ्यों तक सीमित रह जाने कि लिए नहीं कहा अपितु मानव जीवन में व्यावहारिक रूप में उसके क्रियान्वयन की भी बात की। गंगा को आपने अत्यन्त पवित्र बतलाया। जीवन के साथ-साथ मृत्योपरान्त भी गंगा प्राणिमात्र के लिए मोक्षदायिनी है। इसकी अविरल धारा सतत् प्रवाहित होती रहे इसीलिए 'नमामि गंगे परियोजना' की शुरूआत वर्तमान सरकार के द्वारा की गयी है। आप इस विश्वविद्यालय के द्वितीय कुलपति के रूप में भी अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं।

उद् घाटन सत्र में विषयोपस्थान के क्रम में कार्यक्रम समन्वयक एवं ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. नन्दन कुमार तिवारी ने कहा कि प्राच्य विद्या भारतवर्ष की अमूल्य व विपुल सम्पदा है जो इस देश की संस्कृति को अभिवृद्धि प्रदान करती है। प्राच्य विद्याओं का मूल स्रोत भगवान शिव है। प्राच्य विद्या के अन्तर्गत चतुर्दश (14) विद्याओं का उल्लेख प्राप्त होता है। वे हैं - चार वेद, छ: शास्त्र, मीमांसा, न्याय, पुराण और धर्मशास्त्र। कालान्तर में चार उपवेदों को जोड़कर 'अष्टादश विद्या' (18) की उत्पत्ति हुई। पर्यावरण संरक्षण में ज्योतिषशास्त्र के अन्तर्गत ऋषियों ने हमें अनेक वृक्षों का महत्व बतलाया है। पर्यावरण संरक्षण में ज्योतिष शास्त्र का क्या योगदान हो सकता है? गोमुख से गंगासागर पर्यन्त गंगा की धारा कैसे अक्षुण्ण रहेगी? कैसे गंगा मानव जीवन के लिए कल्याणकारी है? आदि इत्यादि विषय को विस्तारपूर्वक अपने विषयोपस्थापन में आपने बतलाया।

उद् घाटन सत्र में धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर एच.एस. नयाल, कुलसचिव, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।

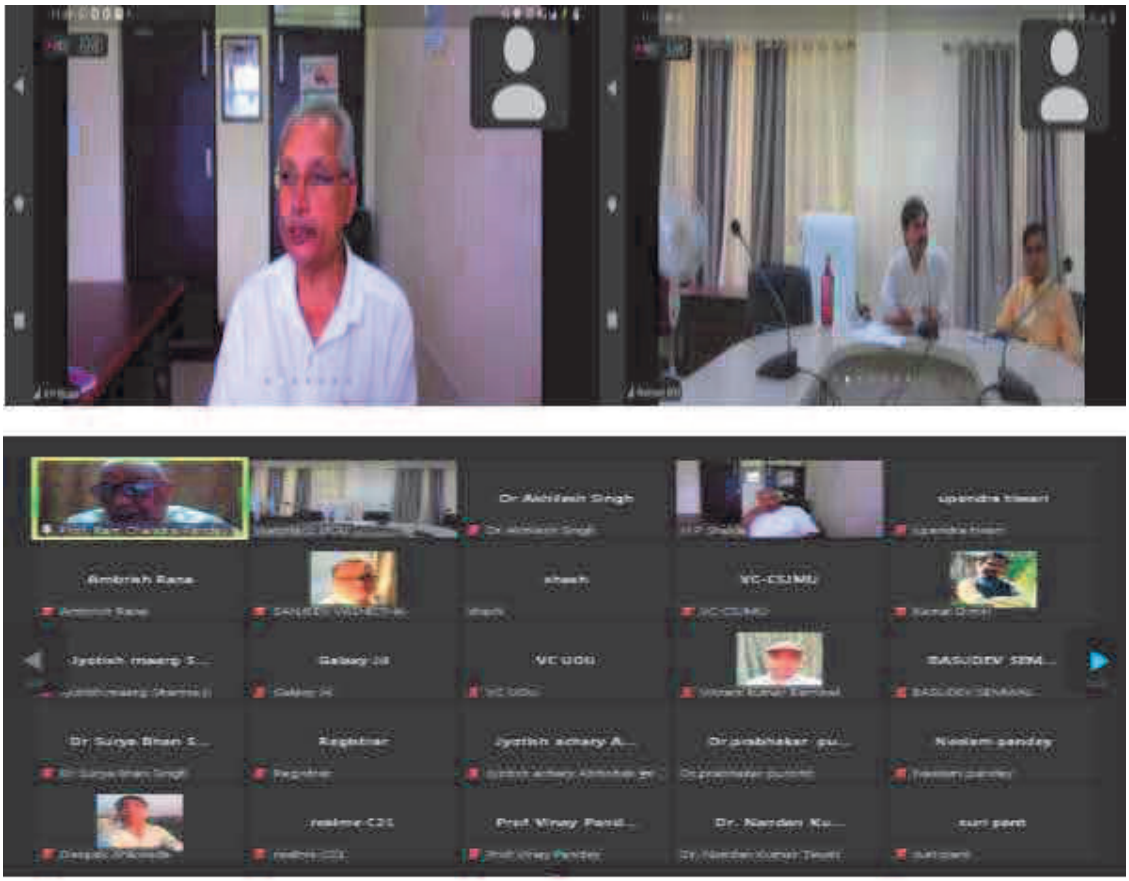


**16 सितम्बर 2021 को आयोजित ज्योतिष विभागीय राष्ट्रिय वेबिनार की छायाचित्र**

कार्यक्रम के द्वितीय व तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर देवीप्रसाद त्रिपाठी जी, कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार ने किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में आपने ज्योतिष शास्त्र को समस्त विज्ञान का मूल कहा। साथ ही आपने ज्योतिष को संस्कृत वांगमय का प्रौद्योगिकी भी बतलाया। आपने कहा कि पूर्वानुमान करने वाला प्रथम शास्त्र है - ज्योतिषशास्त्र। जितनी भविष्यवाणियाँ की जाती है उनका नाम है – पूर्वानुमान। आपने मानव जीवन में भाव की प्रधानता बतलाते हुए 'गंगा' को अत्यन्त पवित्र और मोक्ष प्रदान करने वाली बतलाया।

इस तकनीकी सत्र में तीन प्रमुख वक्ता उपस्थित थे।

प्रथम वक्ता के रूप में प्रोफेसर श्याम देव मिश्र, अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर ने कहा कि - माता भूमि: पुत्रोऽहं पृथिव्या:।। यह पृथ्वी हमारी माता है और हम सब इसकी सन्तान। इस भाव से यदि प्रत्येक मानव कार्य करें तो पर्यावरण अवश्य संरक्षित रहेगा। गंगा कभी दूषित नहीं होगी। गंगा पतितपावन है। सनातन परम्परा में इसे मोक्षदायिनी भी कहा जाता है। अपने वक्तव्य में आपने वेद, पुराण, उपनिषद, प्रकृति, एवं वृक्षों के महत्व को विस्तार से समझाया।

द्वितीय वक्ता के रूप में प्रोफेसर विनय कुमार पाण्डेय, निवर्तमान अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, BHU ने कहा कि हमें केवल तथ्यपरक या ज्ञानपरक बातें ही नहीं करनी चाहिये, वरन् जीवन में उसका क्रियान्वयन भी करना चाहिये, तभी

ज्ञान फलिभूत होगा। गंगा के महत्व को बतलाते हुए आपने ज्योतिषशास्त्रीय ग्रन्थ का उद्धरण देते हुए कहा कि गंगा शब्द के श्रवण मात्र से ही मानव को मोक्ष मिल जाता है। ज्योतिषशास्त्रानुसार काल निर्धारण कर यदि वृक्षों का रोपण करें तो नि:सन्देह ही हमें अनेक लाभ होगा।

**विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रोफेसर भारतभूषण मिश्र जी,** निदेशक एवं अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, मुम्बई परिसर ने कहा कि ज्योतिषशास्त्र हमारे प्राचीन ऋषियों की देन है। त्रिस्कन्ध ज्योतिष के महत्व को आपने विस्तृत रूप से अपने उद्बोधन में समझाया। मानव जीवन में पर्यावरण की क्या भूमिका है। इसे आपने विस्तार से समझाया। सोमवार के दिन मूल नक्षत्र एवं गुरू लग्न में हो तो वृक्षारोपण करना चाहिये। सृष्टि के संचालन में सूर्य का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान है। ब्रह्मस्थान में तुलसी पौधे का रोपण। आदि इत्यादि आपने अनेक विषयों का विधिवत् प्रतिपादन किया।

कार्यक्रम के अन्त में धन्यवाद ज्ञापन ज्योतिषविभागाध्यक्ष डॉ. नन्दन कुमार तिवारी ने किया तथा मंगलाचरण डॉ. प्रभाकर पुरोहित ने किया। इस अवसर पर ऑनलाइन प्रतिभागियों के साथ-साथ डॉ. सूर्यभान सिंह, डॉ. अखिलेश सिंह, विश्वविद्यालयीय अन्य शिक्षक गण, राजेश आर्या, विनीत पौडियाल आदि भी उपस्थित रहें।

- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 20 सितम्बर से 25 सितम्बर 2021 पर्यन्त आदेशानुसार विभिन्न परीक्षा सम्बन्धित केन्द्रों पर विश्वविद्यालय की परीक्षा ड्यूटी पूरी की गयी।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा बी.ए. ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड विषय के प्रथम व द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्यों को पूर्ण कर निर्धारित रूप में विश्वविद्यालयीय वेवसाइट पर अपलोड किया गया।
- दिनांक 23 दिसम्बर 2021 को ज्योतिष विभागीय शोध छात्र शशांक शर्मा एवं कमल डिमरी का शोध सलाहकार समिति (RAC) की बैठक का संयोजन किया।
- दिनांक 28 दिसम्बर 2021 को ज्योतिष विभागीय शोध छात्र शशांक शर्मा एवं कमल डिमरी का शोध उपाधि समिति (RDC) की बैठक दो बाह्य विषय विशेषज्ञ प्रोफेसद देवीप्रसाद त्रिपाठी तथा प्रोफेसर विनय कुमार पाण्डेय तथा कुलपति जी द्वारा नामित प्रोफेसर आर.सी. मिश्र, मानविकी विद्याशाखा के निदेशिका- प्रोफेसर रेनू प्रकाश तथा निदेशक- शोध एवं शोध निर्देशक डॉ. नन्दन कुमार तिवारी के द्वारा संयोजन कर सम्पन्न किया गया।

**दिनांक 28 दिसम्बर 2021 को आयोजित ज्योतिष विभागीय RDC की बैठक का छायाचित्र**

- वैदिक सृष्टि विज्ञान (CVC-20) पाठ्यक्रम सम्बन्धित इकाई लेखन कार्य।
- दिनांक 28 दिसम्बर 2021 को विश्वविद्यालयीय षष्ठ दीक्षान्त समारोह हेतु डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा मुख्यमन्त्री जी का उद्बोधन लिखा गया। साथ ही अन्य प्रदत्त दायित्वों का निर्वहन किया गया।
- दिनांक 18 जनवरी 2022 को ज्योतिष विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एवं विद्या भारती, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ''**राष्ट्रीय चेतना के शैक्षिक आधार**'' विषयक एकदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मंगलाचरण से हुआ तत्पश्चात् कुलगीत गान हुआ। अतिथियों का स्वागत मानविकी विद्याशाखा की निदेशिका प्रोफेसर रेनू प्रकाश जी ने किया। संगोष्ठी का विषयोपस्थापन संगोष्ठी के संयोजक एवं ज्योतिष विभाग के अध्यक्ष डॉ. नन्दन कुमार तिवारी जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उद् घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर गिरीश चन्द्र त्रिपाठी, (अध्यक्ष, उत्तरप्रदेश उच्च शिक्षा पिरषद् एवं पूर्व कुलपति BHU) रहे। आपने शिक्षा का मुख्य उद्देश्य चरित्र निर्माण करना बतलाया। आपने कहा कि राष्ट्रीय चेतना जाग्रत न हो तो राष्ट्र की भी अभिवृद्धि नहीं हो सकती। मुख्य वक्ता डॉ. शिव कुमार जी, अखिल भारतीय राष्ट्रीय मन्त्री, विद्या भारती नई दिल्ली रहे। आपने अपने वक्तव्य में कहा कि शिक्षा व्यक्तित्व का निर्माण करती है। गर्भ में ही शिशु का सातवें मास में चेतना जागृत हो जाता है और चेतना के अनुरूप ही मानव की अभिव्यक्ति भी होती है। संगोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी जी ने किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में आपने शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रीय चेतना में शिक्षा की क्या भूमिका है इस पर विस्तार से अपनी बात रखी।

  कार्यक्रम के तकनीकी सत्र के विशिष्ट वक्ता प्रोफेसर जंगबहादुर पाण्डेय ने कहा कि मनुष्य की मूलभूत चार आवश्यकता है – भोजन, वस्त्र, आवास एवं शिक्षा। शिक्षा से मानव का समग्र विकास होता है। मुख्य वक्ता प्रोफेसर विनय कुमार पाण्डेय, ज्योतिष विभागाध्यक्ष, BHU ने कहा कि सही शिक्षा मिलने से ही व्यक्तित्व का निर्माण होता है। शिक्षा के बिना राष्ट्रीय चेतना की कल्पना नहीं हो सकती। तकनीकी सत्र के अध्यक्ष प्रोफेसर देवीप्रसाद त्रिपाठी, कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार ने कहा कि राष्ट्रिय चेतना राष्ट्र के समग्र विकास में मूलाधार होता है। संचालन डॉ. सुनील त्रिपाठी एवं डॉ. प्रज्ञा दूबे ने किया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न 15 राज्यों से करीब 200 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया तथा करीब 100 प्रतिभागी ऑनलाइन Zoom app से जुड़े रहे। इस अवसर पर ज्योतिष विभाग के अध्यक्ष डॉ. नन्दन कुमार तिवारी, मानविकी विद्याशाखा के निदेशिका प्रोफेसर रेनू प्रकाश विभागीय अन्य अध्यापकों में डॉ. प्रमोद जोशी, डॉ. कैलाश चन्द्र भट्ट, डॉ. सूर्यभान सिंह, डॉ. अखिलेश सिंह, डॉ. नीरज कुमार जोशी, विभु काण्डपाल, हरीश गोयल, राजेश आर्या आदि उपस्थित रहें।

दिनांक 18 जनवरी 2022 को आयोजित ज्योतिष विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की छायाचित्र

- वैदिक सृष्टि विज्ञान (CVC-20) पाठ्यक्रम सम्बन्धित इकाई लेखन कार्य किया गया।
- दिनांक 24 फरवरी 2022 को ज्ञानभूमि के यूट्यूब एवं फेसबुक चैनल पर ''वैदिक शिक्षा परम्परा की सार्वकालिक उपादेयता'' विषयक व्याख्यान का संयोजकत्व एवं संचालन किया।

- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 12 मार्च 2022 को संस्कृतभारती पंजाब प्रान्त द्वारा आयोजित साप्ताहिकी विशिष्टव्याख्यानमाला के अन्तर्गत मुख्य वक्ता के रूप में ''प्रत्यक्षं ज्योतिषं शास्त्रम्'' विषय पर व्याख्यान दिया गया।

- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 21 से 27 मार्च पर्यन्त कार्यालय आदेशानुसार विश्वविद्यालय की परीक्षा में हरिद्वार, देहरादून, डाकपत्थर, सहिया, ऋषिकेश, रूड़की आदि परीक्षा केन्द्रों पर प्रदत्त कार्य दायित्वों का निर्वहन किया।
- विश्वविद्यालयीय बी.ए. तृतीय वर्ष ज्योतिष विषय के छात्र को अध्यापन कार्य किया।
- एम.ए. प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर ज्योतिष विषय के छात्रों को अध्यापन कार्य किया गया।

- डॉ. प्रमोद जोशी असिस्टेन्ट प्रोफेसर (AC) द्वारा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (भोपाल परिसर) द्वारा ऑनलाइन आयोजित ''वैवाहिक जीवन – समस्या एवं समाधान'' विषयक तीन दिवसीय (16,17,18 फरवरी 2022) सेमिनार में प्रतिभाग किया गया।
- ज्योतिषविभागः,केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः एकलव्यपरिसरः,अगरतला,त्रिपुरा। दिनांकः- 12.02.2022 को आयोजित एक दिवसीय बेबिनार में प्रतिभाग किया गया।
- विज्ञान दिवस पर आयोजित एक दिवसीय बेबिनार में प्रतिभाग किया गया।
- BAJY- 201 पुस्तक का सम्पादन कार्य किया।
- श्रीरघुनाथ कीर्तिपरिसर देवप्रयाग दो दिवसीय ज्योतिष शोधसंगोष्टी, दिनांक 4 ,5 मार्च में शोधपत्र वाचन किया, शोध पत्र का विषय (वास्तुशास्त्र में भूपरीक्षण)।

- केन्द्रीयसंस्कृत विश्वविद्यालय एकलव्यपरिसर अगरतला ,ज्योतिष विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय संगोष्टी विषय ( ज्योतिषशास्त्रे अनुसन्धानक्षेत्राणि ) में दिनांक 31 मार्च को प्रतिभाग किया।
- वैदिक कर्मकांड डिप्लोमा (DVK), चिकित्सा डिप्लोमा (DMA 101) तथा B.A तृतीय वर्ष के छात्रों को ऑनलाइन माध्यम से परामर्श दिया गया।
- डॉ. प्रभाकर पुरोहित - सहायक आचार्य (AC) द्वारा DMA-20 पाठ्यक्रम के दो इकाईयों का लेखन कार्य किया गया।
- दिनाक – 4/02/2022 को मुकुलारणय संस्कृत महाविद्यालय वाराणसी द्वारा आयोजित एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी , "संस्कृत सम्वर्धन में नई शिक्षा नीति की भूमिका" में प्रतिभाग किया।
- दिनाँक -09 /02 / 2022 से 15 फरबरी 2022 तक इन्द्रागांधी रास्ट्रीय मुक्त विश्व विद्यालय नई - दिल्ली के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित "सप्त दिवसीय आनलाईन पाठ लेखन कार्य शाला" में प्रतिभाग किया।
- दिनांक - 11/02/2022 को श्री लाल बहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई- दिल्ली द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "नई शिक्षा नीती के सन्दर्भ में उच्च शिक्षा" में प्रतिभाग किया।
- दिनांक - 28/02/2022 को आजादी के अमृत उतसव पर उत्तराखंड मुक्त विश्व विद्यालय हल्द्वानी द्वारा आयोजित "विज्ञान दिवस पर एक दिवसीय राष्टीय संगोष्टी" में प्रति भाग किया।

## ❖ संस्कृत विभाग

- 16/12/2021 गीता जयंती के अवसर पर संस्कृत विभाग द्वारा 'गीतोपदेश की व्यावहारिकता' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर ओ0 पी0 एस0 नेगी जी ने किया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत निदेशक प्रोफेसर रेनू प्रकाश जी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल, पूर्व निदेशक मानविकी विद्याशाखा ने गीता को Practical Philosophy बताया, साथ ही श्री अरविंद तथा श्रीकृष्ण प्रेम के विशद् व्याख्यात्मक दर्शन को प्रतिपादित किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर आर. सी. मिश्र जी ने बताया कि गीता का उद्देश्य मानव जीवन को स्थितप्रज्ञ से पूर्ण करना है। विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रोफेसर जया तिवारी, विशिष्ट वक्ता के रूप में वक्तव्य देते हुए डॉ देवेश मिश्र, इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय नई दिल्ली ने कहा कि इस पृथ्वी पर जितने भी शास्त्र उपलब्ध होते हैं उनका प्रमुख प्रयोजन व्यावहारिकता ही है। कार्यक्रम का संचालक एवं संयोजन डॉ नीरज कुमार जोशी ने किया इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी निदेशक गण, प्राध्यापक, प्रशासनिक अधिकारी, कुलसचिव, तथा डा. सूर्यभान सिंह, डॉक्टर राकेश रयाल, डॉ राजेंद्र सिंह क्वीरा, डॉ. नन्दन कुमार तिवारी, डॉ सुनील कुमार त्रिपाठी, डा. कैलाश चंद्र भट्ट. डॉ प्रमोद कुमार, प्रज्ञा दुबे, डॉ. प्रभाकर पुरोहित, डॉ भानु जोशी, द्विजेश उपाध्याय, जगमोहन परगाई, सहित 50 से अधिक प्रतिभागी मौजूद रहे।
- **<u>एकदिवसीय कार्यशाला—</u>**

  दिनांक 22 जनवरी 2022 को संस्कृत-ज्योतिष विभाग एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास उत्तराखण्ड प्रान्त के संयुक्त तत्वावधान में '**चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास में पंचकोशीय संकल्पना**'

विषयक अंतर्जालीय एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें। जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर ओ0 पी0 एस0 नेगी जी ने की कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत निदेशक प्रोफेसर रेनू प्रकाश जी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमान् अतुल भाई कोठारी जी, राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली रहे। मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफे0 मुरली मनोहर पाठक, कुलपति, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफे0 बिहारी लाल शर्मा, अध्यक्षचर ज्योतिष विभाग, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली रहे। साथ ही शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के विभिन्न गण मान्य जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजक/संचालक , डॉ देवेश मिश्र जी ने किया इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी निदेशक गण, प्राध्यापक, प्रशासनिक अधिकारी, कुलसचिव, सहित 80 से अधिक प्रतिभागी मौजूद रहे।

**कार्यशाला की छायाचित्र**

**संस्कृत विभाग की शोध सलाहकार समिति (RAC)**

- दिनांक 13-03-2022 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के संस्कृत विभाग मानविकी विद्याशाखा में पंजीकृत शोध छात्र श्री राकेश गुणवंत नामांकन संख्या 12025602 के शोधकार्य प्रस्ताव हेतु शोध सलाहकार समिति (RAC) की ऑनलाइन बैठक का आयोजन किया गया।
- डॉ. नीरज कुमार जोशी द्वारा विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य पर कामधेनु प्रकल्प उत्तराखंड, के तत्वावधान में योग और गाय विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी में प्रतिभाग किया गया।
- डॉ. नीरज कुमार जोशी द्वारा 3 विडिओ लेक्चर रिकॉर्ड (1. स्वर सन्धि 2. व्यंजन सन्धि 3. विसर्ग सन्धि) किया गया।

## ❖हिन्दी विभाग

- ❖ विभाग द्वारा विद्याथियों के लिए ऑफलाइन एवं ऑनलाइन परामर्श सत्रों का आयोजन किया गया।
- ❖ विभाग द्वारा विद्याथियों के लिए प्रयोगात्मक परीक्षा का आयोजन किया गया।

## ❖उर्दू विभाग

- उर्दू विषय में छात्रों का परामर्श सत्र आयोजन किया।
- मो. अशफाक शरीफ द्वारा लिखित वर्ष २०२१ में पुस्तक "कलीदी ख़ुत्बात" प्रकाशित हुई – ISBN NO.- : 8192761525 प्रकाशित हुयी।

- मो. अशफाक शरीफ द्वारा दिनांक ५ मार्च २०२२ को एक दिवसीय उर्दू राष्ट्रीय सेमिनार "अमीर खुसरो: हयात शाक्यियत और फन्नी जेहत" में पेपर प्रस्तुत किया गया।
- मो. अशफाक शरीफ द्वारा दिनांक २० मार्च २०२२ को एक दिवसीय उर्दू राष्ट्रीय सेमिनार "साहिर लुध्यानवी की शख्शियत और अदबी खिदमात" में पेपर प्रस्तुत किया।

## ❖ संगीत, नृत्य एवं कला प्रदर्शन विभाग

- विभाग द्वारा विद्याथियों के लिए ऑफलाइन एवं ऑनलाइन परामर्श सत्रों का आयोजन किया गया।
- विभाग द्वारा विद्याथियों के लिए प्रयोगात्मक परीक्षा का आयोजन किया गया।

# सामाजिक विज्ञान विद्याशाखा

## (SCHOOL 0F SOCIAL SCIENCES)

### इतिहास विभाग

- डॉ0 एम0एम0जोशी द्वारा विश्वविद्यालय की शीतकालीन सत्र 2021-22 के लिए विवरणिका सम्पादित की गई।

### राजनीति विज्ञान विभाग

- राजनीति विज्ञान विभाग में डॉ0 सूर्यभान सिंह द्वारा विभागीय छात्रों को परामर्श दिया गया तथा ऑनलाइन कक्षायें ली गयी।

### लोकप्रशासन विभाग

- लोक प्रशासन विभाग तथा राजनीति विज्ञान विभाग और विधि विद्याशाखा के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्जालीय एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "सशत्र सेनाओं का शौर्य :वीरगाथा" का आयोजन किया गया।

- दिनांक 05.03.2022 को लोक प्रशासन विभाग द्वारा MAPA(सेमेस्टर) और BAPA 2021-22 शीतकालीन सत्र के शिक्षार्तियों के लिए induction session का आयोजन किया गया।

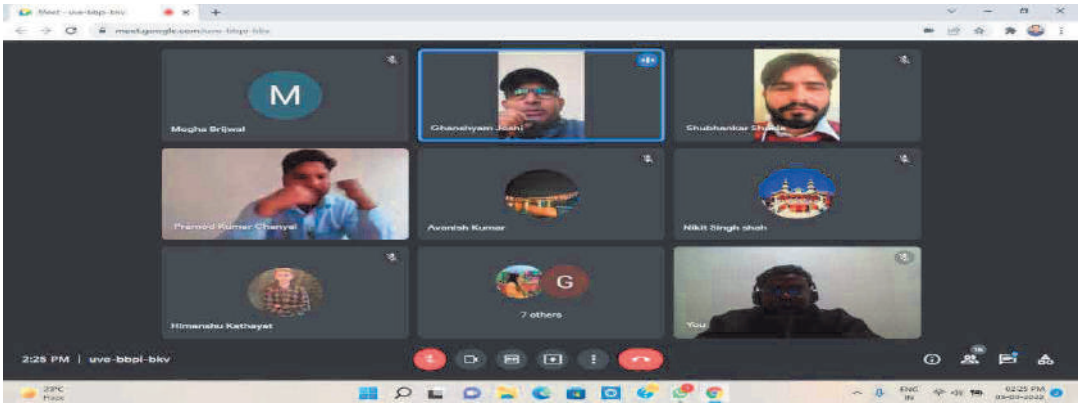


## मनोविज्ञान विभाग

- मनोविज्ञान विभाग द्वारा विभागीय छात्रों को परामर्श दिया गया तथा अन्य सम्बन्धित विभागीय दायित्वों का निर्वहन किया गया।

**अर्थशास्त्र विभाग**

- डॉ. शालिनी चौधरी द्वारा विभागीय छात्रों को परामर्श दिया गया तथा अन्य सम्बन्धित विभागीय दायित्वों का निर्वहन किया गया।

- **समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग**

1. राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर दिनांक 09 नवम्बर 2022 को **'उत्तराखण्ड की विकास यात्रा के दो दशक- एक परिचर्चा'** विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

2. मानविकी विद्याशाखा एवं समाज शास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 08.03.2022 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के सुअवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

## उमुविवि की कार्मिक कमला और रंजना सम्मानित

हल्द्वानी (एसएनबी)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित एक गोष्ठी में उमुविवि कुलपति प्रोफेसर ओपीएस नेगी ने उल्लेखनीय काम करने के लिए दो महिला कार्मिक कमला राठौर व रंजना जोशी को पुरस्कृत किया।

एक महिला कार्मिक को सम्मानित करते उमुविवि के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी।

इस गोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता प्रोफेसर गंगोत्री त्रिपाठी पूर्व संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा ने महिलाओं के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की जानकारी दी। इस मौके पर वित्त नियंत्रक उमुविवि आभा गर्खाल,संगोष्ठी की समन्वयक प्रो. रेनू प्रकाश निदेशक मानवकी विद्या शाखा, प्रबंधन व कॉमर्स विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर आरसी मिश्र, प्रभारी कुलसचिव प्रोफेसर पीडी पंत ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन डा. ज्योति रानी ने किया। कार्यक्रम के तकनीकी सत्रों का संचालन प्रोफेसर एके नवीन व प्रोफेसर पीडी पंत द्वारा किया। इस मौके पर विवि के विभि विद्या शाखा के प्रोफेसर एके नवीन, परीक्षा नियंत्रक प्रोफे सोमेश कुमार, डा. राकेश रयाल मौजूद रहे। संचालन में डा. कल्पना लखेरा, डा. विशाल, डा. गोपाल गोनिया, डा. प्रज्ञा, डा. आशुतोष भट्ट, डा. राकेश रयाल आदि ने सहयोग दिया।

- दिनांक 18-19 मई 2022 को 'महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीडन (रोकथाम, प्रतिषेध एवं निवारण) शीर्षक पर आंतरिक शिकायत समिति द्वारा दो दिवसीय महिला जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

**महिला जागरूकता कार्यक्रम की छायाचित्र**

3. प्रोफेसर रेनू प्रकाश के निर्देशन में कु.वि.वि. नैनीताल द्वारा 'शिक्षण व्यवसाय एवं शिक्षिकाएं (अल्मोडा नगर के माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षिकाओं का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन) शीर्षक पर शोधार्थी राखी को पीएच.डी की उपाधि प्रदान की गई।

4. प्रोफेसर रेनू प्रकाश के निर्देशन में कु.वि.वि. नैनीताल द्वारा 'सामाजिक परिवर्तन में मीडिया की भूमिका (अल्मोडा जनपद के द्वाराहाट विकासखंड के विशेष संदर्भ में एक समाजशास्त्रीय अध्ययन) शीर्षक पर शोधार्थी राधा को पीएच.डी की उपाधि प्रदान की गई।

## वाणिज्य एवं प्रबन्ध अध्ययन विद्याशाखा

**(SCHOOL OF MANAGEMENT STUDIES AND COMMERCE)**

### वाणिज्य विभाग

- डॉ0 गगन सिंह के द्वारा विभागीय छात्रों को परामर्श दिया गया तथा अन्य विभागीय कार्यों को सम्पादित किया गया।

**प्रबन्ध अध्ययन विभाग**

- डॉ. मंजरी अग्रवाल द्वारा पाठ्यसामग्रियों का सम्पादन कार्य, विभागीय छात्रों को परामर्श दिया गया तथा अन्य विभागीय कार्यों को सम्पादित किया गया।
- डॉ. सुमित प्रसाद द्वारा विभागीय छात्रों को परामर्श दिया गया तथा अन्य विभागीय कार्यों को सम्पादित किया गया।

# विज्ञान विद्याशाखा
## (SCHOOL OF SCIENCE)

## विज्ञान विद्याशाखा के द्वारा आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशाला एवं प्रयोगात्मक परीक्षाओं का विवरण –

### जन्तु विज्ञान विभाग (Department of Zoology)

1.जंतु विज्ञान विभाग द्वारा 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 के मध्य जंतु विज्ञान विषय की कार्यशाला दो बार आयोजित की गई जिसमें वर्ष जून 2021 में ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

2. माह दिसंबर वर्ष 2021 में जंतु विज्ञान विभाग द्वारा एसजीआरआर पीजी कॉलेज देहरादून, एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी, बीजीआर केंपस पौड़ी तथा एल एस एन पी जी कॉलेज पिथौरागढ़ में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

**जन्तु विज्ञान विभागीय कार्यशाला की छायाचित्र**

- जंतु विज्ञान विभाग द्वारा M.Sc I and M.Sc II Semester की अध्ययन सामग्री का निर्माण किया गया।

### ❖ भौतिकी विज्ञान विभाग -

- विभागीय शिक्षक द्वारा ऑनलाइन छात्रों को परामर्श दिया गया तथा अन्य प्रदत्त दायित्वों का निवर्हन किया गया। ऑनलाइन विभागीय कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

### ❖ रसायन विज्ञान विभाग

- विभागीय शिक्षक द्वारा ऑनलाइन छात्रों को परामर्श दिया गया तथा अन्य प्रदत्त दायित्वों का निवर्हन किया गया। ऑनलाइन विभागीय कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

### ❖ वनस्पति विज्ञान विभाग

- विभागीय शिक्षक द्वारा ऑनलाइन छात्रों को परामर्श दिया गया तथा अन्य प्रदत्त दायित्वों का निवर्हन किया गया। ऑनलाइन विभागीय कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

# पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा

## (SCHOOL OF EARTH AND ENVIRONMENTAL SCIENCE)

पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा के द्वारा ऑनलाइन ग्रीष्मकालीन एवं शीतकालीन प्रयोगात्मक कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

**वानिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा विभिन्न केन्द्रों में आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशालाओं के कुछ अंश**

# कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा

## (School of Computer Science and Information Technology)

- Dr. Ashutosh Bhat, Associate Professor- Computer Science, presented paper(Online/Virtual) entitled "Thoracic Disease Detection using Deep Learning" in 5th International Conference on Computing Methodologies and Communication", Organized by Surya College of Engineering, Erode, Tamil Naudu on April 8, 2021.
- Dr. Jeetendra Pande authored a chapter entitled "Experimenting with Online Learning at Uttarakhand Open University" in a book entitled Student Satisfaction with Open Distance Learning: Experiences of Open Universities published by Commonwealth Educational Media Centre for Asia (CEMCA). ISBN: 978-81-88770-39-7
- Dr. Jeetendra Pande interacted with the learners enrolled in the MOOC entitled "Development of Online Course for SWAYAM" hosted by Netaji Subhash Open University, Kolkata as a panellist.
- The MOOC developed by Dr. Jeetendra Pande entitled "Introduction to Cyber Security" hosted by SWAYAM completed the 4$^{th}$ cycle with 14, 650 enrolments.
- Dr. Ashutosh Bhatt submitted a project proposal for SWYAM PRABHA CHANNEL-20 Video recording for the BCA-17, "Programming in Java" in Indra Gandhi National Open University.
- Dr. Ashutosh Bhatt submitted a project proposal entitled "Apple quality Assessment to check adulteration layer using smart sensing technique and internet of thing", Reference No. 182021002035, SCIENCE & ENGINEERING RESEARCH BOARD (SERB), DST, Govt of India, New Delhi under Core Research Grant.

- School of Computer Science & IT conducted Expert Committee and Board of Studies Meeting on 14 and 15 June, 2021 respectively 2. Review the course structure, credits and syllabus of Masters of Computer Applications(?MCA), PG Diploma in Computer Applications(PGDCA), etc. in view of AICTE ODL regulation, 2021.

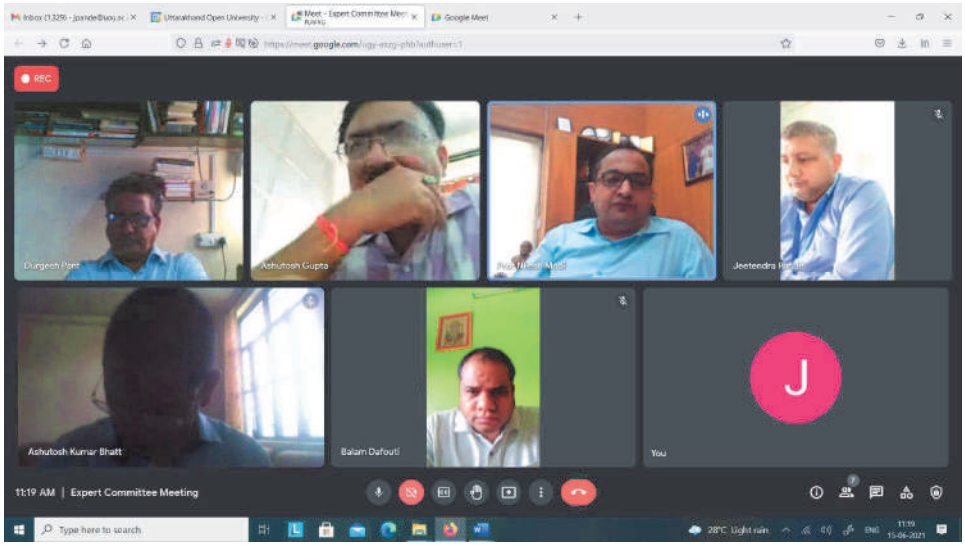


Figure 1: Expert Committee meeting

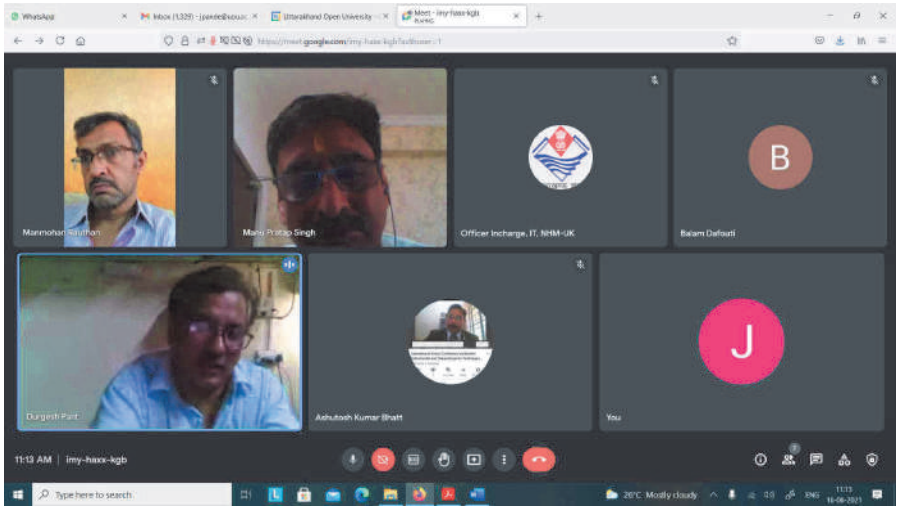


Figure 2: Board of Studies Meeting

- School of Computer Science & IT conducted a 2-week Faculty Development Program on "Developing Online Courses for SWAYAM" from 21st June, 2021. This course is offered through the UOU's Moodle based platform. UOU announces the courses details in the University website, Social Media platforms like Facebook, Linkedin, etc. and invited the participants for registration through google form. After removing the duplicate entries, total **1476 participants registered** for the FDP program. To facilitate the registration on the course

portal, the organizers created the login for the participants and the credentials were sent to them along with instruction through registered email. around **750 participants**(more than 50%) are actively participating in course activities. A live discussion forum was also conducted through ZOOM on 26 June at 18:00 Hrs were more than 200+ participants actively participated and their queries were resolved by the expert Mr. Manas, Dr. Mythali, Prof. Anirban, Mr. Ashish, Prof. Durgesh Pant and Dr. Jeetendra Pande.

**Figure 3: Hon'ble VC addressing the participents**

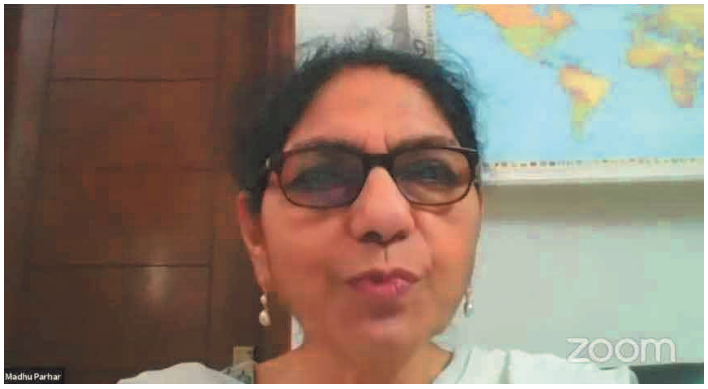

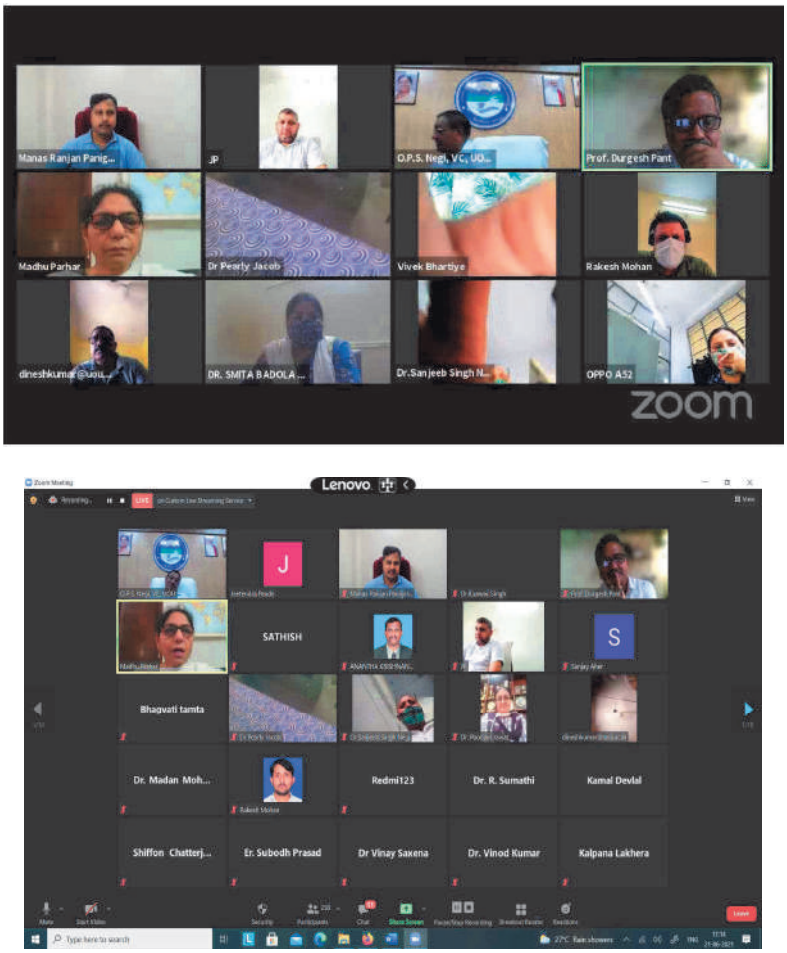


Figure 4: Inaugural Session

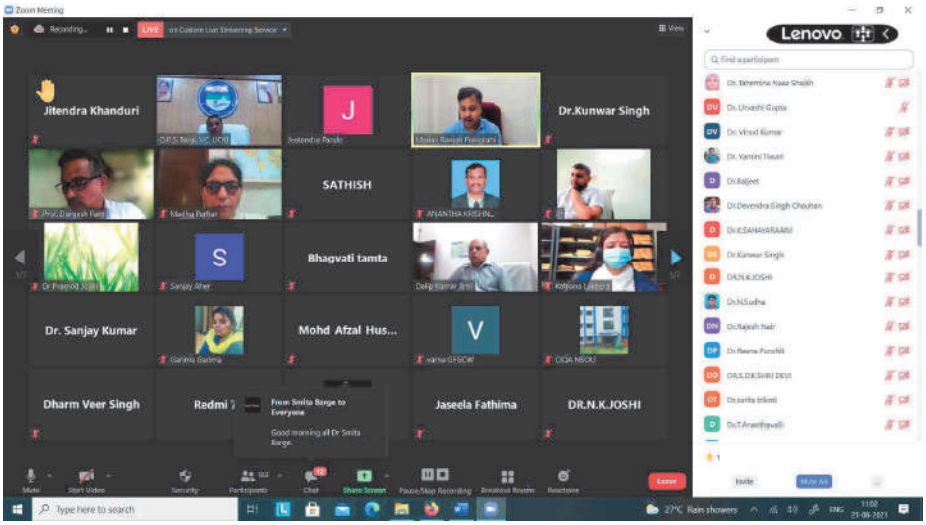

Figure 5: Live session on 26 June at 18:00 Hrs

- Dr. Jeetendra Pande, Associate Professor- Computer Science is nominated as a member of OER drafting committee of Indra Gandhi National Open University, New Delhi.
- Dr. Jeetendra Pande, Associate Professor- Computer Science is nominated as a member of Expert Committee to design and develop the syllabus and course structure of Master of Information Security program offered by School of Vocational Studies, IGNOU. He attend the expert committee meeting held on 18th June, 2021 through online mode.

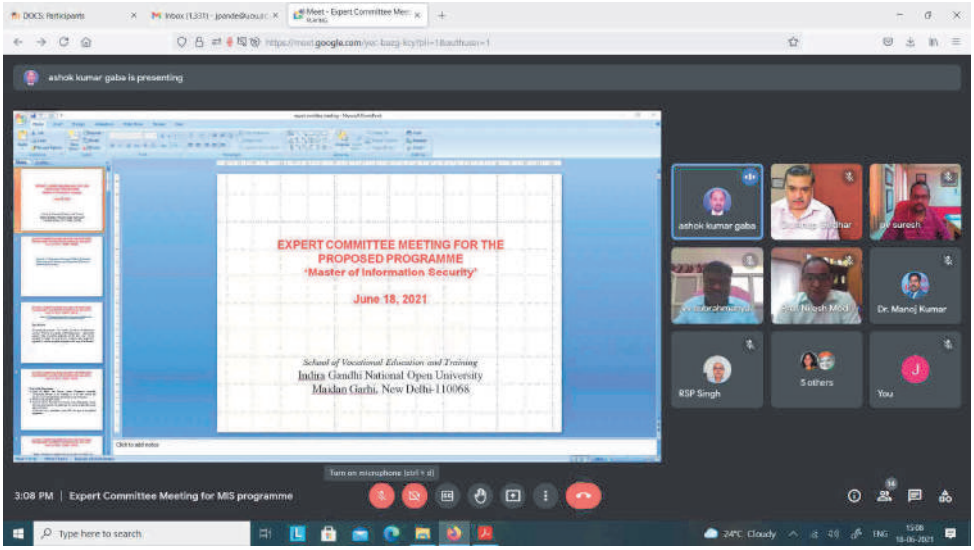


- Dr. Jeetendra Pande, Associate Professor- Computer Science contributed a chapter "Role of OERs in bringing down the cost of Education at Uttarakhand Open University" in a book entitled "Best Practices in Open and Distance Education: Case Studies from Commonwealth Countries" Published by Commonwealth Educational Media Centre for Asia, New Delhi, 2021 ISBN: 978-81-88770-41-0

- Prof. Durgesh Pant, Director- School of Computer Science & IT and Dr. Ashutosh Bhatt, Associate Professor -Computer Science co-authored a research paper entitled “Soil Quality Prediction for Determining Soil Fertility in Bhimtal Block of Uttarakhand using Machine Learning", published in International Journal of Analysis and Application, ISSN: 2291-8639, Volume-19(1), pp 91-109, DOI: 10.28924/2291-8639-19-2021-91.
- Project granted to Dr. Ashutosh Bhatt, Associate Professor -Computer Science by SWYAM PRABHA CHANNEL-20 for Video recording of the subject “Programming in Java” BCA-17, funded by SWYAM PRABHA CHANNEL-20, Indira Gandhi National Open University.
- The Book proposal entitled “Artificial Intelligence for Societal Development and Global Well-Being,” submitted by Dr. Ashutosh Bhatt, Associate Professor -Computer Science is accepted under the IGI Global, Hershey, Pennsylvania 17033-1240, USA.

- Dr. Ashutosh Bhatt, Associate Professor- Computer Science published a paper entitled “**Automated Fruit Grading using Optimal Feature Selection and Hybrid Classification by Self Adaptive- Chicken Swarm Optimization: Grading of Mango**”, (Aug, 2021), Neural Computing and Applications, manuscript number, NCAA-D-20-02831R1, Springer Nature, Scopus Indexed, ***(Web of Science/SCIE)***.
- Dr. Ashutosh Bhatt, Associate Professor- Computer Science delivered an Expert Talk in a 1 week Faculty Development Programme on “Advances of Artificial Intelligence and Machine Learning in Societal Development” under AICTE Training & Learning (ATAL) academy from 16/08/2021 to 20/08/2021, organized by Uttarakhand Open University.
- Dr. Ashutosh Bhatt, Associate Professor- Computer Science organized 1 week Faculty Development Programme on “Advances of Artificial Intelligence and Machine Learning in Societal Development” under AICTE Training & Learning (ATAL) academy from 16/08/2021 to 20/08/2021, organized by Uttarakhand Open University.
- Mr. Parth Gautham, Assistant Professor (AC) attended five days FDP on “Advances of Artificial Intelligence and Machine Learning in Societal Development” under AICTE Training & Learning (ATAL) academy from 16/08/2021 to 20/08/2021, organized by Uttarakhand Open University, Haldwani.
- Prof. Durgesh Pant Professor- Computer Science delivered an Expert Talk in a 1 week Faculty Development Programme on “Advances of Artificial Intelligence and Machine Learning in Societal Development” under AICTE Training & Learning (ATAL) academy from 16/08/2021 to 20/08/2021, organized by Uttarakhand Open University.
- Dr. Jeetendra Pande, Associate Professor- Computer Science delivered an Expert Talk in a 1 week Faculty Development Programme on “Advances of Artificial Intelligence and Machine Learning in Societal Development” under AICTE Training & Learning (ATAL) academy from 16/08/2021 to 20/08/2021, organized by Uttarakhand Open University.
- Dr. Jeetendra Pande, Associate Professor- Computer Science delivered an Expert Talk in an Online Faculty Development Programme (FDP) on “Harnessing Potential of Online Learning in Higher Education" organized by COE, IGNOU during 2 - 6 August 2021 under the ATAL-FDP Scheme.
- Dr. Jeetendra Pande, Associate Professor- Computer Science organized a 4-week online training program on Digital Forensics. The detailed report is attached.
- Dr. Ashutosh Bhatt, Associate Professor- Computer Science delivered an Expert Talk on “Application of Machine Learning for Conservation of Cultural Heritage” under the Webinar on ‘Cultural Informatics: Special Reference to Uttarakhand’ organized by Uttarakhand Open University on Sep 10, 2021.
- Dr. Ashutosh Bhatt, Associate Professor- Computer Science delivered an Expert Talk on “Informal /Formal Learning Through SWAYAM” under the Refresher Course in Commerce &

Management organized by UGC-Human Resource Development Centre (UGC-HRDC) Kumaun University, Nainital (Uttarakhand) from 13 September 2021– 27 September 2021.

- Dr. Ashutosh Bhatt, Associate Professor- Computer Science participated in one day National Webinar on "Nation Education Policy 2020 and Social Work Profession: with Special Reference to National Council of Social Work Education Bill 2021" on 31st July 2021 Organized by Uttarakhand Open University & Central Zone of NCSWE-Uttarakhand Chapter.
- Dr. Jeetendra Pande, Associate Professor- Computer Science delivered an Expert Talk on "Can Virtual Reality play an important Role in protecting the Cultural Heritage of Uttarakhand?" under the Webinar on 'Cultural Informatics: Special Reference to Uttarakhand' organized by Uttarakhand Open University on Sep 10, 2021.
- Dr. Jeetendra Pande, Associate Professor organized a 2-week FDP program on "Development of Online Courses for SWAYAM" from 14-28, September 2021 in collaboration with CEMCA. The detailed report is attached.
- स्कूल ऑफ कंप्युटर साइंस एवं आईटी द्वारा दिनाँक 16 नवंबर 2022 को प्रातः 11 बजे अनलाइन माध्यम से से इन्डक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसमें mca , msc , bca ,dca dit ,cegcs एवं cca प्रोग्राम के विधयार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया|
- Dr. Jeetendra Pande Associate Professor- Computer Science co-authored a research paper in a SCOPUS indexed journal. The details are as follows:
  Gunwant, S., Pande, J., & Bisht, R. J. (2022). A systematic study of the literature on career guidance expert systems for students: Implications for ODL. Journal of Learning for Development, 9(3), 492-508.
- Dr. Ashutosh Kumar Bhatt, Associate Professor- Computer Science worked as organizing secretary in the National Conference on Agriculture, Applied and Life Sciences: Current Research, on 18-19 Nov, 2022 at Uttarakhand Open University, Haldwani in association of PLANTIGA Association of Plant Science Resercher, Dehradun.
- Dr. Ashutosh Kumar Bhatt, Associate Professor- Computer Science delivered an Expert Talk under the Online Refresher Course in Commerce & Management organized by UGC-Human Resource Development Centre (UGC-HRDC) Kumaun University, Nainital (Uttarakhand) from 30 Nov 2022.
- Dr. Jeetendra Pande, Associate Professor- Computer Science filed the international patent in Germany.

Bundesrepublik Deutschland

**Urkunde**

über die Eintragung des
Gebrauchsmusters Nr. 20 2021 106 118

Bezeichnung:
Ein System zur Entwicklung von Selbstlernmaterial (SLM) unter Verwendung offener Bildungsressourcen (OER)

IPC:
G06Q 50/20

Inhaber/Inhaberin:
Pande, Jeetendra, Dr., Haldwani, IN

Tag der Anmeldung:
09.11.2021

Tag der Eintragung:
08.12.2021

Die Präsidentin des Deutschen Patent- und Markenamts

Cornelia Rudloff-Schäffer

München, 08.12.2021

- Dr. Jeetendra Pande, Associate Professor- Computer Science filed the international patent in Germany.

Bundesrepublik Deutschland

**Urkunde**

über die Eintragung des
Gebrauchsmusters Nr. 20 2021 106 118

Bezeichnung:
Ein System zur Entwicklung von Selbstlernmaterial (SLM) unter Verwendung offener Bildungsressourcen (OER)

IPC:
G06Q 50/20

Inhaber/Inhaberin:
Pande, Jeetendra, Dr., Haldwani, IN

Tag der Anmeldung:
09.11.2021

Tag der Eintragung:
08.12.2021

Die Präsidentin des Deutschen Patent- und Markenamts

Cornelia Rudloff-Schäffer

München, 08.12.2021

- Research Advisory Committee Meeting was held on 15th and 24th Jan., 2022 in online mode. Mrs. Shilpa Gunwant, Mr. Santosh Kumar attended and presented on 15th Jan. and Mr. Balam Singh Dafouti attended and presented on 24th Jan., 2022. The members of the RAC provided valuable feedback to the research scholars on the progress report presented by the research scholars for the last 6 months.
- Dr. Jeetendra Pande attended a radio talk on “Introduction to OERs” on 04 Jan., 2022 organized by Community Radio Station at Uttarakhand Open University.

- Dr. Jeetendra Pande and Dr. Ashutosh Kumar Bhatt attended 3 days works for finalization of UG syllabus under NEP 2020 organized by Kumoun University, Nainital from 06-08 Jan., 2022.
- School of Computer Science & IT conducted online counselling sessions on 7th, 13th, 20th and 27th Jan., 2022 for the learners of MCA, MSc(IT), MSc(Cyber Security), BCA, DIT, CEGCS and CCA programs.

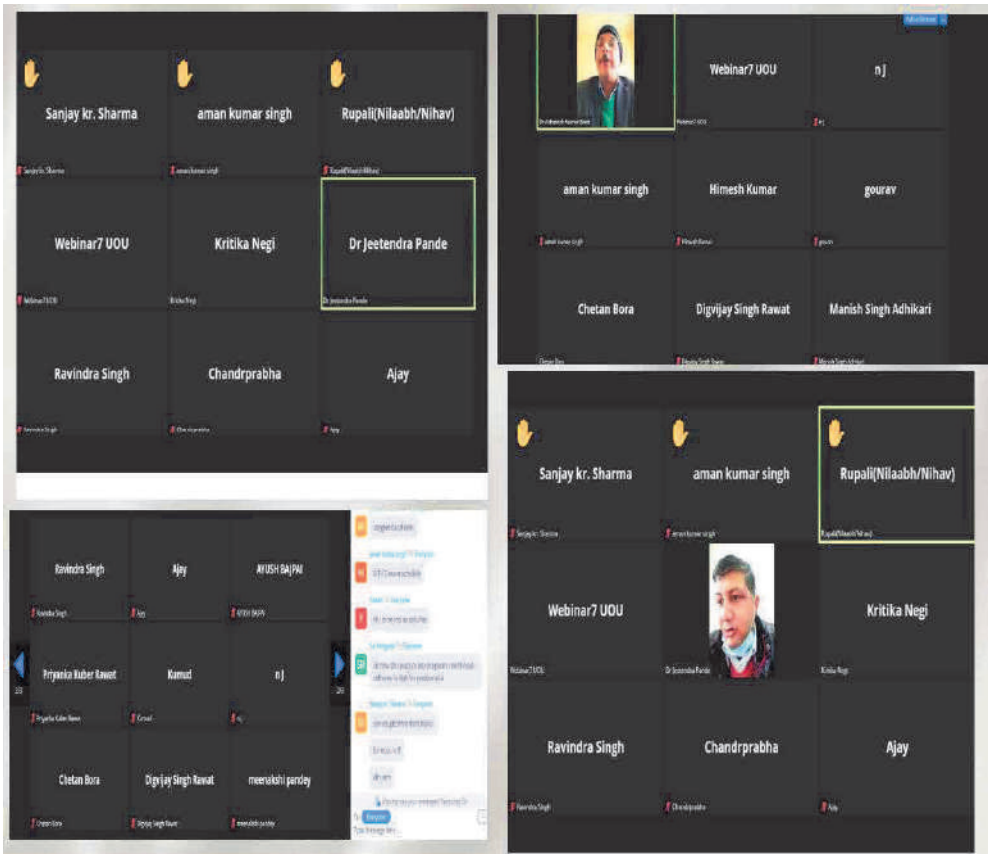


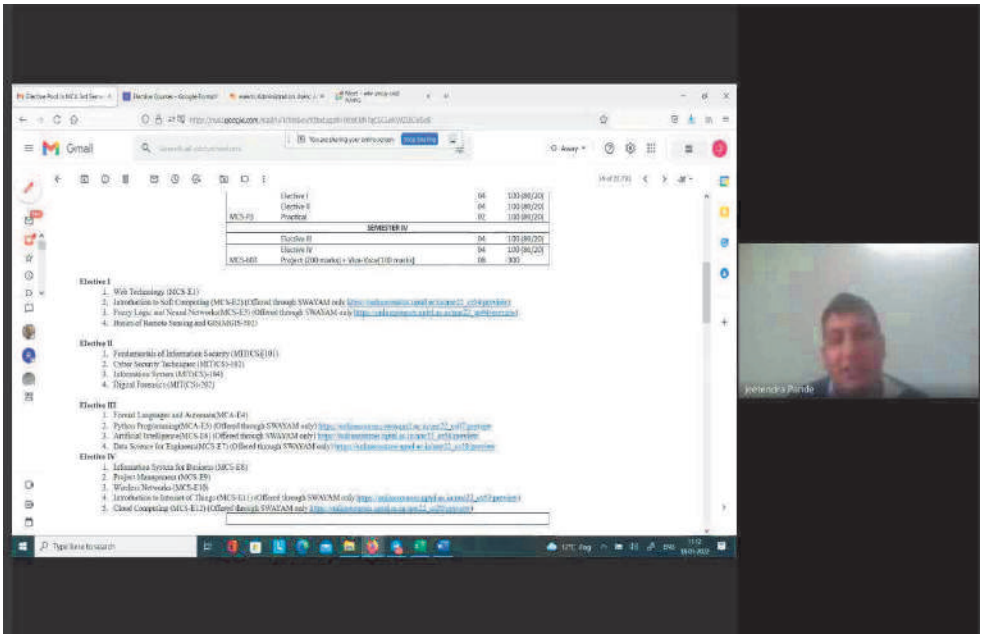

- Dr. Parth Gautam 24 फेब्रुअरी, 2022 को स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परामर्श सत्र में "Introduction to Software Engg." विषय पर एक चर्चा की|
- Dr. Parth Gautam 18 फेब्रुअरी, 2022 को स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में परामर्श सत्र "Online Pre-admission Counselling for MCA Program" को संचालित किया |
- Dr. Parth Gautam 03, 10 और 17 फेब्रुअरी, 2022 को स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में परामर्श सत्रों का संचालित किया |
- Dr. Parth Gautam 26 फेब्रुअरी, 2022 को MIET Kumaon हल्द्वानी द्वारा आयोजित "Role of innovation Technology for Rural Development" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में " DHAM Model for Remote and Hilly Villages in Uttarakhand" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- Balam Dafauty by Successfully Completed Five Days online Faculty Development Program on "Data Analytics for Research" from 27th June 2022 to 1st July 2022 organized by Amity School of Economics, Amity University - Uttar Pradesh, Greater Noida
- Balam Dafauty by Participated and Presented a Research paper on "Comparison of MOOC Platforms in India" in International e-Learning Conference, organized by Thailand Cyber University.
- Balam Dafauty by Presented a Research Paper on "MOOC in India Implementations and Challenges" in International Conference: Dimensions of ODL System in Current Global Scenario of Higher Education At: Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal
- Balam Dafauty by Attended Online Faculty Development Program on the topic "Emerging Trends in Cultural Heritage Tourism Management" from 28TH Nov- 2nd Dec, 2022 organized as part of the Pre-Inaugural celebrations of AURA 2022, held at Amity University Greater Noida.
- Successfully completed Ten Days Online FDP Cum Workshop on " Skill Enhancement and Professional Development" as a value added course from 13 Jun to 24 Jun 2022 organized by Amity Institute of Travel & Tourism, Amity University - Uttar Pradesh, Greater Noida.
- Participated & completed successfully AICTE Training And Learning (ATAL) Academy Online Elementary **FDP** on **"Advances of Artificial Intelligence and Machine Learning in Societal Development"** from 16/08/2021 to 20/08/2021 at Uttarakhand Open University.
- Balam Dafauty by Presented Paper on **"MOOCs In India: Benefits & Challenges"** in National Conference on **Role of Innovative Technology for Rural Development (RITRD-2022)** Organized by MIET Kumaon Shiksha Nagar, Lamachaur, Haldwani (Nainital) Uttarakhand.
- Dr. Ashuosh Kumar Bhatt attended one day National Webinar on ""सतत् भविष्य के लिए आज लैंगिक समानता जरूरी :लैंगिक असमानता-कारण-समस्याएँ, चुनौतियाँ एवं समाधान"as a Organizing secretary for Celebrating the Women's day", organized by Department of Humanities UOU, Haldwani, March 8, 2022.

- Dr. Jeetendra Pande was invited as a Guest of Honour in the 6-week workshop on "Online Learning & Teaching Tools" organised by MJP Rohilkhand University, Bareilly on 09 March 2022.

**कार्यशाला की छायाचित्र**

# शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा

## (SCHOOL OF EDUCATION)

### शिक्षा शास्त्र विभाग –

- डॉ॰ देबकी सिरोला के द्वारा अनुसंधान पद्धति पर 10 दिवसीय (23/04/2021 से 01/05/2021तक) कार्यशाला में प्रतिभाग किया गया इस कार्यशाला में कार्यशाला डे ऑफिसर के रूप में 28/04/2021 को समस्त सत्रों का संचालन किया। यह कार्यशाला यूओयू के शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा एवं एमबीपीजी के मनोविज्ञान के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया था।
- डॉ॰ देबकी सिरोला के द्वारा बी.एड. ओडीएल के तीन पेपर के 300,एमसीक्यू तैयार किए गए। (100 एमसीक्यू प्रत्येक पेपर) ---- (1 मई 2021 से 13 जून 2021 तक ) तैयार किए गए एमसीक्यू (बी.एड. ओडीएल) –निम्न हैं-

  पीई-04 लर्निंग एंड टीचिंग,
  पीई-05 मार्गदर्शन और परामर्श
  पीई-06 एक समावेशी स्कूल बनाना

- डॉ॰ देबकी सिरोला के द्वारा सहायक परीक्षा नियंत्रक के कार्यों का सम्पादन किया- ऑनलाइन असाइनमेंट परीक्षा ड्यूटी का सम्पादन 14 जून 21 से 15 जुलाई 21तक किया।
- डॉ॰ देबकी सिरोला के द्वारा परीक्षा से संबन्धित सहायक परीक्षा नियंत्रक के कार्यों का सम्पादन किया। आगामी परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों का निर्माण किया गया और ऑनलाइन असाइनमेंट परीक्षा ड्यूटी का सम्पादन किया गया।
- डॉ॰ देबकी सिरोला के द्वारा दिनाँक 02/08/2021, को प्री. पी॰ एच॰ डी॰ कोर्स वर्क में ऑनलाइन शिक्षण कार्य किया गया। ऑनलाइन प्रवेश सत्यापन का कार्य 21/08/2021 -31-08-2021 तक किया गया। साथ ही सहायक परीक्षा नियंत्रक के कार्यों का सम्पादन किया। प्री-पीएचडी कोर्स वर्क के लिए तैयार असाइनमेंट एमसीक्यू और वर्णनात्मक प्रकार के प्रश्नों का निर्माण कर रिसर्च विभाग में प्रस्तुत किया।
- डॉ॰ देबकी सिरोला के द्वारा दिनाँक 06/09/2021, 07/09/2021 और 27/09/2021को प्री. पी॰ एच॰ डी॰ कोर्स वर्क में ऑनलाइन शिक्षण कार्य किया गया। रिसर्च मेथोडोलोजी के विभिन्न टॉपिक

पर व्याख्यान दिये गए। दिनाँक 28-09-2021 बी॰एड॰ (विशिष्ट) की एक दिवसीय वेबिनार में शिक्षण कार्य किया। इसके अतिरिक्त परीक्षा से संबन्धित सहायक परीक्षा नियंत्रक के कार्यों का सम्पादन किया। फ्लाइंग परीक्षा ड्यूटी (14/09/2021 to19/09/2021) परीक्षा केन्द्र राजकीय महविद्यालय मुवानी, राजकीय महविद्यालय बलवाकोट, राजकीय महविद्यालय नारायणनगर , राजकीय स्नातकोत्तर महविद्यालय पिथोरागढ़, का औचक निरीक्षण किया गया जहाँ परीक्षाएँ शांतिपूर्ण एवं सुचारू रूप से चल रही थी।

फ्लाइंग इसकॉड परीक्षा ड्यूटी (14/09/2021 to19/09/2021)

- डॉ॰ देबकी सिरोला के द्वारा बी॰एड॰ (ओडीएल) चतुर्थ सेमेस्टर में दिनाँक 1-10-2021, 4-10-2021 और 6 -10- 2022 को ऑनलाइन शिक्षण का कार्य किया गया। दिनाँक 7/10/2021 और 08/10/2021को बी॰एड॰ (विशिष्ट) की चौथे सेमेस्टर की ऑनलाइन कार्यशाला में शिक्षण कार्य किया गया। साथ ही सहायक परीक्षा नियंत्रक के कार्यों का सम्पादन किया तथा स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रम के शिक्षा शास्त्र विषय का मूल्यांकन किया|
- दिनाँक 11-10-2021 को प्री. पी॰ एच॰ डी॰ कोर्स वर्क में ऑनलाइन शिक्षण का कार्य किया गया। दिनाँक25/10/2021 बी.एड. स्पेशल द्वितीय सेमेस्टर की ऑफलाइन कार्यशाला में शिक्षण कार्य किया। दिनाँक 30/10/2021 को स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा आयोजित ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार 'आजादी का अमृत महोत्सव''में प्रतिभाग किया।

डॉ. देबकी सिरोला द्वारा दिनांक 25/10/2021 को बी.एड. स्पेशल की द्वितीय सेमेस्टर की ऑफलाइन कार्यशाला उ॰मु॰ वि॰वि॰ हल्द्वानी आरम्भ करवाया गया।

- डॉ॰ देबकी सिरोला के दिनाँक - 8/11/2021 और 9/11/2021 को बी॰एड॰ स्पेशल के प्रवेश प्रमाण-पत्रों एवं अंक पत्रों का सत्यापन और परामर्श कार्य किया गया। दिनाँक - 15/11/2021 और 19/11/2021 को बी॰एड॰ ओडीएल के प्रवेश प्रमाण-पत्रों एवं अंक पत्रों का सत्यापन और परामर्श कार्य किया गया। दिनाँक 22 और 27 नवंबर 2021 तक टेली-कांफ्रेंसिंग ड्यूटी और सहायक परीक्षा नियंत्रक के कार्यों का सम्पादन किया। परीक्षा के टेबुलेशन सारणीकरण का कार्य जुलाई 2020 बीए-17 तृतीय वर्ष, बीए-17 द्वितीय वर्ष, बीए-17 प्रथम वर्ष का सम्पादन किया। असाइनमेंट MCQs—(100 MCQs प्रत्येक) तैयार किया गया। असाइनमेंट BAED201, BAED202, BA17, BA 16, BAM-17 (100 MCQs प्रत्येक) बनाकर अपलोड किया गया।

B.Ed. Counselling 08-11-2021 & 09-11-2021

- डॉ॰ देबकी सिरोला के द्वारा असाइनमेंट MCQs—(100 MCQs प्रत्येक) तैयार किया गया। असाइनमेंट BAED201, BAED202, BA17, BA 16, BAM-17 (100 MCQs प्रत्येक) बनाकर अपलोड किया गया। सहायक परीक्षा नियंत्रक के कार्यों का सम्पादन किया गया। दिनाँक - 14/12/2021 से मार्कशीट/डिग्री/सर्टिफिकेट बनाने का कार्य किया गया। दिनाँक - 21/12/2021से 28-12-2021 तक दीक्षांत समारोह उपाधि सत्यापन कार्य किया गया।
- डॉ॰ देबकी सिरोला के द्वारा असाइनमेंट कार्य किया गया BAED द्वितीय वर्ष-BAED-201, BAED-202, MAED-605 III सेमेस्टर, MAED.-612 IV सेमेस्टर एवं BAED-201, BAED-202, BAM-17, BA-16 और BA-17 असाइनमेंट अपलोड किए गए। इसके

अतिरिक्त BAED- 201, 202, MAED- 605 III सेमेस्टर और MAED-612 IV सेमेस्टर के प्रश्न पत्र तथा एमएईडी 604 के प्रश्नपत्र का निर्माण किया गया। साथ ही MAED 605 III सेमेस्टर और MAED-612 IV सेमेस्टर के पाठ्यसामग्री के सम्पादन का कार्य किया गया। सामुदायिक रेडियो में व्याख्यान रेकोर्डिग- 01 दी गयी। दिनाँक 14/01/2022 को B.Ed. Spl वर्कशॉप में एक लैक्चर दिया और दिनाँक 20/01/2022, 21/01/2022 और 22 जनवरी 2022, 23-1-22 को B.Ed. ODL वर्कशॉप में 5 लैक्चर - दिये गए।। सहायक परीक्षा नियंत्रक के उत्तरदाइत्वों का निर्वहन करते हुए परीक्षा से संबन्धित कार्य- बी० ए० प्रथम वर्ष बैक एंड मेन पेपर टेबुलेशन कार्य, बी० ए० द्वितीय वर्ष सारणीकरण और फाइनल डेट शीट वर्क-विंटर सेशन मार्च परीक्षा 2022 के कार्यों का सम्पादन किया गया।

- डॉ० देबकी सिरोला के द्वारा माह फरवरी में अग्रलिखित कार्यों का सम्पादन किया गया – B०Ed० (ODL) PE-05 (100 MCQs) बना कर विभाग में असाइनमेंट प्रस्तुत किया गया। सहायक परीक्षा नियंत्रक के उत्तरदाइत्वों का निर्वहन करते हुए परीक्षा से संबन्धित कार्य- 24 मार्च से होने वाली परीक्षाओं की 14 विषयों के प्रश्नपत्रों के मौडरेशन का कार्य एवं BAS-16, BAS-17, BAM-16, BAM-17, BHM-16, MAG-19, MAVI-16, & 17, DYN-16, DYN-16, DYN-17, PGDGTS-17, MAPSY-12, MASL-17 & MASL-12 के बैक और मेन परीक्षाओं के टेबुलेसन का कार्य संपादित किया गया। इसके अतिरिक्त BA-द्वितीय वर्ष शिक्षाशास्त्र के प्री- एड्मिशन के परामर्श का कार्य भी किया गया।
- डॉ० देबकी सिरोला के द्वारा सहायक परीक्षा नियंत्रक के उत्तरदाइत्वों का निर्वहन करते हुए परीक्षा से संबन्धित कार्यों का सम्पादन किया गया- 24 मार्च से होने वाली परीक्षाओं की फ्लाइंग ड्यूटि लिस्ट, पर्यवेक्षक ड्यूटि लिस्ट और 53 परीक्षा केन्द्रों की सत्यापन लिस्ट बनाई गयी। नियमित रूप से परीक्षा केन्द्रों की उपस्थिती रिपोर्ट दर्ज करने का कार्य संपादित किया गया। इसके अतिरिक्त BA-17 मेन परीक्षाओं के टेबुलेसन का कार्य भी संपादित किया गया।

## विशिष्ट शिक्षा विभाग: -

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी एवं राष्ट्रीय दृष्टि बाधित दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, देहरादून के संयुक्त तत्वाधान में विशेष शिक्षा में सहायक उपकरणों की भूमिका विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 27 अगस्त, 2021 को दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान के परिसर में किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रो ओम प्रकाश सिंह नेगी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय सूचना तकनीकी का है और डिजिटल तकनीकी का प्रयोग कोविड काल ने हम सब को करना सिखा दिया है। दिव्यांग जनों के लिए समय आ गया है कि नवीन तकनीकी एवं नवीन सहायक उपकरणों का निर्माण कर उनका सशक्तिकरण किया जाए। सूचना क्रांति के माध्यम से समय की आवश्यकता एवं परिस्थिति के अनुरूप उनके पाठ्यक्रम में परिवर्तन कर अधिक से अधिक तकनीकी यों का समावेश उनके लिए किया जाना आवश्यक है जिससे कि हम एक उपयोगी समावेशी समाज का निर्माण कर सकें जिसमें कि दिव्यांगजन अपनी महती भूमिका निभा सकें। साथ ही उन्होंने मुक्त विश्वविद्यालय का एक अध्ययन केंद्र संस्थान में खोलने के लिए बात की साथ ही दिव्यांगजनों के लिए पुस्तकों के निर्माण एवं संस्थान के मॉडल विद्यालयमैं अध्यनरत दृष्टिबाधित बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए

मुक्त विद्यालय के अध्ययन के अंदर प्रवेश दिलाने की का अनुरोध संस्थान के निदेशक से किया साथ ही उनके लिए ब्रेल लिपि में पुस्तकों का संपादन संस्थान की प्रयोगशाला में करवाने की बात कही। दृष्टिबाधितार्थ सशक्तिकरण संस्थान के निदेशक डॉ हिमांग्शु दास ने अपने उद्बोधन में बताया कि वर्तमान में दिव्यांग जनों के लिए शैक्षिक और पुनर्वास के संस्थान उनकी जनसंख्या के अनुरूप बहुत ही कम है। इसके लिए हम सबको सेवा प्रदाता के रूप में कार्य करना होगा।दूरस्थ शिक्षा की अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका है इसका लाभ दिव्यांगजनों को सशक्त करने में लिया जा सकता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय यथाशीघ्र दिव्यांग जनों के लिए अपना एक अध्ययन केंद्र परिसर में स्थापित करेगा जिससे कि दिव्यांगजनों को उच्च शिक्षा लेने में कोई समस्या नहीं आएगी। कार्यशाला में प्रतिभागियों को संस्थान की गतिविधियों से परिचय कराने हेतु भ्रमण भी कराया गया।कार्यक्रम के संयोजक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने आशा व्यक्त की कि इस तरह के कार्यक्रमों से विशेष शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले लोग दिव्यांग जनों के सशक्तिकरण में सहायता प्राप्त कर सकेंगे। कार्यशाला के पंकज कुमार ने आमंत्रित अतिथियों ने प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित करने के साथ ही ब्रेल लिपि कन दृष्टि भतार दिव्यांगों के अध्ययन में क्या भूमिका है उसके विषय में अवगत कराया। कार्यशाला में निदेशक डॉ हिमांग्शु दास एवं मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओम प्रकाश सिंह नेगी द्वारा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान की पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। कार्यशाला में संस्थान के सहायक प्राध्यापक डॉ विनोद केन डॉ सुनील शिरपुरकर डॉ आरपी सिंह, बृजमोहन सिंह खाती समेत मुक्त विश्वविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ अंजली सिंह द्वारा किया गया।

**हिन्दुस्तान**

## दिव्यांगों की उच्च शिक्षा को बनेगा केंद्र

**देहरादून।** उत्तराखंड मुक्त विवि में दिव्यांगों की उच्च शिक्षा के लिए अलग से अध्ययन केंद्र बनाया जाएगा। शुक्रवार को राजपुर रोड स्थित राष्ट्रीय दृष्टि बाधित दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान में हुई कार्यशाला में यह ऐलान किया गया। विवि कुलपति प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी ने कहा कि वर्तमान समय सूचना तकनीकी का है और डिजिटल तकनीकी का प्रयोग कोरोनाकाल ने हम सब को करना सिखा दिया है। उन्होंने इनके लिए मुक्त विवि में अध्ययन केंद्र खोलने की बात भी की। संस्थान के निदेशक डॉ. हिमांग्शु दास ने भी इस मौके पर संबोधित किया।

**अमर उजाला**

## दिव्यांगजनों के लिए नवीन तकनीक के निर्माण पर जोर

**देहरादून।** उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय दृष्टि बाधित दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया। इस दौरान दिव्यांगजनों के लिए नवीन तकनीक एवं नवीन सहायक उपकरणों का निर्माण कर उनका सशक्तीकरण करने पर जोर दिया गया।

विशेष शिक्षा में सहायक उपकरणों की भूमिका विषय पर हुई कार्यशाला में अध्यक्षता कर रहे उत्तराखंड मुक्त विवि के कुलपति प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी ने कहा कि वर्तमान समय सूचना तकनीकी का है। डिजिटल तकनीकी का प्रयोग कोविड काल ने हम सभी को करना सिखा दिया है। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम में परिवर्तन कर अधिक से अधिक तकनीकियों का समावेश किया जाना जरूरी है। एनआईईपीवीडी के निदेशक डॉ. हिमांग्शु दास ने उम्मीद जताई कि उत्तराखंड मुक्त विवि जल्द ही दिव्यांगजनों के लिए अपना एक अध्ययन केंद्र परिसर में स्थापित करेगा। मा.सि.रि.

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा विभाग द्वारा सांकेतिक भाषा के प्रशिक्षण से सम्बंधित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सितम्बर , 2022 माह में देहरादून परिसर मे किया। कार्यशाला का उद्घाटन विशेष शिक्षा विभाग के समंवयक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल व समाजशास्त्र विभाग की सहा. प्राध्यापिका डॉ भावना डोभाल ने किया। कार्यशाला में प्रशिक्षिका श्री मती जगदीप कौर द्वारा प्रशिक्षार्थियों को सांकेतिक भाषा का प्रशिक्षण दिया गया।

## 'सांकेतिक भाषा में प्रदर्शित कर सकते हैं भावनाएं'

देहरादून। उत्तराखंड मुक्त विवि की ओर से सांकेतिक भाषा को बढ़ावा देने के लिए आयोजित कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ जगदीप कौर ने सांकेतिक भाषा के महत्व पर सभी को अवगत कराया। बताया कि सांकेतिक भाषा वर्तमान में छात्रों के अध्ययन अध्यापन के लिए जरूरी है। इसके माध्यम से व्यक्ति भावनाओं को प्रदर्शित कर सकता है। इसका प्रशिक्षण सभी के लिए जरूरी है। सहायक प्राध्यापक डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल ने कहा कि सांकेतिक भाषा का प्रचलन महाभारत काल से चला आ रहा है। इस मौके पर राखी गौर, शशि कला आदि मौजूद रहे। संवाद

**कार्यशाला की छायाचित्र**

दिनांक 13-17 जून 2022 के मध्य बीएड विशेष शिक्षा की बौद्धिक क्षमता व दृष्टि बाधित पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों की पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय दृष्टि बधितार्थ संस्थान देहरादून में संस्थान के निदेशक डॉ हिमांग्शु दास द्वारा किया गया। इन पांच दिवसीय कार्यशाला में बौद्धिक रूप से अक्षम बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के शीघ्र हस्तक्षेपन से संबंधी कक्षाएं, परीक्षण प्रक्रिया व परीक्षण प्रपत्रों का ज्ञान प्रतिभागियों को कराया गया साथ ही दृष्टिबाधित बच्चों के लिए ब्रेल लिपि का प्रयोग करना सिखाना और दृष्टिबाधित उपकरणों की पहचान कराना और दिव्यांग जनों को पढ़ाने से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया।

दिनांक 20-25 जून 2022 के मध्य बीएड विशेष शिक्षा के अधिगम अक्षमता मूकबधिर विषय से संबंधित पाठ्यक्रम की कक्षाओं का आयोजन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की परिसर में आयोजित किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन कुमाऊं विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर डी के नौडियाल द्वारा किया गया। रुड़की परिसर स्थित कार्यशाला में विद्यार्थियों को अधिगम अक्षमता के विभिन्न तकनीकों का ज्ञान कराया गया व श्रवण बाधित दिव्यांग जनों के लिए सांकेतिक भाषा का प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यशाला का संचालन समन्वयक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा उक्त दोनों जगह पर संपादित किया गया।

# आईआईटी में दिव्यांग बच्चों को पढ़ाने की तकनीक सीखेंगे यूओयू के छात्र

हरिद्वार ( बद्री विशाल )। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के बीएड विशेष शिक्षा के द्वितीय सेमेस्टर के श्रवण बाधित एवं अधिगम अक्षमता पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों की पांच दिवसीय कार्यशाला का आरंभ आईआईटी रूड़की कैंपस के अंतर्गत संचालित अनुश्रुति एकेडमी फॉर डेफ संस्थान में प्रारंभ हुआ। कार्यशाला के मुख्य अतिथि रुड़की आईआईटी के ह्यूमैनिटी डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डीके नौरियाल, पूर्व कुलपति कुमाऊं विश्वविद्यालय व उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के द्वारा किया गया।

अपने उद्बोधन में प्रोफेसर नौरियाल,त्र ने कहा कि शिक्षकों को विद्यार्थियों के लिए आदर्श होना आवश्यक है। विशेष तौर से दिव्यांग विद्यार्थियों के शिक्षक के रूप में विशेष शिक्षक की भूमिका बहुत चुनौतीपूर्ण हो जाती है। रुड़की आईआईटी कैम्पस अंतर्गत इस प्रकार की कार्यशाला के आयोजन पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की। अनुसूची एकेडमी के उपाध्यक्ष प्रोफेसर एससी हांडा ने आमंत्रित सभी अतिथियों का स्वागत करते

हुए अनुश्रुती एकेडमी का परिचय कार्यशाला में आए प्रतिभागियों को दिया। अनुश्रूति एकेडमी के प्रबंधक प्रोफेसर नवनीत अरोड़ा ने अपने उद्बोधन में कहा कि अच्छा शिक्षक बनना जरूरी है। बालक को जीने लायक बनाना ही शिक्षक का कर्तव्य है। कार्यशाला के समन्वयक उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय से विशेष शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने अपने उद्बोधन में कार्यशाला में प्रतिभागियों से अपेक्षा की कि इन पांच दिवसीय कार्यशाला में दिव्यांग बच्चों से संबंधित अध्ययन अध्यापन की तकनीकी, आंकलन एवं चिह्निकरण का ज्ञान विद्यार्थियों को दिया जाएगा जिसको प्रतिभागी सही प्रकार से सीख सकेंगे। कार्यशाला में शाजिया फरहत प्रधानाचार्य अनुश्रुति एकेडमी द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यशाला के दूसरे सत्र में जगदीप कौर द्वारा सांकेतिक भाषा का प्रशिक्षण एवं श्रवण बाधित से संबंधित जानकारी विद्यार्थियों को दी गई। कार्यशाला के तीसरे सत्र में दिल्ली से आई विषय विशेषज्ञ आराधना द्वारा अभिगम अक्षमता से संबंधित जानकारी विद्यार्थियों को दी गई। कार्यशाला में पूर्व प्रधानाचार्या किरण हांडा, आईआईटी रुड़की से प्रोफेसर सोनल आत्रे, डॉ मनीष अस्थाना, रितिका, तरन्नुम भसीन, सुनील चौधरी समेत बेंगलुरु, दिल्ली, हरियाणा एवं उत्तराखंड के प्रतिभागी उपस्थित रहे।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के हल्द्वानी परिसर में नामांकित बीएड विशेष शिक्षा के बौद्धिक अक्षमता व दृष्टिबाधित पाठ्यक्रम विद्यार्थियों की पांच दिवसीय कार्यशाला 18 से 22 जुलाई के मध्य हल्द्वानी मुख्य परिसर में कराई गई। जिसमें विद्यार्थियों को राष्ट्रीय दृष्टि बाधितार्थ संस्थान, देहरादून से आए विशेषज्ञ जय श्री शर्मा द्वारा ब्रेल लिपि का प्रशिक्षण दिया गया दिनेश कांडपाल द्वारा बुद्धिलब्धि ज्ञात करने संबंधी जानकारी दी गई डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल

द्वारा ऑटिज्म (स्वलीनता) के विषय में अध्यापन कराया गया और आटिज्म को किस प्रकार से जांचा जा सकता है, उसके बारे में मानक प्रशिक्षण दिया गया। भावना धोनी द्वारा बौद्धिक रूप से अक्षम बच्चों के अध्यापन से संबंधित शिक्षण से की तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया डॉ मनीषा पंत व डॉ देवकी सरोला द्वारा सामान्य शिक्षण पाठों का प्रशिक्षण व पर्यवेक्षण किया गया।

**दिव्यांग जनों हेतु सहायक तकनीकी विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला**

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, देहरादून के संयुक्त तत्वाधान में दिव्यांग जनों हेतु सहायक तकनीकी विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 27 अगस्त 2021 को किया गया कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विशेष शिक्षा में नव प्रवेश की छात्रों को दिव्यांग जनों के लिए जो सहायक तकनीकी है उन से अवगत कराना था कार्यशाला के दौरान विषय विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न सहायक नीतियों से छात्राओं का

छात्र छात्राओं का परिचय कराया गया साथ ही राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान का भ्रमण कराते हुए विभिन्न उपकरणों का प्रयोग करना और परिचालन करना छात्रों को सिखाया गया|

**भारतीय पुनर्वास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में मानव संसाधन विकास का रुपांतरण विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी**

विशेष शिक्षा विभाग द्वारा भारतीय पुनर्वास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में मानव संसाधन विकास का रुपांतरण विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिनांक 29 28 दिसंबर 2021 को मा. कुलपति जी के नेतृत्व में प्रतिभाग किया गया जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत अपने रिपोर्ट में दिव्यांग जनों के लिए मानव संसाधन के विकास को विकसित करने के लिए सर्वोत्तम साधन मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के माध्यम को माना गया। उक्त कार्यशालामें विभाग के समंवयक व सहा. प्रा. डॉ सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल द्वारा भी प्रतिभाग किया गया।

## नई शिक्षा नीति 2020 एवं नवीन दिव्यांगजन एक्ट 2016 विषय कार्यशाला रिपोर्ट

राजकीय महाविद्यालय टनकपुर में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 एवं नवीन दिव्यांगजन एक्ट 2016 विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन दिनांक 10 नवंबर को किया गया| उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि माननीय कैलाश गहतोडी, मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओम प्रकाश सिंह नेगी कॉलेज के प्राचार्य प्रो नगेंद्र द्विवेदी उत्तराखंड विश्वविद्यालय की शिक्षा शास्त्र के निदेशक प्रोफेसर एके नवीन उपस्थित रहे| मुख्य अतिथि, वन विकास निगम के अध्यक्ष कैलाश चंद गहतोड़ी द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि नई शिक्षा नीति में दिव्यांग जनों के लिए प्रावधानों की जानकारी इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागीयों को मिलेगी साथ ही मुक्त विश्वविद्यालय वर्तमान में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है| विश्वविद्यालय की बढ़ती छात्र संख्या उसकी लोकप्रियता और विश्वसनीयता की ओर इंगित करती है दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से इस तरह की कार्यशालाओं का लाभ प्रतिभागियों के साथ सामान्य जनों को भी मिलता है| कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं विश्वविद्यालय हल्द्वानी के कुलपति प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी ने कार्यशाला में आए प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति में दूरस्थ शिक्षा को महत्व दिया गया है और दूरस्थ शिक्षा वर्तमान में उच्च शिक्षा के प्रसार के लिए अपनी भूमिका का बहुत अच्छा निर्वहन कर रहा है दूरस्थ शिक्षा आप को कहीं भी, किसी भी समय, किसी के लिए भी शिक्षा के साधन उपलब्ध कराती है, कार्यशाला में आये प्रतिभागियों से उन्होंने अपेक्षा की कि इन दो दिवस व विशेषज्ञों के व्याख्यान दिव्यांगजन नीति व नई शिक्षा नीति पर सुनेंगे और उनसे संबंधित प्रावधानों को अपने कार्य क्षेत्र में उपयोग में लाएंगे| कार्यक्रम के विशेष अतिथि प्रोफेसर नगेन्द्र द्विवेदी प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय टनकपुर ने इस प्रकार की कार्यशाला का महाविद्यालय में कराए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की साथ ही उन्होंने अपेक्षा की कि मुक्त विश्वविद्यालय महाविद्यालय को इस तरह की कार्यशाला के आयोजन के लिए हमेशा प्राथमिकता देता रहेगा जिससे सीमांत क्षेत्र के लोगों को नवीन ज्ञान की जानकारी होती रहे और मुक्त विश्वविद्यालय के द्वारा सीमांत क्षेत्र के लोगों को अपनी उच्च शिक्षा बढ़ाने में हमेशा सहायक सिद्ध होगा| विशेष शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की गई| शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर एके नवीन द्वारा अपना व्याख्यान मानवाधिकार एवं दिव्यांगजन विषय पर दिया गया| कार्यक्रम के दूसरे सत्र में शिक्षा शास्त्र विभाग के निदेशक डॉ डिगर सिंह फर्सवाण द्वारा नई शिक्षा नीति में दिव्यांगजनों के लिए प्रावधान विषय पर व्याख्यान दिया गया| कार्यक्रम के तीसरे सत्र में डॉ कल्पना लखेड़ा द्वारा, नई शिक्षा नीति में आंगनवाड़ी के अंतर्गत बाल वाटिका का प्रावधान विषय पर अपना व्याख्यान दिया गया| पहले दिन के समापन सत्र का धन्यवाद डॉ धर्मवीर सिंह सह प्राध्यापक व अध्ययन केंद्र प्रभारी उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा किया गया| कार्यशाला में टनकपुर व चंपावत क्षेत्र के आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व इंटर

कॉलेज के प्रधानाचार्यो द्वारा प्रतिभाग किया गया| कार्यशाला का संचालन डॉ सुमन कुमारी द्वारा किया गया| इस अवसर पर सुषमा मक्कड़ ,भावना धोनी, पूजा भट्ट, दीप्ति कुंजवाल, रमेश बमेटा व महाविद्यालय के स्टाफ के समस्त शिक्षक गण उपस्थित रहे|

राजकीय महाविद्यालय टनकपुर में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का समापन दिनांक 11 नवंबर को किया गया| समापन सत्र के मुख्य अतिथि अतिथि एपीजे अब्दुल कलाम इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक प्रोफेसर अमित अग्रवाल, विशेष अतिथि के रूप में बाजपुर महाविद्यालय की सेवानिवृत्त प्राचार्य प्रोफेसर कमला चिनियाल अति विशिष्ट अतिथि के रूप में राजकीय महाविद्यालय खटीमा की प्राचार्य प्रोफेसर आभा शर्मा महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर नगेन्द्र द्विवेदी द्वारा अध्यक्षता की गई| इससे पूर्व सुबह के प्रथम सत्र में कार्यक्रम संयोजक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा विभिन्न दिव्यांगताओं की जानकारी एवं उनके कारण और निवारण और शीघ्र हस्तक्षेप अन केंद्र के बारे में जानकारी दी गई द्वितीय सत्र में डीडीआरसी जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र चंपावत की नोडल अधिकारी श्रीमती मीनाक्षी चौहान द्वारा सांकेतिक भाषा का प्रशिक्षण दिया गया जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र उधम सिंह नगर के नोडल अधिकारी श्री सतीश चौहान द्वारा दिव्यांग जनों के लिए विभिन्न योजनाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया तीसरे सत्र में मनोविज्ञान विभाग उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ

सीता द्वारा दिव्यांग जनों के लिए मानसिक स्वास्थ्य और नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को उत्तम बनाने संबंधी व्याख्यान दिया गया पांचवें सत्र में डॉ ललित मोहन पंत उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक द्वारा दिव्यांग जनों के मनोवैज्ञानिक समस्याओं पर अपना व्याख्यान दिया गया प्रोफेसर सुशीला मक्कड़ द्वारा नई शिक्षा नीति में प्राथमिक शिक्षा , विद्यालय शिक्षा, में विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी गई| कार्यशाला के समापन सत्र में डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल कार्यक्रम सहयोग द्वारा कार्यशाला दो दिवसीय कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई| कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए|

'नई शिक्षा नीति में दूरस्थ शिक्षा को महत्व दिया है'

महाविद्यालय में संगोष्ठी में बोलते वन विकास निगम अध्यक्ष कैलाश गहतोड़ी। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

टनकपुर (चंपावत)। नई शिक्षा नीति 2020 एवं नवीन दिव्यांगजन एक्ट 2016 विषय पर राजकीय महाविद्यालय में दो दिनी राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू हुई। मुख्य अतिथि वन विकास निगम अध्यक्ष कैलाश चंद्र गहतोड़ी ने कहा कि संगोष्ठी से दिव्यांगों को नई शिक्षा नीति में उनके लिए तय प्रावधानों की जानकारी मिलेगी। मुक्त विवि के कुलपति प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी ने कहा कि नई शिक्षा नीति में दूरस्थ शिक्षा को महत्व दिया गया है। विशेष अतिथि प्रो.नगेंद्र द्विवेदी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से सीमांत के लोगों को नवीन ज्ञान मिलेगा।

उत्तराखंड मुक्त विवि हल्द्वानी की ओर से आयोजित संगोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि गहतोड़ी, कुलपति प्रो. नेगी, टनकपुर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. डॉ. द्विवेदी, उत्तराखंड विवि शिक्षाशास्त्र के निदेशक प्रोफेसर एके

दो दिनी राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू

नवीन ने किया। विशेष शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल ने संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत की। शिक्षाशास्त्र के निदेशक प्रोफेसर एके नवीन ने मानवाधिकार एवं दिव्यांगजन विषय की जानकारी दी। दूसरे सत्र में शिक्षाशास्त्र विभाग के निदेशक डॉ. डिगर सिंह फर्स्वाण ने नई शिक्षा नीति में दिव्यांगजनों के लिए प्रावधान विषय पर व्याख्यान दिया।

तीसरे सत्र में डॉ. कल्पना लखेड़ा ने नई शिक्षा नीति में आंगनबाड़ी के अंतर्गत बाल वाटिका का प्रावधान समझाया। पहले दिन के समापन पर सह प्राध्यापक एवं अध्ययन केंद्र प्रभारी डॉ. धर्मवीर सिंह ने आभार जताया। इस दौरान सुषमा मक्कड़, भावना भोनी, पूजा भट्ट, दीप्ति कुंजवाल, रमेश बमेटा समेत टनकपुर, चंपावत क्षेत्र के आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य मौजूद थे। संचालन डॉ. सुमन कुमारी ने किया।

## स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा
## (SCHOOL OF HEALTH SCIENCE)

### गृह विज्ञान विभाग (Department of Home Science)

- गृह विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 15 अप्रैल, 2021 को बी०ए०, गृह विज्ञान प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष की प्रयोगात्मक परीक्षाएँ ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से सम्पन्न कराई गई|
- विश्व खाद्य दिवस, 2021 के उपलक्ष्य पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालयके गृह विज्ञान विभाग, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की ओर से ' कोविड-19 के सन्दर्भ में खाद्य एवं स्वास्थ्य' विषय पर दिनाँक 07/06/2021 को एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया| वेबिनार की अध्यक्षता उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर ओ० पी० एस० नेगी द्वारा की गई| डॉ. प्रीती बोरा ने कार्यक्रम

की शुरुआत में विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के उद्येश्य एवं महत्वता को सबके समक्ष रखा। स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक एवं वेबिनार के संयोजक, प्रोफसर आर०, सी० मिश्र ने संगोष्टी के उद्येश्य एवं खाद्य सुरक्षा की भूमिका पर प्रकाश डाला एवं मुख्य अतिथि, माननीय कुलपति, समस्त वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। इसके पश्च्यात डॉ. दीपिका वर्मा ने समस्त वक्ताओं का परिचय देने के साथ ही उन्हें व्यक्तव्य हेतु आमंत्रित किया। मुख्य वक्ता प्रो० सरिता श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष, खाद्य एवं पोषण, गृह विज्ञान महाविद्यालय, गो०, ब०, कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर ने बताया की कैसे कोविड की वर्तमान स्तिथियों में व्यायाम, ध्यान, उचित खान पान द्वारा हम खुद को स्वस्थ्य रख सकते है। उन्होंने पारंपरिक दलों एवं अनाजों को भी विभिन्न खाद्य उत्पादों के रूप में दैनिक भोजन में शामिल करने पर जोर दिया। विशेषज्ञ, डॉ. अनु अग्रवाल, आहार विशेषज्ञ, एम्स, ऋषिकेश ने खाद्य जनित रोगों ओर उनसे बचने के उपायों पर चर्चा की। विशेषज्ञ, डॉ. अंजू थथोला, विभागाध्यक्ष, गृह विज्ञान विभाग, एम०,बी०,पी०,जी० डिग्री कॉलेज हल्द्वानी ने खाद्य सुरक्षा का समग्र दृष्टिकोद बताते हुए उत्पादक, विक्रेता एवं उपभोक्ता की खाद्य सुरक्षा में भूमिका बताई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो० सुरेखा डंगवाल, माननीय कुलपति, दून विश्वविद्यालय, देहरादून ने परंपरागत पाक कला एवं संरक्षण के तरीकों का उदाहरण देते हुए खाद्य सुरक्षा में इसका महत्व बताया। विश्वविद्यालय के मनानीय कुलपति एवं वेबिनार के अध्यक्ष, प्रोफेसर ओ० पी० एस० नेगी ने पहाड़ी उत्पादों, वनस्पतियों का उदाहरण देते हुवे इसके पसर एवं पचार पर बल दिया। उन्होंने बताया की खाद्य सुरक्षा एवं इससे जुड़े अन्य विषयों को प्रभावशाली बनाने हेतु स्वस्थ्य, कृषि एवं पारंपरिक तरीकों पर बल देना आवश्यक है। अंत में डॉ. दीपिका वर्मा द्वारा वेबिनार का धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. दीपिका वर्मा, डॉ. प्रीती बोरा, डॉ. ज्योति जोशी एवं श्रीमती मोनिका द्विवेदी द्वारा किया गया।

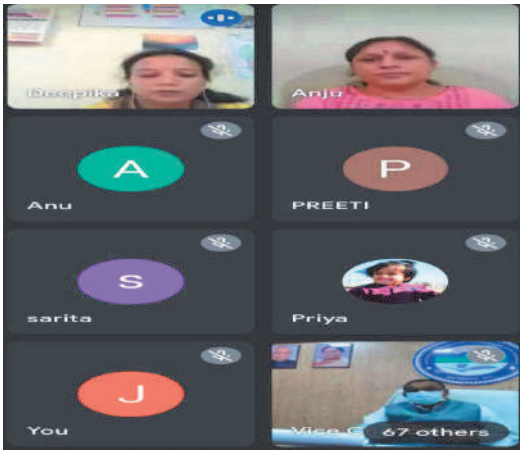

- डॉ. दीपिका वर्मा (सहायक प्रोफेसर) एवम डॉ.ज्योति जोशी, सहायक प्रोफेसर (एसी), गृह विज्ञान विभाग, स्वास्थ्य विज्ञान स्कूल, यूओयू, हल्द्वानी) ने स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी ऑनलाइन प्रोग्राम सेल, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी एवम कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया, नई दिल्ली के सहयोग द्वारा 'SWAYAM हेतु ऑनलाइन पाठ्यक्रम का निर्माण' विषय पर आयोजित द्विसाप्ताहिक (21 जून, 2021 से 5 जुलाई, 2021) एफडीपी कार्यक्रम पूर्ण किया।

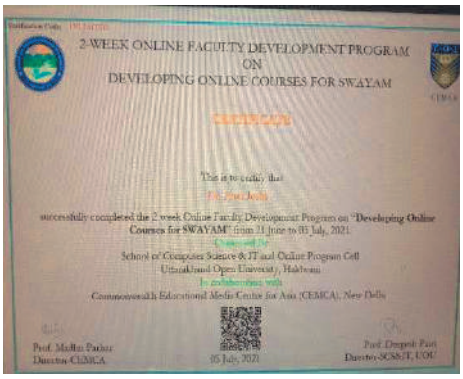


- गृह विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 7-9 जुलाई 2021 को एम0ए0 गृह विज्ञान प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय सेमेस्टर की प्रयोगात्मक कार्यशाला ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से सम्पन्न कराई गई। जिसमें बाह्य विशेषज्ञ प्रोफेसर लता पाण्डेय, विभागाध्यक्ष, गृह विज्ञान, डी० एस० बी० कैंपस नैनीताल, द्वारा भी व्याख्यान दिया गया। विभाग द्वारा दिनांक 14 एवं 23 जुलाई 2021 को एम0ए0 गृह विज्ञान प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय सेमेस्टर की प्रयोगात्मक कार्यशाला ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से सम्पन्न कराई गई।

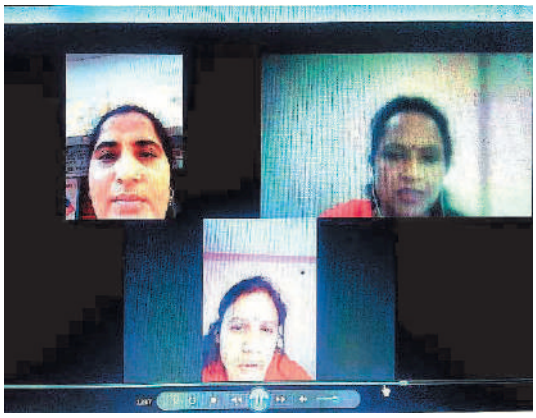

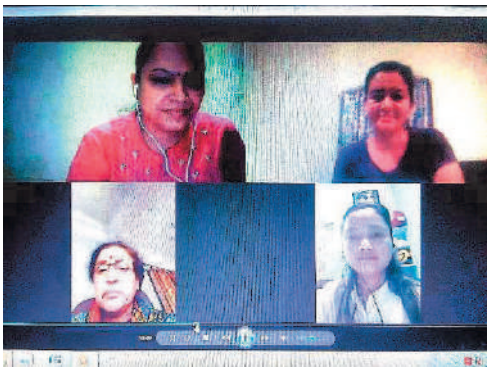

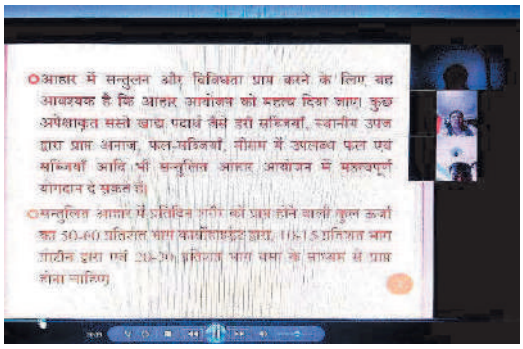

- गृह विज्ञान विभाग ने पोषण सप्ताह, (1- 7 सितम्बर) 2021 के अंतर्गत रेडियो वार्ता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और स्लोगन प्रतियोगिता जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया।
- गृह विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 11 एवं 12 अक्टूबर 2021 को एम0ए0 गृह विज्ञान प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर की प्रयोगात्मक कार्यशाला एवं दिनांक 16 एवं 22 अक्टूबर 2021 को एम0ए0 गृह विज्ञान प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षाएँ ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से सम्पन्न कराई गईं। 30 अक्टूबर 2021 को एम0ए0 गृह विज्ञान चतुर्थ सेमेस्टर के शिक्षार्थियों की लघु शोध प्रबंध की मौखिक परीक्षा भी ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की गई।

- विभाग द्वारा बी० ए० गृह विज्ञान प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष की प्रयोगात्मक परीक्षाएँ 25, 26 एवं 27 अक्टूबर 2021 को ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से सम्पन्न कराई गईं।

- गृह विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 25 नवम्बर, 2021 को गृह विज्ञान के शिक्षार्थियों एवं गृह विज्ञान के संकाय सदस्यों के मध्य एक विचार विमर्श सत्र का आयोजन किया गया।

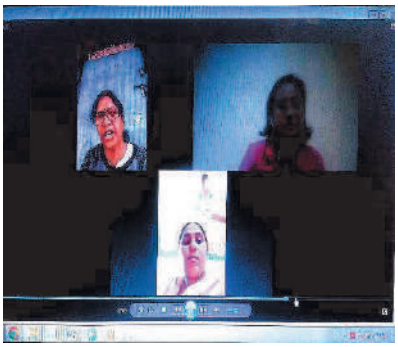
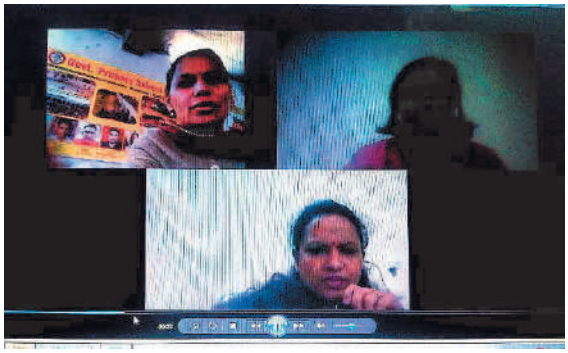

- गृह विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 21 जनवरी, 2022 को एम0ए0 गृह विज्ञान प्रथम वर्ष के शिक्षार्थियों हेतु इंडक्शन कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से सम्पन्न कराया गया।
- गृह विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 7, 8 तथा 9 मार्च 2022 को एम0ए0 गृह विज्ञान प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर की प्रयोगात्मक कार्यशाला ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से सम्पन्न कराई गई।

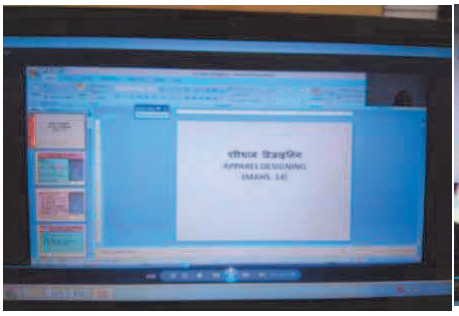

- विभाग द्वारा 10 एवं 11 मार्च 2022 को बी0ए0 गृह विज्ञान प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की प्रयोगात्मक परीक्षाएं ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से सम्पन्न कराई गई।
- विभाग द्वारा 22 एवं 23 मार्च को एम0ए0 गृह विज्ञान प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षाएं ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से
-

सम्पन्न कराई गई। गृह विज्ञान द्वारा दिनांक 22 अप्रैल 2022 को लघु शोध प्रबंध की मौखिक परीक्षा ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से सम्पन्न कराई गई।

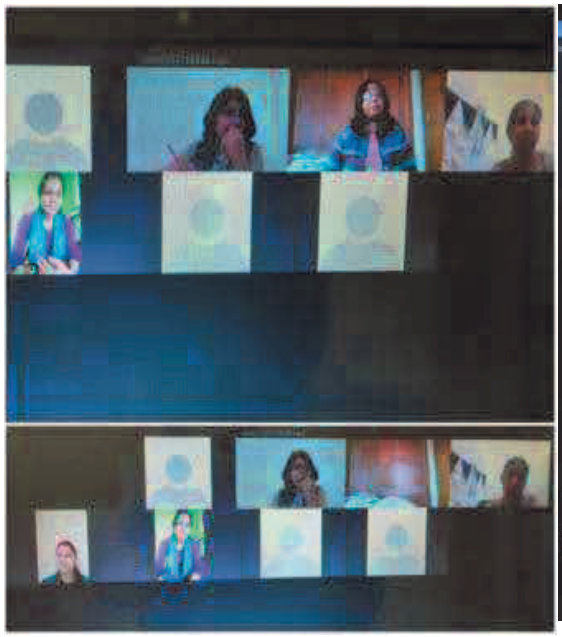

# योग विभाग

## वर्ष 2021-22 की योग विभागीय कार्यशाला का विवरण

| क्रम सं0 | कार्यशाला का स्थान | दिनांक | विषय |
|---|---|---|---|
| 1 | ONLINE MODE | 05/04/2021 से 09/04/2021<br>प्रयोगात्मक परीक्षा 10/04/2021 | एम०ए०योग प्रथम वर्ष MAY-1st year Back<br>एम०ए०योग द्वितीय वर्ष MAY-2nd year |
| 2 | ONLINE MODE | 05/04/2021 से 09/04/2021<br>प्रयोगात्मक परीक्षा 10/04/2021 | DSY<br>BAY 1st year /<br>BAY 2ND year /<br>BAY 3RD year / |
| 3 | ONLINE MODE | 29/09/2021 से 08/10/2021<br>प्रयोगात्मक परीक्षा 09/10/2021 | एम०ए०योग द्वितीय वर्ष MAY-2nd year |
| 4 | ONLINE MODE | 09/10/2021 से 18/10/2021<br>प्रयोगात्मक परीक्षा 19/10/2021 | BAY 3RD year / |
| 5 | ONLINE MODE | 09/10/2021 से 18/10/2021<br>प्रयोगात्मक परीक्षा 19/10/2021 | DSY |
| 6 | ONLINE MODE | 19/10/2021 से 28/10/2021<br>प्रयोगात्मक परीक्षा 29/10/2021 | एम०ए०योग द्वितीय वर्ष MAY-2nd year |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 7 | ONLINE MODE | 10/01/2022 से 19/01/2022<br>प्रयोगात्मक परीक्षा 20/01/2022 | MAY-2nd Semester |
| 8 | ONLINE MODE | 25/02/2022 से 01/03/2022<br>प्रयोगात्मक परीक्षा 02/03/2022 | एम०ए०योग प्रथम वर्ष MAY-1st year |
| 9 | ONLIE MODE | 25/02/2022 से 01/03/2022<br>प्रयोगात्मक परीक्षा 02/03/2022 | BAY-1st year |
| 10 | ONLINE MODE | 25/02/2022 से 01/03/2022<br>प्रयोगात्मक परीक्षा 02/03/2022 | BAY-2nd year |
| 11 | ONLINE MODE | 13/03/2022 से 22/03/2022<br>प्रयोगात्मक परीक्षा 23/03/2022 | एम०ए०योग प्रथम वर्ष MAY-1st year |
| 12 | ONLINE MODE | 13/03/2022 से 22/03/2022<br>प्रयोगात्मक परीक्षा 23/03/2022 | एम०ए०योग द्वितीय वर्ष MAY-2nd year |
| 13 | ONLINE MODE | 13/03/2022 से 22/03/2022<br>प्रयोगात्मक परीक्षा 23/03/2022 | MAY-2nd Semester |
| 14 | ONLINE MODE | 13/03/2022 से 22/03/2022<br>प्रयोगात्मक परीक्षा 23/03/2022 | BAY-1st year |
| 15 | ONLINE MODE | 13/03/2022 से 22/03/2022<br>प्रयोगात्मक परीक्षा 23/03/2022 | BAY-2nd year |
| 16 | ONLINE MODE | 13/03/2022 से 22/03/2022<br>प्रयोगात्मक परीक्षा 23/03/2022 | BAY- 3rd year |
| 17 | ONLINE MODE | 13/03/2022 से 22/03/2022<br>प्रयोगात्मक परीक्षा 23/03/2022 | DSY |

- योग विभाग द्वारा एम. ए. योग प्रथम सेमेस्टर के ऑनलाइन सत्रीय कार्य वेबसाइट अपलोड किया गया।
- शीतकालीन सत्र 2020 की उत्तरपुस्तिकाओ का मूल्यांकन किया गया।
- योग विभाग द्वारा बी. ए. योग तृतीय वर्ष के सत्रीय कार्य का निर्माण कार्य किया गया।
- योग विभाग द्वारा दिनांक 5 अप्रैल 2021 से 9 अप्रैल 2021 तक होने वाली कार्यशाला की आवश्यक व्यवस्था पूरी की गयी।

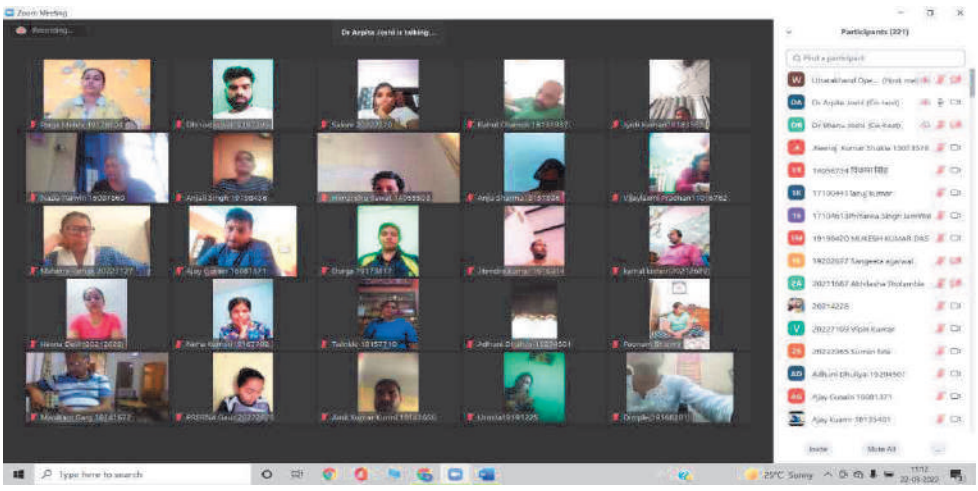

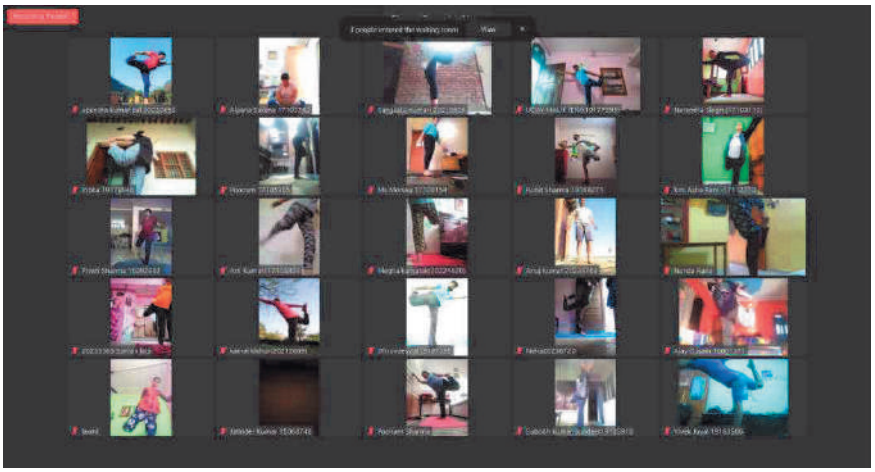

**योग कार्यशाला की छायाचित्र**

- विभागीय शिक्षक द्वारा योग विभागीय शिक्षार्थियों की 10 दिवसीय आवश्यक कार्यशाला आयोजन के साथ-साथ ऑनलाइन शिक्षण भी किया गया।

# विधि विद्याशाखा

## (School of Law)

- 26-11- 2021भारत का "अमृत महोत्सव" एवं "नमामि गंगे" अभियान के तहत् व्यपापक जन भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्कूल ऑफ लॉ के तत्वाधान में "संविधान दिवस" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया -

राजनीति विभाग,लोक प्रशासन विभाग तथा विधि विभाग उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी; दिनांक: 26 जनवरी 2022; विषय "सशस्त्र सेनाओं का शौय: वीरगाथा"

- प्रो. ए. के. नवीन के निर्देशन में श्री दलबीर लाल ने" Impact of Information Technology on Human Rights: A Socia-Legal Study with Special Reference to Almora District of Uttarakhand:"पर शोध उपाधि प्राप्त की
- प्रोफ ए. के. नवीन के निर्देशन में श्री कौस्तुबानन्द जोशी ने "Changing Dimensions of Land Acquisition Laws (Compensation, Rehabilitation and Resettlement) of Land Owner in India: A Socio –Legal Study of Land Acquisition in District Udham Singh Nagar" पर शोध उपाधि प्राप्त की
- दिनांक 20 नवंबर 2021 को डॉ.दीपांकुर जोशी द्वारा प्रसार प्रशिक्षण केंद्र रुद्रपुर में जिले के विभिन्न कार्यालयों के लोक सूचना अधिकारिओं को सूचना के अधिकार पर विशेष अतिथि व्याख्यान प्रदान किया गया।

# पर्यटन, आतिथ्य एवं होटल प्रबन्धन विद्याशाखा

(School of Tourism, Hospitality and hotel Management)

| Sr. No. | Name of the Activity | Date | Number of Participants |
|---|---|---|---|
| 1. | **Organized National Webinar on topic** "Emerging Perspectives of Water-based Tourism in India: Special focus on Sacred River Ganga" | 22 September 2021 | Total 174 learners participated in national webinar |
| 2. | **Organized** Poster making, Essay Writing, Power Point Presentation and Photography Competitions for students of different institutions on the occasion of World Tourism Day 2021 | 27 September 2021 | More than 25 learners from different institutions and schools participated in different competitions |
| 3. | **Lecture delivered on the topic on** "Introduction to tourism industry and tour guide" **in G.S.S.S Baldhar, Himachal Pradesh** | 1st October 2021 | Total 25 students participated the lecture |
| 4. | **Lecture delivered on the topic on "** Ethics of Tourist Guides" in Department of Tourism, Dr Ram Manohar Lohia Awadh University, Ayodhya | 10th October 2021 | Total 22 learners participated in lecture |
| 5. | **Lecture delivered to research scholars of course work on the topic on** "techniques of Data Collection" | **27th October 2021** | Total 28 research scholars participated in the lecture |
| 5. | **Article published on the topic** "Emerging Technological Innovations in Tourism & Hospitality Industry" **is published in edited book title ICT with Tourism & Management** | **Published in December 2021** | **-** |
| 6. | **Online lecture delivered on topic** "Green Hotel Practices and their role in Achieving Sustainable Tourism Development**" in Quantum University, Roorkee** | **24th December 2021** | **-** |

| | | | |
|---|---|---|---|
| **7.** | **Research Paper published in peer-reviewed Journal of Tourism and Hospitality (vol.08 issue 01) ISSN: 22500526 on topic** "Emerging Experiences, Visitor's Satisfaction and Quality of Services in Tourism" | **January 2021** | **-** |

## ❖ पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा

- बीएलआईएस-21 कार्यक्रम के लिए ऑनलाइन कार्यशाला, इसमें प्रत्येक सेमेस्टर के लिए दो प्रैक्टिकल पेपर हैं, 1. लाइब्रेरी क्लासिफिकेशन (बीएलआईएस 104) और लाइब्रेरी कैटलॉगिंग (बीएलएस-105) का आयोजन स्कूल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस द्वारा किया गया है।

BLIS-104 ( CC & DDC) ऑनलाइन कार्यशाला

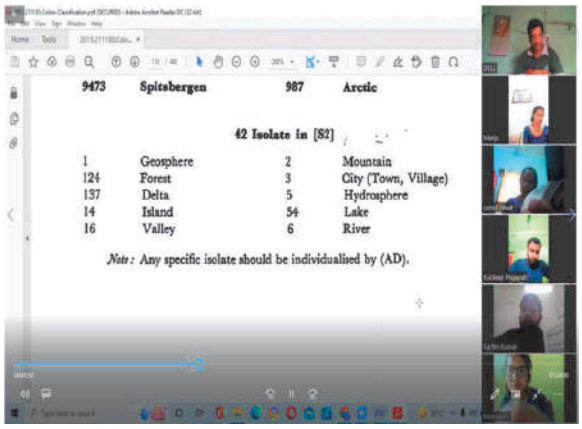


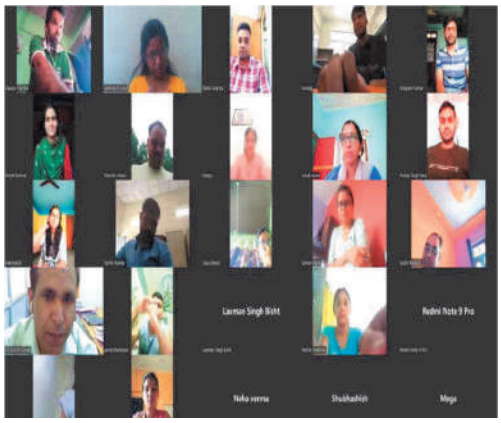

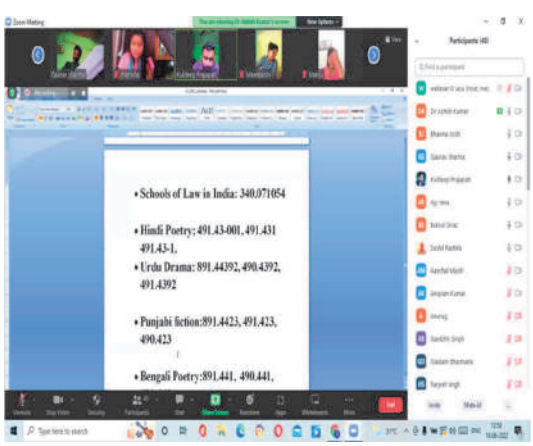


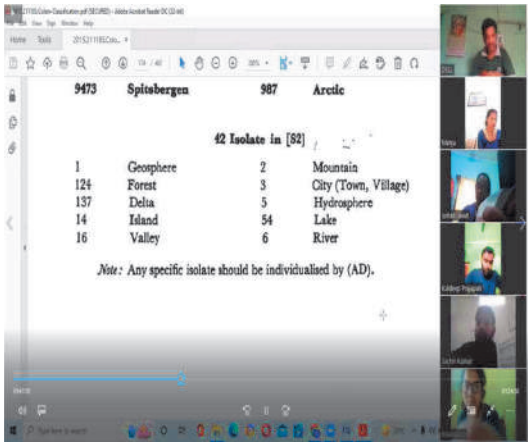

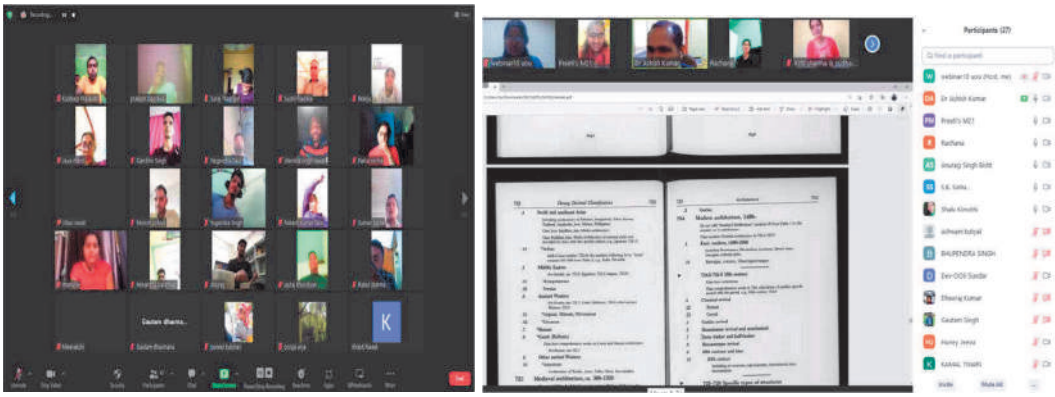

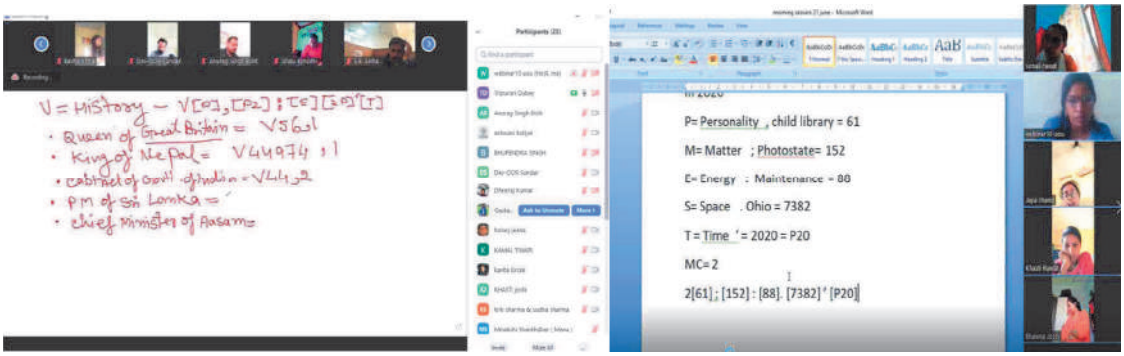


BLIS-105 ( AACR-2 & CCC) ऑनलाइन कार्यशाला

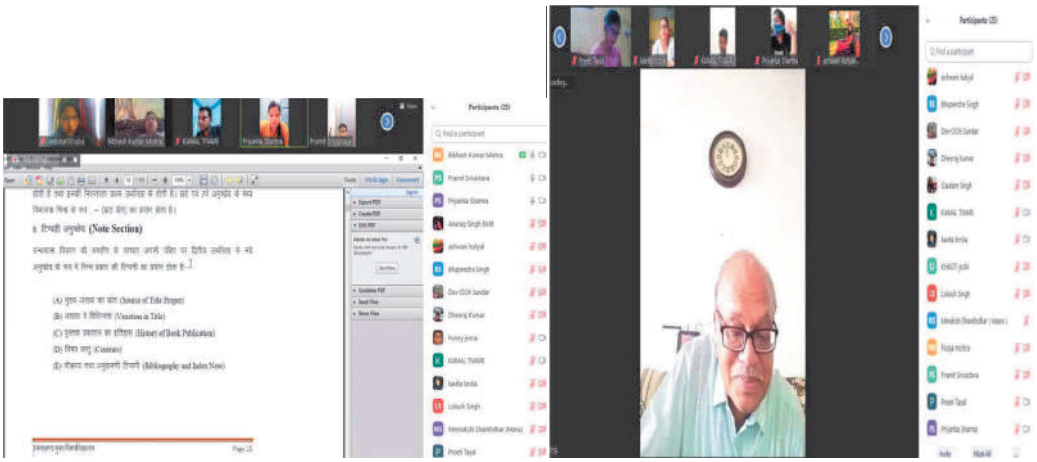

## BLIS-21 के लिए ऑनलाइन परामर्श कक्षाएं

—

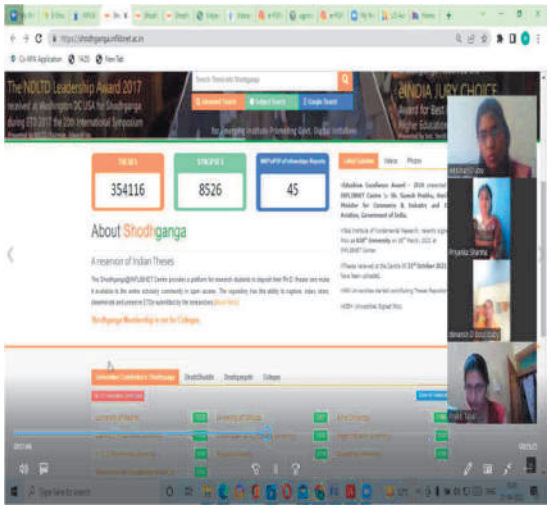
354116
8526
45
About Shodhganga

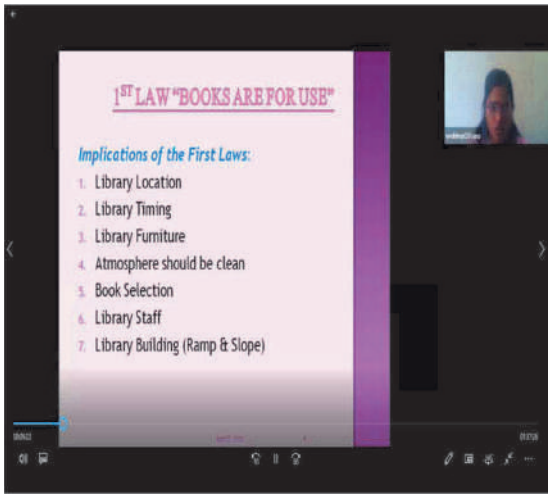
1ST LAW "BOOKS ARE FOR USE"
Implications of the First Laws:
1. Library Location
2. Library Timing
3. Library Furniture
4. Atmosphere should be clean
5. Book Selection
6. Library Staff
7. Library Building (Ramp & Slope)

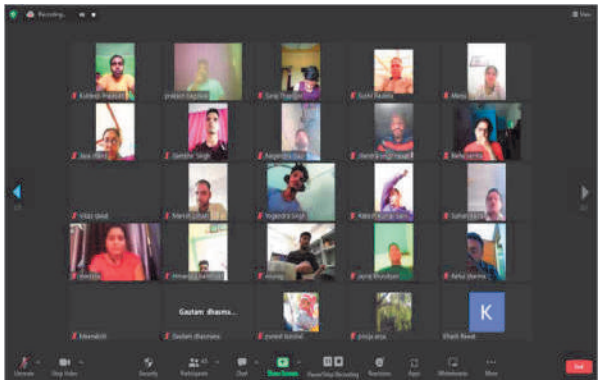

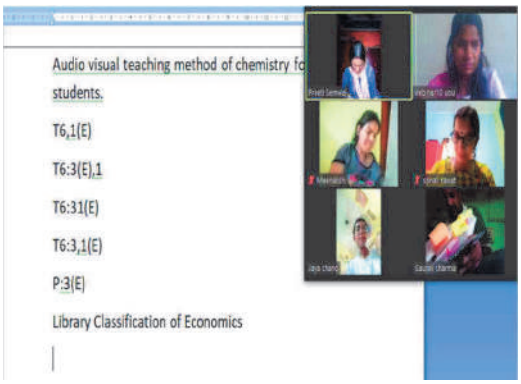
Audio visual teaching method of chemistry fo
students.
T6,1(E)
T6:3(E),1
T6:31(E)
T6:3,1(E)
P:3(E)
Library Classification of Economics

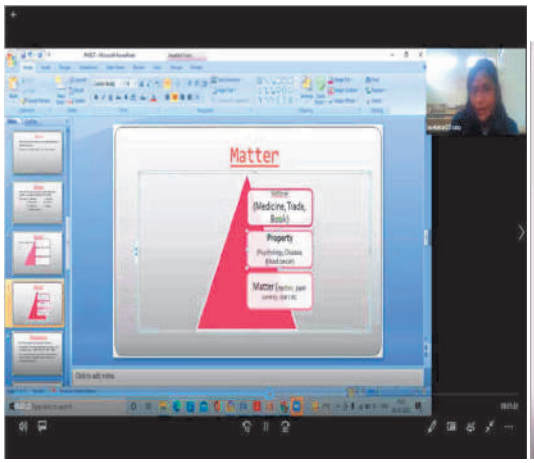
Matter

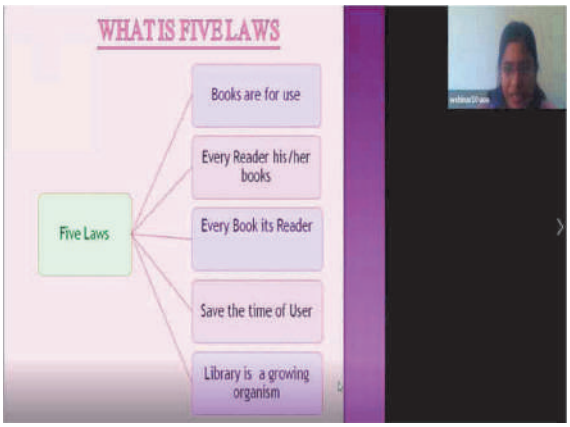
WHAT IS FIVE LAWS
Five Laws
Books are for use
Every Reader his/her books
Every Book its Reader
Save the time of User
Library is a growing organism

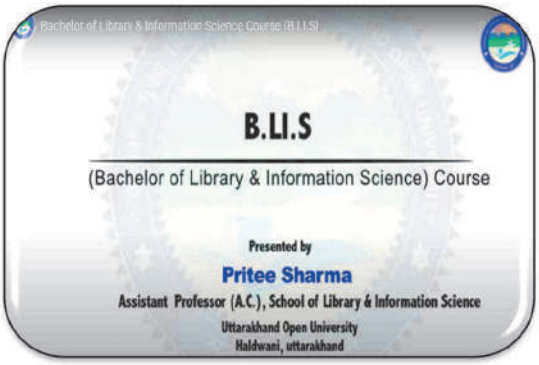

- Bachelor of library & Information Science (BLIS)

Foundation of Library and Information Society

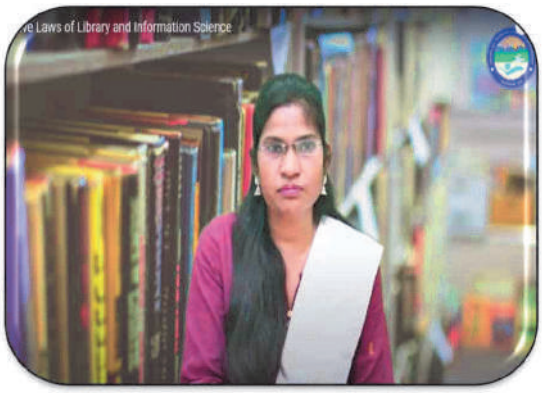

Profession of Librarian and its Ethics

Five Laws of Library and Information Science

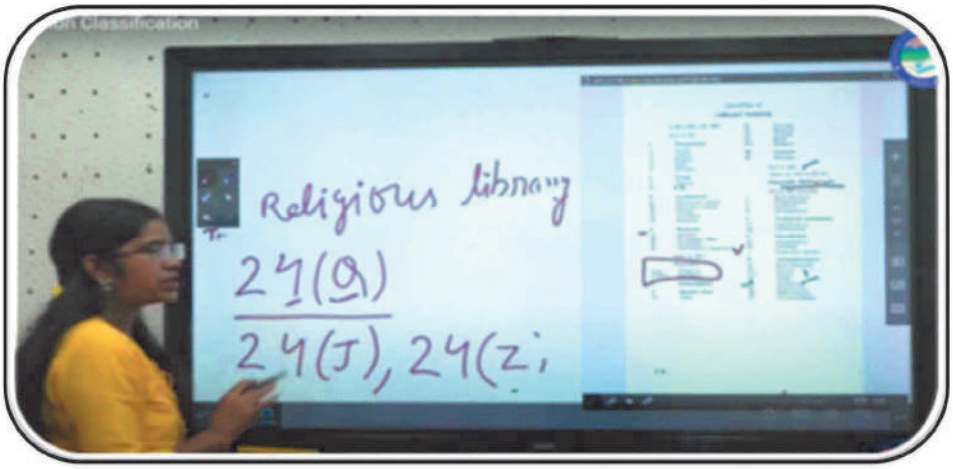


- Types of Libraries

Colon Classification

# 'राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस' पर शिक्षार्थियों द्वारा गतिविधियाँ

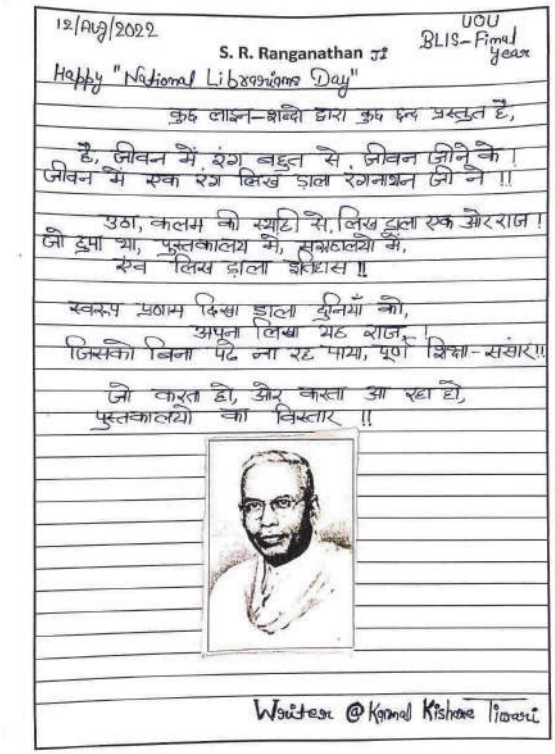


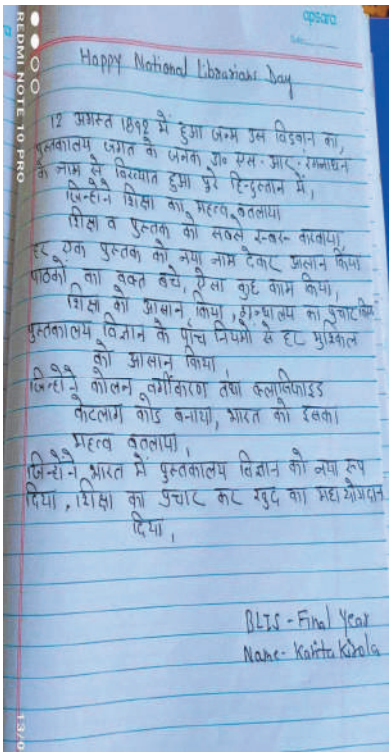


"थे वो एक महान हस्ती"
"है जिन्होंने लाइब्रेरी साइंस को अमूल्य नेमते हैं बख्शी"
"दिया है उन्होने ही लाइब्रेरी साइंस को एक नया मुकाम है"
"दी उन्होंने लाइब्रेरी साइंस को एक नई पहचान है"
"हैं उन्होंने ही बख्शी "फाइव लॉ ऑफ लाइब्रेरी साइंस" की नेमेते "
"हम उन्हें भारत में लाइब्रेरी साइंस का पितामह कहते हैं "
"है किया जिनका भारत सरकार ने स्वयं ही पदम श्री से अलंकरण उनका"
"था पाया रेयरेस्ट टाइटल of नेशनल रिसर्च प्रोफेसर जिन्होंने"
"प्रिंस ऑफ अमेंग librarians वो कहे जाते हैं"
"किया उन्होने ही अपने गणित का प्रयोग भी"
"है जिसकी वजह कोलोन क्लासिफिकेशन न केवल एक मात्र संयोग ही"
"दी उन्होंने थी टक्कर डीडीसी जैसे वर्ल्ड क्लासिफिकेशन स्कीम को"
"थे लेके आए वो सी सी, सीसीसी, और चैन इंडेक्सिंग को"
"कोशिशें हैं उनके जैसा कुछ कर गुजरने को
"पर शायद ये बहुत बड़ी बात होगी"
"जिन्होंने था कर दिया सर्वस्व समर्पित इस लाइब्रेरी साइंस" "को एक नई ऊंचाइयों पे लाने को"
"पर काश कर सकें कुछ एक काम उन जैसा ही"
"तो ही समझेंगे हम , है सफल ये जिन्दगी मेरी"
"ये ग्लोबल प्लेयर साष्टांग नमन तुझको "
"है लिखा चंद पंक्तियों में श्रद्धा सुमन तुझको"

**Biography of Prince among Librarians Pt-1**

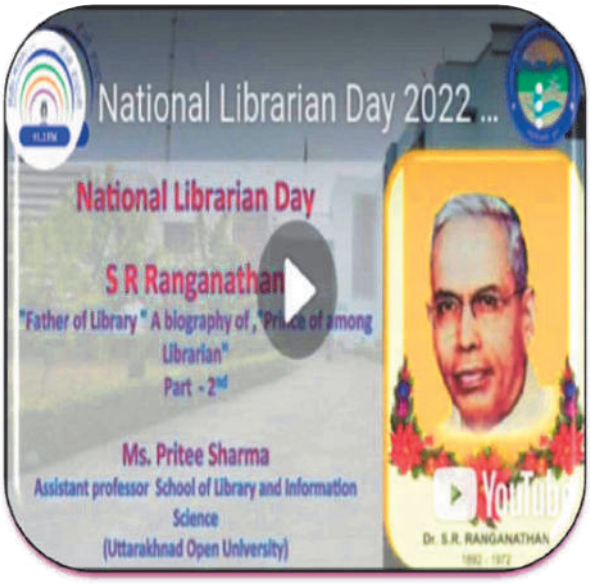


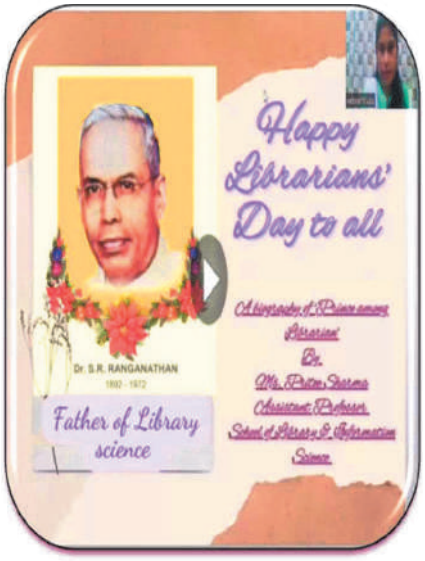


- **Biography of Prince among Librarians Pt-2** **Biography of Prince among Librarians Pt-1**
-

## यूजीसी नेट परीक्षा की तैयारी श्रृंखला

# 3. शोध/ परामर्श एवं प्रसार

## (Research, Consultancy and Extension)

शोध विश्वविद्यालय के चिन्तन का प्राण होता है। नवीन खोज एवं शोध ही हमारी मौलिक विचार दृष्टि का निर्माण करते हैं। नवीन तथ्य एवं खोज जहाँ पूर्व के विचारों पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं, उसका विस्तार करते हैं; वहीं वे नवीन चिन्तन की आधारपीठिका भी तैयार करते है। इसीलिए शोध और विचार का सम्बन्ध पार्श्व एवं मुख्यांश का है, जो एक–दूसरे से घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं। शोध के इसी महत्व को समझते हुए यू.जी.सी. एवं उच्च शिक्षण संस्थान समय-समय पर गुणवत्तापरक शोध की दिशा में प्रयासरत रहते हैं। चूँकि विश्वविद्यालय अपने नवीन शोध कार्य के कारण जाना जाता है, इसलिए विश्वविद्यालय में शोध कार्य का महत्व स्वयं सिद्ध है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने वैचारिक गुणवत्ता के उन्नयन के लिए राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के आधार पर अपनी शोध की पीठिका तैयार की है। विश्वविद्यालय में कुलपति महोदय की अध्यक्षता में शोध के नये-नये कार्य किये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में शोध की गतिविधियों को केंन्द्रित करने के लिए 'शोध एवं नवाचार निदेशालय' की स्थापना की गयी है। शोध एवं नवाचार निदेशालय का कार्य शोध के प्रवेश से लेकर शोध की मौखिकी कराने तक का है।

विश्वविद्यालय में शोध सम्बन्धित गतिविधियाँ सुचारू एवं अनुशासनबद्ध तरीके से चलें, इसके लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने विभागीय शोध समिति एवं शोध उपाधि समिति का गठन किया है। विभागीय शोध समिति की रूपरेखा एवं शोध उपाधि समिति की रूपरेखा इस प्रकार है –

### 3.1 विभागीय शोध समिति:

- विद्याशाखा का निदेशक - अध्यक्ष
- सम्बन्धित विभाग का समन्वयक - संचालक
- सम्बन्धित विद्याशाखा के अध्यापक - सदस्य
- कुलपति द्वारा नामित सदस्य - अन्य विद्याशाखा का अध्यापक

### 3.2 शोध उपाधि समिति:

- सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक - अध्यक्ष
- सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष - संयोजक
- सम्बन्धित विभाग के समस्त अध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हो - सदस्य
- कुलपति द्वारा नामित सम्बन्धित विषय के दो बाह्य परीक्षक जिनमें से एक की उपस्थिति अनिवार्य-सदस्य
- निर्देशक शोध - सदस्य

ज्योतिष विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थियों श्री शाशांक शर्मा, नामांकन संख्या–16091240 एवं श्री कमल डिमरी, नामांकन संख्या–15076582 द्वारा ऑनलाइन (Zoom App) प्रक्रिया के माध्यम से शोध प्रस्ताव शोध सलाहकार समिति (RAC) के समक्ष **दिनांक 23 दिसम्बर 2021** को प्रस्तुत किये गये।

ज्योतिष विभाग की शोध सलाहकार समिति (RAC) की बैठक **दिनांक 23 दिसम्बर 2021** को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

ज्योतिष विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थियों श्री शाशांक शर्मा, नामांकन संख्या–16091240 एवं श्री कमल डिमरी, नामांकन संख्या–15076582 द्वारा ऑफलाइ प्रक्रिया के माध्यम से शोध प्रस्ताव शोध उपाधि समिति (RDC) के समक्ष **दिनांक 28 दिसम्बर 2021** को प्रस्तुत किये गये। ज्योतिष विभाग की शोध उपाधि समिति (RDC) की बैठक **दिनांक 28 दिसम्बर 2021** को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। जिसमें शोध उपाधि समिति (RDC) द्वारा निम्न शोध शीर्षकों पर अपनी संस्तुति प्रदान की गई।

| पीएच0डी0 शोधार्थी का नाम | नामांकन संख्या | विभाग | अनुमोदित शोध शीर्षक |
|---|---|---|---|
| श्री शशांक शर्मा | 16091240 | ज्योतिष | 'सप्तम भाव विमर्श' |
| श्री कमल डिमरी | 15076582 | ज्योतिष | 'बालारिष्ट समीक्षा' |

शिक्षाशास्त्र विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थियों नमिता सामन्त, नामांकन संख्या–14047135, लता आर्या, नामांकन संख्या–19198549, शहरयार अख्तर, नामांकन संख्या–19198927 एवं कमल चन्द्र गहतोड़ी, नामांकन संख्या–20206068 द्वारा ऑफलाइन प्रक्रिया के माध्यम से शोध प्रस्ताव शोध उपाधि समिति (RDC) के समक्ष **दिनांक 13 दिसम्बर 2021** को प्रस्तुत किये गये। शिक्षाशास्त्र विभाग की शोध उपाधि समिति (RDC) की बैठक **दिनांक 13 दिसम्बर 2021** को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। जिसमें शोध उपाधि समिति (RDC) द्वारा निम्न शोध शीर्षकों पर अपनी संस्तुति प्रदान की गई।

| पीएच0डी0 शोधार्थी का नाम | नामांकन संख्या | वभाग | अनुमोदित शोध शीर्षक |
|---|---|---|---|
| नमिता सामन्त | 14047135 | शिक्षा शास्त्र | A Study of Attitude towards e-Learning of Senior Secondary students in relation to their academic achievement, academic motivation, academic anxiety and socio economic status |
| लता आर्या | 19198549 | शिक्षा शास्त्र | Elementary Teachers Attitude, Motivation and Challenges towards online Teaching Post COVID – 19 |
| शहरयार अख्तर | 19198927 | शिक्षा शास्त्र | A Study of Attitude towards Modernization and satisfaction with life of Secondary School Teachers in relation to some pertinent Socio-Educational variables |
| कमल चन्द्र गहतोड़ी | 19198927 | शिक्षा शास्त्र | स्वातंत्र्योत्तर भारत में गठित शिक्षा नीतियों के परिप्रेक्ष्य में शिक्षक–शिक्षा का समालोचनात्मक अध्ययन |

शिक्षाशास्त्र विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थियों नमिता सामन्त, नामांकन संख्या–14047135, लता आर्या, नामांकन संख्या–19198549, शहरयार अख्तर, नामांकन संख्या–19198927 एवं कमल चन्द्र गहतोड़ी, नामांकन संख्या–20206068 द्वारा ऑफलाइन प्रक्रिया के माध्यम से शोध प्रस्ताव शोध उपाधि समिति (RDC) के समक्ष **दिनांक 13 दिसम्बर 2021** को प्रस्तुत किये गये। शिक्षाशास्त्र विभाग की शोध उपाधि समिति (RDC) की बैठक **दिनांक 13 दिसम्बर 2021** को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। जिसमें शोध उपाधि समिति (RDC) द्वारा निम्न शोध शीर्षकों पर अपनी संस्तुति प्रदान की गई।

| पीएच0डी0 शोधार्थी का न | नामांकन सं | विभाग | अनुमोदित शोध शीर्षक |
|---|---|---|---|
| नमिता सामन्त | 14047135 | शिक्षाशास्त्र | A Study of Attitude towards e-Learning of Senior Secondary students in relation to their acad achievement, academic motivation, academic anxi and socio economic status |
| लता आर्या | 19198549 | शिक्षाशास्त्र | Elementary Teachers Attitude, Motivation and Challenges towards online Teaching Post COV |
| शहरयार अख्तर | 19198927 | शिक्षाशास्त्र | A Study of Attitude towards Modernization and satisfaction with life of Secondary School Teachers in relation to some pertinent Socio-Educational variables |
| कमल चन्द्र गहतोड़ी | 19198927 | शिक्षाशास्त्र | स्वातंत्र्योत्तर भारत में गठित शिक्षा नीतियों के परिप्रेक्ष्य में शिक्षक–शिक्षा का समालोचनात्मक अध्ययन |

योग विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थियों अनिल कोठारी, नामांकन संख्या–19201234, सुनील कुमार, नामांकन संख्या–14056636 एवं नीता दियोलिया, नामांकन संख्या–19201245 द्वारा ऑफलाइन प्रक्रिया के माध्यम से शोध प्रस्ताव शोध उपाधि समिति (RDC) के समक्ष **दिनांक 07 दिसम्बर 2021** को प्रस्तुत किये गये। योग विभाग की शोध उपाधि समिति (RDC) की बैठक **दिनांक 07 दिसम्बर 2021** को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। जिसमें शोध उपाधि समिति (RDC) द्वारा निम्न शोध शीर्षकों पर अपनी संस्तुति प्रदान की गई।

| पीएच0डी0 शोधार्थी का नाम | नामांकन संख्या | विभाग | अनुमोदित शोध शीर्षक |
|---|---|---|---|
| अनिल कोठारी | 19201234 | योग | ''Role of selected yogic practices on quality of life of middle aged adults suffering from obesity, hyperlipidemia and long term glycemic control in type-2 diabetes.'' |
| सुनील कुमार | 14056636 | योग | ''पुलिसकर्मियों के कर्तव्य निष्पादन विषयक तनाव में योगाभ्यास की भूमिकाः एक प्रायोगिक अध्ययन |
| नीता दियोलिया | 19201245 | योग | ''रजोनिवृत्त की स्थिति के अंतर्गत महिलाओं में चिंता, तनाव व अवसाद पर चयनित यौगिक अभ्यासों के प्रभाव अध्ययन'' |

मनोविज्ञान विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थियों श्री सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल, नामांकन संख्या–13046679 द्वारा ऑनलाइन (Zoom App) प्रक्रिया के माध्यम से शोध प्रस्ताव शोध उपाधि समिति (RDC) के समक्ष **दिनांक 22 जनवरी 2022** को प्रस्तुत किये गये। मनोविज्ञान विभाग की शोध उपाधि समिति (RDC) की बैठक **दिनांक 22 जनवरी 2022** को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। जिसमें शोध उपाधि समिति (RDC) द्वारा निम्न शोध शीर्षकों पर अपनी संस्तुति प्रदान की गई।

| पीएच0डी0 शोधार्थी का नाम | नामांकन संख्या | विभाग | अनुमोदित शोध शीर्षक |
|---|---|---|---|
| श्री सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल | 13046679 | मनोविज्ञान | 'विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के माता–पिता के मानसिक स्वास्थ्य, चिंता एवं समायोजन का अध्ययन'। |

समाजशास्त्र विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थियों सुश्री तीर्थजनी पांडा, नामांकन संख्या–19199310, सुश्री नीलम दानू, नामांकन संख्या–11013452 द्वारा ऑनलाइन (Zoom App) प्रक्रिया के माध्यम से शोध प्रस्ताव शोध उपाधि समिति (RDC) के समक्ष **दिनांक 28 जनवरी 2022** को प्रस्तुत किये गये।

## 3.3 अनुसन्धान, प्रकाशन और पुरस्कार (RESEARCH PUBLICATIONS AND - AWARDS)

### कार्यशालाएँ / सेमिनार में प्रतिभाग/ आमन्त्रित व्याख्यान का विवरण
### (Details of Workshops/Seminars Attended)

| क्रमांक | नाम | विभाग | वर्ष | सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला |
|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी | ज्योतिष | **2021-22** | 1. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 20 से 24 जून 2021 पर्यन्त काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के ''वैदिक विज्ञान केन्द्र'' द्वारा आयोजित योग विषयक पंचदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार में प्रतिभाग किया गया।<br>2. दिनांक 12.02.2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्यपरिसर, अगरतला, त्रिपुरा द्वारा आयोजित एक दिवसीय बेबिनार में प्रतिभाग किया।<br>3. दिनांक 25 दिसम्बर 2021 को मालवीय जयन्ती के अवसर पर महामना एजूकेशनल फोरम के तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी में प्रतिभाग किया।<br>4. वैदिक विज्ञान केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली, श्री सत्य साई युनिवर्सिटी फॉर ह्यूमन एकसीलेन्स तथा महर्षि रिसर्च युनिवर्सिटी, नीदरलैंड के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक – 11 से 19 फरवरी 2022 तक आभासीय पटल पर आयोजित "वैदिक विज्ञान के विविध आयाम-2022" विषयक सप्त-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रतिभाग किया।<br>5. दिनांक - 28/02/2022 को आजादी के अमृत उत्सव पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी द्वारा आयोजित "विज्ञान दिवस पर एक दिवसीय राष्टीय संगोष्टी" में प्रतिभाग किया।<br>6. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 10 मार्च 2022 को श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, सोमनाथ, गुजरात द्वारा संचालित ''निवास एवं व्यावसायिक वास्तु (Vocational Vastu)'' विषय में शॉर्ट-टर्म ऑनलाइन पाठ्यक्रम से सम्बन्धित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | डॉ. नन्दन कुमार तिवारी | ज्योतिष | 2021-22 | में ''वास्तुलग्न कुण्डली में तन्वादि भावस्थ ग्रहफल विचार'' विषय पर व्याख्यान दिया गया।<br><br>7. डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी, सहायक प्राध्यापक, ज्योतिष द्वारा दिनांक 5–6 जुलाई 2021 को PRE-Ph.D Course work के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाईन माध्यम से ''Research:- Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.'' विषय पर व्याख्यान दिया।<br><br>8. डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी, सहायक प्राध्यापक, ज्योतिष द्वारा दिनांक 26 जुलाई 2021 को PRE-Ph.D Course work के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाईन माध्यम से 'Sampling in Qualitative Research; Basis determining the sample size and qualitative Research.' विषय पर व्याख्यान दिया। |
| 2. | मंगलम कुमार रस्तोगी | हिन्दी | 2021-22 | मंगलम कुमार रस्तोगी, असिस्टेंट प्रोफसर(AC) द्वारा भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला द्वारा आयोजित ''अर्थायाम : गांधी और अन्य भारतीय विचारक'' विषयक 15 दिवसीय शीतकालीन सत्र में प्रतिभाग किया गया। |
| 3. | डॉ. कमल देवलाल | भौतिकी विज्ञान | 2021-22 | 1. Dr. Kamal Devlal, Asstt. Professor, Physics Presented a poster "Investigation of Nonlinear Optical Response of Organic Compound Pyrrolidine-2,5-dione" in the DAE SSPS 2021 on 16 December 2021 conducted by BARC Mumbai. |
| 4. | डॉ. नीरज कुमार जोशी | संस्कृत | 2021-22 | 1. दिनाँक -22/01/2022 को संस्कृत ज्योतिष विभाग व शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के अन्तर्गत नई शिक्षा नीति के संदर्भ में चरित्र निर्माण पर एक दिवसीय अंतर्जालीय वेब कार्यशाला में प्रतिभाग किया।<br><br>2. श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली, शिक्षण अधिगम केंद्र, पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण योजना शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पंच दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन 14 से 18 जून 2021 तक, "मुक्त शैक्षिक संस्थानों ( OERs ) का विकास एवं अनुप्रयोग" (Development & Application of Open Educational Resources |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | (OERs) विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया गया।<br>3. 16 से 18 नवंबर, 2021 तक ई-पाठ्यक्रमों के डिजाइन और विकास पर 03 दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रतिभाग किया। जिसका आयोजित: टीचिंग लर्निंग सेंटर (टीएलसी) PMMMNMTT योजना के तहत, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार। द्वारा किया गया।<br>15 day FDP program on "Development of Online Course for SWAYAM" is proposed from 14/09/2021 to 28/09/2021 |
| 5. | डॉ. कल्पना पाटनी लखेड़ा | शिक्षा शास्त्र | 2021-22 | एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन, विषय -राष्ट्रीय शिक्षा नीति2020 के विशेष सन्दर्भ में -उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्धियां ,चुनौतियां एवं सम्भावनाएं 30 /10 /2021. |
| 6. | डॉ. देबकी सिरोला | शिक्षा शास्त्र | 2021-22 | डॉ॰ देबकी सिरोला के द्वारा 5 अप्रैल 2021 तक यूओयू द्वारा आयोजित इंडक्शन प्रोग्राम में प्रतिभाग कर प्रशिक्षण लिया गया। |

## प्रकाशन
## (Publications)

| क्रमांक | नाम व पद | विद्याशाखा / विभाग | प्रकाशन |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी (असिस्टेन्ट प्रोफेसर) | मानविकी / ज्योतिष | 1. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा लिखित शोध पत्र शीर्षक - **''ज्योतिषशास्त्रोक्त सूर्यादिग्रहजनित रोग विमर्श''** विषयक International Journal of Jyotish Research 'वेदचक्षु' पत्रिका में प्रकाशित हुआ। (ISSN No. - 2456-4427).<br>2. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा लिखित **''भगण विमर्श''** शीर्षक नामक शोध आलेख INTERNATIONAL JOURANL OF JYOTISH RESEARCH 'वेदचक्षु' नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ। ISSN NO.- 2456-4427. |
| 2. | डॉ0 प्रवेश कुमार सहगल (एसोसिएट प्रोफेसर) | जन्तु विज्ञान | **1.** R. K. Singh, Meenakshi bisht and Pravesh Kumar Sehgal (2021 December )To Study of S selection, Research design and methods of Co National Park, Ramnagar. International Journa Creative Research Thoughts (IJCRT), Volume and Issue 12 December 2021 \| ISSN: 2320-28 445-450.<br>2. R. K. Singh, Meenakshi bisht and Pravesh K Sehgal (2021 December) .Demographic stu standard of living and their dependency of C National park, Ramnagar. Journal of Em Technologies and Innovative Research (JI 2021 JETIR December 2021, Volume 8, Iss (ISSN-2349-5162), P 792-803<br>3. प्रवेश कुमार सहगल (अप्रैल 2021), यौन द्विरूपता के वयस्कों का विवरण क्राइसोकोरिस स्टोली वुल्फ ऑफ (हेटेरोप्टेरा-पेंटाटोमिडे-स्कुटेलरेन)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अनुसंधान और विश्लेषणात्मक समीक्षा - IJRAR। (ई-आईएसएसएन 2348-1269, पी-आईएसएसएन 2349- |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | 5138) वॉल्यूम 8 \| अंक 2 \| अप्रैल 2021, पीपी 642-652। यूजीसी अनुमोदन: जर्नल नंबर: 43602।<br>4. प्रवेश कुमार सहगल1, सतपाल सिंह (12 जून, 2021)। संस्करण का मूल्यांकन क्राइसोकोरिस स्टोली वुल्फ का जलपान और बौद्धिक पोषण (Heteroptera-Pentatomidae-Scutelleridae। कृषि आविष्कार का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेएआई) आरएनआई: यूपीईएनजी/2016/70091 आईएसएसएन: 2456-1797 (पी) खंड: 6, अंक: 1, पृष्ठ: 88-92 जर्नल मुखपृष्ठ I<br>5. "डिजिटल टेक्नोलॉजी, कार्यालय कौशल, पर पांच दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला" में भाग लिया और प्रौद्योगिकी उन्नत शिक्षण, 8-12 नवंबर, 2021 तक। स्कूल का आयोजन वोकेशनल स्टडीज, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के सहयोग से उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा और amp; अनुसंधान केंद्र (यूएसईआरसी), सरकार। उत्तराखंड के, देहरादून I<br>6. आर.के. सिंह और प्रवेश कुमार सहगल (अगस्त -2021)। प्री-ओविपोसिटर, अंडे का अध्ययन करने के लिए ऑडिनेशिया स्पिनिडेंस फैबर की संरचना हैचिंग और ऊष्मायन अवधि। (हेटेरोप्टेरा- पेंटाटोमिडे। जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च (जेईटीआईआर)। (आईएसएसएन- 2349-5162), खंड 8, अंक 8, पीपी 306-314। यूजीसी स्वीकृत -63975 I<br>7. डॉ.प्रवेश कुमार सहगल द्वारा पीएचडी में कोर्सवर्क के एक भाग के रूप में व्याख्यान दिया है। कार्यक्रम, यूओयू। मैं 17 दिसंबर 2021 को वर्चुअल क्लास के माध्यम से व्याख्यान दें। के लिए विषय लेक्चर '· प्रेडेटरी पब्लिशर्स एंड जर्नल्स' हैI<br>8. डॉ प्रवेश कुमार सहगल द्वारा एफडीपी (अग्रिम सांख्यिकीय डेटा पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला) में भाग लिया है SPSS का उपयोग करके विश्लेषण) 21-27 जनवरी, 2022 के दौरान विज्ञान द्वारा आयोजित- टेक संस्थान, लखनऊ, यूपी I |
| 3. | डॉ0 आशुतोष भट्ट | कम्प्यूटर विज्ञान | 1. Dr. Ashutosh Kumar Bhatt, Associate Professor and Prof. Durgesh Pant- School of Computer Science & IT have co-authored a paper entitled “SVM Model to predict the Water Quality based on Physicochemical Parameters” which is published in International Journal of Mathematical, Engineering and Management Sciences Vol. |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | 6, No-2, 645-659, 2021, , ISSN: *2455 - 7749, (Web of Science/**ESCI**)*.<br>2. Dr. Ashutosh Kumar Bhatt published a paper entitled "Thoracic Disease Detection using Deep Learning", in the proceedings of 5th International Conference on Computing Methodologies and Communication, ICCMC 2021, 2021, pp. 1197–1203, 9418343, Scopus indexed.<br>3. Dr. Ashutosh Kumar Bhatt co-authored a paper entitled, "Providing patient centric healthcare to diabetic patients using D-care recommender system" in the proceedings of ACM International Conference Proceeding Series, June 2019 Article No.: 5, pp. 1–5, https://doi.org/10.1145/3339311.3339316, Scopus indexed. |
| 4. | कृष्ण कुमार टम्टा | | 1. Ashish Tewari, Shruti Shah, Nandan Singh, **Krishna Kumar Tamta,** and Amit Mittal, (2021). Tree Water Relations in the Treeline. Book chapter published in the book entitled "Interpreting Mountain Treelines in a Changing; World Largely Based on the Indian Himalaya. Central Himalayan Environment Association (CHEA), Nainital (Uttarakhand) India and International Centre for Integrated Mountain Development (ICIMOD), Nepal.<br>2. Pankaj Tewari, Ripu Daman Singh, Surabhi Gumber, **Krishna Kumar Tamta**, and Harshita Joshi, (2021). Anthropogenic Pressures on Himalayan Timberlines and Experiences with Livelihood Interventions. Book chapter published in the book entitled "Interpreting Mountain Treelines in a Changing; World Largely Based on the Indian Himalaya. Central Himalayan Environment Association (CHEA), Nainital (Uttarakhand) India and International Centre for Integrated Mountain Development (ICIMOD), Nepal |
| 5. | डॉ. प्रभाकर पुरोहित<br>असिस्टेन्ट प्रोफेसर (AC) | ज्योतिष | 1. 'कला के क्षेत्र में ज्योतिष का योगदान' शीर्षक शोध आलेख, ज्योतिर्वेद प्रस्थानम नामक पत्रिका में प्रकाशित,अप्रैल 2021, (ISSN No. 2278- 0327) |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | 2. 'ज्योतिष शास्त्र में रक्तचाप रोग' शीर्षक शोध आलेख, ज्योतिर्वेद प्रस्थानम, में प्रकाशित<br>जुलाई – अगस्त 2021, ISSN No.-2278- 0327,<br><br>3. 'होराशास्त्र दृष्टया सन्ततिसुखयोगनां विवेचनम्' शीर्षक शोध आलेख, शोध प्रज्ञा नामक पत्रिका में प्रकाशित, जून 2021 , ISSN No. 2347 -9892 |
| 6. | डॉ. श्याम कुंजवाल | जन्तु विज्ञान | 1.डॉ श्याम कुंजवाल, 12 जुलाई 2021 को समाजशास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान विद्यालय, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी द्वारा आयोजित "असंगठित क्षेत्र में कामकाजी महिलाओं पर कोविड-19 का प्रभाव: शहरी क्षेत्र के विशेष संदर्भ में" पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया I<br>2. डॉ श्याम कुंजवाल, नेत्रा इंस्टीट्यूट ऑफ जियोइन्फॉर्मेटिक्स मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजीज फाउंडेशन, द्वारका, नई दिल्ली, और भूगोल विभाग, पीजी कॉलेज, रानीखेत, द्वारा 13 जुलाई, 2021 को जीआईएस एप्लिकेशन और करियर के अवसरों पर आयोजित एक दिवसीय वेबिनार में भाग लिया।<br>3. डॉ श्याम कुंजवाल, डॉ. वाई.पी. एस. पांगटे फाउंडेशन और इग्नू, डी.एस.बी. कैंपस, नैनीताल प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक परामर्श प्रकोष्ठ (SRICC), कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल द्वारा आयोजित "विश्व पर्यावरण दिवस" पर राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया; एनएसएस सेल, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल; सोसायटी फॉर माउंटेन डेवलपमेंट एंड कंजर्वेशन (एसएमडीसी), नैनीतालI<br>4. कैंसर स्टेम सेल: फ्रॉम एन इनसाइट टू द बेसिक्स टू रिसेंट एडवांस एंड थेराप्यूटिक टार्गेटिंग, जर्नल ऑफ स्टेम सेल इंटरनेशनल, वॉल्यूम एंड आर्टिकल आईडी 9653244, आईएसएसएन (पी) 1066-5099, आईएसएसएन (ई) 1549-4918 आईएफ: 5.131, श्याम एस. कुंजवाल द्वारा प्रकाशित I |
| 7. | डॉ. जितेन्द्र पाण्डेय | कम्प्यूटर विज्ञान | 1. Dr. Jeetendra Pande, Associate Professor-Computer Science have published a paper entitled "Investigating Student Satisfaction With Online Courses: A Case Study of Uttarakhand Open University" published in International Journal of Information and Communication Technology Education (IJICTE) Volume 17, Issue |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | 3 , a SCOUPUS and Web of Science indexed Journal on 23d April, 2021.<br><br>2. Dr. Jeetendra Pande have co-authored a chapter entitled "MOOCs in Higher Education: Current Trends in India and Developed Countries" in a book entitled Ubiquitous Technologies for Human Development and Knowledge Management published by IGI Global. ISBN: 9781799878445. |
| 8. | प्रोफेसर ए.के. नवीन | विधि | प्रो. ए. के. नवीन रचित शोध पत्र "दिव्यांग व्यक्तियों के शिक्षा के अधिकारों का एक अध्ययन" का प्रकाशन Empowerring India@75:Achivements,Vision and Oppurtunities में हुआ!<br>प्रोफ ए. के. नवीन और डॉ.दीपांकुर जोशी द्वारा दिनांक 05 मार्च 2021 से 05 अप्रैल 2021 तक एक माह के फैकल्टी इंडक्शन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। |
| 9. | दीपांकुर जोशी | विधि | 1.विधि विभाग के डॉ.दीपांकुर जोशी ने 31 जुलाई, 2021 को सामाजिक कार्य विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी और एनसीएसडब्ल्यूई-उत्तराखंड द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और सामाजिक कार्य पेशा: राष्ट्रीय सामाजिक कार्य परिषद के विशेष संदर्भ में "राष्ट्रीय वेबिनार में प्रतिभाग किया<br><br>2.विधि विभाग के डॉ.दीपांकुर जोशी ने 29-30 नवंबर, 2021 को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी द्वारा आयोजित "स्वास्थ्य समानता के प्रति स्वास्थ्य और स्वास्थ्य की मांग के व्यवहार के सामाजिक निर्धारक" राष्ट्रीय वेबिनार में प्रतिभाग किया<br><br>3.विधि विभाग के डॉ.दीपांकुर जोशी ने 8 मार्च, 2022 को गुरुकुल कांगड़ी (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), हरिद्वार<br>द्वारा आयोजित "स्थायी कल के लिए समानता को सशक्त बनाना" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय में प्रतिभाग किया |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 10- | डॉ. कमल देवलाल | भौतिकी | **Meenakshi Rana, Kamal Devlal**; "Thioglycolic acid capped CdTe quantum dots as sensors for the detection of hazardous heavy metal ion $Cu^{2+}$ in water" Mapan (2021). (do 10.1007/s12647-021-00479-5)<br>Mridula Sharma; Meenakshi Rawat; **Kam Devlal**; **Meenakshi Rana**, "Detection of sperm enrichment by raman spectroscopy percoll density gradient centrifuged buffa semen" Agricultural Research (2021 (Submitted to the journal)<br>ShradhaLakhera, **Kamal Devlal,** Arabinc Ghosh, **Meenakshi Rana**, In Silic Investigation of Phytoconstituents fro Medicinal Herb 'Piper Longum' Again SARS-CoV-2 by Molecular Docking ar Molecular Dynamics Analysis" 'Bioorgan and medicinal chemistry", (2021). (Submitte to the journal)<br>ShradhaLakhera, **Kamal Devla**l, Arabinc Ghosh, **Meenakshi Rana**, "Modelling th DFT structural and reactivity study Parthenolide and evaluation of its potenti antiviral activity using molecular dockin MD Simulations" 'Advances in Tradition Medicine'(2021). (Submitted to the journal) |
| 11. | डॉ. गगन सिंह | वाणिज्य | डॉ0 गगन सिह, सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य व डॉ0 गोप दत्त, अकादमिक परामर्शदाता व्यवसायिक अध्ययन द्वारा *"**Op Educational Resources: A Complementary Tool f Teaching and Learning During COVID-19 Lockdown*** शीर्षक पर लिखित शोध पत्र ***University News, Vol. 59, N 26, July,*** *New Delhi, pp.* ***23-27. (ISSN: 0566-2257)*** में प्रकाशि हुआ। |
| 12. | डॉ. गोपाल दत्त | व्यावसायिक अध्ययन | Dr. Gopal Dutt, Course Coordinator, Vocation studies Published a Paper in "DESIDOC Journ of Library and Information Technology ", title "Usages of Media Platform in 21st Century: study of Student' Perception", Vol. 41(4), 29 294. https://doi.org/10.14429/djlit.41.4.1716 (Supported by DRDO, Impact Factor (JCR 1.21) |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | Dr. Gopal Dutt, Course Coordinator, Vocation studies published Paper in University News- Weekly Journal of higher Educatio Association of Indian Universities. Title "Open Educational Resources: Complementary tool for teaching and Learnir during COVID-19 Lockdown". Vol. 59, No. 2 June 28 – July 04, 2021 |
| 13. | डॉ. सुनील कुमार | वाणिज्य | डॉ0 सुनील कुमार, सहायक प्राध्यापक द्वारा दिनांक 2 जुलाई, 2021 को फलतान एजुकेशन सोसायट Mudhoji college, Phaltan के वाणिज्य विभाग औ IQAC द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार प्रतिभाग किया। |
| 14. | डॉ. विनोद कुमार | रसायन | Dr. Vonod Kumar, Asstt. Professor, Chemistr Participated in "National Webinar on Rece Advances in Chemistry" organized b Department of Chemistry, Govt. Gajanar Agrawal Post Graduate college, Bhatapa (C.G.) on 26-07-2021.<br>Dr. Vonod Kumar, Asstt. Professor, Chemistr Presented Research work in the "Internation Workshop-cum-Conference (online) on Liche Research" sponsored by NMHS (MoEF&C and Department of Biotechnology, Kumau University Nainital from 29-07-2021-30-0 2021. |
| 15. | डॉ. पूजा जुयाल | वनस्पति विज्ञान | Dr. Pooja Juyal, academic associate attende (online) two days International workshop-cur conference on lichen research organized b Department of Biotechnology & SRICC, Kumau University, Nainital in collaboration with MNH (MoEF & CC) from July 29-30, 2021. |
| 16. | डॉ. मीनाक्षी राणा | भौतिकी | **Meenakshi Rana, Kamal Devla** "Thioglycolic acid capped CdTe quantu dots as sensors for the detection of hazardou heavy metal ion $Cu^{2+}$ in water" Mapan (2021 (doi: 10.1007/s12647-021-00479-5) |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | Mridula Sharma; Meenakshi Rawat; **Kam Devlal**; **Meenakshi Rana**, "Detection of sperm enrichment by raman spectroscopy percoll density gradient centrifuged buffa semen" Agricultural Research (2021 (Submitted to the journal)<br><br>ShradhaLakhera, **Kamal Devlal,** Arabinc Ghosh, **Meenakshi Rana**, In Silic Investigation of Phytoconstituents fro Medicinal Herb 'Piper Longum' Again SARS-CoV-2 by Molecular Docking ar Molecular Dynamics Analysis" 'Bioorgan and medicinal chemistry", (2021). (Submitte to the journal)<br><br>ShradhaLakhera, **Kamal Devla**l, Arabinc Ghosh, **Meenakshi Rana**, "Modelling th DFT structural and reactivity study Parthenolide and evaluation of its potenti antiviral activity using molecular dockin MD Simulations" 'Advances in Tradition Medicine'(2021). (Submitted to the journal) |
| 17. | डॉ. कीर्तिका पलडिया | वनस्पति विज्ञान | Dr. Kritika Padalia Published one research pap Citation as:<br>**Padalia K**, Bargali SS, Bargali K, Manral V (202 Soil microbial biomass phosphorus under differe land use systems of Central Himalaya. *Tropic Ecology*, https://doi.org/10.1007/s42965-02 00184-z (with Springer publication house). |
| 18. | डॉ. मुक्ता जोशी | वनस्पति विज्ञान | Dr. Mukta Joshi, Botany Attended a webinar "Geoinformatics Technology & Care Opportunities" 13th July 2021 organized Geography Department Govt PG College, Ranikh in collaboration with NIGMT Foundation, Ne Delhi. |
| 19. | डॉ. सरस्वती नन्दन ओझा | वनस्पति विज्ञान | Dr. S. N. Ojha, Asst. Prof. Attended a Nation Webinar on National Education Policy 2020 a Social Work Profession: With Special Reference National Council for Social Work Education B 2021 on 31 July 2021. |
| 20. | डॉ. कल्पना पाटनी लखेड़ा | शिक्षा शास्त्र | Published a research paper on "Teacher's role in 21st century and reforms in Teacher education with reference to NEP2020",Shodhdrishti,UGC approved journal No.49321,an International Peer |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | reviewed referral research journal vol-13, no-4, Impact factor 5.427,ISSN;0976-6650,April 2022 pp 83-89.<br>2. Published a research paper on "A study of reforms in Indian school curriculum; Regional perspective in Journal of education; Ravindra Bharti University ISSN;0972-7175impact factor 5.8 vol ;xxiv,no8, Peer reviewed and referred,2021-2022,pp117-125. |

## 3.4 विस्तार गतिविधियाँ और संस्थात्मक सामाजिक उत्तरदायित्व (Extention Activities and Institutional Social Responsibility)

### ❖ ग्रामों को गोद लिया जाना (Village Adoption)

<u>विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गये गांव में फतेहपुर से बसानी तक निकाली साईकिल रैली</u>

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव बसानी में बीते एक वर्ष को दौरान विविध कार्य किये गये-

1-गांव में मेडिकल कैम्पों का आयोजन किया गया, जिसमें फिजीशियन, सर्जन, बाल रोग विशेषज्ञ, महिला रोग विशेषज्ञ आदि ने सैकड़ों लोगों को निःशुल्क दवाईयां देने के साथ-साथ कई जांचे भी की।

2-गांव के निर्धन लोगों को कड़ाके की ठंड से बचाव के लिए ग्राम पंचायत व सरमाउण्ट पब्लिक स्कूल बसानी स्वयं सहायता समूह की सहायता से कम्बलों व जूते चप्पलों का वितरण किया गया।

3- अमृत महोत्सव के तहत गांव में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

4- हरेला पर्व या अन्य आयोजनों पर गांव में वृहद पौधारोपण किया गया।

5- गांव नशा मुक्ति का अभियान चलाया गया, जिसके तहत लोगों को जागरूक किया गया।

6-गांव में उच्चशिक्षा से वंचित लोगों को पुनः उच्चशिक्षा प्राप्त करने के लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय से जोड़ा गया।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये
गाँव बसासी में आपका हार्दिक स्वागत है।

# 4. अधिसंरचना और अधिगम संसाधन

## (Infrastructure and Learning Resources)

उत्तराखण्ड प्रदेश में शैक्षिक जगत के लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। इस विश्वविद्यालय ने अल्प समय में ही यहाँ के दूरस्थ, ग्रामीण एवं दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों को भी शिक्षा से जोड़कर समाज की मुख्यधारा में लाने का कार्य किया है। परम्परागत शिक्षा प्रणाली की अपनी सीमाएं होती हैं। सीमित सीटों, सीमित संसाधनों की वजह से वे सभी के लिए सुलभ नहीं हो पाती। परम्परागत शिक्षा प्रणाली केन्द्रीयता के सिद्धान्त पर चलने वाली व्यवस्था है, जिसमें एक केन्द्र की क्रियाशीलता होती है। मुक्त विश्वविद्यालयी प्रणाली में ''शिक्षा आपके लिए तथा शिक्षा आपके द्वार'' जैसी अवधारणा होती है। यही कारण है कि शिक्षा की मुख्यधारा से वंचित लोग भी इस प्रणाली में मुख्यधारा के अंग बन जाते हैं। मुक्त विश्वविद्यालय की इसी अवधारणा के क्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना हुई है।

**विश्वविद्यालय का मुख्य द्वार**

## 4.1 भौतिक अधिसंरचना (Physical Infrastructure)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का मुख्यालय हल्द्वानी में स्थित है। हल्द्वानी को उत्तराखण्ड का प्रवेश द्वार कहा जाता है, क्योंकि इसके पश्चात् राज्य की पर्वत श्रृंखलायें शुरू हो जाती है। यहाँ उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एक तरह से शिक्षा का द्वार भी बन जाता है, क्योंकि इसी के माध्यम से सम्पूर्ण राज्य में शिक्षा का 'सार्वजनीन प्रसरण' सम्भव हो पा रहा है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने अपनी प्राथमिक भूमिका को समझ कर राज्य के

शिक्षार्थियों-बुद्धजीवियों के लिए नये-नये पाठ्यक्रम का संचालन व अकादमकि गतविधियों में उनकी सक्रयि भागीदारी कर अपना महत्वपूर्ण सांस्कृतिक योगदान दिया है। किसी भी संस्था के कार्य का प्राथमिक आधार उसके ढाँचे और अधिसंरचनाएं होती हैं। मूलभूत ढाँचा और अधिसंरचना संस्था के कार्यों के सुचारू रूप से सम्पन्नता/संचालन में अपना विशेष योगदान देते हैं। इन्हीं के माध्यम से विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ अपना सजीव आकार ग्रहण कर पाती हैं। भौतिक अधिसंरचना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के भवन, परिसर, मूलभूत सुविधा, तकनीकी सुविधा एवं अन्य क्षेत्र आते हैं। एक प्रकार से अधिसंरचना एवं मानवीय संसाधन क्षमतायें संस्था के शरीर की भॉति होते हैं, जिसमें सभी गतिविधियाँ संचालित होती हैं।

## 4.2 मुख्य भवन (Main Building)

विश्वविद्यालय भवन का शिलान्यास तत्कालीन महामहिम कुलाधिपति एवं राज्यपाल डॉ. मार्ग्रेट अल्वा, मुख्यमन्त्री डॉ.रमेश पोखरीयाल 'निशंक' द्वारा अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। तदुपरान्त विश्वविद्यालय के भवन का उद्घाटन माननीय राज्यपाल श्री अजीज कुरैशी जी के कर कमलों द्वारा हुआ।

**विश्वविद्यालय का मुख्य भवन**

विश्वविद्यालय का भवन शैक्षिक, प्रशासनिक एवं तकनीकी परिसरों का संयुक्त समवाय है। इसका एक भवन जहाँ अकादमिक सदस्यों के लिए निर्मित है, वही दूसरा भवन प्रशासन के कार्यों के क्रियान्वयन के लिए है। भवन का एक हिस्सा कम्प्यूटर लैब के रूप में विकसित है। शैक्षणिक भवन के भीतर विश्वविद्यालय के 13 विद्याशाखाओं के शिक्षकों के बैठने के लिए स्वतन्त्र कक्ष की सुविधा उपलब्ध है, जिससे वे अपने विभागीय दायित्वों का निर्वहन कर सकें। शैक्षणिक भवन का विभाजन विद्याशाखाओं के अनुसार किया गया है। एक विद्याशाखा के भीतर विभिन्न विभाग हैं, जो आन्तरिक विषय-वस्तु की दृष्टि से जुड़े हुए हैं। कक्षों का विभाजन भी वैज्ञानिक पद्धति पर किया गया है। मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान, कम्प्यूटर साइन्स, वाणिज्य एवं प्रबन्धन, पत्रकारिता जैसी विद्याशाखाओं के लिए स्वतन्त्र स्थान एवं कक्ष निर्मित किये गए हैं।

## 4.3 प्रशासनिक भवन: (Administrative Building)

प्रशासनिक भवन विश्वविद्यालय की समस्त अकादमिक गतिविधियों के संचालन को व्यावहारिक धरातल पर क्रियाशील करने का केन्द्र होता है। इस भवन में कुलपति कार्यालय, कुलसचिव कार्यालय, वित्त नियंत्रक कार्यालय प्रमुख रूप से निर्मित है। कुलपति कार्यालय सम्पूर्ण विश्वविद्यालयी गतिविधियों, चाहें वह अकादमिक हो या प्रशासनिक का केन्द्र है। कुलसचिव कार्यालय सम्पूर्ण प्रशासन–कार्यों का नियन्त्रण करता है।

**प्रशासनिक भवन**

विश्वविद्यालय प्रशासन का तीसरा घटक वित्त नियन्त्रक कार्यालय है । वित्त–नियन्त्रक विश्वविद्यालय के समस्त आर्थिकी का केन्द्रभूत अधिकारी है। इस प्रकार कुलपति, कुलसचिव एवं वित्त कार्यालय आस-पास हैं, जिससे कार्य-संचालन में सुविधा हो।

विश्वविद्यालय भवन में कुछ अन्य अधिकारियों के कार्यालय भी हैं जिसमें मुख्य रूप से जनसम्पर्क अधिकारी, सहायक कुलसचिव, लोक सूचना अधिकारी हैं।

## 4.4. पुस्तकालय: एक अधिगम संसाधन के रूप में (Library: As a Learning Resource)

विश्वविद्यालय ज्ञान की एक बौद्धिक इकाई है। यह ज्ञान का ऐसा केन्द्र है, जो सम्पूर्ण समाज व संस्कृति को प्रभावित करता है। यह केवल ज्ञान का वितरण ही नहीं करता बल्कि उसका निर्माण भी करता है। ज्ञान-विज्ञान की इस प्रक्रिया में संवादात्मकता अनिवार्य है। संवाद की यह प्रक्रिया अध्यापक और छात्र के मध्य भी चलती है तथा पुस्तक और छात्र के मध्य भी। पुस्तक ज्ञान के संयोजित रूप होते हैं, इसीलिए हर वर्ग के व्यक्तियों के लिए यह हमेशा प्रासंगिक बनी रहती है। किसी भी उन्नत समाज की एक प्रमुख पहचान यह होती है कि उस समाज के पास श्रेष्ठ

ग्रन्थ, पुस्तकें कितनी हैं? समृद्ध समाज, समृद्ध पुस्तकों का ऋणी होता है। प्राचीन समय में भी नालन्दा, तक्षशिला के ग्रन्थालय भारतीय ज्ञानात्मक चेतना के उत्कर्ष के प्रतीक थें। आज भी ग्रन्थालय किसी भी स्थान समाज और विश्वविद्यालय के ज्ञान–केंद्र बने हुए हैं। ग्रन्थालय विश्वविद्यालय के ज्ञान केन्द्र होते हैं, जो विद्यार्थी व शिक्षक को निरन्तर ज्ञानात्कम ऊर्जा से संचालित करते हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पास समृद्ध पुस्तकालय है। इस पुस्तकालय में 26594 पुस्तकें उपलब्ध हैं, जो मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान, कम्प्यूटर साइंस, योग–आयुर्वेद, ज्योतिष, परम्परागत धर्मशास्त्र, विधि से लेकर लोक आधुनिक विषयों को भी समेटे हुए हैं। विश्वविद्यालय ग्रन्थालय विभाग इस बात के लिए दृढ़प्रतिज्ञ है कि ग्रन्थालय में किसी भी विषय की महत्वपूर्ण अध्ययन पुस्तकें उपलब्ध हों, इसीलिए समय-समय पर सम्बन्धित विषयों के प्राध्यापक नवीन पुस्तकों की सूची पुस्तकालय विभाग को देते रहते हैं।

ग्रन्थालय में पुस्तकों के साथ शैक्षणिक विडियों/ऑडियो भी संग्रहीत हैं, जिसका लाभ प्राध्यापक एवं छात्र उठाते रहते हैं। इसके अतिरिक्त प्रमुख जर्नल, पत्रिकाएं एवं समाचार पत्रों की सुविधाएं भी हैं, जो ग्रन्थालय को बहुविध ज्ञान–विज्ञान से सम्पन्न करती हैं। विश्वविद्यालय का ग्रन्थालय विभाग छात्रहित केन्द्रित रहा है, इसलिए उसने छात्र–हित को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सुविधाएं दी हैं, फिर वह चाहें छात्रों को पुस्तकों के आदान-प्रदान की सुविधा हो या इन्टरनेट सुविधा, फोटोकॉपी कराने की सुविधा हो या स्कैन कराने की सुविधा।

विश्वविद्यालय का ग्रन्थालय आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से युक्त है। ग्रन्थालय में सारी पुस्तकों की प्रविष्टि ई–माध्यम से की जा रही है जिससे अपनी दक्षता एवं तकनीकी सुविधाओं के उचित उपयोग से छात्र विश्वविद्यालय में उपलब्ध पुस्तकों को सहजता से ही प्राप्त कर सकते हैं।

पुस्तकालय विभाग की सक्रियता एवं कुशलता को समय–समय पर विभिन्न संगठनों ने सराहा है। NCTE, VGC, DEC एवं RC के सदस्यों के निरीक्षण समय-समय पर यहाँ होते रहें हैं। ग्रन्थालय के प्रभारी डॉ0 जटाशंकर तिवारी के साथ ही राकेश पंत एवं श्रीमती मीनू गुप्ता की सक्रियता ने पुस्तकालय को छात्र हित के सर्वथा अनुकूल बना दिया है। इस प्रकार विश्वविद्यालय का ग्रन्थालय आधुनिक सुविधाओं के साथ ही मानवीय दृष्टि से भी सहयोगी है। ग्रन्थालय से लगा इसका वाचनालय शांतिपूर्ण कक्ष है, जिसमें छात्र पुस्तकालय का उचित लाभ उठाते रहे हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अपनी अकादमिक गतिविधियों के लिए उत्तराखण्ड में विशेष प्रसरित रहा है। इसकी अकादमिक गतिविधियाँ स्वत: स्फूर्त हैं। यही कारण है कि विश्वविद्यालय में आए दिन विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है। विश्वविद्यालय में विभिन्न महापुरूषों की जयन्तियाँ मनाने का प्रचलन रहा है, जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की कार्यसूची में भी है।

## 4.5. पाठ्यसामग्री उत्पादन एवं वितरण प्रभाग (एम.पी.डी.डी.)

मुक्त विश्वविद्यालयीय परम्परा में पाठ्यसामग्री का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान है। दूसरे शब्दों में कहा जाय तो पाठ्यसामग्री मुक्त शिक्षण व्यवस्था में सर्वमूलाधार है। इस प्रणाली में छात्र प्रत्यक्ष नहीं होता, इसलिए यहाँ के अध्यापकों के लिए एक विशेष दायित्व बन जाता है कि उन्हें छात्रों को अप्रत्यक्ष रूप से उसका विषय बोध करायें।इस कड़ी में अध्यापक अपनी पाठ्यसामग्री से ही छात्रों से जुड़ता है। पाठ्यसामग्री मुद्रणोपरान्त एम.पी.डी.डी. प्रभाग द्वारा छात्रों को वितरित की जाती है। इस प्रकार पाठ्यसामग्री उत्पादन एवं वितरण प्रभाग विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण प्रभाग है। यह प्रभाग छात्रों तक पाठ्यसामग्री वितरण के प्रति उत्तरदायी है। यह प्रभाग सुनिश्चित करता है कि पाठ्यसामग्री छात्रों को समय पर प्राप्त हो सके।

**एम.पी.डी.डी. का नवनिर्मित भवन**

यह प्रभाग छात्रों के हित में, वर्ष 2021-22 से अधिकांश विद्यार्थियों की अध्ययन सामग्री सीधे उनके अध्ययन केन्द्रों पर प्रेषित कर रहा है। एम0पी0डी0डी0 अनुभाग द्वारा विद्यार्थियों को तीन प्रकार से पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराई जा रही है-

1. विद्यार्थियों को उनके अध्ययन केन्द्रों तक सीधे पहुँचाकर।
2. क्षेत्रीयों केन्द्रों तक पहुँचाकर।
3. विद्यार्थियों को सीधे उनके पते पर स्पीड पोस्ट के माध्यम से।
4. कूरियर सेवा के द्वारा।

**एमपीडीडी अनुभाग में अध्ययन सामग्री के साथ**

इस वर्ष से विश्वविद्यालय का एम.पी.डी.डी. अनुभाग का यह प्रयास रहा है कि विद्यार्थियों को उनकी अध्ययन सामग्री और अधिक सहजता से प्राप्त हो सके। इसके लिए यह अनुभाग निरन्तर नवीन योजनाओं के साथ कार्य कर रहा है। वर्ष 2018-19 में यह अनुभाग अपनी कार्यकुशलता के साथ नवीन परिवर्तन करते हुए शीघ्रता से विद्यार्थियों को उनकी अध्ययन सामग्री प्रेषित कर चुका है। इस प्रकार यह प्रभाग विद्यार्थियों को उनका पाठ्यसामग्री वितरण हेतु कटिबद्ध है।

## 4.6. सूचना प्रौद्योगिकी अधिसंरचना (Information Technology Infrastructure)

- **सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (I.C.T.)**

वर्ष 2010 में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में आई.सी.टी. विभाग की स्थापना की गई। विश्वविद्यालय के पास वर्तमान में विश्वविद्यालय के आई.सी.टी. विभाग का अपना स्वयं का वैब सर्वर, एप्लिकेशन सर्वर और डेटाबेस सर्वर है। विश्वविद्यालय के पास सम्प्रति 12TB NAS की सम्पूर्ण बैकअप धारिता क्षमता है, और विश्वविद्यालय 1GBPS NKN नेटवर्क पाइप से जुड़ा है तथा 4MBPS नेटवर्क पाइप के बैकअप की व्यवस्था है।

**आइ.सी.टी अनुभाग में कार्यरत तकनीकी विशेषज्ञ**

आई.सी.टी. विभाग मूलत: सूचना प्रोद्यौगिकी के सम्बन्ध में योजना निर्माण के साथ सूचना, तकनीकी निर्माण, हार्डवेयर प्रबंधन, आई.टी. सम्भरण एवं सहायता, अधिप्राप्ति, आभासी शिक्षा, कम्यूनिटी रेडियो आदि कार्यों का सम्पादन करता है और सॉफ्टवेयर विकास, पोर्टल विकास, प्रयोज्यता सम्भरण, डाटा केन्द्र प्रबन्धन, नेटवर्क प्रबन्धन, आई.टी. सेवाएं तथा सहयोग एवं सभी प्रकार के सम्प्रेषण के कार्यों का निर्वहन करता है। विश्वविद्यालय में इसके द्वारा स्टूडेण्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम का निर्माण किया गया है, जिसके अन्तर्गत ऑनलाइन प्रवेश/ परीक्षा फॉर्म, ऑनलाइन भर्ती प्रक्रिया, इन्ट्रानेट में प्रार्थना पत्र के अलावा एम.पी.डी.डी., प्रवेश फॉर्म, परीक्षा/ अंकपत्र, वित्त एप आदि की सुविधा भी उपलब्ध है। आई.सी.टी. विभाग द्वारा वैब पोर्टल बनाया गया है और छात्रों के लिए शिकायती टिकट प्रणाली भी निर्मित की गयी है।

वन-व्यू एप्लीकेशन द्वारा छात्रों को उनकी प्रोफाइल, शुल्क, परीक्षा आदि की समस्त जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। आई.सी.टी. विभाग द्वारा विकसित ई-ग्रन्थालय भी विश्वविद्यालय में उपलब्ध है। विश्वविद्यालय

कर्मचारियों के लिए इन्ट्रानेट पोर्टल कार्यरत है और बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करने का प्रावधान किया गया है। आई.सी.टी. विभाग द्वारा क्षेत्रीय केन्द्रों के लिए प्रवेश फॉर्म, पुस्तक वितरण फॉर्म, परीक्षा फॉर्म, परीक्षाफल, हार्डवेयर एवं प्रयोज्यता से संबंधित आई.सी.टी. सहायता दी जाती है।

आई.सी.टी. विभाग द्वारा शिक्षण केन्द्रों के लिए भी प्रवेश फॉर्म, पुस्तक वितरण फॉर्म, परीक्षा फॉर्म, ऑनलाइन शुल्क भुगतान, परीक्षाफल तथा सम्बन्धित सूचनायें प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय में आई.सी.टी. विभाग द्वारा छात्रों के लिए एक किओस्क भी स्थापित किया गया है, और ऑनलाइन लर्निगं भी शुरू की गयी है। वर्तमान में विश्वविद्यालय परिसर Wi-Fi से सुसज्जित है, और सुरक्षा की दृष्टि से परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाये गये हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय देश का प्रथम मुक्त विश्वविद्यालय है, जिसने विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त करने के लिए मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज़ (MOOC) की सुविधा दी है।

## 4.7. मानव संसाधन (Human Resources)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय श्रेयताओं के सर्वांगीण विकास के लिए उच्च भौतिक एवं मानवीय संसाधनों से युक्त विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय में जहाँ एक ओर उच्च तकनीकी सुविधायें उपलब्ध हैं, तो दूसरी ओर अपने-अपने विषय में विशेषज्ञ प्राध्यापक एवं कर्मचारी भी हैं। विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्र-हित को ध्यान में रखते हुए श्रेष्ठ मानवीय क्षमताओं की उत्पादकता निर्मित करना है। इसलिए विश्वविद्यालय भौतिक, तकनीकी एवं मानवीय संसाधनों की 'एकसूत्रता की अंतर्क्रिया' पर विशेष बल देता है। अर्थात् एक ओर तो इसमें भौतिक ढाँचा, कार्यदशायें हैं, दूसरी ओर उन कार्यदशाओं को प्रसारित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता है, तो तीसरी ओर कार्यदशा को व्यावहारिक रूप देने के लिए श्रेष्ठ मानवीय संसाधन यानी शिक्षा और कौशल का संयुक्त समवाय देखने को मिलता है। यहाँ का हर सदस्य अपने विषय की दक्षता के साथ ही यन्त्र एवं तकनीकी कौशल से युक्त है। आज का युग तकनीकी कौशल का युग है। आज हमारे पास ज्ञान का पुस्तकीय रूप ही पर्याप्त नहीं रह गया है। तेजी से बदल रहे विश्व में घटित हो रही हर महत्वपूर्ण घटना दूसरे समाज (देश) को प्रभावित कर लेती हैं। ऐसी स्थिति में यह युग की आवश्यकता है कि हम तकनीकी रूप से सक्षम बनें और सूचना युग में अपने लिए तथा अपने समाज के लिए ज्ञान का सृजन करें। इसलिए आज के युग में ज्ञान और कौशल दोनों महत्वपूर्ण हो उठे हैं। ज्ञान को प्रसारित होने के लिए कौशल चाहिए तथा कौशल को ज्ञान का स्त्रोत चाहिए। इसीलिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने तकनीकी कार्य कुशल प्राध्यापक एवं कर्मचारियों की नियुक्ति की हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में नियमित और अस्थायी शिक्षकों की श्रेष्ठ टीम है। यह देश के प्रारम्भिक विश्वविद्यालयों में से है, जहाँ शिक्षकों की चयन प्रक्रिया को लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के माध्यम से सम्पन्न किया जाता है।

एक ओर हम छात्रों के लिए उच्चस्तरीय पाठ्यपुस्तकें निर्मित करते हैं तो दूसरी ओर उनके ज्ञानात्मक उत्कर्ष के लिए वीडियो लेक्चर, रेडियो व्याख्यान, टैली कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से अध्यापन, कार्यशाला, परामर्श सत्रों का आयोजन एवं संगोष्ठी का आयोजन करते हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का शिक्षण तन्त्र लचीलेपन, लोकतान्त्रिक एवं पारदक्रिया से संचालित होता है। प्राध्यापक सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन करते समय विशेष सुझावात्मक टिप्पणियाँ करते हैं, जिससे छात्र परीक्षा के पूर्व ही अपनी कमियों में सुधार कर लेते हैं। इसी प्रकार परामर्श सत्र में छात्रों की जिज्ञासाओं का रचनात्मक तरीके / पद्धति से शमन किया जाता है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में समय-समय पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है, जिसमें सम्बन्धित विषय के विशेषज्ञ विद्धानों को आमन्त्रित किया जाता है जिससे छात्र लाभान्वित हो सकें।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारी तीन प्रक्रियाओं के तहत नियुक्त किए जाते हैं। कर्मचारियों का बड़ा वर्ग 'उपनल' सरकारी संस्था के तहत नियुक्त है। दूसरा वर्ग आउटसोर्सिंग एजेन्सियों के तहत नियुक्त है तथा तीसरा वर्ग दैनिक भत्ते वाले कर्मचारी हैं।

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक तथा प्रशासनिक पदों का सृजन उत्तराखण्ड सरकार द्वारा किया जाता है। इन पदों पर नियुक्तियाँ उत्तराखण्ड सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित सेवा शर्तों पर की जाती है। इसके अतिरिक्त दूरस्थ शिक्षा परिषद् (डेब) के मानकों के अनुरूप कुछ वरिष्ठ परामर्शदाताओं की नियुक्ति भी विश्वविद्यालय करता रहा है। इन शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों की सम्यक व्यवस्था में सहयोग के लिए तकनीकी कर्मचारी एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारिंयों की नियुक्ति की गई है।

**आदर्श अध्ययन केन्द्र**

# 5. शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ

## (Student Support Services)

किसी भी शिक्षण संस्था या विश्वविद्यालय के दो मुख्य घटक होते हैं – छात्र और प्राध्यापक। एक शिक्षा का ग्रहीता है तो दूसरा उसका प्रदाता। छात्र और अध्यापक के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान वैसे तो प्रत्यक्ष रूप में होता है, किन्तु उसकी प्रक्रिया के निष्पादन में विश्वविद्यालय के अन्य तत्व भी सहायक के रूप में अपनी भूमिका निभाते हैं। परम्परागत विश्वविद्यालय में गुरू और छात्र के बीच ज्ञान ग्रहण की प्रक्रिया प्रत्यक्ष होती है, किन्तु दूरस्थ व मुक्त शिक्षा पद्धति में अध्यापक और छात्र के बीच प्रत्यक्ष संवाद प्राय: नहीं होता। इसलिए यहाँ विद्यार्थी सहायता सेवाओं की लम्बी प्रक्रिया क्रियाशील होती है, जिसमें विश्वविद्यालय में छात्र के प्रवेश से लेकर उसके प्लेसमेन्ट और पुराछात्र समुदाय तक की प्रक्रिया चलती है। किसी भी शिक्षण तन्त्र के लिए छात्र केन्द्रीय घटक होता है। इस प्रकार विद्यार्थी सहायता सेवा का तात्पर्य उस पूरी प्रक्रिया से है, जो किसी भी शिक्षण संस्था में छात्रों के ज्ञानार्जन व सीखने की प्रक्रिया को समुन्नत व सुगठित रूप प्रदान करने के लिए कोई शिक्षण संस्था अपनाती है।

शिक्षण सहायता सेवाएँ के अन्तर्गत प्रवेश, पाठ्य-सामग्री, परामर्श सत्र, पुस्तकालय, परीक्षा, दीक्षान्त, प्लेसमेन्ट एवं पुराछात्र आदि शिक्षार्थी केन्द्रित व्यवस्था सन्निहित होती है। इस पूरी प्रक्रिया को इस चित्र/आरेख के माध्यम समझा जा सकता है -

**शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ**

## • अकादमिक सत्र

सामान्यतः विश्वविद्यालय का सत्र जुलाई से प्रारम्भ होकर अगले वर्ष जून तक चलता है। इस पाठ्यक्रम वार्षिक परीक्षा प्रणाली या सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली पर आधारित हैं। सेमेस्टर प्रणाली में सेमेस्टर की अवधि छः माह है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष में एक बार प्रवेश दिया जा रहा है।

1. ग्रीष्म कालीन सत्र - (प्रवेश 1 जुलाई से प्रारम्भ)

## • प्रवेश की अंतिम तिथि -

| प्रवेश | सत्र |
|---|---|
| | ग्रीष्मकालीन |
| आरम्भ की तिथि | 01 जुलाई |
| अंतिम तिथि | 31 अगस्त |
| विलम्ब शल्क रू.250/- के साथ | 15 सितम्बर |
| विलम्ब शल्क रू.500/- के साथ | 30 सितम्बर |

## • ऑनलाइन प्रवेश -

सभी पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश की सुविधा उपलब्ध है। ऑनलाईन प्रक्रिया में शुल्क का भुगतान पेमेंट गेटवे (डेबिड कार्ड/क्रेडिड कार्ड अथवा नेट बैकिंग) के माध्यम से किया जाता है।

प्रथम वर्ष/प्रथम समेस्टर में प्रवेश हेतु विद्यार्थी अपने आवेदन पत्र तथा संलग्नकों को अनिर्वाय रूप से अध्ययन केन्द्र में जाकर सत्यापित कराते हैं। इन विद्यार्थियों को अग्रिम वर्ष में प्रवेश लेते समय अपने अभिलेखों को सत्यापित करवाने की आवश्यकता नही होती और वे सीधे ऑनलाइन प्रवेश प्राप्त करते हैं।

अगर कोई विद्यार्थी विश्वविद्यालय में पूर्व से ही नामांकित है तथा नये पाठ्यक्रम में ऑनलाइन प्रवेश लेना चाहता है, तो उस विद्यार्थी को अपने फार्म तथा संलग्नकों का सत्यापन अनिवार्य रूप से करवाना होता है।

## • नामांकन/ पहचान पत्र

शिक्षार्थी सहायता सेवा का प्रथम चरण छात्र द्वारा विश्वविद्यालय में प्रवेश है। विश्वविद्यालय में प्रवेश के पश्चात् प्रत्येक विद्यार्थी का नामांकन किया जाता है और उसे एक नामांकन संख्या का आवंटन एक ही बार होता है, जिसका उल्लेख अंक तालिका, प्रमाण पत्र एवं उपाधि पत्र में किया जाता है।

विश्वविद्यालय में छात्रों को पहचान पत्र उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। छात्र द्वारा पहचान पत्र पर प्रविष्टियाँ अंकन तथा नवीनतम फोटोग्राफ चिपका कर सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र निदेशक से हस्ताक्षरित कराया जाना अनिवार्य होता है। पहचान पत्र शिक्षार्थी के विश्वविद्यालय में छात्र होने का प्रमाण होता है।

## • पुनर्प्रवेश एवं पार्श्व प्रविष्टि

यदि कोई विद्यार्थी अपरिहार्य कारणों से पाठ्यक्रम के मध्य में ही अध्ययन छोड़ देता है और बाद में पुन: प्रवेश लेना चाहता है, तो ऐसे विद्यार्थी को इस प्रतिबन्ध के साथ पुन: प्रवेश प्रदान किया जा सकता है कि ऐसे

विद्यार्थी द्वारा उसके सम्बन्धित पाठ्यक्रम में प्रथम प्रवेश की अवधि से निर्धारित अधिकतम अवधि के अन्तर्गत ही पाठ्यक्रम पूर्ण किया जाना होगा।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने छात्र हित को ध्यान में रखते हुए पार्श्व प्रविष्टि ( Lateral Entry) की भी व्यवस्था की है। पार्श्व प्रविष्टि के आधार पर प्रवेश पाने वाले अभ्यर्थियों के प्रकरणों में उनके पूर्व संस्थानों के प्राप्तांको को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में प्रचलित प्रतिशतांक में परिवर्तित किया जाता है, जिससे कुल प्रतिशत के आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा उपाधि का निर्धारण किया जा सके।

- **प्रवेश पद्धति -**

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों ही पद्धतियों से प्रवेश लेने की व्यवस्था की गई है। जिन कार्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश होता है वहाँ राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित आरक्षण के नियम लागू होते हैं, किन्तु जिन कार्यक्रमों में सीधे प्रवेश की व्यवस्था है, वहाँ सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में केवल वे अभ्यर्थी ही प्रवेश के पात्र हैं जो विद्या परिषद द्वारा निर्धारित शैक्षिक अर्हता, आयु सीमा तथा अन्य मापदण्डों को पूरा करते हों। विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र अथवा विश्वविद्यालय से निर्धारित शुक्ल का भुगतान कर प्राप्त किये जा सकते हैं। अभ्यर्थी का प्रवेश उसी अध्ययन केंद्र में माना जाएगा, जहाँ उसने पूरित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हो अथवा पंजीकरण कराया हो । विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए वही आवेदन पत्र स्वीकार्य हैं, जिनके साथ विद्यार्थी द्वारा स्वप्रमाणित एवं सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र द्वारा सत्यापित अभिलेख/प्रमाण पत्र संलग्न हों। विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु मात्र उन्हीं स्कूल बोर्डों/ विश्वविद्यालयों/शैक्षणिक संस्थानों द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र एवं उपाधियाँ मान्य है जिन उपाधियों को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी ऐजुकेशन/विद्यालयी शिक्षा परिषद उत्तराखण्ड/विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समकक्षता/ मान्यता प्रदान की गयी हो।

- **पाठ्यसामग्री (Learning Material)**

दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली में मुद्रित अध्ययन सामग्री का महत्वपूर्ण स्थान है। विश्वविद्यालय की अध्ययन सामग्री छात्रों की रूचि, उनके मानसिक स्तर तथा ज्ञान के उच्चस्तरीय क्रियारूपों की सापेक्षता में निर्मित की जाती है। विश्वविद्यालय में छात्रों के प्रवेश एवं नामाकंन के पश्चात् अध्ययन सामग्री छात्रों को दे दी जाती है। अध्ययन सामग्री का वितरण विश्वविद्यालय के मुख्यालय से भी होता है तथा क्षेत्रीय एवं अध्ययन केंद्र से भी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के 8 क्षेत्रीय केंद्र हल्द्वानी, रानीखेत, बागेश्वर, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, पौड़ी, रूड़की एवं देहरादून में स्थित हैं। इन क्षेत्रीय केन्द्रों का संचालन इसके अन्तर्गत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से होता है। विद्यार्थी का नामांकन किसी अध्ययन केन्द्र पर होता है, और इस तरह वह क्षेत्रीय केंद्र तथा विश्वविद्यालय का एक भाग बनता है। विश्वविद्यालय छात्रों के लिए अध्ययन सामग्री क्षेत्रीय केंद्रो तथा अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से उपलब्ध कराता है। इस प्रकार विश्वविद्यालय छात्र हित को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त लचीलेपन की पद्धति का अनुसरण करता है।

- **परामर्श (Counselling)**

मुक्त विश्वविद्यालय की भिन्न शिक्षण-पद्धति के कारण परामर्श प्रक्रिया इसकी मुख्य आकादमिक गतिविधि है। परामर्श कक्षा-शिक्षण का विकल्प नहीं है, अपितु कक्षा-शिक्षण के आगे की प्रक्रिया है। मुक्त अध्ययन

पद्धति यह स्वीकार करती है कि छात्र ने स्व-अध्ययन सामग्री का अध्ययन कर विषय को समझ लिया है तथा विषय की समझ को उसके अंतिम रूप, क्रियात्मकता तक अब 'परामर्श सत्रों' का आयोजन कर लाया जाता है। परामर्श सत्र मुख्यत: अध्यापक और छात्र के मध्य क्रियात्मक-संवाद है। यानी किसी विषय की सैद्धान्तिक अवधारणा की समझ के पश्चात् उस विषय के क्रियात्मक रूपों के अनुशासन का नाम ही परामर्श सत्र या परामर्श कक्षायें हैं। परामर्श सत्र सैद्धान्तिक अधिगम की व्यावहारिक उपस्थापना है।

**परामर्श सत्र का छायाचित्र**

परामर्श कक्षाओं का आयोजन विश्वविद्यालय के मुख्यालय, क्षेत्रीय एवं अध्ययन केन्द्रों पर किया जाता है। क्षेत्रीय केंद्रो एवं अध्ययन केन्द्रों पर शनिवार एवं रविवार के दिन परामर्श सत्र का आयोजन किया जाता है, जब कि विश्वविद्यालय अपने मुख्यालय पर प्रतिदिन छात्रों के लिए परामर्श कक्षायें चलाता है। शनिवार एवं रविवार के दिन परामर्श सत्रों के आयोजन के पीछे मुख्य ध्येय यह है कि अवकाश के दिनों में व्यवसायरत, कार्यरत एवं गृहणियाँ भी इस सत्र का लाभ उठा सकती हैं। समय-समय पर आयोजित परामर्श–सत्रों की सूचना उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के बेवसाइट, क्षेत्रीय एवं अध्ययन केंद्रो कार्यालय के सूचना पट्ट एवं समन्वयकों तथा समाचार पत्रों के माध्यम से दी जाती है। इस प्रकार परामर्श सत्र का आयोजन उन लोगों के लिए भी लाभप्रद है, जो अपनी व्यावसायिक एवं घरेलू व्यस्तता के कारण स्व-अध्ययन सामग्री के माध्यम से विषय का समुचित ज्ञान नहीं प्राप्त कर पाते हैं।

## ❖ मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार (Evaluation Process and Improvement)

- **परीक्षा (Exam)**

परीक्षा विद्यार्थी के स्व-अर्जित ज्ञान का मूल्यांकन चरण है। किसी छात्र ने अपने विषय को किस रूप में ग्रहण किया है तथा उसकी अभिव्यक्ति कैसी है, इस तथ्य का परीक्षा के माध्यम से ही मूल्यांकन किया जा सकता

है। विश्वविद्यालय ने छात्र हित को ध्यान में रखते हुए परीक्षा को पारदर्शी ढंग से निष्पादित करने की व्यवस्था की है।

## • पात्रता एवं अनिवार्यता

प्रत्येक विद्यार्थी जिसने विश्वविद्यालय में विधिवत् प्रवेश लिया हो, विश्वविद्यालय में नामांकन कराया हो, पंजीकृत हो तथा जिसने सत्रीय कार्य पूर्ण कर जमा कर दिया हो और विश्वविद्यालय का शिक्षण शुल्क तथा परीक्षा शुल्क जमा किया हो, वह परीक्षा में सम्मिलित होने का पात्र होगा। प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उन समस्त विषयों की परीक्षाओं में सम्मिलित होना अनिवार्य होगा जो उस पाठ्यक्रम के लिए वर्ष विशेष में उसके द्वारा चयनित किये गये हों। यदि कोई छात्र किसी परीक्षा अथवा किसी विषय की परीक्षा में सम्मिलित नहीं होता है, तो उसे उस विषय की परीक्षा अथवा सम्पूर्ण परीक्षा (यथा स्थिति ) में अनुपस्थित माना जाएगा। यदि छात्र पूरी परीक्षा में अनुपस्थित रहता है तो उसे सम्बन्धित कक्षा के लिए पुन: पंजीकरण नहीं करवाना होगा और न ही प्रवेश सम्बन्धी शुल्क का भुगतान करना होगा। छात्र को केवल उस वर्ष के लिए रूपये – 200 /- प्रति प्रश्न पत्र बैक परीक्षा शुल्क के साथ बैंक फॉर्म भर के परीक्षा हेतु आवेदन करना होगा, साथ ही वह अगले वर्ष की परीक्षा हेतु आवेदन कर सकता है। परीक्षार्थी के पास विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रवेश पत्र जिसमें छात्र की फोटो लगी हो, अवश्य होनी चाहिए। परीक्षार्थी के पास अपना पहचान-पत्र (वोटर आई.डी., लाइसेंस, पैन कार्ड आदि) होना चाहिए।

## • 2021-22 में विभिन्न परीक्षाओं हेतु अंकों का निर्धारण

(क) ऐसे विषय जिनमें प्रयोगात्मक कार्य न हों-

1. सत्रीय कार्य- 30% अंक
2. लिखित परीक्षा- 70% अंक

(ख) ऐसे विषय जिनमें प्रयोगात्मक कार्य होते हैं-

1. सत्रीय कार्य 30% अंक
2. प्रयोगात्मक कार्य 15% अंक
3. लिखित परीक्षा 55% अंक

(ग) पूर्णरूपेण मौखिक परीक्षा अथवा परियोजना कार्य 100 अंक अथवा सम्बन्धित विभाग द्वारा निर्धारित व्यवस्था।

(घ) जिन पाठ्यक्रमों में व्यावहारिक प्रशिक्षण होगा उनमें सन्तोषजनक अथवा असन्तोषजनक के रूप में मूल्यांकन कार्य किया जाएगा।

## • सत्रीय कार्य –

सत्रीय कार्य परीक्षा-मूल्यांकन का ही प्राथमिक चरण है। सत्रीय कार्य की परिकल्पना यह है कि इस मूल्यांकन के कारण छात्र की चिन्तन शक्ति का विकास हो तथा उसके स्व-अध्ययन सामग्री का प्रायोगिक, व्यावहारिक रूप सामने आ सके। अर्थात् छात्र द्वारा सीखे गये विषय का स्वरूप स्पष्ट हो सकें। सत्रीय कार्य छात्रों की मूल्यांकन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण है, इसलिए यह अनिवार्य है कि छात्र निर्धारित शुल्क सीमा एवं निर्धारित समयावधि के भीतर ही इसे अध्ययन केंद्र में जमा कर दें। यदि कोई छात्र अन्तिम तिथि के उपरान्त सत्रीय कार्य जमा करता है तो उसे रू. 100 प्रति सत्रीय कार्य की दर से जमा करना होगा।

- **अंक निर्धारण –**

विभिन्न परीक्षाओं हेतु अंको का निर्धारण अलग-अलग हैं। जैसे उन विषयों में, जिनमें प्रयोगात्मक कार्य न हो, उनमें सत्रीय कार्य के लिए 20 अंक तथा लिखित परीक्षा के लिए 80 अंक रखे गये हैं। किन्तु जिन विषयों में प्रयोगात्मक कार्य होते हैं, उनमें सत्रीय कार्य 40 अंको का प्रयोगात्मक कार्य 15 अंकों का तथा लिखित परीक्षा 45 अंकों के मध्य विभाजित होती है। यह प्रणाली पूर्णरूपेण विभाग द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार सुनिश्चित की जाती है।

- **परीक्षा में उत्तीर्ण होने के मापदण्ड -**

प्रत्येक वर्ष में पंजीकृत छात्र द्वारा उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक विषय में न्यूनतम 35 प्रतिशत अंक (सत्रीय कार्य, प्रयोगात्मक परीक्षा, मौखिक परीक्षा, परियोजना कार्य एवं लिखित परीक्षा में पृथक-पृथक) प्राप्त करना आवश्यक है। यदि कोई छात्र किसी विषय में उपर्युक्त विधि से निर्धारित अंक नहीं प्राप्त करता है तो उसे उस विषय में अनुत्तीर्ण माना जाएगा। अनुत्तीर्ण छात्र को उस विषय में उत्तीर्ण होने के लिए पुन: परीक्षा देनी होगी। परन्तु किसी विषय में अनुत्तीर्ण छात्र उस पाठ्यक्रम की परीक्षा अगले वर्ष की परीक्षा के साथ दे सकता है।

- **परीक्षा केन्द्र परिवर्तन, शुल्क भुगतान एवं सुधार परीक्षा**

छात्र हित को ध्यान में रखते हुए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने परीक्षा केन्द्र परिवर्तन की सुविधा प्रदान की है। किसी भी अभ्यर्थी को आवंटित परीक्षा केन्द्र में परिर्वतन हेतु निर्धारित शुल्क रू0 500/- का भुगतान करना होगा। किसी भी प्रकार का प्रवेश अथवा परीक्षा शुल्क नकद रूप में मान्य नहीं है। सभी प्रकार के शुल्क का भुगतान बैंक चालान के माध्यम से अथवा विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियम के अनुसार करना अनिवार्य होगा।

उत्तीर्ण होने के पश्चात् यदि कोई विद्यार्थी स्नातक अथवा स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षा मे प्राप्त अंको में सुधार करने की इच्छा रखता है तो वहाँ रू0 200/- प्रति प्रश्न पत्र की दर से शुल्क का भुगतान कर सुधार परीक्षा दे सकता है। यह सुविधा विद्यार्थी को अपने चयनित पाठ्यक्रम के अधिक से अधिक सभी विषयों की आधी संख्या के बराबर विषयों में ही उपलब्ध होगी, किन्तु जो भी विषय चयनित किए जायेंगे उनके सभी प्रश्न पत्रों की परीक्षा देनी होगी। स्नातकोत्तर /डिप्लोमा/प्रमाण पत्र कार्यक्रमों में भी सुधार परीक्षा अधिकतम कुल प्रश्न पत्रों की आधी संख्या के लिए अनुमन्य होगी। यथा 5 या 6 प्रश्न पत्रों में अधिकतम 3 प्रश्न पत्र, 3 या 4 प्रश्न पत्रों में अधिकतम 2 प्रश्न पत्र। कोई भी परीक्षार्थी जिन विषयों में अनुत्तीर्ण हो, उन विषयों में वह सुधार परीक्षा दे सकता है । सुधार परीक्षा हेतु प्रति प्रश्न–पत्र रू. 200/- की दर से शुल्क का भुगतान करना होगा। सुधार परीक्षा में निर्धारित प्राप्तांक प्राप्त करने पर विद्यार्थी को उस वर्ष के लिए उत्तीर्ण घोषित कर दिया जाएगा।

- **श्रेणी –**

परीक्षा परिणाम की निम्न तीन उत्तीर्ण श्रेणियाँ होंगी :

**A) स्नातक स्तर (Graduation Level):**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **प्रथम श्रेणी** | **60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक** | **First Division** | **60% or more** |
| **द्वितीय श्रेणी** | 60 प्रतिशत से कम तथा 45 प्रतिशत तक | Second Division | Less than 60% and upto 45% |

| | | | |
|---|---|---|---|
| तृतीय श्रेणी | 45 प्रतिशत से कम तथा 35 प्रतिशत तक | Third Division | Less than 45% and upto 35% |

**B) परास्नातक स्तर (Post Graduation Level):**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **प्रथम श्रेणी** | **60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक** | **First Division** | **60% or more** |
| **द्वितीय श्रेणी** | 60 प्रतिशत से कम तथा 48 प्रतिशत तक | Second Division | Less than 60% and upto 48% |
| **तृतीय श्रेणी** | 48 प्रतिशत से कम तथा 35 प्रतिशत तक | Third Division | Less than 48% and upto 35% |

## • बैक पेपर की सुविधा (Back Paper Facility)

विद्यार्थी यदि अपने चयनित पाठ्यक्रम में अनुत्तीर्ण होता है तो रू. 200 /- प्रति प्रश्न की दर से शुल्क का भुगतान कर पुन: परीक्षा दे सकता है। विद्यार्थी को यह सुविधा उन सभी विषयों में देय होगी जिनमें वह अनुत्तीर्ण है। यह सुविधा पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु निर्धारित अधिकतम समय सीमा तक देय होगी। बैक पेपर व सुधार परीक्षाएँ मुख्य परीक्षा के साथ ही आयोजित की जाती हैं।

## ❖ प्रशिक्षण और प्लेसमेन्ट प्रकोष्ठ (Training and Placement Cell)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा अपने छात्रों के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि हेतु एक प्लेसमेन्ट प्रकोष्ठ का निर्माण किया गया है। इस प्रकोष्ठ में छात्रों का विस्तृत डाटाबेस रखा गया है। प्रकोष्ठ नौकरियों की रिक्तियों की सूचना के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनो के एच.आर. हेड्स के सम्पर्क में रहता है।

इस दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा 'प्लेसमेन्ट प्रकोष्ठ' नामक एक पोर्टल निर्मित किया गया है, जिसके माध्यम से छात्रों को उनके कैरियर सम्बन्धित विभिन्न जानकारी प्रदान की जाती है। छात्र इस पोर्टल से जुड़कर विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के बारे में जानकारी ले सकते है। इस प्रकोष्ठ को पुरा छात्र प्रकोष्ठ से भी जोड़ा गया है। विश्वविद्यालय के प्रबन्ध विषय में 150 से अधिक शिक्षार्थी जिन्होंने अपनी शिक्षा पूरी कर ली है वो विभिन्न क्षेत्रों में (यथा – प्रशासनिक, बैंकिग, अध्यापन, निजी क्षेत्र, वित्तीय क्षेत्र आदि ) कार्यरत हैं, जो विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसी प्रकार पर्यटन, होटल प्रबन्ध, कला, सामाजिक विज्ञान, कम्प्यूटर तथा विज्ञान आदि विषयों के शिक्षार्थी भी विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार पाकर अपनी- अपनी सेवायें दे रहे हैं। भविष्य में प्रकोष्ठ द्वारा जॉब फेयर आयोजित करने की योजना है।

## षष्ठ दीक्षान्त समारोह -

विश्वविद्यालय का षष्ठ दीक्षान्त समारोह दिनांक 28 दिसम्बर 2021 (मंगलवार) को आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह में माननीय श्री राज्यपाल/ कुलाधिपति द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षान्त भाषण दिया गया। विशिष्ट अतिथियों के रूप में श्री पुष्कर सिंह धामी, माननीय मुख्यमन्त्री, उत्तराखण्ड एवं डॉ. धन सिंह रावत, उच्च शिक्षा मन्त्री उपस्थित रहें।

समारोह में विश्वविद्यालय में वर्ष 2019–20 तथा 2020–21 सत्रों में उत्तीर्ण शिक्षार्थियों को पीएच0डी0 (शोध उपाधि)/स्नातक/ स्नातकोत्तर/ पी0जी0 डिप्लोमा/ डिप्लोमा/प्रमाण–पत्र/

स्नातक एकल विषय में 28,432 शिक्षार्थियों को उपाधियों से सम्मानित किया गया। साथ ही इन्हीं अकादमिक वर्षों में विभिन्न पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले स्नातकों एवं परास्नातकों को स्वर्ण पदक माननीय श्री राज्यपाल द्वारा स्वर्ण पदक प्रदान किया गये।

समारोह में मा0 कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय की वर्ष 2019–20 एवं 2020–21 का वार्षिक प्रगति आख्या का प्रस्तुतिकरण किया गया।

उक्त के अतिरिक्त विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय–आठ 'मानद उपाधि प्रदान करना' (धारा 5 (चार)) परिनियम 36(4) में वर्णित व्यवस्थानुसार माननीय श्री राज्यपाल/कुलाधिपति महोदय से प्राप्त अनुमोदन के क्रम में उत्तराखण्ड राज्य के 02 विशिष्ट व्यक्तियों– श्री सच्चिदानन्द भारती जी तथा पद्मश्री श्री अनूप साह जी को विश्वविद्यालय के षष्ठ दीक्षान्त समारोह में माननीय श्री राज्यपाल/कुलाधिपति महोदय द्वारा मानद उपाधि (Honoris Causa) प्रदान की गई।

(देखें परिशिष्ट – I,II,III)

## विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो 'हैलो हल्द्वानी'

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का सामुदायिक रेडियो 'हैलो हल्द्वानी' जिसे कि 91.2 मेगाहर्टज की तरंगों पर शहर के दस किलोमीटर की दायरे में सुना जा सकता है। 2 नवंबर 2012 से विश्वविद्यालय के परिसर में स्थापित इस रेडियो की सिग्नेचर थीम दूरस्थ शिक्षा और सतत विकास है। 40 फीसद कार्यक्रम दूरस्थ शिक्षा के विद्धार्थियों के लिए विवि की अकादमिक फैकल्टी के द्वारा दिये जाते हैं तो वहीं शेष 60 फीसद कार्यक्रम समुदाय के लिए समुदाय के द्वारा तैयार किये जाते हैं। जिसमें कि हैल्दी हल्द्वानी, आधी आबादी, बच्चों की दुनिया, मिसाल-बेमिसाल, शिक्षा का पहिया, विज्ञान की दुनिया, किस्से बचपन के, हाट बाजार, उत्तराखंड परिक्रमा, योजनाएं घर द्वार, बात पहाड़ की व बदलती हल्द्वानी जैसे कार्यक्रम हैं। हैलो हल्द्वानी सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर 2018 से सक्रिय है। रेडियो रेडियो का अपना यू ट्यूब चैनल व फेसबुक पेज है। इसके अलावा इंटरनेट रेडियो भी 2012 से चल रहा है। इस वक्त रेडियो का प्रसारण प्रातः 10.30 से सांय 4.30 तक होता है। पत्रकारिता के स्टूडेंट्स को रेडियो इंटर्नशिप भी मुहैय्या कराता है।

आईये अपने जंगल बचाएं
एपिसोड-3 में सुनें
वन संरक्षक
दीप चन्द्र आर्या को

विश्व दिव्यांगता दिवस पर
सुनें
डा. भावना धौनी व डा. दिनेश चन्द्र
कांडपाल को
उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय

हैलो हल्द्वानी 91.2 FM
भाग-23
चौमास
और
इजा
प्रकाश उप्रेती
की जुबानी

कनालीछीना ब्लाक
(पीडी) के
पीपला गांव से
प्रियांशी की डायरी
हैलो हल्द्वानी 91.2 FM पर
बच्चों की
लॉक डॉउन डायरी

World Health Day 2022 (7 April 2022)
Our planet, our health
हैलो हल्द्वानी 91.2 FM पर
जनस्वास्थ्य संवाद
डॉ. एच एस बिष्ट के साथ

# 6. प्रशासन, नेतृत्व एवं प्रबन्धन
## (GOVERNANCE, LEADERSHIP AND MANAGEMENT)

### ❖ विश्वविद्यालय की संदृष्टि (Vision of University):

"ज्ञान के इस युग में उच्च-शिक्षा को विकास का सशक्त माध्यम बनाने के लिए ज्ञान का सृजन कर उत्तरा - खण्ड के लोगों, विशेषकर युवाओं तथा शिक्षा से वंचित एवं रोजगार में संलग्न व्यक्तियों को मूल्य-आधारित गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा के सुविधाजनक एवं सर्वसुलभ अवसर उपलब्ध कराते हुए उन्हें जीवन पर्यन्त अध्ययन के लिए प्रेरित करना तथा स्व-रोजगार, रोजगार एवं अन्य कौशलों में दक्ष बनाना जिससे कि वे प्रदेश, देश व सम्पूर्ण मानवता की उपयुक्त सेवा कर सकें।

### ❖ विश्वविद्यालयीय सहभागी स्वरूप एवं विकेन्द्रीकरण (Participative Decision Process and Decentralization)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय सहभागी स्वरूप की पद्धति पर कार्य करता है। किसी भी पाठ्यक्रम या योजना को वह विभिन्न स्रोतों के माध्यम से लागू करता है। प्राध्यापक अपने निदेशक से तथा निदेशक कुलपति के माध्यम से किसी निर्णय का निस्तारण करते हैं। इस प्रकार कार्यों में केन्द्रीयता और विकेन्द्रीयता दोनों रहती है। विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुभाग विकेन्द्रीकृत हैं। जैसे प्रादेशिक सेवाएँ, प्रवेश अनुभाग, शोध एवं नवाचार, अकादमिक अनुभाग, पुस्तक वितरण अनुभाग, आईसीटी अनुभाग ये सभी मिलकर सहभागी रूप में कार्य करते हैं। इन विभागों के स्वतन्त्र रूप से प्रभारी हैं और वे इसका संयोजन करते हैं। इसी प्रकार दीक्षान्त समारोह या अन्य सामुदायिक कार्यक्रमों में परस्पर सहभागी रूप में विश्वविद्यालय के सदस्य कार्य करते हैं। प्रशासन के स्तर पर विकेन्द्रीकरण का उदाहरण है – कुलपति के कार्यों का विभिन्न अकादमिक व्यक्तियों में वितरण। इस समय ओएसडी सामान्य, ओएसडी क्रय एवं मुद्रण, ओएसडी अनुरक्षण तथा ओएसडी पुस्तकालय के रूप में प्रशासन का विकेन्द्रीकरण हुआ है। विश्वविद्यालय की नीति लोकतान्त्रिक है।

### ❖ भविष्य की योजनायें (Perspective plans)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्विद्यालय में भविष्य की योजनाओं के अन्तर्गत प्राथमिकता के आधार पर सर्वप्रथम इस विश्वविद्यालय को 12 (बी) तथा राष्ट्रिय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा ग्रेड प्राप्त कराया जाना, जिससे यह मुख्य धारा में सीधे रूप से जुड़ सकें और इसका सर्वतोमुखी विकास हो सके। इसके साथ-साथ विश्वविद्यालयीय परिसर का भी विस्तार कराया जाना, अकादमिक एवं गैर अकादमिक कार्मिकों की नियुक्तियाँ, जन-जन तक शिक्षा को पहुँचाने हेतु कार्य करना, इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना आदि ये समस्त कार्य भविष्य की भावी योजनाओं में निहित है।

### ❖ छात्र शिकायत एवं निवारण पोर्टल (Students' Greivances and Solution Portal)-

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में वर्तमान सत्र से तकनीकी माध्यम का उपयोग करते हुए छात्र हित में एक **'सपोर्ट टिकट पोर्टल'** का निर्माण किया गया है। इसके माध्यम से कोई भी छात्र अपनी समस्या को ऑनलाइन प्रेषित कर सकता है। छात्र द्वारा जब ऑनलाइन शिकायत दर्ज की जाती है, उसी समय उसे एक टिकट नम्बर भी

प्राप्त हो जाता है। उस नम्बर के आधार पर वह अपनी शिकायत का निवारण कभी भी कर सकता है। समस्या के निवारण सम्बन्धित विभाग द्वारा किया जाता है। विश्वविद्यालय में यह सुविधा आइसीटी अनुभाग द्वारा निर्मित की गई है।

## ❖ अकादमिक संपरीक्षा (Academic Audit)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल के अकादमिक संपरीक्षा की प्रक्रिया समय- समय पर सम्पन्न होती रही है। विश्वविद्यालय का अकादमिक निदेशालय इस कार्य को तत्परतापूर्वक करता रहा है। अकादमिक संपरीक्षा के अन्तर्गत सत्र 2021-22 के बीच हुए प्रमुख कार्यों का मूल्यांकन विवेचन है। इस बीच विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम की गुणवत्ता की जाँच, नए पाठ्यक्रम के प्रारम्भ की आवश्यकता एवं उनके महत्व निर्धारण, संगोष्ठी कार्यशालाओं में भागीदारी –आयोजन का मूल्यांकन करना तथा शिक्षकों के अकादमिक उन्नयन की गतिविधियों की जाँच का कार्य किया गया। विश्वविद्यालय में शीघ्र ही आईक्यूएसी (आंतिरक गुणवत्ता निर्धारण प्रकोष्ठ) का गठन किया जायेगा, जिससे अकादमिक संपरीक्षा और व्यवस्थित रूप में सम्पन्न हो सके। सम्प्रति विश्वविद्यालय के निदेशक, अकादमिक, प्रोफेसर आर.सी.मिश्रा के निर्देशन में अकादमिक संपरीक्षा का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है।

## ❖ विश्वविद्यालय सहायता प्रणाली (University Support System )

विश्वविद्यालय का अपना एक शिक्षार्थी Support system है, जिसके द्वारा शिक्षार्थी अपनी समस्या विश्वविद्यालय से सम्बन्धित व्यक्ति तक पहुँचा सकता है। यह एक ऑनलाइन प्रक्रिया है। शिक्षार्थी सपोर्ट सिस्टम का उद्देश्य है - विश्वविद्यालय से जुड़े छात्रों या जुड़ने वाले छात्रों की समस्या का समाधान तकनीकी माध्यम से करना। अत: युगानुरूप शिक्षार्थियों के समस्या समाधानार्थ यह एक सुलभ साधन है ।इसके अतिरिक्त शिक्षार्थी प्रवेश या परीक्षा से सम्बन्धित कोई भी समस्या सीधे दूरभाष द्वारा बता सकता है साथ ही उसका समाधान भी प्राप्त कर सकते है।

## ❖ विश्वविद्यालय के वित्तीय प्रबंधन (Financial Management of University)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में बजटीय नियन्त्रण प्रणाली का पालन किया जाता है जिसके द्वारा विश्वविद्यालय का बजट तैयार किया जाता है। विश्वविद्यालय का वार्षिक बजट आगामी वर्ष के पहले ही तैयार कर लिया जाता है।

विश्वविद्यालय को शुल्क राशि (Fee-Fund) से आय प्राप्त होती है तथा राज्य सरकार द्वारा राज्य- अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। जहाँ तक वित्तीय संसाधनों का सम्बन्ध है, विश्वविद्यालय सभी अनुदान/ निधि का कुशलता से उपयोग करता है।

लेखा के ऑडिट के लिये माननीय कुलपति महोदय द्वारा एक चॉर्टड एकाउन्टेन्ट को बाहरी ऑडिटर के रूप में नियुक्त किया जाता है। यह चार्टड एकाउन्टेन्ट प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अन्त में लेखा की ऑडिट रिपोर्ट तैयार करता है। (देखें परिशिष्ट - IX)

# 7. नवाचार एवं उत्तम क्रियायें
# (Innovations and Best Practices)

## डिजिटल प्रथायें (DEGITAL PRACTICES)

छात्रहित में विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया है। इस पोर्टल का उद्देश्य पाठ्यसामग्री को विश्वविद्यालय की वेबसाइट E-Learning.uou.ac.in पर अपलोड करना है। इसका मुख्य उद्देश्य उन छात्रों को सही समय पर पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराना हैं, जिनकी पाठ्यसामग्री कई कारणों से विलम्ब से प्राप्त होती है। इस पोर्टल के माध्यम से अध्ययन सामग्री अपलोड कर दी गयी है, जिससे छात्र प्रवेश के साथ ही अध्ययन सामग्री का पाठ कर सके। यह पोर्टल छात्रों को अध्ययन सामग्री तत्काल उपलब्ध कराता है। इसमें अभी 22 पाठ्यक्रम की अध्ययन सामग्री उपलब्ध है। इस पोर्टल को विगत तीन महीनों में लगभग 11,000 छात्रों ने देखा है। जो विद्यार्थी उक्त पोर्टल के माध्यम से डाउनलोड कर इ- बुक्स का उपयोग करेगा तथा पुस्तक की माँग नहीं करेगा, उसे शुल्क में 15 प्रतिशत की छूट मिलेगी। वर्तमान में यह सुविधा साइबर सिक्योरिटी, एम.जी.आई.एस तथा योग के कोर्स में उपलब्ध हैं।

## हरेला पर्व के अवसर पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा किये गये पौधारोपण कार्यक्रम

- **उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय मुख्यालय में पौधारोपण कार्यक्रम**

दिनांक 16 जुलाई 2021 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा मुख्यालय में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। वृक्षारोपण फलदार तथा नीम के पौधों का किया गया। वृक्षारोपण करते हुए कुलपति प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी ने कहा कि हरेला हमारी संस्कृति, परम्परावों से जुड़ा एक बहुत ही महत्वपूर्ण पर्व है। वर्तमान में जहां हमारी पहाड़ की संस्कृति को संजोने और सरंक्षित करने में इसका बड़ा योगदान हो सकता है, वहीं आज के समय में बिगड़ते पर्यावरण संतुलन को बचाने में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर व निदेशक मानविकी विद्याशाखा प्रो0 एच पी शुक्ल, कुलसचिव प्रो0 एच एस नयाल, परीक्षा नियंत्रक प्रो0 पी0 डी0 पन्त, प्रो0 ए0 के0 नवीन, सहायक क्षेत्रीय निदेशक वृजेश बनकोटी, गोविंद सिंह रावत,पंकज कुमार, प्रियंका लोहनी भरत नैनवाल आदि मौजूद रहे।

- **विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव बसानी, हल्द्वानी**

हरेला पर्व के अवसर पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव बसानी में बृहद रूप से पौधारोपण किया गया और ग्रामीणों को उनके संरक्षण की जिम्मेदारी दी गयी। साथ ही इस मौके पर युथ हॉस्टल एसोसिएशन की जिला इकाई की ओर से साइकिल रैली निकालकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी के निर्देशन पर विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव बसानी में शुक्रवार को हरेला पर्व पर लगभग तीन दर्जन से अधिक फलदार, छायादार व फूलदार पौधों का रोपण किया गया। साथ ही उनके घेरबाड़ की भी आंशिक रूप से व्यवस्था की गयी और कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों को उनके संरक्षण की जिम्मेवारी दी गयी।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. गिरिजा पाण्डे व नोडल अधिकारी राजेन्द्र सिंह क्वीरा, सरमाउण्ट स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती वनिता क्वीरा सहित दर्जनों लोगों ने बसानी में सरमाउण्ट पब्लिक स्कूल व उसके आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण किया। साथ ही उपस्थित ग्राम वासियों से पौधों की देखभाल करने की अपील की, जिस कई लोगों ने पौधों की देखभाल करने की जिम्मेवारी ली।

प्रातः सात बजे युथ हॉस्टल एसोसिएशन की जिला इकाई ने फतेहपुर के बावनडांठ से बसानी तक साइकिल रैली निकालकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति संदेश दिया। इसके बाद बसानी में सभी लोगों ने फलदार, छायादार पौधों का रोपण किया, साथ ही उनके संरक्षण की भी स्वयं जिम्मेवारी ली। इस कार्यक्रम में डा. गिरिजा पाण्डे, डा. एचएस बिष्ट, डा. दीपक पालीवाल, सरोज पालीवाल, आरएस कालाकोटी, एडवोकेट प्रदीप लोहनी, पीयूष डालाकोटी, एचसीएस डांगी, संदीप जोशी, संजय तिवारी, अनिल भण्डारी आदि लोग थे। जबकि पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान प्रधान बिमला तड़ागी, श्रीमती जीवन्ती तड़ागी, दान सिंह तड़ागी, हेमन्त सिंह, सौरभ, निधि, मनस्वी आदि अनेक लोग थे।

- **उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, परिसर देहरादून**

दिनांक 16 जुलाई 2021 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, परिसर देहरादून द्वारा उत्तराखण्ड के लोक पर्व हरेला के अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गाँव मोथोरोवाला एवं समाल्टा में जन–जागरुकता अभियान के तहत 16 जुलाई 2021 को पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रो0 दुर्गेश पंत जी के निर्देशन में विश्वविद्यालय के परिसर कर्मियों श्री नरेन्द्र जगूडी, श्री बृजमोहन खाती, श्री अजय कुमार सिंह, श्री सुनील नेगी, श्री राहुल देव एवं श्री चेतन थापा के द्वारा मोथरोवाला के अन्तर्गत स्थित श्री गुरूराम राय इन्टर कॉलेज, मोथोरोवाला देहरादून में प्रधानाचार्य जी के साथ मिलकर फलदार पौधों का रोपण किया गया।

विश्वविद्यालय के प्रभारी निदेशक डॉ0 सुभाष रमोला ने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गाँव समाल्टा में जाकर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र, साहिया, देहरादून के समन्वयक श्री अनिल तोमर जी एवं अन्य सह कर्मियों के साथ मिलकर फलदार पौधों का रोपण कर लोक पर्व हरेला मनाया एवं ग्रामीणों को वैश्विक आपदाओं से बचने में पर्यावरण की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की जानकारी भी स्थानीय जनता को दी गयी।

## World Nature Conservation Day

On the occasion of "World Nature Conservation Day" (July 28, 2021), the plantation programme jointly organized by the Department of Botany (SOS) and Department of Forestry & Environment Science (SOEES), Uttarakhand Open University under 'Namami Gange' Scheme. In this programme a total of 103 plants of 19 species were transplanted in the University campus.

## "नयी शिक्षा नीति 2020 एवं समाज कार्य व्यवसाय" (राष्ट्रीय समाज कार्य शिक्षा परिषद् बिल 2021 के विशेष सन्दर्भ में) पर वेबिनार का आयोजन

दिनांक 29 जुलाई 2021 को आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा नयी शिक्षा नीति 2020 के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य मे सभी विश्वविद्यालयो को यह निर्देश दिया गया है कि यह एक शैक्षिक आयोजन का समय है। अतः समस्त देश के विश्वविद्यालय विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से नयी शिक्षा नीति से सम्बंधित कार्यक्रमों का आयोजन करें तथा यूजीसी द्वारा प्राप्त पत्र में नयी शिक्षा नीति की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर कार्यक्रमों के आयोजन का निर्णय लिया गया है।

इसी संदर्भ में दिंनाक 31/07/2021 को समाज विज्ञान विद्याशाखा के समाज कार्य विभाग द्वारा, "नयी शिक्षा नीति 2020 एवं समाज कार्य व्यवसाय" (राष्ट्रीय समाज कार्य शिक्षा परिषद् बिल 2021के विशेष सन्दर्भ में) पर एक वेबीनार का आयोजन किया गया जिसमें भारत के समाज कार्य से सम्बंधित प्रख्यात विद्वानों द्वारा सहभागिता की गयी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर बलराज चौहान, पूर्व कुलपति, धर्मशास्त्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय उपस्थित थे।

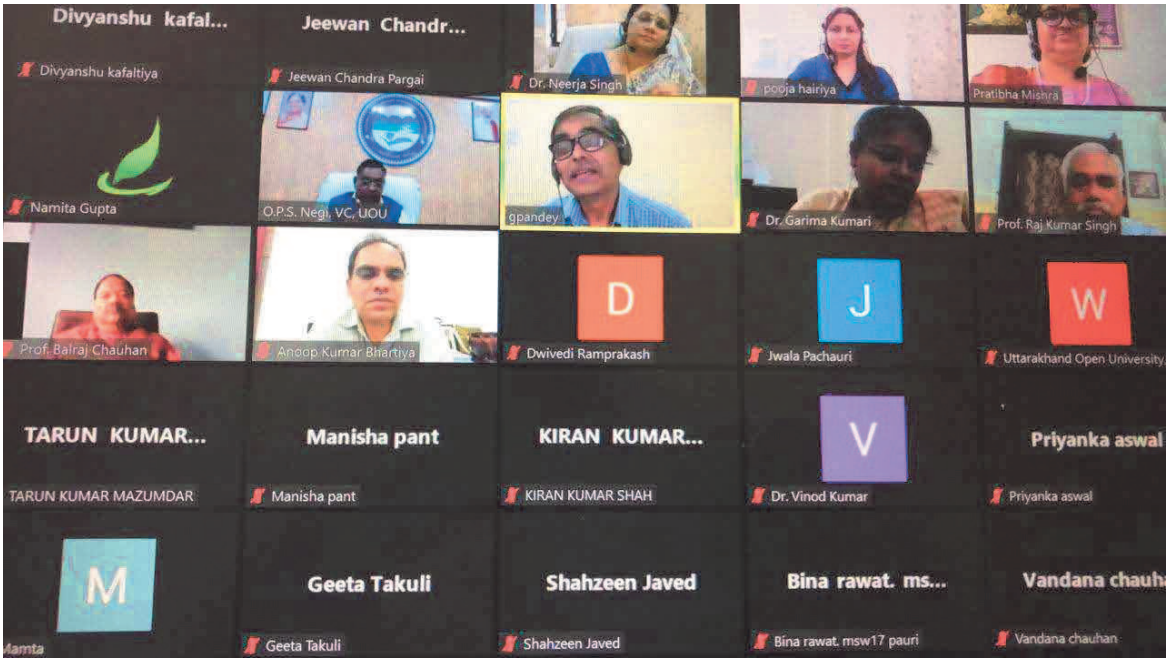


इसके अतिरिक्त प्रो0 संजय भट्ट, प्रो0 जे0 पी0 पचौरी, प्रो0 आर0 पी0 द्विवेदी, प्रो0 अनूप कुमार भारतीय, प्रो0 प्रतिभा जे0 मिश्र इत्यादि ने उद्बोधन प्रस्तुत किया। वेबीनार में माननीय उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति के अतिरिक्त, समाज विज्ञानं विद्याशाखा के निदेशक, समाज कार्य के शिक्षकों एवं लगभग 500 विद्यार्थियों के प्रतिभाग किया।

## 2-week Faculty Development Program (FDP)

2-week Faculty Development Program (FDP) was organised by School of Computer Science & IT & Online Program Cell of Uttarakhand Open University, Haldwani in collaboration with Commonwealth Educational Media Centre for Asia, New Delhi.

The inaugural session was conducted on 21st June, 2021 at 11:00 AM through online mode on ZOOM. More then 300 participants attended the session. Dr. Manas Ranjan Panigrahi- Sr. Program Officer, CEMCA welcomed all the participants and gave an overview of the program.

It was followed by the speech of Prof. Madhu Parhar- Director, CEMCA where informed that SWAYAM requires more than 10000 courses in the near future and these courses are to be developed by the teachers of Higher Education Institutions. She stressed on the importance of creating awareness about creating online courses for SWAYAM.

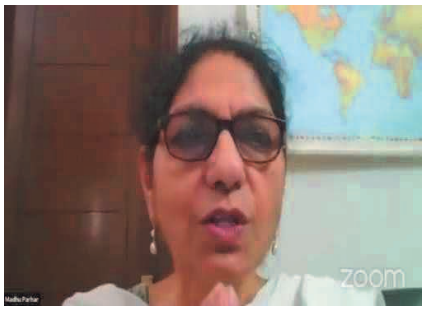


Prof. Durgesh Pant, Director- School of Computer Science & IT, UOU said this program shall pave towards making a truly techno-centric educational ecosystem.

The chief guest of the inaugural session Prof. OPS Negi, Vice Chancellor- Uttarakhand Open University said MOOC are important because it allows learners from the varied geographical background an access to the high-quality educational content. Therefore, this type of FDP programs is especially important for developing capacity of the teacher of the higher education institution to develop online courses.

Dr. Jeetendra Pande, Course Coordinator of this FDP program delivered the vote of thanks to all the dignitaries and the participants.

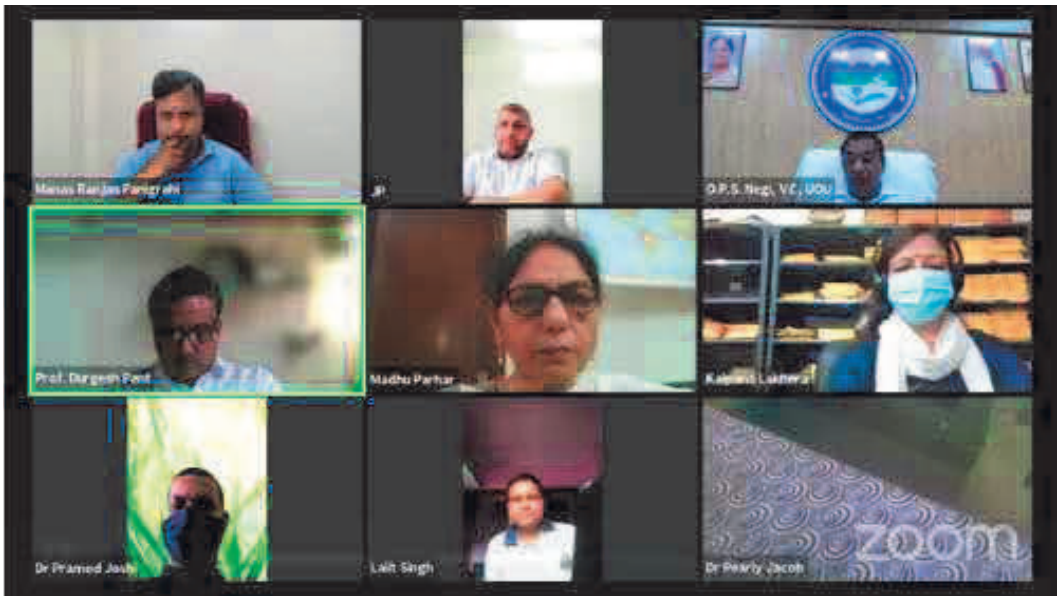


## Details about the Courses

UOU offered 2-week online FDP program from 21 June to 05 July, 2021 through MOODLE platform.

Course materials were designed and developed by Dr. Manas Ranjan Panigrahi, Sr. Program Officer, Commonwealth Educational Media Centre for Asia, New Delhi and his team from IGNOU, UOU, NSOU.

The content includes video lectures, power point presentation, transcripts, etc were uploaded and placed in the sequential manner and provided navigation for easy access. Details about the course are given below:

**Course Details**

| Courses | Start Date | End Dates | No of Topics | No of Instructors |
|---|---|---|---|---|
| Development of Online Courses for SWAYAM | 21-06-2021 | 05-07-2021 | 17 | 6 including Dr. Manas |

## Participants Registration and Participation

Initially, UOU announces the courses details in the University website, Social Media platforms like Facebook, Linkedin, etc. and invited the participants for registration through google form. After removing the duplicate entries, total 1476 participants registered for the FDP program. Out of total 1476 participants who registered for the course, 646 participants never logged in to the portal. So, there

were 830 participants who registered for the course and logged in to the course portal for at least once.

The second live session held on 3rd July, 2021 was attended by 141+ participants through ZOOM and the session was broadcasted on Youtube. The recorded was uploaded on the course page which has 285 views till 20th July, 2021.

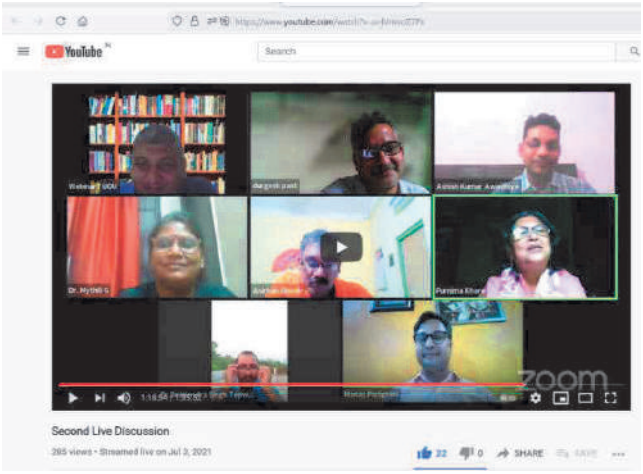


After completing all the mandatory requirements for successfully completing the FDP program, 398 participants downloaded the certificate.

**आन्तरिक शिकायत समिति (महिला कर्मचारियों एवं छात्रों को लैंगिक उत्पीड़न के निराकरण निषेध एवं सुधार) की सत्र 2021 की प्रथम का आयोजन**

दिनांक 30 जुलाई, 2021 (शुक्रवार) को पीठासीन अधिकारी, प्रोफेसर रेनू प्रकाश की अध्यक्षता में प्रातरू 11:30 बजे विश्वविद्यालय सभागार में सम्पन्न आन्तरिक शिकायत समिति (महिला कर्मचारियों एवं छात्रों को लैंगिक उत्पीड़न के निराकरण निषेध एवं सुधार) की सत्र 2021 की प्रथम का आयोजन किया गया। बैठक में प्रोफेसर रेनू प्रकाश, पीठासीन अधिकारी, डॉ0 डिगर सिंह, डॉ0 शालिनी चौधरी, श्री मोहित रावत, श्रीमती प्रियंका पाण्डे, श्रीमती दीपा फुलारा, श्री विमल चौहान, प्रोफेसर ए0के0नवीन, विधि परामर्शक द्वारा प्रतिभाग किया गया।

प्रोफेसर रेनू प्रकाश द्वारा बैठक की कार्यसूची, उद्देश्य एवं आगामी कार्य विधियों को विस्तार से आन्तरिक शिकायत समिति के सम्मुख प्रस्तुत किया गया। पीठासीन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि आन्तरिक शिकायत समिति द्वारा शीघ्र ही विश्वविद्यालय मुख्यालय में एक कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा।

कार्यशाला आयोजित किये जाने का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय में कार्यरत महिला कर्मचारियों एवं अध्ययनरत छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाना है।

समिति द्वारा यह भी संस्तुति की गयी कि आन्तरिक शिकायत समिति को किसी प्रकार की भी सूचना प्राप्त होने की दशा में पीड़ित पक्षकार की सूचना पूरी तरह गोपनीय रखी जायेगी तथा उक्त सूचना पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। समिति द्वारा प्रत्येक दो माह के अन्तराल में आन्तरिक शिकायत समिति की बैठक अनिवार्य रूप से आयोजित किये जाने तथा SHW अर्थात सैक्सुवल हैरेशमेन्ट एट वर्क प्लेस से दिशा–निर्देश लेकर समय–समय पर कार्य प्रणालियों में बदलाव किये जाने पर संस्तुति की गयी। विश्वविद्यालय में कार्यरत ऐसी महिला कार्मिक जिनके 10 वर्ष से कम आयु के बच्चे हैं उनकी पूर्ण सुरक्षा एवं देखभाल हेतु विश्वविद्यालय प्रशासन को शिशु सदन (क्रेच–बेबी डे केयर) की स्थापना हेतु एक प्रस्ताव प्रस्तुत किये जाने की समिति द्वारा संस्तुति की गयी।

समिति द्वारा संस्तुति की गयी कि कोई भी शिकायतकर्ता अपनी शिकायत आन्तरिक शिकायत समिति की ई.मेल. आई.डी. icc@uou-ac-in पर प्रेषित कर सकता है।

बैठक में विधि परामर्शक प्रोफेसर ए0के0नवीन द्वारा महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न, निवारण, प्रतिषेध और प्रतिशोध अधिनियम 2013 पर विस्तार से जानकारी दी गयी, जिसके अन्तर्गत महिला के अधिकार, आन्तरिक शिकायत समिति के कार्य व शक्तियॉ, लैंगिग उत्पीड़न की परिभाषा एवं आन्तरिक शिकायत समिति का गठन और जॉच, जॉच लम्बित रहने के दौरान कार्यवाही व जॉच रिपोर्ट तैयार करने के संबंध में समिति के समक्ष विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गयी। अन्त में अध्यक्ष (पीठासीन अधिकारी) के प्रति धन्यवाद ज्ञापित कर बैठक सम्पन्न हुई।

## विशेष शिक्षा विभाग द्वारा मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित 'मनोवैज्ञानिक समस्याएं और मनोवैज्ञानिकों की भूमिका' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा विभाग द्वारा मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित मनोवैज्ञानिक समस्याएं और मनोवैज्ञानिकों की भूमिका विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन दिनांक 19 से 21 जुलाई तक किया गया।

वेबीनार का उद्घाटन दिनांक 19 जुलाई को पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, नई दिल्ली, भारत सरकार की अध्यक्षा डॉ स्मिता जयवंत शिक्षा शास्त्र विद्या शाखा के निदेशक प्रो. एच पी शुक्ला, दून मेडिकल कॉलेज, देहरादून के विभागाध्यक्ष एवं स्वास्थ्य विभाग उत्तराखंड के उपनिदेशक डॉ एमके पंत द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

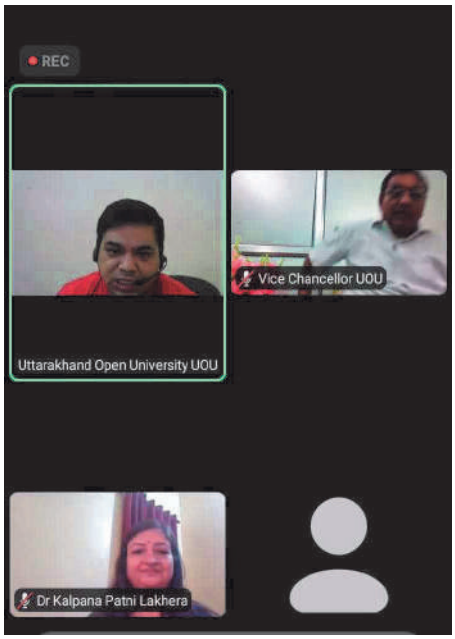


तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का समापन दिनांक 21 जुलाई, 2021 को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी एवं हेमवती नंदन बहुगुणा चिकित्सा विश्वविद्यालय देहरादून के कुलपति एवं उत्तराखंड राज्य की कोविड–19 टास्क फोर्स के अध्यक्ष प्रोफेसर हेम चंद्र पांडे द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार की रिपोर्ट डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा सभी के समक्ष रखी गई। शिक्षा शास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ भावना धोनी द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया वक्ता के रूप में इग्नू से प्रोफेसर अमिताभ मिश्रा, एमिटी यूनिवर्सिटी से डॉ राम शंकर सक्सैना, गुरु घासीदास केंद्रिय विश्वविद्यालय से डॉ शिव कुमार डॉ सीता, डॉ डिगर सिंह फरस्वार्ण, डॉ सलोनी अरोड़ा, एसजीटी यूनिवर्सिटी, गुड़गांव से डॉ सुनीता समेत विभागीय सदस्य डॉ कल्पना पाटनी लखेड़ा डॉ दिनेश कुमार डॉ मनीषा पंत डॉ दिनेश कांडपाल डॉ देवकी सरोला समेत विश्वविद्यालय के विद्यार्थी एवं प्राध्यापक गण एवं अन्य प्रतिभागी ऑनलाइन उपस्थित रहे।

## परीक्षा

- विश्वविद्यालय की शीतकालीन सत्र दिसम्बर 2020 से संबंधित वार्षिक पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं से संबंधित समस्त परीक्षा परिणाम घोषित किये जा चुके है, सूची ईमेल के माध्यम से प्रेषित की जा रही है। संबंधित परीक्षा के परीक्षार्थी दिनांक 17 अगस्त 2021 तक विश्वविद्यालय की वैबसाइट में उपलब्ध ऑनलाइन स्क्रूटनी आवेदन लिंक https://online.uou.ac.in/SE_Scrutiny.aspx के माध्यम से आवेदन कर सकते है।

- दिनांक 14 जुलाई 2021 को परीक्षा समिति की 14वीं बैठक सम्पन्न कराई गई जिसमें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा निर्देशों के अन्तर्गत कोविड–19 संक्रमण के मध्यनजर विश्वविद्यालय के वर्ष 2020–2021 से संबंधित शीतकालीन सत्र (दिसम्बर–2020) की सेमेस्टर परीक्षाओं एवं ग्रीष्मकालीन सत्र (जून–2021) से संबंधित वार्षिक/सेमेस्टर के (अन्तिम वर्ष/सेमेस्टर के परीक्षार्थियों को छोड़कर) मध्यवर्ती वर्ष/सेमेस्टर पाठ्यक्रमों से संबंधित (मुख्य/बैक/सुधार परीक्षा ) परीक्षार्थियों को पूर्व में लागू किये गये नियम के अनुसार प्रोन्नत (Promote) किये जाने पर समिति द्वारा सर्वसम्मति संस्तुति प्रदान की गई। अन्तिम वर्ष/सेमेस्टर (End Term) पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं वस्तुनिष्ट प्रणाली के अन्तर्गत बहुविकल्पीय OMR पद्धति से सम्पन्न कराई जायेगी जो कुल दो घंटे (Two hour) की होगी।
- आगामी परीक्षाओं से संबंधित तैयारियॉ/गोपनीय कार्य प्रारम्भ किया जा चुका है।
- विश्वविद्यालय की (परीक्षा सत्र– जून–2021) से संबंधित केवल वार्षिक पाठ्यक्रमों की (Back Examination form) बैक परीक्षा आवेदन एवं (Improvement Examination form) सुधार परीक्षा हेतु (केवल लिखित परीक्षा) आवेदन करने एवं परीक्षा केन्द्र शहर परिवर्तन हेतु ऑनलाइन आवेदन की तिथि 22 जुलाई से दिनांक 20 अगस्त 2021 तक निर्धारित की गई है। सूचना परीक्षार्थियों हेतु जारी की जा चुकी है।
- वार्षिक पाठ्यक्रमों की ऑनलाइन सत्रीय कार्य परीक्षाएं दिनांक 26 जुलाई 2021 से प्रारम्भ की जा चुकी है, सत्रीय कार्य के सम्पादन हेतु सदस्य सचिव द्वारा कमेठी का गठन कर परीक्षा नियंक्षण कक्ष में समस्त सदस्य की उपस्थिति में परीक्षार्थियों की समस्याओं का निवारण कार्य सम्पादित किया जा रहा है।
- जुलाई माह में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित लगभग 143 मूल उपाधियॉ प्रमाणपत्र एवं अन्य प्रमाणपत्र /सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

## अन्य अकादमिक गतिविधियॉ

- दिनांक 13 जुलाई, 2021 को मा0 कुलपति जी द्वारा मा0 श्री राज्यपाल/कुलाधिपति महोदया की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में राज्यपाल सचिवालय, देहरादून में प्रतिभाग किया गया।
- मा0 कुलपति जी द्वार दिनांक 04 जुलाई, 2021 को पी0एन0जी0 राजकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय द्वारा "Strategies For Managing Personal Finance Including Mutual Funds During & After COVID-19" आयोजित राष्ट्रीय वेबनार में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया गया।

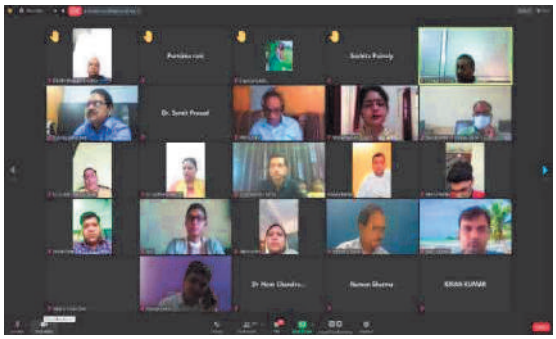

- मा0 कुलपति जी द्वारा दिनांक 20 जुलाई, 2021 को एम0पी0 भोज मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश की प्रबंध अध्ययन की बैठक में प्रतिभाग किया गया।

- मा0 कुलपति जी द्वारा दिनांक 24 जुलाई, 2021 को परीक्षा आयोजन एवं नये शैक्षणिक सत्र प्रारम्भ किये जाने के सम्बन्ध मा0 मंत्री, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्रतिभाग किया।

- व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा द्वारा कौशल / व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की शृंखला में कुछ नये पाठ्यक्रम शुरू किये जाने हेतु अध्ययन मंडल की बैठक दिनाँक 10 जुलाई, 2021 को आहूत की गयी। अध्ययन मंडल की संस्तुतियों एवं विद्या परिषद् से अनुमोदन की प्रत्याशा में उक्त पाठ्यक्रमों को आगामी सत्र से शुरू करने पर विचार किया जायेगा। आगामी सत्र से संचालित किये जाने वाले नवनिर्मित पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं–

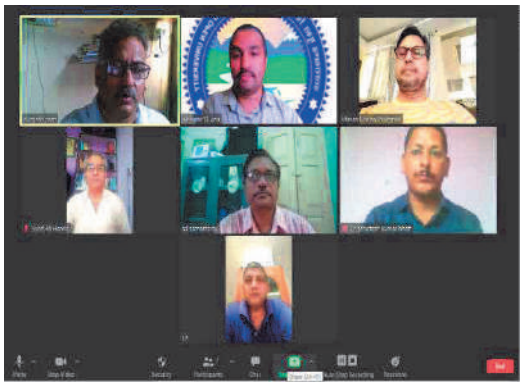

[1] Certificate in Community Radio Technology (CCRT)
[2] Certificate in Data Science & Applications (CDSA)
[3] Certificate in Office Automation & Soft Skills (COASS)

## विश्व दार्शनिक दिवस के उपलक्ष पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा उच्च शिक्षा आपके द्वार विषयक संगोष्ठी का आयोजन

**विश्व दार्शनिक दिवस के उपलक्ष पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा उच्च शिक्षा आपके द्वार विषयक संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 6 दिसंबर 2021 को ब्लॉक सभागार खिर्सू में किया गया।** जिसमें पौडी एवं खिर्सु क्षेत्र के मेधावी बच्चों और समाज सेवा में उल्लेखनीय कार्य करने वाले महानुभावों को सम्मानित किया गया।

**उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय एवं भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में जिला पौड़ी के राठ क्षेत्र स्थित राजकीय इंटर कॉलेज तिरपालीसैड़ में विश्व दार्शनिक दिवस के उपलक्ष पर उच्च शिक्षा आपके द्वार संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 6 दिसंबर 2021 को किया गया।** कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी ने अपने उद्बोधन में कहा कि दूरस्थ शिक्षा वर्तमान समय की आवश्यकता है। शिक्षार्थी दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अपनी उच्च शिक्षा पूर्ण कर सकता है। आज उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय विभिन्न प्रकार के रोजगार परक पाठ्यक्रम चला रहा है। जिसका लाभ क्षेत्र के शिक्षार्थी ले सकते हैं। प्रवेशार्थी ऑनलाइन माध्यम से प्रवेश ले सकता है। मुख्य अतिथि पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती कौशल्या भट्ट ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुक्त विद्यालय का एक अच्छा प्रयास है कि क्षेत्र में इस तरह की संगोष्ठी का आयोजन किया गया और उन्होंने विश्वविद्यालय को धन्यवाद दिया कि प्रथम बार राठ क्षेत्र में कोई कुलपति स्वयं यहां आकर उच्च शिक्षा के बारे में शिक्षार्थियों को प्रेरित कर रहे हैं।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल सहायक प्राध्यापक ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में शंकराचार्य जी के विचारों को हमें अपने जीवन में लाना है और यह क्षेत्र पहले से ही आदिशंकराचार्य जी की कर्मभूमि तपस्थली रहा है।राठ क्षेत्र वर्तमान में उच्च शिक्षा में नए–नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है जिसका लाभ क्षेत्र के लोगों को मिलेगा। राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के सलाहकार प्रोफेसर के डी पुरोहित ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस तरह की संगोष्ठी से क्षेत्र के साथ साथ सभी साथियों को भी नवीन पाठ्यक्रमों की जानकारी होती है और मुक्त विश्वविद्यालय के नवीन पाठ्यक्रम क्षेत्र की आवश्यकतानुसार तैयार किए गए हैं। गढ़वाल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर एम एस एम रावत ने अपने उद्बोधन में कहां की वर्तमान समय तकनीकी का युग है ऑनलाइन सामग्रियां विश्वविद्यालयों के पोर्टल में उपलब्ध हैं।

राजकीय महाविद्यालय मजरा महादेव के प्राचार्य प्रो कैलाश चंद दुदपुडी द्वारा मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा महाविद्यालय में चलाए जा रहे अध्ययन केंद्र के बारे में जानकारी दी। संगोष्ठी में क्षेत्र के बोर्ड के मेधावी विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओ पी एस नेगी द्वारा सम्मानित भी किया गया।

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के सलाहकार प्रोफेसर के डी पुरोहित ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस तरह की संगोष्ठी से क्षेत्र के साथ–साथ सभी साथियों को भी नवीन पाठ्यक्रमों की जानकारी होती है और मुक्त विश्वविद्यालय के नवीन पाठ्यक्रम क्षेत्र की आवश्यकतानुसार तैयार किए गए हैं।

**उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी और भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के संयुक्त तत्वाधान में विश्व दार्शनिक दिवस के अंतर्गत उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा आपके द्वार संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 12, दिसम्बर, 2021 को महायोगी गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय बिथ्याणी, यमकेश्वर में किया गया।** संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में माननीय श्री तीरथ सिंह रावत

सांसद गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र, विशिष्ट अतिथि कुलपति उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी और अध्यक्षता यमकेश्वर क्षेत्र के स्थानीय विधायक श्रीमती रितु खंडूरी भूषण द्वारा की गई। राजकीय महाविद्यालय विद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर एम0 पी0 नगदली ने अतिथियों का स्वागत प्रतीक चिन्ह, पुष्पगुच्छ व शॉल के द्वारा किया।विश्वविद्यालय से आए सहायक प्राध्यापक डॉ0 सिद्धार्थ पोखरियाल ने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विषय में जानकारी दी एवं भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद द्वारा कराई जा रही विषय से संबंधित संगोष्ठी के सम्बन्ध में बताया।

मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी ने अपना उद्बोधन ने बताया कि दूरस्थ शिक्षा वर्तमान समय की मांग है और यह कहीं भी किसी भी समय किसी भी व्यक्ति द्वारा ली जा सकती है। मुख्य अतिथि सांसद श्री तीरथ सिंह रावत जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय प्रतियोगिता का समय है । प्रतियोगिता में उत्तीर्ण वही हो सकता है जो अच्छी शिक्षा दीक्षा ले और मुक्त और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से हम अपने लक्ष्य को पा सकते हैं।मुक्त विश्वविद्यालय इस समय राज्य के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी पैठ बना चुका है जिसका लाभ पूरे राज्य के विद्यार्थियों को मिल रहा है।

कार्यक्रम में विद्यालय संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय आनंद सिंह बिष्ट जी की धर्मपत्नी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी की माता जी श्रीमती सुशीला देवी, महाविद्यालय प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष श्री विद्याधर रतूड़ी, स्थानीय समाजसेवी महावीर प्रसाद कुकरेती, शिक्षाविद बंशीधर पोखरियाल, संजय शास्त्री, ग्राम प्रधान श्रीमती गंगा देवी, ब्लाक प्रमुख श्री दिनेश भट्ट जी समेत महाविद्यालय के मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ नीरज नौटियाल द्वारा किया गया किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य आरती गौड़, डॉ विजय सामंत, महेंद्र सिंह बिष्ट, श्रीमती सरोजनी नेगी, आचार्य कमल डिमरी, त्रिभुवन जोशी समेत यमकेश्वर क्षेत्र के लोग एवं महाविद्यालय के समस्त छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

## विश्वविद्यालय नैक के प्रत्यायन की प्रकिया

नैक प्रत्यायन के सम्बन्ध में पूर्ण की जाने वाली आवेदन प्रक्रिया के प्रथम चरण में विश्वविद्यालय द्वारा प्रेषित Institutional Information for Quality Assessment नैक, बंगलुरु द्वारा 30, सितम्बर, 2021 को स्वीकृत कर लिया गया है।

नैक प्रत्यायन के सम्बन्ध में पूर्ण की जाने वाली आवेदन प्रक्रिया के प्रथम चरण में विश्वविद्यालय द्वारा प्रेषित Institutional Information for Quality Assessment को नैक, बंगलुरु द्वारा 30, सितम्बर, 2021 को स्वीकृत कर लिया गया था | इस प्रक्रिया के दौरान उनके द्वारा सूचित विभिन्न आपत्तियों का निस्तारण विश्वविद्यालय की नैक टीम द्वारा किया गया | इस प्रक्रिया के अगले चरण में Institutional Information for Quality Assessment के स्वीकृत होने की तिथि से 45 दिवसों के भीतर विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की जाने वाली Self Study Report नैक, बंगलुरु को 11 नवम्बर, 2021 को प्रेषित की जा चुकी है |

Self Study Report प्रेषित करने के बाद नैक, बंगलुरु द्वारा Student Satisfaction Survey कर दिया जिसे विश्वविद्यालय द्वारा समय पर अपने छात्रों के सहयोग के सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया। विश्वविद्यालय की आगामी तैयारियों में नैक, बंगलुरु की प्रस्तावित टीम द्वारा विश्वविद्यालय का निरीक्षण करने से पहले एक वैसी ही टीम (Mock Peer Team) द्वारा विश्वविद्यालय का निरीक्षण कराना है ताकि कमियों को समय रहते जानकर उन्हें दूर किया जा सके। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा आधारभूत सुविधाएं जो कि नैक ग्रेडिंग के लिए आवश्यक है उस पर भी समयबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है।

## कार्य परिषद की 32वीं (विशेष) बैठक का आयोजन

विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की 32वीं बैठक विश्वविद्यालय के सभागार में दिनांक 02 दिसम्बर, 2021 को सम्पन्न हुई, बैठक में महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा हुई जिनमें से अधिकतम प्रस्तावों पर अनुमोदन दिय गया।

बैठक में सर्वप्रथम कार्य परिषद की 31वीं बैठक के निर्णयों पर कृत कार्यवाही पर परिषद द्वारा अनुमोदन किया गया।

प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल, के अधिवर्षता आयु पूर्ण करने के फलस्वरूप विश्वविद्यालय के परिनियमावली में वर्णित व्यवस्थानुसार प्रो0 शुक्ल को अनुमन्य सत्रांत लाभ पर परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गा।

सिस्टम मैनेजर 01 पद, सहायक निदेशक कम्प्यूटर आई टी0 के 04 पद तथा शोध अधिकारी के 03 पदों हेतु सम्पन्न लिखित परीक्षा, कम्प्यूटर एवं आई0टी0 दक्षता तथा साक्षात्कार दिनांक 16 एवं 17 नवम्बर, 2021 के आधार पर चयन समिति की संस्तुतियों का अनुमोदन किया गया।

बैठक कुलपति प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई वाह्य सदस्य के रूप में ईग्नू नई दिल्ली की समकुलपति प्रो0 सुमित्रा कुकरेती, प्रो0 पी0एस0 बिष्ट, एस0एस0जे0 परिसर, अल्मोड़ा, प्रो0 एल0एन0 कोली, आगरा एवं श्री रमेश चन्द्र बिन्जोला, हल्द्वानी, प्रो0 पी0के0 पाठक, निदेशक, उच्च शिक्षा, गौलापाल, हल्द्वानी, विश्वविद्यालय की ओर से प्रो0 आर0 सी0 मिश्र, प्रो गिरिजा प्रसाद पाण्डे, प्रो0 दुर्गेश पंत, प्रो0 पी0डी0 पंत, डॉ0 विरेन्द्र कुमार, कुलसचिव प्रो0 एच0एस0 नयाल, वित्त नियंत्रक श्रीमती रूचिता तिवारी शामिल रहे।

## विश्वविद्यालय ने मनाया नेशनल लाइब्रेरी वीक

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के लाइब्रेरी एवं इंफॉर्मेशन साइंस विभाग द्वारा बैचलर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन साइंस द्वारा दिनांक 14 से 20 नवम्बर, 2020 को राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह को मनाया गया। इस अवसर पर लाइब्रेरी साइंस के सम्बन्ध में लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए विभाग द्वारा विभिन्न् कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें क्विज कांपिटिशन, ऑडियो–वीडियो लेक्चर और चर्चा के माध्यम से जागरूकता फैलाई गई। विवि में वर्चुअल दौर में लाइब्रेरी की उपयोगिता पर हुई चर्चा में विश्वविद्यालय के मावविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो. एच. पी. शुक्ला ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए लाइब्रेरी के नए रूपों मसलन ई लाइब्रेरी व किंडल की उपयोगिता पर बात रखी उन्होंने कहा कि ये माध्यम ऐसे हैं जिन्हें आप कहीं भी बैठ कर पढ़ सकते हैं, यह कहीं भी ले जाने में आसान हैं इसीलिए लोगों को लाइब्रेरी के इन रूपों से दोस्ताना होने की बात कही।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रबंध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आर. सी. मिश्र ने कहा कि ई लाइब्रेरी, वर्चुअल लाइब्रेरी, डिजिटल लाइब्रेरी परंपरागत लाइब्रेरी की प्रतियोगी नहीं हैं बल्कि ये इनकी सहयोगी हैं एवं जो पुस्तकालयों की परंपरा को आगे बढ़ाने का ही काम कर रही हैं।

कार्यक्रम में समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा पांडे ने पुस्तकालयों के इतिहास पर बहुत विस्तृत रूप में प्रकाश डाला। जिसमें प्राचीन पुस्तकालयों से लेकर, मंदिर, गिरिजाघरों के पुस्तकालय, परंपरागत लाइबेरी, वर्चुअल लाइब्रेरी से लेकर ओपन एक्सेस सिंस्टम तक का सफर उन्होंने तय किया।

चर्चा का संचालन लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन साइंस विभाग में एसिसटेंट प्रोफेसर प्रीति शर्मा ने किया। चर्चा में लाइब्रेरी साइंस के राकेश पंत, डा. नीरजा सिंह हिंदी विभाग के डा. राजेन्द्र कैड़ा, डा. अनिल

कार्की.डा. कुमार मंगलम, डा. दिव्या तिवारी, पान सिंह, रेनू जोशी, डाय भूपेन सिंह, डा. आरुषि, सुनीता भट्ट, समेत विवि का अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ये बात रही कि लोग अकेडमिक जगत में अंक जुड़ने के चलते शोध पत्र के लिए जरूरत भर का पढ़ते हैं चर्चा के अंत में एक क्विज कॉपिटिशन का आयोजन किया गया जिसमें लाइब्रेरी से जुड़े दस सवाल पूछे गए। इस प्रतियोगिता का विजेता हिंदी विभाग रहा।

विश्वविद्यालय द्वारा सौर उर्जा संरक्षण की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

## हैलो हल्द्वानी से प्रसारित कार्यक्रम

1- अंतर्राष्ट्रीय ब्रेल दिवस क्यों मनाया जाता है कौन थे ब्रेल उनके जीवन को विस्तार से जानें डा. दिनेश चन्द्र कांडपाल के साथ जो कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षा शास्त्र में एसिसटेंट प्रोफेसर हैं। ब्रेल लिपि भारत में कब पहुंची ये लिपी कैसे हुआ विकास, कौन कौन से संस्थान इस वक्त दृष्टिबाधित लोगों के लिए हैं और वह क्या काम कर रहे हैं विस्तार से बता रही हैं डा. भावना धौनी जो कि स्पेशल बीएड विभाग में एसिसटेंट प्रोफेसर हैं

2- बहुत कम लोग हैं, जो ज्योतिष को समझ सकते हैं, ज्योतिष तंत्र-मन्त्र, टोना-टोटका नहीं है, बल्कि इससे बिलकुल अलग है, तो ज्योतिष का वास्तविक स्वरूप क्या है? जानने के लिए सुनिए प्रो० विनय कुमार पाण्डेय को, जो काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभाग से जुड़े हैं।

3- बालपन से ही संघर्ष जिसका संगी बन गए हों उसकी बुनियाद व उसका आत्मविश्वास कभी कमजोर नहीं होता। बालपन के संघर्ष दुनियावी थपेड़ों से लड़ने की ताकत दे जाते हैं। 18 साल माध्यमिक शिक्षा में अंग्रेजी की अध्यापक रहने के बाद वर्तमान में आयोग के जरिये महाविद्यालय की सेवा में जुटी हैं। हम बात कर रहे हैं डा. अमिता प्रकाश की । संवेदनशील मन ने हमेशा कलम थामे रखी, दो कहानी संग्रह अभी तक उनके प्रकाशित हो चुके हैं।

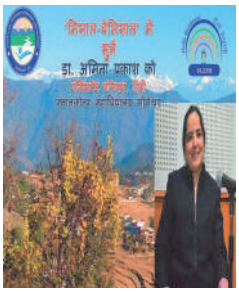


4- अधुनिक संस्कृत कवियत्रियों में पंडिता क्षमाराव का शुमार है वह एक बेहतरीन कवियत्री रही हैं। कैसा है उनका रचना संसार आईये विस्तार से जानते हैं प्रज्ञा दूबे जी के साथ में जो कि उत्तराखंड मुक्त विवि के संस्कृत विभाग में एसिसटेंट प्रोफेसर हैं।

5- ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज जो किसी भी तरह के टीचिंग या लर्निंग या रीसर्च मटीरियल हो सकते हैं वो ओपन लाइसेंस या पब्लिक डोमेन दोनों में हो सकते हैं.1999 में जर्मनी से ये ओईआर मूवमेंट शुरु हुआ। ये कहना है डा. जीतेन्द्र पांडे का जो कि उत्तराखंड मुक्त विवि में कंप्यूटर विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर हैं। OER पर विस्तार से सुनते हैं आज की बेहद महत्वपूर्ण वार्ता में

6- भारत में ग्रामीण बैंकों की विकास यात्रा कहां से कब व किन प्रयोजनों के साथ शुरु हुई। कितना यह ग्रामीण आबादी की सहयात्री बन सकी। 1975 में अपनी स्थापना के बाद से और फिर 1990 में नयी आर्थिक नीतियों के आने के बाद क्या चुनौतियां ग्रामीण बैंकों के लिए आई और कैसे बहुत आसानी से न केवल उन चुनौतियों का सामना ग्रामीण बैंकों ने किया बल्कि बेहतरीन सेवा के क्षेत्र में मील का पत्थर भी साबित हुई। समय समय पर हुए सर्वे बताते हैं कि अपेक्षाओं से कहीं अधिक खरे उतरे हैं ग्रामीण बैंक। बहुत विस्तार से बेदह ही सरल भाषा में इस विकास यात्रा को बता रहे हैं महेन्द्र सिंह बिष्ट जी जो कि साल 2021 जून में ही सहायक महाप्रबंधक के पद से उत्तराखंड ग्रामीण बैंक से सेवानिवृत हुए हैं। आईये सुनते हैं ये बातचीत आपके अपने रेडियो हैलो हल्द्वानी में।

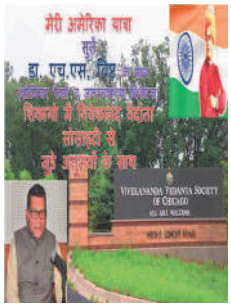


7- विवेकानंद वेदांता सोसाइटी ऑफ शिकागो से जुड़े अपने अनुभव साझा कर रहे हैं डा. एच.एस. बिष्ट जो कि सीनियर फैलो हैं और जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ हैं। 2020 में की अपनी अमेरिका यात्रा में विवेकानंद सोसायटी ऑफ शिकागो के ढेरों अनुभव और विवेकानंद जी के बहुत ही लोकप्रिय हुए शिकागो के मात्र पांच मिनट के व्याख्यान को बता रहे हैं अपनी अमेरिका यात्रा के बहाने। तो दोस्तों आज विवेकानंद की जयंती के बहाने आईये सुनते हैं ये अनुभव आपके अपने रेडियो हैलो हल्द्वानी में

8- बिरजू महाराज का जन्म कत्थक नृत्य के लिये प्रसिद्ध जगन्नाथ महाराज के घर हुआ था, जिन्हें लखनऊ घराने के अच्छन महाराज कहा जाता था।ये जिस अस्पताल पैदा हुए थे, उस दिन वहाँ उनके अलावा बाकी सब कन्याओं का ही जन्म हुआ था, जिस कारण उनका नाम बृजमोहन रख दिया गया।यही नाम आगे चलकर 'बिरजू' और उससे 'बिरजू महाराज' हो गया।जब ये मात्र 9 वर्ष के ही थे, इनके पिता का स्वर्गवास हो गया। इनको उनके चाचाओ लच्छू महाराज एवं शंभु महाराज से प्रशिक्षण मिला, तथा अपने जीवन का प्रथम गायन इन्होंने सात वर्ष की आयु में दिया।इनके बारे में विस्तृत जानकारी आपके सामने लेकर आ रहे हैं, विकास जोशी, जोकि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में बतौर अस्सिस्टेंट प्रोफ़ेसर हैं।

9- कोविड के दौर में हमें आहार संबंधी किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। कैसे हम संक्रमण से बच सकें और अगर कोविड हो गया है तो कैसे उसे आहार से ठीक करें इस पर बता रही हैं उत्तराखंड मुक्त विवि के गृह विज्ञान विभाग में एसिसटेंट प्रोफेसर डा. प्रीति

10- कोविड के वक्त मुक्त विवि की फैकल्टी ने किस तरह से ऑनलाइन स्टूडेंट्स की मदद की सुनते हैं विवि के भौतिकी विज्ञान में डा. राजेश मठपाल, गणित के डा. कमलेश भट्ट व भूगोल विभाग में डा. प्रदीप कुमार पंत को।

11- आप यकीन कर सकते हैं दोस्तों कि मतदाता पहचान पत्र के बिना भी वोटिंग हो सकती है। तो हम आपको कहेंगे कि जरूर 1990 से पहले भारत में मतदाता पहचान पत्र जैसा कोई पहचान पत्र नहीं होता था ये 1990 में कमान संभालने वाले हमारे दसवें चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन की देन है । तो आज जो माहौल है चुनाव का, निर्वाचन आयोग का स्वतंत्र और निष्पक्ष भूमिका है ये टी.एन. शेषन की ही देन है तो विस्तार से सुनते है टी.एन.शेषन की कहानी उत्तराखंड मुक्त विवि के लोक प्रशासन विभाग में एसिसटेंट प्रोफेसर शुभांकर शुक्ला के साथ में

12- चुनाव जागरूकता अभियान पर दस एपिसोड तैयार किये गये।

13- विश्वविद्यालय के अकादमिक स्टाफ के द्वारा जनवरी माह में अपने विषय संबंधी 90 रिकार्डिंग दी गई जिन्हें रेडियो स्टाफ द्वारा एडिट कर रेडियो पर प्रसारित करने के अलावा विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करने के साथ ही रेडियो के फेसबुक पेज व यू ट्यूब चैनल पर भी लगाया गया।

## National webinar on Achievement, Challenges and Perspectives in

## Higher Education with special reference to NEP2020
**0n**

## 30 Oct, 2021

School of Education, Uttarakhand Open University organized one day National Webinar on Achievement, Challenges and Perspectives in Higher Education with special reference to NEP 2020 Celebrating **"Azadi ka Amrit Mahotsav"**. Prof. O.P.S. Negi Hon'ble VC, UOU was Patron of this webinar. Prof.Anil Shukla Hon'ble VC Khawaja Moinuddin Chishti Language University Lucknow was chief guest in this webinar.

Organizing secretory Dr Kalpana Patni Lakhera presented opening remark about webinar. Prof H.P. Shukla, Director, School of Education welcomed Chief guest, Dignitaries, faculty members, research scholars connected virtually. Prof.Seema Dhawan keynote speaker highlighted perspectives in higher Education with special reference to NEP2020.

Guest Speaker Prof. Manoj Kumar Saxena highlighted challenges in implementing recommendations of NEP2020, Prof. O.P.S. Negi Vice Chancellor

Uttarakhand Open University strongly emphasized on relevance of Open and Distance Education for quality higher Education and achieving Sustainable Development goals. Prof.O.P.S. Negi highlighted strength of ODL &need of giving much more emphasis on Open and Distance Education. Dr. Digar Singh Farswan delivered vote of thanks to all dignitaries, Chief Guest, Guest speakers, faculty members, research scholars, technical experts, all persons directly or indirectly concerned with this webinar.

## 6 दिवसीय बीएड विशेष शिक्षा कार्यशाला का ऑनलाइन आयोजन

शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा में 6 दिवसीय बीएड विशेष शिक्षा कार्यशाला का ऑनलाइन आयोजन 01 से 6 अक्तूबर तक किया गया तथा 24 से 29 अक्तूबर तक 6 दिवसीय बीएड विशेष शिक्षा कार्यशाला का ऑफ लाइन आयोजन किया गया |

- शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा में शोध सलाहकार समिति (RAC) की बैठक का आयोजन 01/10 /2021 को किया गया| बैठक में विभाग में पंजीकृत शोधार्थियों द्वारा शोध प्रारूप (Synopsis) का प्रस्तुतीकरण किया गया| शोध प्रारूपों (Synopsis) के प्रस्तुतीकरण के आधार पर शोध सलाहकार समिति द्वारा शोध में गुणवत्ता तथा नवाचार से सम्बंधित विभिन्न सुझाव दिए गए तथा उनके शोध प्रस्ताव को RDC के लिए अग्रसारित करने की संस्तुत्ति की गयी |

- 01 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा में पंजीकृत शोधार्थियों का प्रि-पीएचडी कोर्से वर्क की कक्षाओ का संचालन किया गया, जिसमें विभाग के सभी प्राध्यापकों द्वारा प्रि-पीएचडी कोर्से वर्क से सम्बंधित विभिन्न प्रकरणों में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

## परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण

वर्तमान में संचालित विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा कुलपति प्रो0 ओ0पी0एसस0 नेगी द्वारा निम्न परीक्षा केन्द्रों का औचकर निरीक्षण किया गया–

- कुलपति जी द्वारा दिनांक 01/10/2021 को राजकीय महाविद्यालय, बड़कोट, उत्तरकाशी, का निरीक्षण।

- कुलपति जी द्वारा दिनांक 10/10/2021 को परीक्षा केन्द्र एस0जी0आर0आर0 पी0 जी0 कॉलेज, देहरादून में बी0एड0 (विशेष शिक्षा) की प्रवेश परीक्षा का निरीक्षण किया गया।

## परीक्षा

- विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षायें दिनांक 15 सितम्बर 2021 से 05 अक्टूबर 2021 तक परीक्षा केन्द्रों में सफलतापूर्वक सम्पन्न करायी गयी।
- समपन्न परीक्षाओं की समस्त उत्तरपुस्तिकाएं दिनांक 10 अक्टूबर 2021 तक विश्वविद्यालय लायी गई, जिसके उपरांत उत्तरपुस्किाओं की छठनी, मूल्यांकन व परीक्षाफल घोषित किये जाने का कार्य गतिमान है। तद्दिनांक तक घोषित किये गये परीक्षाफलों की सूची ई–मेल के माध्यम से प्रेषित की जा रही है।
- दिनांक 10 अक्टूबर 2021 को सम्पन्न हुई बी0एड0 (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा की उत्तरकुंजी (Answer Key) विश्वविद्यालय की वैबसाइट में उपलब्ध कराई गई।
- बी0एड0 (ODL) पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिये जाने हेतु प्रवेश परीक्षा आवेदन तिथि को दिनांक 23 अक्टूबर 2021 तक विस्तारित किया गया था।

- MBA एवं MCA पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा आवेदन जारी किये गये, आवेदन करने की तिथि दिनांक 15 सितम्बर 2021 से 15 नवम्बर 2021 निर्धारित की गई है। तद्दिनांक तक MBA में 60 एवं MCA में 16 आवेदन प्राप्त हुए है।
- अक्टूबर माह में वि0वि0 की परीक्षा से संबंधित परीक्षा कार्य में संलग्न कार्मिकों एवं परीक्षा कन्द्रों से संबंधित कुल 16 बिल जांच उपरांत भुगतान एवं समायोजन हेतु वित्त अनुभाग को प्रेषित किये जा चुके है। अप्राप्त बिलों के संबंध में वि0वि0 कार्मिकों व परीक्षा केन्द्रों को बिल प्रस्तुत करने हेतु ई–मेल से सूचना प्रेषित की गई है।
- अक्टूबर माह में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित 48 मूल उपाधियॉ प्रमाणपत्र एवं अन्य प्रमाणपत्र/सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

## उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय को एम0बी0ए0, एम0सी0ए0, Post Graduate Diploma in Tourism, बी0लिब0 एवं बी0एड0 विशेष शिक्षा के पाठ्यक्रम की मंजूरी

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय भारत का एममात्र ऐसा मुक्त विश्वविद्यालय है जिसे NCTE से बी0एड0 (ओडीएल), AICTE से MBA, MCA तथा Post Graduate Diploma in Tourism, यू0जी0सी0 से BACHELOR OF EDUCATION, SPECIAL EDUCATION- MENTAL RETARDATION, VISUAL IMPAIRMENTLEARNING DISABILITY, HEARING IMPAIRMENT, BACHELOR OF EDUCATION- B.Ed. and BACHELOR OF LIBRARY & INFORMATION SCIENCE- BLIS पाठ्यक्रम प्राप्त हुए है।

## विश्वविद्यालय नैक के प्रत्यायन की प्रकिया

नैक प्रत्यायन के सम्बन्ध में पूर्ण की जाने वाली आवेदन प्रक्रिया के प्रथम चरण में विश्वविद्यालय द्वारा प्रेषित Institutional Information for Quality Assessment नैक, बंगलुरु द्वारा 30, सितम्बर, 2021 को स्वीकृत कर लिया गया है।

इस प्रक्रिया के दौरान उनके द्वारा सूचित विभिन्न आपत्तियों का निस्तारण विश्वविद्यालय की नैक टीम द्वारा किया गया। इस प्रक्रिया के अगले चरण में Institutional Information for Quality Assessment के स्वीकृत होने की तिथि से 45 दिवसों के भीतर विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की जाने वाली Self Study Report नैक, बंगलुरु को प्रेषित की जानी है। इस रिपोर्ट को तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शीघ्र ही यह रिपोर्ट तैयार होने के बाद नैक को प्रेषित कर दी जायेगी।

## उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय तथा ऑन चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से किशोरी उच्च शिक्षा प्रोत्साहन योजना का शुभारंभ

दिनांक 06 अक्टूबर, 2021 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एवं आन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा **किशोरी उच्च शिक्षा प्रोत्साहन योजना** को लॉच किया गया। साथ ही सहमति–पत्र पर भी हस्ताक्षर किए गये। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ0पी0एस0 नेगी एवं संयुक्त मजिस्ट्रेट काशीपुर आकांक्षा वर्मा ने संयुक्त रूप से किया।

ट्रस्ट की प्रबंधक नमिता गुप्ता ने किशोरी उच्च शिक्षा प्रोत्साहन योजना पर प्रकाश डाला तथा बताया कि यह ऑन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संकल्पित एक छात्रवृत्ति योजना है जिसका उद्देश्य युवतियों को दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना है। इस योजना का क्रियांवयन में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का सहयोग उल्लेखनीय है।

## अन्य अकादमिक गतिविधियॉ

- दिनांक 30–31 अक्टूबर, 2021 एवं 01 नवम्बर, 2021 को मा0 कुलपति जी द्वारा "Ancient Wisdon and the Contemporary Universe: The Relevance of Swami Vivekanand and Mahatma Gandhi and Pt. Deen Dayal Upadhyay" राष्ट्रीय वेबीनार में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया जिसका आयोजन कुमांऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा किया गया था।

- विश्वविद्यालय में वर्ष 2021 में शिक्षणेत्तर वर्ग में रिक्त शोध अधिकारी–03 पद, सहायक निदेशक, कम्प्यूटर आई0टी0–04 पद तथा सिस्टम मैनेजर–01 पद कुल 08 पद विज्ञापित किये गये है जिन पर दिनांक 03 अक्टूबर, 2021 को लिखित परीक्षा आयोजित की जा चुकी है।
- Bhatt A., Dubey S.K., Bhatt A.K. (2021) "Early Prediction of Cardiovascular Disease Among Young Adults Through Coronary Artery Calcium Score Technique" Advances in Computing and Data Sciences, Communications in Computer and Information Science, vol 1441, pp303-312, Springer, Cham. https://doi.org/10.1007/978-3-030-88244-0_29, print ISBN978-3-030-88243-3, Online ISBN978-3-030-88244-0.
- An expert committee meeting was held at UOU Headquarter, Haldwani on 08/11/2021 at 11:00 am through online mode due to the COVID-19 pandemic situation.
- Department of Geo informatics conducted practical exam of M.A/M.Sc. II year Geography on 28, 29 & 30 October 2021.

## Two-day workshop organized by CEMCA

A two-day workshop on Virtual Labs is being organised from 9-10th November 20 for the faculty members of Uttarakhand Open University by CEMCA. Prof. O.P.S. Negi, Vice Chancellor, Uttarakhand Open University, in his Presidential Address, emphasised the importance of experimentation in science education, and posited that open educational resources, including virtual labs can play an important role in taking educators and students towards quality teaching and learning. Mr. Saneesh P F, Project Manager, VALUE Virtual Labs, Amrita Vishwa Vidyapeetham provided an overview of virtual labs and demonstrated a variety of experiments from Physics, Chemistry, Biology, and Computer Science.

The capacity building programme was attended by 62 faculty members of UOU and other formal universities of the State.

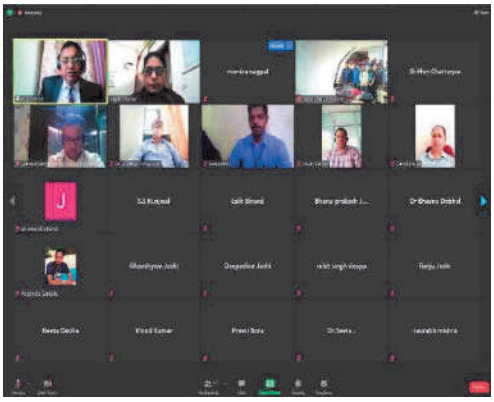

# National Webinar on "विज्ञान सर्वत्र पूज्यते" on the occasion of "National Science Day"

## Inaugural Session:

One day national Webinar under the theme "**Vigyan Sarvatra Pujyate**" on the occasion of "National Science Day, was organised by School of Sciences on February 28, 2022". Organizing Secretary Dr. Arvind Bhatt, initiated the Webinar with workshop theams. He briefed about the webinar and played the university Kulgeet. Prof. P.D. Pant, Director, School of Sciences, welcomed all the renowned speakers, faculty members and the participants. After that Dr Arvind Bhatt gave a brief introduction of the webinar.

**Keynote Speaker and Chief Guest:**

**Padma-Shri Dr. M.C. Dathan**
**Former Director,VSSC (ISRO),**
**Trivandrum, Kerala**

At 11:15 AM the keynote speaker Dr. M. C. Dathan started his talk. He started his talk by recalling his childhood days and explained how science and technology has evolved in India and changed the living and outlook of the society. He also threw light on Technology vision-2020 inspired by Dr. A.P.J. Abdul Kalam.
Dr. Dathan also focused on research, both basic and upgraded research. He said, every human should do the basic research about his physical and emotional environment and people with scientific temperament should continue upgraded research.
As far as science is concerned, there is no permanent faith, he said. Anything that is true and prevalent today may not necessarily be the same in future and could be changed or modified by advancements in science and technology. He also said that tradition is good but anything

you believe or pursue should be done with scientific temper. He emphasized on happiness of mind for the good functioning of the body.
When it comes to ethics in science he said, scientific advancements should happen for the At the end of his talk he said, we should feel proud of being Indian and try to make our country proud.

**Technical Session- Mathematics**

**Guest Lecture by:**

**Prof. C. S. Rajan**
**Department of Mathematics**
**School of Mathematics**
**Tata Institute of Fundamental Research**
**(TIFR) Homi Bhabha Road, Mumbai,**
**India**

In Session-II: Technical Session-I, Prof. C.S. Rajan, Department of Mathematics, Tata Institute of Fundamental Research (TIFR), Mumbai delivered his talk on the importance of Mathematics. He explained the reliability and exactness of mathematics using various examples. Prof. C. S. Rajan said that qualitative understanding should be necessary to approach physical concepts and a scientific approach should be needed to understand mathematics.

Prof C.S. Rajan also discussed different techniques to understand mathematics effectively. The first one is the involvement in the subject, which requires hard work and effort. The second one is the cultivation of interest by giving time to practice mathematical problems. He also advised learners to keep asking questions regarding mathematical problems from their colleagues and teachers. Finally, he suggested that the learners should write down all their problems in their notebook which activate their Gyan mudra.

**Session Photograph:**

**Technical Session- Chemical Science**

**Guest lecture by:**

**Prof. M.S. M. Rawat**
**HNB Central University, Srinagar,**
**(Consultant Higher Education**
**Uttarakhand state)**

In Session-II: Technical Session-I **Prof. M.S. M. Rawat** HNB Central University, Srinagar, (Consultant Higher Education Uttarakhand state) delivered his talk on the topic "general talk about science and innovation". In his lecture, he basically highlighted why we celebrating National Science day. They say the 21st century is the century of science and technology. Today, we do almost all our work with the help of science and technology. In modern times, the clean growth of a country cannot be imagined without science and technology. We all know the value of science and technology in our daily lives. Different inventions of science have made our everyday life simple and stress-free as well. On the other hand, technology has taught us the modern way of life. He emphasized the economic growth of a country also depends on the growth of science and technology.

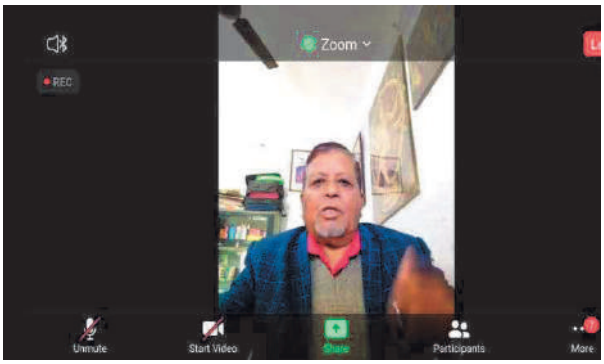

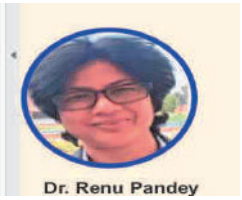


**Technical Session- Life Science**

**Guest lecture by:**
**Dr. Renu Pandey**
Principal Scientist, Division of Plant Physiology, ICAR-IARI, Pusa Campus, New Delhi

In Session-II: Technical Session-I, Dr. Renu Pandey, Principal Scientist, Division of Plant Physiology, ICAR-IARI, Pusa Campus, New Delhi delivered her talk on the topic "Physiological mechanisms in plants for improved nutrient uptake". In her lecture, she basically emphasized the role of essential nutrient elements and nutrient deficiency symptoms in plants. She also highlights the plant traits associated with nutrients deficiency and discuss the strategies to improved nutrient uptakes by the plants.

Dr. Pandey also gave the causes of deficiency of nutrients in the soil. According to her the major reasons behind the nutrient low soil are: inherently of low amount of nutrients, low mobility of nutrient in the soil deficient in moisture and poor solubility of given chemical forms of the nutrients. She also suggested the management and solution to cope up the problem of nutrient deficiency. For nutrient deficiency symptoms appear only after the nutrient supply is so low that the plants can no longer function properly. In such cases, it would have been profitable to have applied fertilizer long before the symptoms appeared. If the symptoms are observed early, it might be corrected during the growing season.

**Technical Session- Earth Science**

**Guest lecture by:**
**Prof. B. S. Kotlia**
**(UGC Research Scientist)**
**Department of Geology,**
**Kumaun University, Nainital,**
**Uttarakhand**

In Session-II: Technical Session-I, Prof. Bahadur Singh Kotlia, Department of Geology, Kumaun University, Nainital Uttarakhand delivered his talk on the topic "Climate change in the Indian Himalaya during the last 5,000 Years: Impact on civilization".

Prof. B.S. Kotlia discussed climate changes occurring in the Indian Himalaya during the last 5,000 years. He also beautifully explained the impact of climate change on civilization. In his lecture he discussed the study of ancient lakes and trees and research on modern lakes and caves. He also talked about the study of precipitation and vegetation and also the composition of the basics of stable isotopes.

**Technical Session- Physical Science**

**Guest lecture by:**
**Prof. Devendra Kumar Ojha**
Department of Astronomy & Astrophysics
Tata Institute of Fundamental Research
(TIFR), Homi Bhabha road, Mumbai, India

In Session-II: Technical Session-I, Dr. Devendra Kumar Ojha, Professor, Department of Astronomy & Astrophysics, Tata Institute of Fundamental Research, Mumbai delivered his talk on the topic "Space Science Exploration Using Ballons as Suborbital Platforms (Near Earth and Space Science Using Ballon Platforms)". In his lecture, he basically emphasized the role of scientific ballons and their tremendous application in wireless communication, validating space capsules, human space jump, studying the Asisan tropopause aerosol layer etc.

## Veledictory Session

In the valedictory session, all the speakers and participants have delivered their concluding remarks and Dr. Arvind Bhatt summed up the activities of the webinar.

Prof. P.D. Pant shared his gratitude to all the renowned speakers and the participants.
Presidential address was delivered by Prof. O.P.S. Negi, Hon'ble Vice Chancellor; Uttarakhand Open University. He thanked all the speakers, faculty members and participants for making the webinar successful.

At the end, Dr. S.N. Ojha, Programme Coordintor, delivered vote of thanks to all the dignitaries, Vice Chancellor, Director (School of Sciences), Organizing Secretary, faculty members, supporting staff and all the participants.

# परीक्षा

1. शीतकालीन सत्र (दिसम्बर—2021) की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षाओं के आयोजन के संबंध में दिनांक 17 फरवरी 2022 को परीक्षा समिति की 15वीं बैठक आयोजित की गई। कोविड–19 संक्रमण के मद्देनजर विश्वविद्यालय के वर्ष 2021 से संबंधित शीतकालीन परीक्षा सत्र (दिसम्बर–2021) की वार्षिक/सेमेस्टर के (अन्तिम वर्ष/सेमेस्टर के परीक्षार्थियों तथा डिप्लोमा व सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम जिनमें सत्रीय कार्य की परीक्षा नही होती है को छोड़कर) मध्यवर्ती वर्ष/सेमेस्टर पाठ्यक्रमों से संबंधित (मुख्य/बैक/सुधार परीक्षा) परीक्षार्थियों को पूर्व में लागू किये गये नियम के अनुसार सत्रीय कार्य के अंकों के आधार पर पिछले वर्ष की भांति ही कोविड–19 को दृष्टिगत करते हुए प्रोन्नत **(Promote)** किये जाने पर समिति द्वारा सर्वसम्मति से संस्तुति प्रदान की गई। जबकि शीतकालीन वार्षिक परीक्षाएं दिनांक 24 मार्च 2022 से, शीतकालीन सेमेस्टर परीक्षाएं माह अप्रैल 2022 के द्वितीय सप्ताह से एवं ग्रीष्मकालीन (परीक्षा सत्र जून–2022) की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षाएं माह जून/जुलाई 2022 में आयोजित की जायेगी।

2. परीक्षाओं के आयोजन के संबंध में विश्वविद्यालय वैबसाइट,समस्त अध्ययन केन्द्र/क्षेत्रीय कार्यालय एवं सामाचार पत्रों के माध्यम से सूचना प्रसारित की गई।
3. आगामी शीतकालीन सत्र (दिसम्बर—2021) की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षाओं हेतु बैक,सुधार परीक्षा आवेदन आवेदन किये जाने हेतु दिनांक 10/02/2022 तक बैक- 12613, सुधार-968 आवेदनकर्ताओं द्वारा ऑनलाइन आवेदन किया जा गया है।
4. आगामी शीतकालीन सत्र (दिसम्बर—2021) की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षाओं से संबंधित प्रयोगात्मक परीक्षा /मौखिक परीक्षा आयोजित कराई जा रही है एवं लघु शोध मूल्यांकन का कार्य 24 मार्च 2022 तक सम्पन्न कराये जाने हेतु समस्त विद्याशाखाओं/समन्वयकों को पत्र के माध्यम से सूचना प्रेषित की गई।
5. फरवरी माह में वि0वि0 की परीक्षा से संबंधित परीक्षा कार्य में संलग्न कार्मिकों एवं परीक्षा कन्द्रों से संबंधित कुल 18 बिल जांच उपरांत भुगतान एवं समायोजन हेतु वित्त अनुभाग को प्रेषित किये जा चुके है। अप्राप्त बिलों के संबंध में वि0वि0 कार्मिकों व परीक्षा केन्द्रों को बिल प्रस्तुत करने हेतु ई-मेल से सूचना प्रेषित की गई है।
6. फरवरी माह में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित 350 मूल उपाधियॉ प्रमाणपत्र एवं अन्य प्रमाणपत्र /सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

## योग कार्यशाला

**1.** दिनांक 25/02/2022 से 01/03/2022 तक की कार्यशाला हेतु टेलीग्राम ग्रुप का निर्माण कर सम्बंधित सभी विद्यार्थियों को ग्रुप में जोड़ा गया तथा कार्यशाला प्रारंभ होने से पूर्व सभी विद्यार्थियों को कार्यशाला व प्रयोगात्मक परीक्षा से संबंधित सूचना दी गयी |

**2.** कार्यशाला के सफलतापूर्वक संपादन हेतु सम्बंधित लगभग 600 विद्यार्थियों व अध्ययन केन्द्रों को ईमेल व टेलीफोन के माध्यम से कार्यशाला की विस्तृत सूचना दी गयी |

**3.** कार्यशाला में संबंधित योग विशेषज्ञों की सूची तैयार कर उनसे टेलीफोन के माध्यम से नियमित सूचना दी गयी।

**4.** दिनांक 25/02/2022 से 01/03/2022 तक एम॰ ए॰ योग प्रथम वर्ष (बैक), बी.ए. प्रथम वर्ष (मुख्य तथा बैक), बी.ए. द्वितीय वर्ष (मुख्य तथा बैक) की ऑनलाइन कार्यशाला का ज़ूम एप के माध्यम से सफल संचालन किया गया जिसमें विद्यार्थियों के प्रश्नोत्तर संबंधी समस्याओं का निराकरण किया गया।

**5.** 02/03/2022 से 04/03/2022 तक एम॰ ए॰ योग प्रथम वर्ष (बैक), बी.ए. प्रथम वर्ष (मुख्य तथा बैक), बी.ए. द्वितीय वर्ष (मुख्य तथा बैक) की प्रयोगात्मक परीक्षा संपन्न करायी गयी।

**6.** कार्यशालाओं से संबंधित विद्यार्थियों की समस्याओं का टेलीग्राम के माध्यम से व टेलीफोन के माध्यम से निरंतर निराकरण किया गया।

# रज़ा शिखर का द्विस्तरीय त्रिदिवसीय आयोजन

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के हिंदी विभाग एवं रज़ा न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में द्वी–स्तरीय आयोजन सैयद हैदर रज़ा के जन्मशती समारोह के अवसर पर उनके चित्रों की प्रदर्शनी एवं विविध आजोजनहल्द्वानी प्रसंग एवं नैनीताल प्रसंग के रूप में तीन–दिवसीय आयोजन क्रमशः 11–12–13 अप्रैल 2022 एवं 14–15–16 अप्रैल 2022 को संपन्न हुआ।

हल्द्वानी प्रसंग के उद्घाटन सत्र में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय के कार्यकारी कुलपति प्रो. गिरिजा पांडे ने कहा कि सामाजिक चेतना के उन्नयन के लिए रज़ा के चित्र महत्वपूर्ण हैं। रज़ा के चित्रों में आध्यात्मिक परम्परा और उर्जा के संस्रोतों की तलाश उन्हें विशिष्ट बनाती है। रज़ा ने अपने चित्रों में जीवन के रंग को उसकी आध्यात्मिकता एवं दार्शनिकता के सवालों के दायरे में सोचा है। मुख्य वक्तव्य देते हुए प्रो. एच.पी.शुक्ल ने रज़ा के चित्रों को समझने के लिए जाग्रत कल्पनाशीलता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि रज़ा ने शून्य की अनंत आकृतियों को रचा है। रज़ा के चित्रों में तत्वमीमांसा की अभिव्यक्ति सौन्दर्यमीमांसा के साथ हुई है। स्वागत एवं विषय–प्रवर्तन करते हुए कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. राजेन्द्र कैड़ा ने कहा कि बड़ा कलाकार कलाओं का अर्थ बदल देता है। कार्यक्रम का सञ्चालन कुमार मंगलम ने किया। उन्होंने रज़ा साहब का परिचय देते हुए कहा कि चित्र माध्यम की दृष्टि सूक्ष्म और स्थूल के बीच की चीज है जो विविधताओं को मूर्त और अमूर्त रूप में अभिव्यक्त करता है। इस अवसर पर हिंदी, उर्दू, संस्कृत, कुमाउनी, अवधी और अंग्रेजी की कविताएँ पढ़ी गयीं।

इस अवसर पर हिंदी के चर्चित कवि शैलेय, कुमाउनी के जगदीश जोशी के अतिरिक्त डॉ. राजेन्द्र कैड़ा, अनिल कार्की, कुमार मंगलम, नागेन्द्र गंगोला, संदीप तिवारी, डॉ. सुचित्रा अवस्थी, दिव्या, द्विजेश उपाध्याय,

नरेंद्र बंगारी, शुभंकर शुक्ल, प्रीती शर्मा, शहपर शरीफ, प्रज्ञा पाठक, नीता, गोपाल, मो. अफज़ल ने अपनी कविताओं का पाठ किया।

रज़ा शिखर के नैनीताल प्रसंग का उद्घाटन सुप्रसिद्ध छायाकार पद्मश्री अनूप शाह ने किया। उन्होंने कहा कि रज़ा की मौलिकता ही रज़ा को विश्व–प्रसिद्ध कलाकार बनाती है।एक ही दृश्य को एक ही विषय को एक ही रंग को बड़ा कलाकार अपनी मौलिक दृष्टि से देखता है। चित्रों में अथवा छायाचित्रों में क्षण सबसे महत्वपूर्ण होता है। हर कलाकार की अपनी मौलिक दृष्टि होती है, जिसके पीछे उसका अपना एक जीवन–संघर्ष निहित होता है।

स्वागत एवं विषय–प्रवर्तन करते हुए कार्यक्रम के सचिव युवा कवि कुमार मंगलम ने कहा कि रज़ा के चित्र अपने आरम्भ में भौतिकता के साथ शुरू होकर मनुष्य के दार्शनिक–आध्यात्मिक चेतना तक आती है।

कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ. अनिल कार्की और धन्यवाद ज्ञापन सुश्री दिव्या ने किया। नैनीताल प्रसंग का अगला दिन काव्य–पाठ के नाम रहा। इस सत्र की अध्यक्षता प्रसिद्ध रंगकर्मी जहूर आलम ने किया।उन्होंने अपनी कई चर्चित ग़ज़लों का पाठ किया। काव्य–पाठ का आरम्भ कुमाऊँनी के सुप्रसिद्ध जनकवि गिरीश तिवाड़ी गिर्दा के जन–गीतों से हुआ। युवा कवि पंकज भट्ट, वरिष्ठ रंगकर्मी और उत्तर संस्था के संयोजक श्री एच.एस. राणा, वरिष्ठ पत्रकार और गिर्दा के साथी श्री महेश जोशी एवं युवा–कवि, कहानीकार और लोक–मर्मज्ञ डॉ. अनिल कार्की ने गिर्दा के जनगीतों को गाया। राजेश आर्य, मीनाक्षी पाठक, पंकज भट्ट, दीपा पाण्डेय, दिव्या तंवर, युवा कवि खेमकरण सोमन, युवा–कवि कहानीकार डॉ. अनिल कार्की, एच.एस. राणा, कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. राजेन्द्र कैड़ा, हिंदी के चर्चित कवि शैलेय, हिंदी के सुपरिचित कवि डॉ. सिद्धेश्वर सिंह ने अपनी कविताओं का पाठ किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की शिक्षा विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. ममता टम्टा ने कहा कि चित्रों की समझ को लेकर सबसे बड़ी बाधा हमारी शिक्षा व्यवस्था है। हमारी शिक्षा व्यवस्था रचनात्मकता को कम तरजीह देती है। कलाएँ आत्माभिव्यक्ति का सबसे बेहतरीन माध्यम है। मनुष्य स्वभावतः कलाओं के लिए बना है। विद्यालय छात्रों को रचनात्मक नहीं बना रहा है। सैयद हैदर रज़ा के चित्रों को समझने में होने वाली कठिनाई को इन परिप्रेक्ष्य में भी देखा जाना चाहिए। वरिष्ठ कवि डॉ. सिद्धेश्वर सिंह ने अपनी टिप्पणी में कहा कि औपचारिक शिक्षा हमें कलाओं से दूर कर रही है। कविता भी अंततः प्रस्तुत कला–माध्यम ही है। रज़ा शिखर के नैनीताल प्रसंग का सांगीतिक समापन'सुर सप्तक' के आयोजन से हुआ।

समापन–सत्र के इस कार्यक्रम में भारतीय शास्त्रीय संगीत के इमदाद–खानी घराना के युवा सितार–वादक श्री प्रदीप कुमार ने सितार पर राग पटदीप की प्रस्तुति दी। श्री प्रदीप कुमार ने पहले विलम्बित

तीन ताल में आलाप फिर मध्य–लय एकताल में और जोड़, झाला और बढ़त के साथ द्रुत तीनताल में राग पटदीप की अवतारणा की। श्री प्रदीप ने अपनी प्रस्तुति का समापन धुन से की। श्री प्रदीप कुमार के साथ तबले पर संगत अजराणा घराने के युवा तबला वादक श्री प्रकाशचन्द्र आर्या ने किया। इस अवसर पर नैनीताल की विधायक माननीया सरिता आर्या भी उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि रज़ा के चित्रों में निहित आध्यात्मिकता इन्हें भारतीय आत्मा को समझने वाला चित्रकार बनाता है। इसी आयोजन के साथ रज़ा शिखर का यह षष्ठ दिवसीय आयोजन का समापन हुआ।

## परीक्षा

1. शीतकालीन सत्र (दिसम्बरकृ2021) की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षाएं दिनांक 23 मार्च 2022 से 30 अप्रैल 2022 तक प्रदेश के 52 परीक्षा केन्द्रों में शांतिपूर्वक सम्पन्न हो चुकी है।
2. परीक्षाओं की गोपनीय सामाग्री वि0वि0 लाने एवं औचक निरीक्षण कार्य हेतु दिनांक 03 अप्रैल से 10 अप्रैल 2022 तक वि0वि0 स्तर से 02–3 सदस्यों की 17 टीमें व पर्यवेक्षक टीम परीक्षा केन्द्रों में भेजी गई।
3. परीक्षा केन्द्रों से परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाएं वि0वि0 लाने हेतु 2–2 सदस्यों की 12 टीमें परीक्षा केन्द्रों में भेजी गई थी जिनके द्वारा अन्तिम परीक्षा दिवस तक की उत्तरपुस्तकाएं 03 मई 2022 तक वि0वि0 लायी जा चुकी है। उत्तरपुस्तिकाओं की विषयवार छठनी व मूल्यांकन का कार्य गतिमान है।
4. दिनांक 10 मई 2022 से 13 मई 2022 से पीएच0डी0 कोर्स वर्क की परीक्षा दो परीक्षा केन्द्र हल्द्वानी मुख्याल व देहरादून परिसर में आयोजित की जा रही है जिसमें कुल 36 परीक्षार्थी पंजीकृत है। परीक्षा का कार्यक्रम व प्रवेश पत्र वि0वि0 की वैबसाइट में जारी किया जा चुका है।
5. दिनांक 15 मई 2022 को पीएच0डी0 प्रवेश परीक्षा दो परीक्षा केन्द्र एम0बी0पी0जी0का0, हल्द्वानी व श्री गुरू राम राय पी0जी0का0, देहरादून आयोजित की जा रही है। जिसमें कुल 679 परीक्षार्थी पंजीकृत है। परीक्षा की सूचना व प्रवेश पत्र वि0वि0 की वैबसाइट में जारी किया जा चुका है।
6. आगामी शीतकालीन सत्र (दिसम्बर 2021) की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षाओं से संबंधित प्रयोगात्मक परीक्षा /मौखिक परीक्षा आयोजित कराई जा रही है ।
7. अप्रैल माह में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित 280 मूल उपाधियॉ प्रमाणपत्र एवं अन्य प्रमाणपत्र /सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

## व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा परामर्श सत्रों का आयोजन

1. सर्टिफिकेट और डिप्लोमा (डिजिटल मार्केटिंग एवं मैनेजमेंट) के विद्यार्थियों के लिए परामर्श सत्र का आयोजन दिनाँक 07/ 04/ 2022 (10:30 AM - 12:30 PM) को ऑनलाइन माध्यम से किया गया। इस सत्र में विद्यार्थियों को डिजिटल मार्केटिंग के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स एवं सोशल मीडिया ऍप्लिकेशन्स की बारीकियों से अवगत कराया गया।

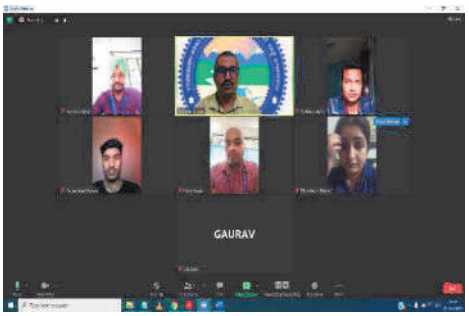

2. सर्टिफिकेट और डिप्लोमा (डिजिटल मार्केटिंग एवं मैनेजमेंट), सर्टिफिकेट इन कम्युनिटी रेडियो टेक्नोलॉजी, एवं सर्टिफिकेट इन डाटा साइंस एंड ऍप्लिकेशन्स (सत्र जनवरी 2022) के विद्यार्थियों के लिए विशेष परामर्श (Induction Program) सत्र का आयोजन दिनाँक 08/ 04/ 2022 (10:30 PM - 12:30 PM) को ऑनलाइन माध्यम से किया गया। इस सत्र में कोर्स का संक्षिप्त विवरण व इसकी उपयोगिता पर विद्यार्थियों से चर्चा की गयी।

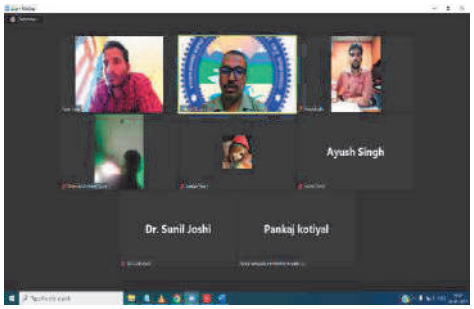


3. सर्टिफिकेट और डिप्लोमा (सॉफ्ट स्किल एवं ई- ऑफिस मैनेजमेंट), सर्टिफिकेट और डिप्लोमा (टेक्नोलॉजी इनेबल्ड एजुकेशन) में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए विशेष परामर्श (Induction Program) सत्र का आयोजन दिनाँक 08/ 04/ 2022 (02:00 PM - 04:00 PM) को ऑनलाइन माध्यम से किया गया। इस सत्र में कोर्स का संक्षिप्त विवरण व इसकी उपयोगिता पर विद्यार्थियों से चर्चा की गयी।

4. व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा द्वारा दो अलग - अलग कार्यशालाओं के आयोजन हेतु परियोजना प्रस्ताव AICTE (अटल अकादमी) को प्रेषित किये गए हैं। प्रस्ताव स्वीकृति की दशा में सम्बंधित कार्यशालाओं के आयोजन के लिए AICTE (अटल अकादमी) द्वारा रुपया 06 लाख (अनुमानित) की धनराशि विश्वविद्यालय को उपलब्ध करायी जायेगी।

## शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा में दिनांक 1/04/2022 को विभाग में पंजीकृत शोधार्थियों का पीएचडी पाठ्यक्रम के अंतर्गत CW 04 पाठ्यक्रम के माड्यूल संख्या छ: (VI) के अंतर्गत शोध छात्रों का मूल्यांकन किया गया| विभाग में पंजीकृत सभी शोधार्थियों ने प्रोजेक्ट/ Synopsis को PPT के माध्यम से प्रस्तुतीकरण दिया| प्रस्तुतीकरण तथा प्रोजेक्ट/ Synopsis के आधार पर उनका मूल्यांकन किया गया| मूल्यांकन कार्य में विद्याशाखा के निदेशक तथा विभाग के सभी प्राध्यापक उपस्थित थे

डॉ॰ डिगर सिंह फर्स्वान सह प्राध्यापक शिक्षाशास्त्र द्वारा विश्वविद्यालय की जून-जुलाई में प्रस्तावित परीक्षा हेतु प्रश्नपत्र निर्माणकर्ताओं की सूची तैयार कर परीक्षा विभाग को प्रषित किया गया| विभाग में विभिन्न विभागीय कार्यों के सुचारू संचालन हेतु सभी प्राध्यापकों को सत्रीय कार्य, SLM तथा अन्य से सम्बंधित कार्यों की जिम्मेदारी दी गयी| दिनांक 27- 04- 2022 को विश्वविद्यालय के आन्तरिक शिकायत समिति की बैठक में प्रतिभाग किया| जिसमें 18-19 मई 2022 को आयोजित होने वाले दो दिवसीय महिला जागरूकता कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गयी|

डॉ॰ दिनेश कुमार सहायक प्राध्यापक शिक्षाशास्त्र द्वारा आदर्श अध्ययन केंद्र के कार्यकलापों का संचालन तथा छात्रों की समस्याओं का निदान व मार्गदर्शन किया गया| MAED III Semester SLM का अपडेट व प्रकाशन हेतु तैयार किया गया| शोध छात्रों का मार्गदर्शन किया तथा समयसमय पर विश्व -विद्यालय द्वारा दिये गए कार्यो को पूर्ण किया| डॉ॰ देबकी सिरोला द्वारा माह MA 203 की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन का कार्य किया गया साथ ही BA-17 मार्कशीट रिजल्ट बनाने का कार्य संपादित किया गया और BAED द्वितीय वर्ष के असाइनमेंट बनाए।

डॉ दिनेश कांडपाल सहायक प्राध्यापक द्वारा माह स्पेशल बी एड की कार्यशाला में प्रतिभाग किया एवं Intellectual Ability से संबंधित स्टैंडर्ड प्रोग्रेसिव मट्रेसिस टूल सेमेस्टर पांच के प्रशिक्षुओं को प्रयोग करना सिखाया।

## परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण

यूओयू के कुलपति ने किया
परीक्षा केंद्र का निरीक्षण

वर्तमान में संचालित विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा का औचकर निरीक्षण किया गया–

- कुलपति जी द्वारा दिनांक 01/04/2022 को एच0ई0सी0 पीजी कॉलेज, हरिद्वार का निरीक्षण किया।

- कुलपति जी द्वारा दिनांक 05/04/2022 को राजकीय महाविद्यालय, रूद्रपुर परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया।

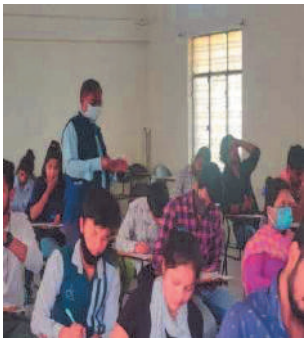

- कुलपति जी द्वारा दिनांक 06/04/2022 को राजकीय महाविद्यालय, काशीपुर परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया।

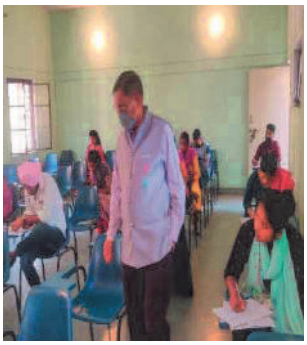

- कुलपति जी द्वारा दिनांक 06/04/2022 को राजकीय महाविद्यालय, रामनगर परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया।

**हिन्दुस्तान**

## यूओयूः पत्रकारिता के विद्यार्थियों का वायवा 10 को

**हल्द्वानी।** उत्तराखंड मुक्त विवि में एमए पत्रकारिता एवं जनसंचार और पीजी डिप्लोमा अंतिम सेमेस्टर के विद्यार्थियों का वायवा 10 मार्च को ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा। विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश रयाल ने बताया कि विद्यार्थी 8 मार्च तक लघुशोध प्रबंधन जमा करा दें। ऐसा नहीं करने वाले वायवा में प्रतिभाग नहीं कर पाएंगे। पंजीकृत मेल आईडी पर वायवा का लिंक भेजा जाएगा।

**हिन्दुस्तान**

## इस बार 13309 विद्यार्थी देंगे यूओयू की परीक्षा

**हल्द्वानी।** प्रदेश के 52 परीक्षा केंद्रों में 24 मार्च से यूओयू की परीक्षाएं शुरू होंगी। इसमें विभिन्न विषयों के करीब 13309 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा सभी विषयों के वार्षिक, सेमेस्टर डिप्लोमा, सर्टिफिकेट आदि के फाइनल वर्ष/सेमेस्टरों की होगी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. सोमेश कुमार ने बताया कि प्रवेश पत्र परीक्षा से दस दिन पूर्व विवि की वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे।

**हिन्दुस्तान**

## रेडियो हैलो हल्द्वानी... पर इंटर्न छात्राओं ने दी शानदार प्रस्तुति

हल्द्वानी | **कार्यालय संवाददाता**

यूओयू के सामुदायिक रेडियो हैलो हल्द्वानी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को पूरे सप्ताह भर अकादमिक विमर्श व स्वरोजगार से जुड़ी महिलाओं के अनुभवों के साथ मनाया। संयुक्त राष्ट्र संघ की थीम एक स्थायी भविष्य के लिए लैंगिक समानता विषय पर कार्यक्रम प्रसारित किए। इसमें राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन से जुड़ी मानपुर पश्चिम की महिलाओं ने समूह के अनुभवों को साझा किया।

गुलमोहर गर्ल के नाम से विख्यात तनुजा जोशी ने अपने एकल मां होने और 15 साल तक प्रधान रहीं भागीरथी बिष्ट ने अपना राजनीतिक अनुभव रेडियो के माध्यम से लोगों के सामने रखे। बीडी पांडे अस्पताल नैनीताल की दीप्ती ने महिला स्वास्थ्य के मिथकों को तोड़ने में एक हेल्थ काउंसलर की जरूरत व उसके प्रभाव पर बात रखी। यूओयू के गृह विज्ञान विभाग ने फैशन उद्योग का विषय रखा। रेडियो में इंटर्नशिप कर रहीं ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय की श्वेता कालाकोटी व दीक्षा बिष्ट ने पूर्वाग्रहों की बेड़ियों को तोड़ते एक शानदार नाटक का प्रदर्शन व प्रसारण किया।

### भवाली में महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम

भवाली। ऑल इंडिया विमेंस कॉन्फ्रेंस की अध्यक्ष खष्टी बिष्ट के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर देर शाम संस्था की महिलाओं ने कार्यक्रम आयोजित किए। मुख्य अतिथि पूर्व प्रधानाचार्य रंभा साह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यहां संस्था सचिव ज्योति साह, सदस्य तुलसी बिष्ट, लीला, भावना रहीं।

**अमर उजाला**



## सशक्तीकरण से आत्मनिर्भर बनेंगी महिलाएं

संवाद न्यूज एजेंसी

हल्द्वानी। नेहरू युवा केंद्र की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस जिला युवा कला एवं संस्कृति सम्मेलन का आयोजन किया गया। महिला डिग्री कॉलेज में हुए कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं नेहरू युवा केंद्र के युवाओं ने नुक्कड़ नाटक, गायन, एकल और समूह नृत्य की प्रस्तुतियां दी और महिला सशक्तीकरण पर कविताएं और भाषण प्रस्तुत किए।

अध्यक्षता नेहरू युवा केंद्र नैनीताल की जिला युवा अधिकारी डॉल्वी तेवतिया ने और संचालन निकिता और श्रुति ने किया। अतिथि के तौर पर विमला कुरिया ने महिलाओं को आत्मनिर्भर होने की प्रेरणा दी। डॉ. विनीता अधिकारी, प्रो. शशि पुरोहित, डॉ. ललित पांडे, सुरेश अधिकारी कार्यक्रम समन्वयक डॉ. दीपा वर्मा, डॉ ऋतु सिंह, डॉ किरण, डॉ विभा पांडे, श्वेता अधिकारी, सरिता धनु, प्रियंका जोशी थे। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को मोमेंटो और प्रमाणपत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। जिला युवा अधिकारी डॉल्वी तेवतिया ने सभी का आभार व्यक्त किया। यूओयू ने गोद लिए बसानी गांव में

चिकित्सा परामर्श शिविर लगाया

दैनिक जागरण

# संघर्ष को सलाम और सम्मान हर तरफ जीवटता की तारीफ

महिला दिवस पर हल्द्वानी में संस्थाओं के माध्यम से जगह-जगह आयोजित हुए कार्यक्रम

## चुनौतियों पर भी मंथन

जासं, हल्द्वानी: अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हल्द्वानी में अलग-अलग संस्थाओं की तरफ से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान अलग-अलग क्षेत्रों में सक्रिय महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। कल्याणी महिला समिति व महिला अध्ययन केंद्र नैनीताल की तरफ से नगर निगम सभागार में महिलाओं के मुद्दों और चुनौतियों पर संगोष्ठी हुई। जीवटता की तारीफ की गई। लोकगायिका बीना तिवारी को कबूतरी देवी सम्मान दिया गया। यहां कल्याणी समिति की संस्थापक तनुजा मेलकानी, प्रोफेसर विजया रानी ढौंडियाल, नीमा अग्रवाल समेत अन्य मौजूद थे।

उत्तराखंड मुक्त विवि में आयोजित संगोष्ठी की अध्यक्षता कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने की। मुख्य वक्ता प्रो. गंगोत्री त्रिपाठी ने महिलाओं की ओर से समाज में किए जा रहे कामों के बारे में विस्तार से बताते हुए कुरीतियों के खिलाफ जागरूक भी किया। विवि कार्मिक कमला राठौर व रंजना जोशी को सम्मानित किया गया। यहां वित्त नियंत्रक आभा गरखाल, प्रो. रेनू प्रकाश, आरसी मिश्रा आदि मौजूद थे। वहीं, यूओयू ने गोद लिए गांव बसानी में महिलाओं व बच्चों के लिए चिकित्सा शिविर लगाया।

हिन्दुस्तान

# बसानी में लगा चिकित्सा परामर्श शिविर लगाया

हल्द्वानी। महिला दिवस पर यूओयू के गोद लिए बसानी गांव में चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। इसमें महिलाओं व बच्चों को स्वास्थ्य संबंधित जानकारी दी। बसानी के सरमाउंट स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. एचएस बिष्ट ने बीमारियों से बचने के उपाय बताए। साथ ही खान-पान संबंधित जानकारी दी। यहां वनिता क्वीरा, विमला तड़ागी, लीला पलेड़िया, पूनम मौजूद रहीं।

## महिला दिवस पर यूओयू ने लगाया चिकित्सा परामर्श शिविर

महिलाओं को सम्मानित करते यूओयू के डॉ. एसएस बिष्ट।

हल्द्वानी। महिला दिवस पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव बसानी में चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं व बच्चों को स्वास्थ्य संबंधित जानकारी दी गई। बसानी के सरमाउंट पब्लिक स्कूल में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ. एचएस बिष्ट ने उपस्थित महिलाओं व बच्चों को बीमारियों से बचने के नुस्खे बताए। उन्होंने खान-पान आदि संबंधित भी कई जानकारियां दीं। प्रधानाचार्य वनिता क्वीरा ने महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार रखे। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों पर भी चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता बसानी की प्रधान विमला तड़ागी ने की।

इस मौके पर लीला पलेड़िया, पूनम आर्या व यूओयू के नोडल अधिकारी राजेंद्र सिंह क्वीरा सहित अनेक लोग मौजूद थे।

इधर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय परिसर में भी कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

# 'हर क्षेत्र में आगे बढ़कर काम करें महिलाएं'

## अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जिले भर में कार्यक्रम, महिलाओं को सम्मानित किया, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में संगोष्ठी

अमृत विचार, हल्द्वानी

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिले भर में कार्यक्रम हुए। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. गंगोत्री त्रिपाठी पूर्व संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा निदेशालय ने कहा कि महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़कर काम करना चाहिए। समाज में फैली विकृतियों के बारे में सजग किया। भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों के बारे में जागृत किया। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की वित्त नियंत्रक आभा गरखाल ने अपनी कविता के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को जागृत किया। विश्वविद्यालय के दो कार्मिक कमला राठौर व रंजना जोशी को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रो. रेनू प्रकाश, प्रो. आरसी मिश्र, प्रो. पीडी पंत, डॉ. ज्योति रानी, प्रो. एके नवीन व प्रो. पीडी पंत आदि मौजूद रहे।

ढोलक बस्ती या रेलवे बस्ती निवासी परिवारों की उन महिलाओं को मंगलवार को सम्मानित किया गया जो अपने बच्चों को कूड़ा उठाने और भीख लेने नहीं बल्कि पढ़ने के लिए स्कूल भेजती हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर वीरांगना संस्था के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां महिला पुलिस के अलावा कुछ अन्य सामाजिक कार्य से जुड़ी



उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में महिला को सम्मानित किया गया।

महिलाएं शामिल हुईं। वीरांगना संस्था पिछले कई सालों से ऐसे ही बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य कर रही है जो समाज का अभिन्न अंग होते हुए भी शिक्षा जैसे मूलभूत अधिकार से वंचित रह जाते हैं। इस मौके पर एसआई रेनुका हयांकी, मोनिका गिरी गोस्वामी, दया बिष्ट, मुअल्लेहा खातून, पूनम बिनवाल, शिखा अग्रवाल, माधवी बिष्ट आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस महिला महानगर कमेटी ने वृद्धाश्रम में बुजुर्ग महिलाओं को मिठाई बांटी और फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया।

महिला कांग्रेस की महानगर अध्यक्ष नीमा भट्ट के नेतृत्व में कार्यकत्रियों ने मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में वृद्धाश्रम में बुजुर्ग महिलाओं को फूल माला पहनाकर उनका आशीर्वाद लिया और महिलाओं को फल-मिठाइयां दीं। पार्षद नीमा भट्ट ने कहा कि महिलाएं सशक्त समाज की निर्माता होती हैं उनका सिर्फ एक दिन ही नहीं बल्कि पूरे वर्ष उनका सम्मान होना चाहिए। इस दौरान गिरा देवी, अलका आर्य, सरस्वती, गीता, कमला आदि मौजूद थीं।

एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार साहू, एस्टर साहिल राज के नेतृत्व में महिला पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया। संस्था उपाध्यक्ष लोकेश कुमार साहू, संरक्षक रूपेन्द्र नागर, नंदकिशोर आर्य, बलराम हलदार, विनोद जायसवाल, महेश साहू, रितिक साहू, पूजा जोशी, दीपक प्रजापति आदि मौजूद रहे।

सारथी फाउंडेशन समिति की ओर से हिम्मत को सराहते हुए पांच महिलाओं का सम्मान किया। जजफार्म स्थित एक आवास पर दीप्ति कुशल की अध्यक्षता में समिति की ओर से कार्यक्रम किया। इस दौरान सुमित्रा प्रसाद, डॉ. सुषमा सिंह, प्रेमलता पाठक, विनीता वर्मा, चांदनी टिक्कू, कंचन कश्यप, पूजा पंत, भावना जोशी, वर्षा टंडन, रमा बिष्ट, किरन परमशुतु, रामा तिवारी, प्रतिभा जोशी, गीता जोशी मौजूद रहीं। जुंबा फिटनेस जोन लेडीज जिम में महिलाओं को फिटनेस गेम खिलाए गए। इस दौरान जुंबा फिटनेस जोन की संचालिका सारिका मेंसी, रेखा शाही, सेजल आदि शामिल थे।

# APPENDICES

# Appendix- I (परिशिष्ट –I)

## षष्ठ दीक्षान्त समारोह

# Appendix- II (परिशिष्ट –II)

## षष्ठ दीक्षान्त समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त शिक्षार्थियों एवं सम्मानित क्षेत्रीय निदेशक

# Appendix- III (परिशिष्ट –III)

## षष्ठ दीक्षान्त में स्वर्ण पदक प्राप्त शिक्षार्थियों की सूची

**चांसलर मेडल 2019-20**

| शिक्षार्थी का नाम | पंजीयन संख्या | पाठ्यक्रम | प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| सन्तोष कुमार विश्वकर्मा | 18141376 | एम.ए. (योग) | 83.17 |

**चांसलर मेडल 2020-21**

| शिक्षार्थी का नाम | पंजीयन संख्या | पाठ्यक्रम | प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| सन्तोष कुमार विश्वकर्मा | 18141376 | एम.ए. (योग) | 83.17 |
| विजय चन्द्र आर्या | 19199299 | BED-17 | 78.25 |
| किरण तिवारी | 19167827 | एम.ए. (हिन्दी) | 78.22 |

**स्नातक स्तरीय**

| शिक्षार्थी का नाम | पंजीयन संख्या | पाठ्यक्रम | प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| राहुल जैन | 16090623 | बी.ए. (योग) | 71.95 |
| सावित्री गैरोला | 16094680 | बी.ए. | 71.00 |
| लोकेश चन्द्र वरियाल | 16096616 | बीएचएम | 68.29 |
| अंचल रावत | 16090346 | बी.कॉम | 64.65 |

**स्नातकोत्तर स्तरीय**

| शिक्षार्थी का नाम | पंजीयन संख्या | पाठ्यक्रम | प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| सन्तोष कुमार विश्वकर्मा | 18141376 | एम.ए. (योग) | 83.17 |
| सुनिता कुंवर | 18135635 | एम.ए. (संस्कृत) | 76.33 |
| मनीष रावत | 18140124 | एम.ए. (शिक्षाशास्त्र) | 73.67 |
| अर्जुन शर्मा | 18139351 | एम.ए. (राजनीति विज्ञान) | 73.67 |
| अर्चना पोखरियाल | 18137397 | एम.ए. (हिन्दी) | 72.89 |
| इरा सेन | 18138321 | एम.ए. (अंग्रेजी) | 72.78 |
| पुष्पावती वर्मा | 18137564 | एम.ए. (इतिहास) | 71.44 |
| निकिता खन्ना | 18157224 | एम.कॉम | 69.67 |
| सन्दीप पेटवाल | 18133925 | एमएसडब्ल्यू | 69.17 |
| कुमारी सुरभि | 18138533 | एम.ए. (अर्थशास्त्र) | 69 |
| कुमारी प्रीति बिष्ट | 18139636 | एम.ए. (समाज शास्त्र) | 68.33 |

**लाला देवकी नन्दन नन्द किशोर एजेन्सीज मेमोरीयल स्वर्ण पदक**

**स्नातक स्तर पर सर्वाधिक अंक प्राप्तकर्ता**

| शिक्षार्थी का नाम | पंजीयन संख्या | पाठ्यक्रम | प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| सावित्री गैरोला | 16094680 | बी.ए. -16 | 71.00 |

**श्रीमती शीला देवी पत्नी लाला ओमप्रकाश मेमोरीयल स्वर्ण पदक**

**स्नातकोत्तर स्तर पर सर्वाधिक अंक प्राप्तकर्ता**

| शिक्षार्थी का नाम | पंजीयन संख्या | पाठ्यक्रम | प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| सुनिता कुंवर | 18135635 | एम.ए. संस्कृत | 76.33 |

**श्रीमती भगवती देवी, पत्नी - लाला लन्द किशोर मेमोरियल स्वर्ण पदक**

| शिक्षार्थी का नाम | पंजीयन संख्या | पाठ्यक्रम | प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| निकिता खन्ना | 18157224 | एम.कॉम | 69.63 |

# Appendix- IV (परिशिष्ट –IV)

## कार्य परिषद

## (Executive Council)

| क्रमाक | सदस्य | पदाधारिता |
|---|---|---|
| 1. | प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी<br>कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल, हल्द्वानी | अध्यक्ष |
| 2. | प्रोफेसर पी0एस0 बिष्ट<br>भौतिक विज्ञान विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, एस.एस. जे परिसर, अल्मोड़ा। | सदस्य |
| 3. | प्रोफेसर एल0एन0 कोली,<br>लेखा एवं विधि विभाग, वाणिज्य संकाय, दयाल बाग शैक्षणिक संस्थान, दयालबाग, आगरा- 282005, उत्तरप्रदेश। | सदस्य |
| 4. | श्री रमेश चन्द्र बिन्जोला<br>अध्यक्ष, हिमालयन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री, नवाबी रोड, हल्द्वानी – नैनीताल | सदस्य |
| 5. | श्री पवन अग्रवाल,<br>प्रबन्ध निदेशक, नैनी ग्रूप, नैनी पेपर्स लि0 एवं नैनी टिश्यूज लि0, काशीपुर, उधमसिंह नगर। | सदस्य |
| 6. | प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि | सदस्य |
| 7. | कुलपति, इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि | सदस्य |
| 8. | प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र<br>निदेशक, प्रबंध अध्ययन एवं वाणिज्य, विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी | सदस्य |
| 9. | प्रोफेसर गोविन्द सिंह,<br>निदेशक, पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी | |
| 10. | प्रोफेसर दुर्गेश पन्त<br>निदेशक, कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा, उ.मु.वि.वि, हल्द्वानी | सदस्य |
| 11. | डॉ0 वीरेन्द्र कुमार<br>सहायक प्राध्यापक, कृषि, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी | सदस्य |
| 12. | डॉ0 एच0एस0 नयाल<br>कुलसचिव, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी | सदस्य सचिव |

# Appendix- V (परिशिष्ट –V)

## विद्या परिषद

## (Academic Council)

| क्रमांक | सदस्य | पदाधारिता |
|---|---|---|
| 1. | प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी<br>कुलपति,<br>उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ,हल्द्वानी | अध्यक्ष |
| 2. | प्रोफेसर बी0एस0 पठानिया<br>रिटायर्ड डीन ऑफ लैंग्वेजेज, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, समर हिल, शिमला | सदस्य |
| 3. | प्रोफेसर डी.पी. सकलानी<br>परिसर निदेशक, इतिहास विभाग, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व, हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर गढ़वाल केन्दीय विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड | सदस्य |
| 4. | प्रोफेसर अभय सक्सेना<br>डीन, स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेन्ट एण्ड कम्यूनिकेशन, देव संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार। | सदस्य |
| 5. | प्रोफेसर एल0के0 सिंह<br>प्रबन्ध अध्ययन विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय परिसर, भीमताल। | सदस्य |
| 6. | प्रोफेसर जे0एस0 रावत<br>एस0एस0जे0 परिसर, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा। | सदस्य |
| 7. | विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष द्वारा नामित एक व्यक्ति जो संयुक्त सचिव से निम्न पंक्ति का न हो | सदस्य |
| 8. | प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र<br>निदेशक, प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी | सदस्य |
| 9. | प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे<br>निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी | सदस्य |
| 10. | प्रोफेसर दुर्गेश पंत<br>निदेशक, कम्प्यूटर साइंस एवं सूचना प्रोद्यौगिकी विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी | सदस्य |
| 11. | प्रोफेसर गोविन्द सिंह, निदेशक, पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन<br>उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी | |
| 12. | डॉ. मंजरी अग्रवाल<br>सहायक प्राध्यापक, प्रबन्ध अध्ययन, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी। | |
| 13. | डॉ0 दिनेश कुमार<br>सहायक प्राध्यापक, शिक्षा शास्त्र, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी | सचिव |
| 14. | कुलसचिव | सदस्य सचिव |

# Appendix- VI (परिशिष्ट –VI)

## योजना परिषद
## (Planning Board)

| क्रमाक | सदस्य | पदाधारिता |
|---|---|---|
| 1 | प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी<br>कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल, हल्द्वानी | अध्यक्ष |
| 2 | प्रोफेसर बी0एस0 राजपूत<br>पूर्व कुलपति, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल। | सदस्य |
| 3 | प्रोफेसर सुभाष धूलिया<br>पूर्व कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल, हल्द्वानी | सदस्य |
| 4 | प्रोफेसर बी0एस0 बिष्ट<br>पूर्व कुलपति, गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पन्तनगर। | सदस्य |
| 5 | डॉ. के0 रविकान्त<br>निदेशक, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया उत्पादन केन्द्र, IGNOU, नई दिल्ली | सदस्य |
| 6 | श्री राकेश ओबराय, ओबराय मोटर्स, देहरादून, 2, ए, रेसकोर्स, देहरादून | सदस्य |
| 7 | प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र<br>निदेशक, प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी | सदस्य |
| 8 | प्रोफेसर दुर्गेश पंत<br>निदेशक, कम्प्यूटर साइंस एवं सूचना प्रोद्यौगिकी विद्या शाखा,उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी | सदस्य |
| 9 | डॉ. जितेन्द्र पाण्डेय<br>सह-आचार्य, कम्प्यूटर विज्ञान, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी | सदस्य |
| 10 | डॉ. हरीश चन्द्र जोशी, सहायक आचार्य, वानिकी, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी | सदस्य |
| 11 | कुलसचिव | सदस्य सचिव |

# Appendix- VII (परिशिष्ट –VII)

# वित्त समिति
# (Finance Committee)

| क्रमांक | सदस्य | पदाधारिता |
|---|---|---|
| 1 | प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी<br>कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय | अध्यक्ष |
| 2 | प्रोफेसर संदीप कुमार शर्मा<br>प्रभारी निदेशक, उच्च शिक्षा (प्रतिनिधि सचिव, उच्च शिक्षा)<br>उत्तराखण्ड शासन, देहरादून | सदस्य |
| 3 | श्रीमती जयन्ती ह्यांकी<br>वित्त नियन्त्रक, उच्च शिक्षा निदेशालय, प्रतिनिध सचिव, वित्त<br>उत्तराखण्ड | सदस्य |
| 4 | प्रोफेसर पी.एस. बिष्ट<br>विभागाध्यक्ष, भौतिक विज्ञान, एस.एस. जे. विश्वविद्यालय,<br>अल्मोड़ा, (कार्यपरिषद सदस्य) | सदस्य |
| 5 | श्रीमती आभा गर्खाल<br>वित्त नियन्त्रक, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी | सदस्य सचिव |
| 6 | प्रोफेसर पी0डी0 पन्त, कुलसचिव, उ0मु0वि0<br>उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय | विशेष आमन्त्रित सदस्य |
| 7 | श्री विमल कुमार मिश्र, उपकुलसचिव (वित्त)<br>उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय | आमन्त्रित सदस्य |
| **8** | श्रीमती पूनम आर्या, सहायक कुलसचिव (वित्त)<br>उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी | आमन्त्रित सदस्य |

# Appendix- VIII (परिशिष्ट –VIII)

## विश्वविद्यालय प्राधिकरण के सदस्य

## (Members of the University Authority)

| Prof. Om Prakash singh Negi<br>Vice Chancellor | | | |
|---|---|---|---|
| **Name** | **Designation** | **Contact No.** | **E-mail** |
| Prof. H.S. Nayal | Registrar | 05946-210957 | registrar@uou.ac.in |
| Prof. Girija Pandey | Director (RSD) | 05946-286067 | gpande@uou.ac.in |
| Prof. P.D. Pant | Examination Controller | 9411597995 | pdpant@uou.ac.in |
| Mrs. Ruchita Tiwari | Finance Controller | - | ruchitatewari@uou.ac.in |
| Dr. Rakesh Rayal | Public Relation Officer | 9410967600 | rryal@uou.ac.in |

| Directors of School / Division/ Directorate | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Name | **Name of School** | **Division/ Directorate** | **Contact No.** | **E-mail** |
| Prof. R.C. Mishra | Management Studies & Commerce<br>Health Science<br>Tourism, Hotel Management & Hospitality | Academics<br>Material Production and Distribution (MPDD) | 9412034574 | rcmishra@uou.ac.in |
| Prof. H.P. Shukla | Humanities | Library & Information Science<br>Education<br>Journalism & Media Studies | 9410715100 | hpshukla@uou.ac.in |
| Prof. Durgesh Pant | Computer Science & Information Technology | Dehradun Campus | 9412375384 | dpant@uou.ac.in |
| Prof. Govind Singh (On Leave) | Journalism & Media Studies | UOU Community Radio | 9410964787 | govindsingh@uou.ac.in |
| Prof. Girija P. Pande | Social Science<br>Law<br>Vocational Studies | Research & Innovation<br>Regional Services Division (RSD) | 9412351759 | gpande@uou.ac.in |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Prof. P.D. Pant | Science Agriculture & Development Studies | Examination Department | 05946 210958 | pdpant@uou.ac.in |

## Regional Directors

| Regional Centre | Regional Director | Address | Contact No. | E-mail |
|---|---|---|---|---|
| Dehradun (11) | Dr. Sandeep Negi | SGRR, Pathribagh, Dehradun | 9412031183<br>01352720027 | dehradun@uou.ac.in |
| Roorkee (12) | Dr. Rajesh Paliwal | B.S.M PG College, Roorkee | 9412439436<br>01332274365 | roorkee@uou.ac.in |
| Pauri (14) | Dr. A.K Dobriyal | H.N.B. Garhwal University, Pauri | 9412960687<br>01368223308 | pauri@uou.ac.in |
| Uttarkashi (15) | Dr. Suresh Chandra | Govt. PG College, Uttarkashi | 01374-222004<br>9557557880<br>9911708741 | uttarkashi@uou.ac.in |
| Haldwani (16) | Dr. Rashmi Pant | M.B P.G. College, Haldwani | 9411162527<br>05946284149 | haldwani@uou.ac.in |
| Ranikhet (17) | Dr. Yogendra Chandra Singh | Govt. PG College, Ranikhet | 05966-220474<br>9997272828 | ranikhet@uou.ac.in |
| Pithoragarh (18) | Dr. Bipin Chandra Pathak | LSM Govt. PG College, Pithoragarh | 9412093678<br>05964-264015 | pithoragarh@uou.ac.in |
| Bageshwar (19) | Dr. B.C Tiwari | Govt. PG College, Bageshwar | 9412044914<br>05963221894 | bageshwar@uou.ac.in |

## Assistant Regional Directors (ARD)

| Regional Centre | Assistant Regional Director |
|---|---|
| Dehradun | Anil Kandari |
| Roorkee | Ruchi Arya |
| Pauri | Bhaskar Joshi |
| Uttarkashi | Govind Singh |
| Haldwani | Brijesh kumar Bankoti |
| Ranikhet | Priyanka Lohani Pandey |
| Pithoragarh | Pankaj kumar |
| Bageshwar (19) | Rekha Bisht |

# Appendix-IX (परिशिष्ट –IX)
# वार्षिक लेखा (Financial Statement-2021-22)

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI,BY PASS ROAD,TRANSPORT NAGAR
HALDWANI (DISTRICT NAINITAL)
BALANCE SHEET AS ON 31.03.2022

| LIABILITIES | | AMOUNT | ASSETS | |
|---|---|---|---|---|
| CORPUS FUND | | | FIXED ASSETS - | 218,843,065.00 |
| Opening Balance | 1,083,470,911.78 | | (As per Annexure- II) | |
| Add:-Excess of income over expenditure | 271,003,635.71 | 1,354,474,547.49 | INVESTMENT | |
| CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS | | | FDR'S | 545,898,265.00 |
| GST Payable | | 69,437.00 | | |
| Sundry Creditors | | 95,952.00 | | |
| Salary Payable | | 33,512.00 | CURRENT ASSETS | |
| Cheque Reversal A/c | | 4,796,690.00 | Loans & Advances | 31,257,661.34 |
| GPF/GSLI,HRA | | 679,930.00 | Sundry Debtors | 212,836.46 |
| NPS Payable | | 603,129.00 | TDS A.Y. 20-21 | 2,599,031.00 |
| LIC | | 1,940.00 | TDS A.Y. 21-22 | 792,407.00 |
| TDS Payable | | 28,454.00 | TDS A.Y. (22-23) | 983,049.00 |
| UOU DEC FUND | | 3,564,098.00 | TCS AY 2021-22 | 173.33 |
| UOU STATE FUND | | 6,997,934.80 | | |
| VCWF A/c | | 3,918,983.65 | CASH & BANK BALANCE | |
| | | | Cash in Hand | 23,737.00 |
| | | | Cash at Bank- | |
| | | | VCWF A/c | 3,163,371.87 |
| | | | Allahabad Bank-889104 | 45,376.00 |
| | | | BOB-11631 | 26,552.88 |
| | | | BOB-26842 | 34,836,141.37 |
| | | | BOB-17278 | 17,742,794.04 |
| | | | Canara Bank-907 | 496,211,217.70 |
| | | | SBI-338 | 22,605,695.95 |
| | | | SBI-3738 | 23,233.00 |
| TOTAL | | 1,375,264,607.94 | TOTAL | 1,375,264,607.94 |

PLACE: HALDWANI
DATE : 25-12-2022

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY

M/s B D R & Co. FRN:-0025327C M.No:- 440075 Haldwani Uttarakhand

FOR B D R & CO
CHARTERED ACCOUNTANTS

Rohit Naula

CA ROHIT NAULA
M.No.440075
FRN:0025327C
UDIN:- 22440075BGCAKZ9123

PRESIDENT SECRETARY TREASURER

# Appendix -X (परिशिष्ट –X)

## विश्वविद्यालयीय मानव संसाधन

## (Human Resource of University)

### विश्वविद्यालय में शैक्षिक पद

| क्र0सं0 | विषय | प्राध्यापक | सह प्राध्यापक | सहायक प्राध्यापक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | अंग्रेजी | प्रो. एच. पी. शुक्ल | - | डॉ. सुचित्रा अवस्थी |
| 2. | ज्योतिष | - | - | डॉ. नन्दन कुमार तिवारी |
| 3. | हिन्दी | - | - | डॉ. शशांक शुक्ला (अवकाश पर)<br>डॉ. राजेन्द्र कैड़ा |
| 4. | संस्कृत | - | - | डॉ. देवेश कुमार मिश्रा<br>(अवकाश पर) |
| 5. | संगीत | - | - | प्रदीप कुमार |
| 6. | प्रबन्ध अध्ययन | प्रो. आर. सी. मिश्र | - | डॉ.मंजरी अग्रवाल<br>डॉ. सुमित प्रसाद |
| 7. | वाणिज्य | - | डॉ. गगन सिंह | श्री सुनील कुमार |
| 8. | इतिहास | प्रो. जी. पी. पाण्डे | डॉ. एम. एम. जोशी | - |
| 9. | समाजशास्त्र | प्रोफेसर रेनू प्रकाश | - | डॉ. दीपक पालीवाल<br>(अवकाश पर) |
| 10. | राजनीतिशास्त्र | - | - | डॉ. सूर्यभान सिंह |
| 11. | एम.एस. डब्लू | - | - | डॉ. नीरजा सिंह |
| 12. | अर्थशास्त्र | - | - | डॉ. शालिनी चौधरी |
| 13. | मनोविज्ञान | - | - | डॉ. सीता |
| 14. | लोक प्रशासन | - | - | डॉ. घनश्याम जोशी |
| 15. | कम्प्यूटर साइंस | प्रो. दुर्गेश पन्त | डॉ. जितेन्द्र पाण्डे,<br>डॉ. आशुतोष भट्ट | - |
| 16. | वानिकी | - | - | डॉ. एच. सी. जोशी |
| 17. | पर्यटन | - | - | डॉ. अखिलेश सिंह |
| 18. | कृषि | - | - | डॉ. विरेन्द्र कुमार |
| 19. | पत्रकारिता एवं जनसंचार | प्रो. गोविन्द सिंह<br>(अवकाश पर ) | डॉ. राकेश चन्द्र | श्री भूपेन सिंह |
| 20. | गृह विज्ञान | - | - | डॉ. दीपिका वर्मा |
| 21. | योग | - | - | डॉ. भानू जोशी<br>श्री दीपक कुमार |
| 22. | भूगर्भ विज्ञान | प्रोफेसर पी0डी0 पन्त | - | - |
| 23. | भौतिकी | - | - | डॉ. कमल देवलाल<br>सुश्री गौरी<br>डॉ. विशाल कुमार शर्मा |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **24.** | रसायन विज्ञान | - | - | डॉ. शालिनी सिंह,<br>डॉ. विनोद कुमार,<br>श्री दीपप्रकाश |
| **25.** | जन्तु विज्ञान | - | डॉ. प्रवेश कुमार सहगल | - |
| **26.** | वनस्पति विज्ञान | - | - | डॉ. सरस्वती नन्दन ओझा |
| **27.** | गणित | - | डॉ. अरविन्द भट्ट | डॉ. ज्योति रानी |
| **28.** | विधि | प्रोफेसर अखिलेश कुमार नवीन | | दीपांकुर जोशी |
| **29.** | शिक्षाशास्त्र | - | डॉ. डिगर सिंह | डॉ. दिनेश कुमार<br>डॉ. ममता कुमारी<br>डॉ. कल्पना पाटनी लखेड़ा<br>डॉ. देबकी सिरोला |
| **30.** | विशिष्ट शिक्षा | - | - | डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल |
| **31.** | होटल मैनेजमेन्ट | - | डॉ. जटाशंकर आर तिवारी (अवकाश पर) | - |
| **32.** | आयुर्वेद | - | - | डॉ. हेमन्त काण्डपाल |

## अल्पकालिक विनियोजित वरिष्ठ परामर्शदाता/परामर्शदाता तथा अकादमिक एसोसिएट का विवरण

| क्र0सं0 | विद्याशाखा | विषय | कार्यरत कार्मिक का नाम |
|---|---|---|---|
| **1.** | शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा | (शिक्षाशास्त्र) | श्रीमती मनीषा पंत<br>सुश्री सुमन पिल्ख्वाल<br>डॉ. दिनेश चन्द्र काण्डपाल |
| **2.** | विज्ञान विद्याशाखा | वनस्पति विज्ञान | डॉ. पूजा जुयाल<br>कीर्तिका पडलिया<br>डॉ. प्रभा बिष्ट ढौढियाल<br>डॉ. पुष्पेश जोशी |
| **3.** | विज्ञान विद्याशाखा | प्राणी विज्ञान | डॉ. श्याम सिंह कुंजवाल<br>डॉ. मुक्ता जोशी<br>सुश्री पूर्णिमा नैनवाल |
| **4.** | भौमिकी एवं पर्यावरण विद्याशाखा | भूगोल | डॉ. रंजू जोशी पाण्डे<br>डॉ. प्रदीप कुमार पन्त<br>डॉ. सुधांशु कुमार वर्मा |
| **5.** | विज्ञान विद्याशाखा | रसायन विज्ञान | डॉ. चारु चन्द्र पंत<br>डॉ. रूचि पाण्डेय |
| **6.** | कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा | आई.टी.एण्ड कम्प्यूटर साइंस | श्री बालम सिंह दफौटी<br>डॉ. पार्थ गौतम |
| **7.** | मानविकी विद्याशाखा | उर्दू | मो. अफजल हुसैन<br>मो. अशफाक शरीफ<br>मो0 तारिक अहमद |
| **8.** | मानविकी विद्याशाखा | संगीत | श्री द्विजेश उपाध्याय<br>श्री अशोक चन्द्र टम्टा<br>जगमोहन परगॉई<br>प्रकाश चन्द्र आर्या |

| | | | |
|---|---|---|---|
| **9.** | स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा | गृह विज्ञान | श्रीमती मोनिका द्विवेदी |
| | स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा | गृह विज्ञान | डॉ. प्रीति बोरा<br>डॉ. पूजा भट्ट<br>डॉ. ज्योति जोशी |
| **10.** | पत्रकारिता एवं जनसंचार | पत्रकारिता एवं जनसंचार | श्री राजेन्द्र सिंह क्वीरा |
| **11.** | पर्यटन एवं आतिथ्य अध्ययन विद्याशाखा | होटल मैनेजमेन्ट/ पर्यटन | डॉ. सुभाष चन्द रमोला<br>प्रिया बोरा<br>डॉ. आशीष टम्टा |
| **12.** | व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा | व्यावसायिक अध्ययन | श्री गोपाल दत्त |
| **13.** | विज्ञान विद्याशाखा | भौतिकी | डॉ. मीनाक्षी राणा,<br>डॉ.राजेश मठपाल |
| **14.** | विज्ञान विद्याशाखा | गणित | डॉ. कमलेश बिष्ट<br>सुश्री शिवांगी उपाध्याय |
| **15.** | मानविकी विद्याशाखा | ज्योतिष | डॉ. प्रभाकर पुरोहित<br>डॉ. प्रमोद जोशी<br>डॉ. सुनील कुमार त्रिपाठी<br>डॉ. आशुतोष तिवारी |
| **16.** | मानविकी विद्याशाखा | संस्कृत | डॉ. नीरज कुमार जोशी<br>डॉ. कैलाश चन्द्र भट्ट<br>डॉ. मनोज जोशी<br>प्रज्ञा दूबे |
| **17.** | पुस्तकालय एंवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा | पुस्तकालय विज्ञान | सुश्री प्रीति शर्मा |
| **18.** | भौमिकी एवं पर्यावरण विद्याशाखा | वानिकी | डॉ. वीना तिवारी फुलारा<br>डॉ. कृष्ण कुमार टम्टा |
| **19.** | समाज विज्ञान विद्याशाखा | समाज शास्त्र | डॉ. भावना डोभाल<br>डॉ. गोपाल सिंह गौनिया |
| **20.** | समाज विज्ञान विद्याशाखा | इतिहास | डॉ. एच.एस. भाकुनी<br>विकास जोशी |
| **21.** | समाज विज्ञान विद्याशाखा | राजनीति विज्ञान | मेघा वृजवाल<br>आरूषि<br>डॉ. लता जोशी |
| **22.** | समाज विज्ञान विद्याशाखा | लोक प्रशासन | शुभांकर शुक्ला<br>सुमित सिंह<br>प्रमोद कुमार चन्याल |
| **23.** | समाज विज्ञान विद्याशाखा | अर्थशास्त्र | डॉ. नमिता वर्मा |
| **24.** | समाज विज्ञान विद्याशाखा | मनोविज्ञान | डॉ. रूचि तिवारी<br>डॉ. भाग्यश्री जोशी<br>सुश्री विनीता पन्त |
| **25.** | मानविकी विद्याशाखा | अंग्रेजी | नागेन्द्र सिंह गंगोला |
| **26.** | मानविकी | हिन्दी | मंगलम रस्तोगी<br>डॉ. अनिल कार्की<br>दिव्या तँवर |

## अल्पकालिक व्यवस्था के अन्तर्गत नियोजित प्रशासनिक परामर्शदाता/तकनीकी परामर्शदाताओं का विवरण

| क्र0सं0 | पदनाम | अनुभाग | कार्यरत् कार्मिक का नाम |
|---|---|---|---|
| 1. | तकनीकी परामर्शदाता (डाटा प्रोसेसिंग) | परीक्षा अनुभाग | श्री नवनीत कुमार |
| 2. | तकनीकी परामर्शदाता (रेडियो) | कम्यूनिटी रेडियो | श्री अनिल नैलवाल |
| 3. | तकनीकी परामर्शदाता (रेडियो) | कम्यूनिटी रेडियो | सुनीता भट्ट |
| 4. | तकनीकी परामर्शदाता ICT | ICT | विनय कुमार टम्टा |
| 5. | कैमरामैन | ICT | विभू कांडपाल |
| 6. | विडियो एडिटर | ICT | हरीश कुमार गोयल |
| 7. | प्रशासनिक परामर्शदाता | मॉडल स्टडी सेन्टर | श्री विनोद विरखानी |
| 8. | प्रशासनिक परामर्शदाता | परीक्षा अनुभाग | श्रीमती कंचन बिष्ट |
| 9. | प्रशासनिक परामर्शदाता | देहरादून परिसर | नरेन्द्र कुमार जगूडी |
| 10. | प्रशासनिक परामर्शदाता | शोध एवं नवाचार | राजेन्द्र जोशी |
| 11. | प्रशासनिक परामर्शदाता | देहरादून परिसर | योगेन्द्र चन्द्र गुरूरानी |

## नियमित/संविदा के आधार पर सृजित पद

| क्र0सं0 | पदनाम | कार्यरत कार्मिक का नाम | पद की प्रवृति |
|---|---|---|---|
| 1. | नैटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर | श्री मोहित रावत | संविदा |
| 2. | कम्प्यूटर प्रोग्रामर | श्री जितेन्द्र द्विवेदी, श्री राजेन्द्र गोस्वामी | संविदा |
| 3. | हार्डवेयर इंजीनियर | श्री राजेश आर्या, श्री विनीत पौड़ियाल, | संविदा |
| 4. | प्रशासनिक अधिकारी ग्रेड-2 | श्री पी0एस0 परिहार | संविदा |
| 5. | आशुलिपिक ग्रेड-1 | श्री संजय भट्ट | संविदा |
| 6 | आशुलिपिक ग्रेड-1 | श्री विमल कुमार | नियमित |

## बाह्य सेवा प्रदाता (उपनल) के माध्यम से पूरित किये जाने हेतु सृजित पद

| क्र0सं0 | पदनाम | कार्यरतकार्मिक का नाम |
|---|---|---|
| 1. | वेबसाइट एडमिनिस्ट्रेटर | श्री राकेश पपनै |
| 2. | कम्प्यूटर लिट्रेट स्टेनो | श्रीमती बबीता दास |
| 3. | कम्प्यूटर लिट्रेट एकाउन्टेंट | श्री हर्षवर्धन लोहनी |
| 4. | कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क | कु0 कमला राठौर, श्री योगेश मिश्रा, श्री पंकज बिष्ट, |
| 5. | कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क | श्री मनोज कुमार शर्मा, श्री संतोष ढौडियाल |
| 6. | कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क | श्री बसंत बल्लभ काण्डपाल, श्री चारु चन्द जोशी |
| 7. | कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क | श्री गोपाल सिंह, श्री मनमोहन त्रिपाठी, |
| 8. | डाटा एंट्री ऑपरेटर/क्लर्क टाइपिस्ट | श्रीमती मधु डोगरा, श्री अनिल कुमार पंत |
| 9. | कम्प्यूटर ऑपरेटर, | कु. पूनम खोलिया |
| 10. | कोऑर्डिनेटर | श्री नंदन अधिकारी, श्री मोहन चन्द्र पाण्डे, |

| | | |
|---|---|---|
| **11.** | कोऑर्डिनेटर | श्रीमती दीपा फुलारा, श्रीमती रेखा बिष्ट, |
| **12.** | कोऑर्डिनेटर | श्रीमती रंजना जोशी, श्री अजय कुमार सिंह, |
| **13.** | कोऑर्डिनेटर | श्री विनय जोशी, श्री निर्मल सिंह धौनी |
| **14.** | कम्प्यूटर लिट्रेट पी0ए0, | श्री रमन लोशाली |
| **15.** | इलैक्ट्रीशियन, | श्री दिनेश पाल सिंह |
| **16.** | ड्राइवर, | श्री मनीष कुमार |
| **17.** | लैब असिस्टेंट | श्री मनीष बुंगला |
| **18.** | चतुर्थ श्रेणी कार्मिक | श्री हेमचन्द, श्री व्यास सिंह, श्री चन्द्र शेखर सुयाल |
| **19.** | क्लर्क कम टाइपिस्ट, | श्री कुन्दन सिंह |
| **20.** | कैटलागर्स, | श्री राकेश पन्त, |
| **21.** | अनुसेवक | श्री चेत बहादुर |
| **22.** | स्टोरमेट | श्री बलबन्त राम |
| **23.** | बुक लिफटर | श्री दीपक चन्द्र उप्रेती |
| **24.** | प्लम्बर | श्री देवेन्द्र प्रसाद |
| **25.** | हेल्पर | श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा |
| **26.** | माली | श्री मनोज कुमार |
| **27.** | स्वच्छक | श्री दलीप |
| **28.** | चपरासी | कु. नीमा उप्रेती, श्रीमती उषा देवी, श्री कैलाश राम विश्वकर्मा, नवीन चन्द्र जोशी |

## विश्वविद्यालय में नियोजित विनियमित कार्मिक

| क्र0सं0 | पदनाम | अनुभाग | कार्यरत कार्मिक का नाम |
|---|---|---|---|
| 1. | लिपिक | क्षेत्रीय कार्यालय रानीखेत | श्री रविन्द्र कुमार कोहली |
| 2. | लिपिक | क्षेत्रीय कार्यालय रुड़की | श्री महबूब आलम |
| 3. | लिपिक | क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून | श्री बृज मोहन सिंह खाती |
| 4. | लिपिक | क्रय अनुभाग | श्री हेम चन्द्र छिमवाल |
| 5. | लिपिक | अधिष्ठान | श्री राहुल बिष्ट |
| 6. | लिपिक | प्रवेश | श्री फिरोज खान |
| 7. | लिपिक | निदेशालय, क्षेत्रीय सेवाएं | श्री भरत नैनवाल |
| 8. | लिपिक | क्षेत्रीय कार्यालय, पिथौरागढ़ | श्री त्रिलोचन पाटनी |
| 9. | वाहन चालक | कुलसचिव | श्री देवेन्द्र सिंह नेगी |
| 10. | वाहन चालक | कुलपति | श्री मोहन चन्द्र पाण्डे |
| 11. | वाहन चालक | वित्त नियन्त्रक | श्री शेखर उप्रेती |

## विश्वविद्यालय में नियोजित संविदा कार्मिक

| क्र0सं0 | पदनाम | अनुभाग | कार्यरत कार्मिक का नाम |
|---|---|---|---|
| 1. | लिपिक | क्षेत्रीय कार्यालय पौड़ी | श्री सत्येन्द्र सिंह रावत |
| 2. | लिपिक | परीक्षा अनुभाग | श्री मोहन चन्द्र बवारी |
| 3. | लिपिक | लेखा अनुभाग | श्री दिनेश कुमार |
| 4. | चतुर्थ श्रेणी | निदेशक मानविकी | श्री दिनेश चन्द्र फुलेरा |
| 5. | चतुर्थ श्रेणी | कुलसचिव कार्यालय | श्री जगत सिंह बंगारी |
| 6. | - | स्वच्छक अनुरक्षण | श्रीमती छाया देवी |

## बाह्य सेवा प्रदाता (ड्रेस रोजगार डॉट कॉम) के माध्यम से दैनिक वेतन भोगी के रुप में कार्यरत कार्मिक

| क्र0सं0 | पदनाम | अनुभाग | कार्यरत कार्मिक का नाम |
|---|---|---|---|
| 1. | लिपिक | लेखा अनुभाग | श्रीमती पूजा हेडिया |
| 2. | लिपिक | एम0पी0डी0डी0 | श्री दीपक पन्त |
| 3. | लिपिक | परीक्षा | श्री राहुल नेगी |
| 4. | लिपिक | परीक्षा | श्री उमाशंकर नेगी |
| 5. | लिपिक | परीक्षा | श्री हेमचन्द्र |
| 6. | लिपिक | प्रवेश | श्री प्रमोद चन्द्र जोशी |
| 7. | लिपिक | शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा | कु. दीपिका रैकवाल |
| 8. | लिपिक | पुस्तक वितरण प्रकोष्ठ | श्री उमेश सिंह खनवाल |
| 9. | योग प्रशिक्षक | स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा | श्री ललित मोहन |
| 10. | लिपिक | आर0एस0डी0 / मानविकी | श्री मोहन जोशी |
| 11. | लिपिक | क्षेत्रीय कार्यालय,उत्तरकाशी | श्री धनेश्वर नेगी |
| 12. | लिपिक | देहरादून परिसर | श्रीमती अपर्णा कुकरेती |
| 13. | चतुर्थ श्रेणी | पुस्तक वितरण प्रकोष्ठ | श्री भुवन चन्द्र पलड़िया |
| 14. | चतुर्थ श्रेणी | लेखा अनुभाग | श्री भीम आर्या |
| 15. | स्वच्छक | अनुरक्षण | श्री अनिल कुमार |
| 16. | स्वच्छक | देहरादून परिसर | श्री सतीश सिंह |
| 17. | सुरक्षा कर्मी | देहरादून परिसर | श्री धीरेन्द्र सिंह |
| 18. | सुरक्षा कर्मी | देहरादून परिसर | श्री दीपक रतूड़ी |
| 19. | सुरक्षा कर्मी | देहरादून परिसर | श्री सुरेश प्रसाद |
| 20. | लिपिक | RTI | सुश्री लक्ष्मी धामी |
| 21. | लिपिक | स्वागत पटल | निर्मला देवी |
| 22. | लिपिक | क्रय अनुभाग | गोकुल चन्द्र कुशल |
| 23. | लिपिक | योग | यशवन्त कुमार |
| 24. | लिपिक | परीक्षा | दिव्या गोड |
| 25. | लिपिक | स्वागत पटल | आकांक्षा रावत |
| 26. | लिपिक | प्रवेश | पूनम पानू |
| 27. | लिपिक | MPDD | कमल सिंह पवार |
| 28. | लिपिक | MPDD | पूरन लाल शाह |
| 29. | लिपिक | देहरादून परिसर | राहुल देव |
| 30. | लिपिक | देहरादून परिसर | सुनील |
| 31. | लिपिक | परीक्षा | माला उपाध्याय |
| 32. | लिपिक | कुलपति आवास | गोधन सिंह |
| 33. | लिपिक | MPDD | हीरा सिंह |
| 34. | लिपिक | अनुरक्षण अनुभाग | लीला वेलवाल |
| 35. | लिपिक | अनुरक्षण अनुभाग | नरेन्द्र पाल |
| 36. | लिपिक | कुलपति कार्यालय | लालू प्रसाद |
| 37. | स्वीपर | सफाइ कर्मी | अभिषेक कुमार |
| 38. | लिपिक | MPDD | सरिता |
| 39. | लिपिक | MPDD | शेखर चन्द्र |
| 40. | लिपिक | SOS | अश्विनी कुटियाल |
| 41. | लिपिक | कुलसचिव कार्यालय | अजय आर्या |
| 42. | लिपिक | RSD | दीप्ति पांगती |
| 43. | सुरक्षाकर्मी | कुलपति | प्रदीप कुमार मिश्रा |

# Appendix- XI (परिशिष्ट –XI)

## PROGRAMMES AT A GLANCE
## पाठ्यक्रम एक दृष्टि में

| UNDER GRADUATE PROGRAMMES | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| Programme Name (Code) | Eligibility | Duration (Yrs) | | SLM | Mode of Exam |
| | | Min | Max | | |
| Bachelor of Arts (BA-17) | 10+2 / Equivalent | 3 | 6 | Hindi | Annual |
| Bachelor of arts with Psychology BA-17 | 10+2 / Equivalent | 3 | 6 | Hindi | Annual |
| Bachelor of Art with Geography (BA-17) | 10+2 / Equivalent | 3 | 6 | Hindi | Annual |
| Bachelor of Art with Music (BA-17) | 10+2 / Equivalent | 3 | 6 | Hindi | Annual |
| Bachelor of Commerce (BCOM-17) | 10+2 | 3 | 6 | Hindi | Annual |
| Bachelor of Business Administration (BBA-17) | 10+2 | 3 | 6 | English | Annual |
| Bachelor of Science (BSCG-17) (ZBC/ ZBF/BCF/BFG/PCM/PGM Groups) | 10+2 Science | 3 | 6 | English | Annual |
| Bachelor of Science - (BSCG-17) ( PCM/PGM Group) | 10+2 Science | 3 | 6 | English | Annual |
| Bachelor of Science – (BSCG-17) Single Subject | Graduation in Science | 3 | 6 | English | Annual |
| Bachelor of Computer Application (BCA-17) | 10+2 (Candidates not having Mathematics at 10+2 level will have to pass one qualifying Mathematics paper during course of the programme, exam fee for the subject will be charged separately) / BCAPP<br>Lateral entry (BCA IIIrd Sem): Diploma in Computer Application / IT (DCA/DIT)/ Diploma (Polytechnic) in relevant stream | 3 | 6 | English | Semester |
| Bachelor of Arts (Yoga) - (BAY-17) | 10+2, or equivalent<br>Learners having diploma in Yoga and Naturopathy from UOU may take admission directly in second year | 3 | 6 | Hindi | Annual |
| Bachelor of Tourism and Travel Management (BTTM-17) | 10+2 | 4 | 8 | English | Annual |
| Bachelor of Arts with Mathematics - (BA-17) | 10+2 / Equivalent | 3 | 6 | Hindi | Annual |
| Bachelor of Arts with Mathematics & Geography - (BA-17) | 10+2 / Equivalent | 3 | 6 | English | Annual |
| Bachelor of Arts with Home Science – BA-17 | 10+2 / Equivalent | 3 | 6 | English/ Hindi | Annual |
| Bachelor of Special Education- (Mental Retardation) B.ed. Spl. Ed. (BEDSEMR-19) | Graduation | 2.5 | 5 | Hindi | Semester |
| Bachelor of Special Education- ( Learning Disability) – B.Ed. Spl. Ed. (BEDSELD-19) | Graduation | 2.5 | 5 | Hindi | Semester |
| Bachelor of Education – B.Ed. | | | | | |

| POST GRADUATE PROGRAMMES | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **Programme Name & (Code)** | **Eligibility** | **Duration (Yrs)** | | **SLM** | **Mode of Exam** |
| | | **Min** | **Max** | | |
| Master of Computer Application (MCA-17) | Graduation in any stream (Candidates not having Mathematics at 10+2 level will have to pass one qualifying Mathematics paper during course of the programme. Exam fee for the subject will be charged separately).<br>Lateral Entry: MCA IIIrd SEM: BCA/BSc (CS/IT), A Level from DOEACC, PGDCA, MCA Vth Semester: MSc (IT/CS) | 3 | 6 | English | Semester |
| Master of Arts (Geo Informatics) MA (Geo Informatics) (MAGIS-17) | Graduation in any stream<br>Lateral entry: MGIS IInd Year to PGDGIS | 2 | 4 | English | Annual |
| Master of Science (Geo Informatics) M.Sc. (Geo Informatics) (MSCGIS-17) | Graduation in any stream<br>Lateral entry: MGIS IInd Year to PGDGIS | 2 | 4 | English | Annual |
| Master of Science (Cyber Security) M.Sc. (Cyber Security) MSCCS-18 | Graduation (Science/IT) Lateral entry: DOEACC A level? PGDCA/PGD in Cyber security B.E or B.TECH in Computer Science & Engineering | 2 | 4 | English | Semester |
| Master of Science ( Information technology) M.Sc. (Information Technology) MSCIT-17 | Graduation with Mathematics at graduation or 10+2 level | 2 | 4 | English | Semester |
| Master of Information Technology (MSCIT-17) | Graduation with Mathematics at graduation or 10+2 level. However, candidates not having Mathematics at 10+2 level or Graduation level will have to pass one qualifying Mathematics paper during course of the programme. Exam fee for the subject will be charged separately).<br>Lateral Entry: B.Tech./B.E./A-level from DOEACC after graduation / PGDCA and graduation | 2 | 4 | English | Semester |
| M.A. Education (MAED-17) | Graduation in any stream | 2 | 6 | Hindi | Annual |
| Master of Arts (Economics) MA (Economics) MAEC-17 | Graduation in any stream | 2 | 6 | Hindi | Annual |
| Master of Arts (History) MA (History) MAHI-17 | Graduation in any stream | 2 | 6 | Hindi h | Annual |
| Master of arts (Political Science) MA (Political Science) MAPS-17 | Graduation in any stream | 2 | 6 | Hindi | Annual |
| Master of Arts ( Public Administration) MA ( Public Administration) MAPA-17 | Graduation in any stream | 2 | 6 | Hindi | Annual |
| Master of Arts (Sociology) MA (Sociology) MASO-17 | Graduation in any stream | 2 | 6 | Hindi | Annual |
| Master of Scial work MA (Social work) MSW-17 | Graduation in any stream | 2 | 6 | Hindi | Annual |
| Master of Arts (Psychology) MA (Psychology) MAPSY-18 | Graduation in any stream | 2 | 6 | Hindi | Annual |
| Master of Arts (Hindi) MA (Hindi) MAHL-17 | Graduation in any stream | 2 | 6 | Hindi | Annual |
| Master of Arts (English) MA (English) MAEL-17 | Graduation in any stream | 2 | 6 | English | Annual |
| Master of Arts (Sanskrit) MA (Sanskrit) MASL-17 | Graduation in any stream | 2 | 6 | Hindi | Annual |
| MASTER OF ARTS (JYOTISH) MA (JYOTISH) MAJY-18 | Graduation in Jyotish/ Shastri or Shastri (Hon's) in Jyotish or equivalent | 2 | 6 | Hindi | Annual |
| Master of Performing Arts (Music) MPAM-19 | बी0ए0 संगीत विषय की संबंधित विधा जैसे गायन,तबला आदि के साथ या बीएससी/बी.कॉम/ बीए संगीत विषय के बिना स्नातक डिग्री के समकक्ष कोई उपाधि के साथ स्नातक के समकक्ष डिप्लोमा जैसे भातखण्डे संगीत विद्यापीठ लखनउ का संगीत विशारद/ प्रयाग संगीत समिति इलाहाबाद का संगीत प्रभाकर/ अखिल भरतीय गंधर्व महाविद्यालय मंडल मुंबई का संगीत विद आदि। | 2 | 6 | Hindi | Annual |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| Master of Arts (Yoga) MA (Yoga) | Graduation in any stream | 2 | 6 | Hindi | Annual |
| Master of Arts (Home Science) MA (Home Science) | Graduation in any stream | 2 | 6 | Hindi | Annual |
| Master of Arts (Journalism) MA (Journalisim) | Graduation in any stream | 2 | 6 | Hindi | Annual |
| | Graduation in any stream | 2 | 6 | Hindi | Annual |
| Master of Tourism and Travel Management (MTTM-17) | Graduation in any stream | 2 | 4 | English | Semester |
| Master of Buisness administration MBA MBA-17 | 50% Marks at Graduate or post Graduate level or 45% at graduate or Post graduate level along with 2 Years of supervisory/ managerial/Professional/teaching experience after completing graduation or Post graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student) 5% relaxation for reserve category) Admission through entrance test conducted by the university/ MAT/ CAT score | 2 | 4 | English | Semester |
| Master of Commerce M.Com MCOM-17 | B.Com | 2 | 6 | Hindi | Annual |
| Master of Science (BOTANY) MSCBOT-17 | Graduation is Concerned Subject | 2 | 6 | English | Annual |
| Master of Science (CHEMISTRY) MSCCH-17 | Graduation is Concerned Subject | 2 | 6 | English | Annual |
| Master of Science (PHYSICS) MSCPHY-17 | Graduation is Concerned Subject | 2 | 6 | English | Annual |
| Master of Arts (MATHEMATICS) MAMT-19 | 10+2+3 (Must have Mathematics as a Subject in BA) | 2 | 6 | English | Annual |
| Master of Science(MATHEMATICS) MSCMT-19 | Graduation is Concerned Subject | 2 | 6 | English | Annual |
| Master of Science (ZOOLOGY) MSCZO-19 | Graduation is Concerned Subject | 2 | 6 | English | Annual |
| Master of Science (ENVIRONMENTAL SCIENCE) MSCES-19 | Graduation in any Science discipline | 2 | 6 | English | Annual |
| Master of Arts ( Geography) MAGE-19 | Graduation in any Subject | 2 | 6 | Hindi | Annual |
| Master of Science ( Geography) MSCGE-19 | Graduation in any Subject | 2 | 6 | Hindi | Annual |
| **PG Programmes where admissions are carried out through entrance examination (M.B.A.)** | | | | | |
| Master of Business Administration (MBA-17) | 50% Marks at graduate or post-graduate level or 45% at Graduate or post graduate level along with 2 years' of supervisory / managerial/ professional/ teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student). (5% relaxation for reserved category).Admission through entrance test conducted by the University / MAT / CAT score | 2 | 4 | English | Semester |

**POST GRADUATE DIPLOMA PROGRAMMES**

| Programme Name & (Code) | Eligibility | Duration (Yrs) | | SLM | Mode of Exam |
|---|---|---|---|---|---|
| | | Min | Max | | |
| PG Diploma in Computer Application (PGDCA-17) | Graduation in any stream | 1 | 3 | English | Semester |
| PG Diploma in Geo Informatics (PGDGIS-17) | Graduation in any stream | 1 | 3 | English | Annual |
| PG Diploma In Disaster Management (PGDDM-17) | Graduation in any subject | 1 | 3 | English / Hindi | Annual |
| PG Diploma in Cyber Law (PGDCL-17) | Graduation in any stream | 1 | 3 | English-Hindi | Annual |
| PG Diploma in Journalism and Mass Communication (PGDJMC-17) | Graduation in any stream | 1 | 3 | Hindi | Semester |
| PG Diploma in Broadcast Journalism & New Media (PGDBJ-17) | Graduation in any stream | 1 | 3 | Hindi | Semester |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| PG Diploma in Cyber Security PGDCS-17 | Graduation in any stream | 1 | 3 | English | Semester |
| **PG Diploma Programmes where admissions are carried out through entrance examination (PGDMM, DIM and PGDHRM)** | | | | | |
| PG Diploma in Marketing Management (PGDMM-17) | 50% Marks at graduate or post graduate level with 1 year experience in the relevant field. Further those having 45% marks at graduate level or post graduate level shall also be eligible with 2 years' of supervisory/ managerial/ professional / teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student).(5% relaxation for reserved category).<br>Admission through entrance test conducted by University / MAT /CAT score | 1 | 3 | English | Semester |
| PG Diploma Human Resource Management (PGDHRM-17) | | 1 | 3 | English | Semester |
| Diploma in Management (DIM-17) | 50% Marks at graduation or at post graduation level or 45% at graduate or post graduate level along with 2 years' of supervisory / managerial / professional / teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student). (5% relaxation for reserved category). Admission through entrance test conducted by University / MAT/ CAT score | 1 | 3 | English | Semester |
| **DIPLOMA PROGRAMMES** | | | | | |
| **Programme Name (Code)** | **Eligibility** | **Duration (Yrs)** | | **SLM** | **Mode of Exam** |
| | | **Min** | **Max** | | |
| Diploma in Value Added Products from Fruits and Vegetables (DVAPFV-17) | 10+2 | 1 | 3 | Hindi | Semester |
| Diploma in Commercial Horticulture (DCH-17) | 10+2 | 1 | 3 | Hindi | Semester |
| Diploma in Public Health and Community Nutrition (DPHCN-17) | 10+2 | 1 | 3 | Hindi | Semester |
| Diploma in Yogic Science (DYS-17) | 10+2 or equivalent | 1 | 3 | Hindi | Annual |
| Diploma in Management of Non-wood Forest Products (DMNWFP-17) | 10+2 | 1 | 3 | English | Semester |
| Diploma in Phalit Jyotish (DPJ-17) | 10+2 or Certificate in Jyotish | 1 | 3 | Hindi | Annual |
| Diploma in Vastu Shastra (DVS-20) | 10+2 or Certificate in Vastu | 1 | 3 | Hindi | Annual |
| Diploma in Hotel Management (DHM-17) | 10+2 | 1 | 4 | English | Annual |
| Diploma in Tourism Studies (DTS-17) | 10+2 | 1 | 4 | English | Annual |
| Diploma in Information Technology(DIT-17) | 10+2 | 1 | 3 | English | Semester |
| Diploma in Vadic Karmkand (DVK-17) | 10+2 | 1 | 3 | Hindi | Annual |
| Diploma in Right to Information | 10+2 | 1 | 3 | English | Semester |
| Diploma in Hospitality Adminstration | 10+2 | 1 | 4 | English | Annual |
| D.Voc. (Digital Marketing & Management) – DVDMM-19 | 12th Pass or Equivalent | 1 | 3 | English | Semester |
| D.Voc.( soft Skill & E-Office Management)- DVEOM-19 | 12th Pass or Equivalent | 1 | 3 | English | Semester |
| D.Voc.( Technology Enabled Education)- DVTEE-19 | 12th Pass or Equivalent | 1 | 3 | English | Semester |
| DMA-21 Diploma in Medical Astrology | 12th Pass or Equivailent | 1 | 3 | Hindi | Yearly |

| CERTIFICATE PROGRAMMES | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **Programme name (code)** | **Eligibility** | **Duration ( yrs)** | | **SLM** | **Mode of exam** |
| | | **Min** | **Max** | | |
| Certificate in Organic Farming (CCOF-17) | 10+2 | ½ | 2 | Hindi | Semester |
| Certificate in Geo Informatics (CGIS-17) | 10+2 | ½ | 2 | English | Semester |
| Certificate in Computer Application (CCA17) | 10+2 | ½ | 2 | English | Semester |
| Certificate in e-Governance and Cyber Security (CEGCS-17) | 10+2 | ½ | 2 | English | Semester |
| Certificate in Ayurvedic Masseur (CAM-17) | 10+2 | ½ | 2 | Hindi | Semester |
| Certificate in Herbal Beauty Care (CHBC-17) | 10+2 | ½ | 2 | Hindi | Semester |
| Certificate in Ayurvedic Herb Cultivation (CAHC-17) | 10+2 | ½ | 2 | Hindi | Semester |
| Certificate in Ayurvedic Food and Nutrition (CAFN-17) | 10+2 | ½ | 2 | Hindi | Semester |
| Certificate in Yogic Sciences (CYS-17) | 10+2 or equivalent | ½ | 1 | Hindi | Semester |
| Certificate in Naturopathy (CIN-17) | 10+2 or equivalent | ½ | 1 | Hindi | Semester |
| Certificate Course in Office Management (CCOM-17) | 10th pass | ½ | 2 | Hindi | Semester |
| Certificate in Vedic Karmkand (CVK-17) | 10th | ½ | 2 | Hindi | Semester |
| Certificate in Phalit Jyotish (CPJ-17) | 10th | ½ | 2 | Hindi | Semester |
| Certificate in Sanskrit Language (CSL-17) | 10th | ½ | 2 | Hindi | Semester |
| Certificate Course in Panchayati Raj (CCPR-17) | 10th | ½ | 2 | Hindi | Semester |
| Certificate in Memory Enhancement (CME-17) | 10+2 | ½ | 2 | Hindi | Semester |
| Certificate Programme in Japanese Language (CPJL-17) | 10+2 | ½ | 2 | English | Semester |
| Certificate in Ayurvedic Masseur CAM-17 | 10+2 | ½ | 2 | Hindi | Semester |
| Certificate Course in Food & Nutrition CFN-18 | 10+2 | ½ | 2 | Hindi | Semester |
| Certificate in Web Designing & Deveplopment CWBD-18 | 10+2 | ½ | 2 | Hindi English | Semester |
| Certificate in Right to Information CRTI -17 | 10+2 | ½ | 2 | English | Semester |
| Foundation Course in Special education FC-SEDE | 10+2 or in Service Teacher | 3 | 12 | Eng./Hindi | Semester |
| Certificate in Banking Insurance Law (CBIL-19) | Graduation in any Stream | 1/2 | 2 | English | Semester |
| Certificate in Human Rights (CHR-19) | Graduation in any Stream | 1/2 | 2 | English | Semester |
| Certificate in Non-wood Forest Products CNWFP-20 | 10+2 | 0.5 | 1.5 | English | Semester |
| C.Voc. (Web Designing & Development) – CVWDD-19 | 10th Pass or Equivelent | 6 | 2 | English | Semester |
| C.Voc. (Digital Marketing & Management) – CVDMM-19 | 10th Pass or Equivelent | 6 | 2 | English | Semester |
| C.Voc.( soft Skill & E-Office Management)- CVEOM-19 | 10th Pass or Equivelent | 6 | 2 | English | Semester |
| C.Voc.( Technology Enabled Education)- CVTEE-19 | 10th Pass or Equivelent | 6 | 2 | English | Semester |

# Appendix- XII (परिशिष्ट –XII)

## क्षेत्रीय केन्द्रों की सूची (List of Regional Centres)

| S. No | Regional Centre | Code | Regional Director | Address | Contact No. | E-mail |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Dehradun | 11 | Dr. Sandeep Negi | Sri Guru Ram Rai Post Graduate College (SGRR PG College), Patthribagh, Dehradun, India, Dehradun, Uttarakhand 248001 | 9412031183 0135-2720027 | dehradun@uou.ac.in |
| 2 | Roorkee | 12 | Dr. Rajesh Chandra Paliwal | B.S.M. P.G. COLLEGE, Railway Road, Roorkee-247667 Disst. Haridwar(Uttarakhand) | 919412439436 01332-274365 | roorkee@uou.ac.in |
| 3 | Pauri | 14 | Dr. A.K Dobriyal | H.N.B.Garhwal Central University, Pauri Campus, City - Pauri, PIN – 246001 | 9412960687 01368-223308 | pauri@uou.ac.in |
| 4 | Uttarkashi | 15 | Dr. Suresh Chandra | Ram Chandra Uniyal Government Post Graduate College, Uttarkashi Tehsil- Bhatwari Uttarkashi - 249193 | 01374-222004 9557557880 | uttarkashi@uou.ac.in |
| 5 | Haldwani | 16 | Dr. Rashmi Pant | Motiram Baburam Govt. Post Graduate College Nainital Road, Haldwani - 263139 | 9411162527 05946-284149 | haldwani@uou.ac.in |
| 6 | Ranikhet | 17 | Dr. Yogendra Chandra Singh | Government (PG) College Ranikhet, District Almora – 263647, | 05966-220474 9997272828 | ranikhet@uou.ac.in |
| 7 | Pithoragarh | 18 | Dr. Bipin Chandra Pathak | L.S.M. Government PG College, Post office- Degree College, Pithoragarh, Dist- Pithoragarh PIN – 264015 | 9412093678 05964-264015 | pithoragarh@uou.ac.in |
| 8 | Bageshwar | 19 | Dr. B.C Tiwari | Government PG College, Tehsil & Distt. - Bageshwar, PIN – 263642 (Uttarakhand) | 9412044914 05963-221894 | bageshwar@uou.ac.in |

# Appendix XIII (परिशिष्ट –XIII)

## अध्ययन केंद्रों की सूची (List of Study Centres)

### Region: Dehradun (11)

| Sl.No | Code | Study Centre | Address | Coordinator/ Head of Institution |
|---|---|---|---|---|
| 1. | 11000 | UOU Model Study Center | C-27, THDC Colony, Ajabpur Kalan, Near Bangali Kothi chowk, Doon University, Road, Dehradun, PIN – 248001 | Sh. Narendra Jaguri (7500418040) |
| 2. | 11017 | Uttaranchal Ayurvedic College | 17, Old Mussorie Road, Rajpur, Dehradun, PIN – 248009 | Dr. Akshay Kumar Gaur (9837290962) |
| 3. | 11020 | SGRR PG college | Pathribagh, Dehradun, PIN – 248001 | Dr. Harshvardhan Pant (7055990555, 9760696596) |
| 4. | 11101 | Madhuban Academy of Hospitality Administration & Research (MAHAR) | MAHAR-97, Campus Hotel Madhuban, Rajpur Road, Dehradun, PIN – 248001 | Sh. Suraj Kumar (9719925600) |
| 5. | 11112 | VSKC Govt. Degree College | Dakpather, Dehradun, PIN – 222481 | Dr. Rakesh Mohan Nautiyal (7895655228) |
| 6. | 11113 | Uttaranchal Institute of Hospitality Management and Tourism Dehradun | Ghar Vihar Phase 2, Mohakampur, Dehradun, PIN – 248001 | Sh. Sanjay Joshi (9568955464) |
| 7. | 11115 | D.D. College Nimbuwala | 25, Nimbuwala, Dehradun, PIN – 248003 | Sh. Jitesh Singh (9936794929) |
| 8. | 11125 | Pandit Lalit Mohan Sharma Govt. P.G. College | Rishikesh, Distt. Dehradun, PIN – 249201 | Dr Ved Prakash (9760923214) |
| 9. | 11126 | M.P.G .College Mussoorie | Mussoorie, Distt. Dehradun, PIN – 248179 | Sh. Anil Khanduri (9412931825, 8476087862) |
| 10. | 11127 | Universal Institute Professional Studies | 102 Taj Complex, Ambedkar Chowk, Rishikesh, Distt. Dehradun, PIN – 249201 | Sh. Kushal Bisht (9897788008) |
| 11. | 11128 | Government Degree College Raipur | Maldevta, Raipur, Dehradun, PIN – 248001 | Dr. Ashish Kumar Sharma (9719713300) |
| 12. | 11130 | Sardar Mahipal Rajendra Degree College | Sahiya, Tehsil Kalsi, Distt. Dehradun, PIN –248196 | Dr. Pushpa Jhaba (9758143298) |
| 13. | 11131 | Universal Gairola Tourism & Technical Excellency (UGTE) | Near Nepali Farm Tiraha, Dehradun Road Village Khairi Khurd, Shyampur , Rishikesh, Distt. Dehradun, PIN – 249204 | Dr. Surendra Prasad Rayal (9897761496) |
| 14. | 11132 | Rishikesh Yog Dham Sansthan | Tapovan, Rishikesh, Distt. Dehradun, PIN – 249192 | Dr. Vijendra Prasad Kaparwan (9837973458) |
| 15. | 11133 | Institute of Technology & Management | 60 Chakrata Road Dehradun, PIN – 248001 | Sh. Ashutosh Uniyal (9634796551) |
| 16. | 11134 | Government Degree College Pawki Devi | Pawki Devi, Tehri Garhwal, PIN – 249192 | Dr. Sangeeta Bahuguna (9412110268, 8218809617) |
| 17. | 11135 | Mahayogi Gurugorakhnath Degree College Bithyani | Bithyani (Yamkeshwar), Chai Damrada, Distt. Pauri Garhwal, PIN – 246121 | Sh. Ram Singh Samant (7409150642) |
| 18. | 11136 | Sri Gulab Singh Rajkiya Mahavidyalaya Purodi | Mussoorie Road, Chakrata, Distt. Dehradun Pin - 248123 | Dr. Sunil Kumar (9639830380) |
| 19. | 11137 | Jagannnath Vishwa College | Majri Grant, Lal Tapper, Doiwala, Distt. Dehradun, PIN – 248140 | SH. Vikram Singh (9997221256 , 7055661122) |
| 20. | 11138 | S D M Government Post Graduate College | Bhaniyawala, Doiwala Distt. Dehradun, Pin – 248001 | Dr. Sumit Kumar Kuriayal (9456556249) |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 21. | 11139 | Nav Chetna College | Near Bala Sundari Temple, Manduwala, Dehradun, Pin – 248007 | Shri Deepak Badoni (7895929760) |
| 22. | 12036 | Omkarananda Institute of Management & Technology | Swami Omkaran and Saraswati Marg, Muni ki Reti, P.O. Shivananda Nagar, Rishikesh, Distt. Dehradun, PIN – 249192 | Mr. Naveen Dwivedi (9012578030; 0135-2431920, 2442085) |

## Region: Roorkee (12)

| S. No. | Code | Study Centre | Address | Coordinator/ Head of Institution |
|---|---|---|---|---|
| 1. | 12002 | HEC PG College | Kanya Gurukul, Campus, Near Chhoti Nehar, Kankhal, Haridwar, PIN – 249408 | Sh. Tara Singh (9358222796) |
| 2. | 12008 | BSM PG College Roorkee | Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247 667 | Sh. Rajnish Sharma (9837006200) |
| 3. | 12011 | RMP PG College Roorkee | Gurukul Narsan, Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247670 | Dr. Savendra Singh (9412465331) |
| 4. | 12012 | Chaman Lal Degree College Landhaura | Landhaura, Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247667 | Dr. Sushil Upadhyay (9997998050) |
| 5. | 12020 | Vidhya Vikasini Degree College of Management & Technology | Gurukul Narsan , Haridwar, PIN – 247670 | Dr. Priya Chaturvedi |
| 6. | 12034 | Kunti Naman Degree College | NH-58, Near Patanjali Yogpeeth Phase –II, Bhadedi, Rajputan, Roorkee, Distt. Haridwar | Sh. Narendra Kumar (9719925486) |
| 7. | 12042 | Government P.G College Kotdwar | Kotdwar, Distt- Pauri Garhwal PIN – 246149 | Dr. Praveen Joshi (Coordinator) (9412025727) |
| 8. | 12047 | Roorkee Divya Yog Sanshthan | Chudiyala Road, Bhagwanpur, Roorkee, Distt. Haridwar | Mr. Amit Kumar (9837179363) |
| 9. | 12058 | Sai Institute | Govindpuri, Haridwar, Distt. Haridwar, PIN – 249401 | Sh. Sanjeev Sharma (9368421419) |
| 10. | 12061 | Mohini Devi Degree College | Iqbalpur Road, Asaf Nagar (Near Shastri Puram), Roorkee, Distt. Haridwar, Pin – 247667 | Ms. Maneesha Singhal (8445003279) |
| 11. | 12076 | Mahendra Singh Degree College | Budhwa Shahid, Buggawala, Haridwar | Dr. Roma (9760810025) |
| 12. | 12078 | Government Degree College | Manglour, Near Manak Chowk, Distt. Haridwar | Dr. Anurag (9690423852) |
| 13. | 12079 | Hariom Saraswati P.G. College | Dhanauri, Distt. Haridwar | Dr Sharad Kumar Pandey (9012271593) |
| 14. | 12080 | H E C Group of Institutions | Laksar Road Jagjeetpur Haridwar, PIN – 249408 | Dr. Mausmi Goel (9358222793) |
| 15. | 12081 | Jhanvi Ayurveda Evam Yog Sansthan | Haripur Kalan, Near Prem Vihar Chowk, Haridwar, Pin – 249410 | Sh. Manoj Sharma (9411450656) |
| 16. | 12082 | Sita Ram Degree College | Sunhera, Roorkee, Distt. Haridwar Pin – 247667 | Sh. Arvind Vedwan (9557555776) |
| 17. | 12083 | Rishi Yog Sansthan | Purvi Nath Nagar, Jwalapur, Haridwar, Pin – 249407 | Sh. Vishal Mahindru (7417883329) |
| 18. | 12084 | Pherupur Degree College | Pherupur (Ramkhera) Distt. Haridwar, Pin – 249404 | Sh. Naveen Kumar (7533879579) |
| 19. | 12085 | Swami Vivekanand College of Education | Matlabpur, Near Guru Ram Rai Public School, Dehradun Road Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247667 | Dr. Sushil Bhadula (9027571658) |
| 20. | 12086 | Uttarakhand Sanskrit Academy | Ranipurjhal, Jwalapur, Distt. Haridwar, PIN – 249407 | Dr. Harish Chandra Gururani (9837149064) |
| 21. | 12087 | Mahaila Maha Vidhyalaya P.G. College | Satikund, Kankhal, Distt. Haridwar, PIN – 249404 | Dr. Meenakshi Gupta (8126806863) |
| 22. | 12088 | Uttarakhand Sanskrit University, | Bahadrabad, Haridwar- Uttarakhand | Dr. Manoj Kishor Pant 7983706560 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 23. | 12089 | Govt. Degree college, luxer | Dist.- Haridwar, Uttarakhand, 247663 | Dr. Anjni Prasad Dubey 9453515020 |

## Region: Pauri (14)

| # | Code | Study Centre | Address | Coordinator/ Head of Institution |
|---|---|---|---|---|
| 1. | 14003 | Government Degree College | Degree College Vedikhal (Pauri Garhwal) | Dr. Avtar Singh Negi (8755882229) |
| 2. | 14005 | Govt. P.G. College Lansdowne | Lansdowne (Pauri Garhwal), Jaiharikhal, PIN – 246193 | Dr. Diwakar Chandra Bebni (9410114009) |
| 3. | 14009 | H.N.B. Garhwal Central University Campus | Srinagar, Distt. Pauri Garhwal, PIN – 246001 | Dr. M C Purohit (7055397380) |
| 4. | 14018 | Government PG College, Agastyamuni | Agastyamuni, Distt. Rudraprayag, PIN – 246421 | Dr. L D Gagrya (9412935904) |
| 5. | 14046 | Govt. Degree College Chandrabadni | Chandrabadni, Jamnikhal, Tehri Garhwal (Naikhari) PIN - 249112 | Dr. Pratap Singh Bisht (9639424193) |
| 6. | 14047 | Govt. Degree College Nagnath Pokhari | Nagnath Pokhari, Distt. Chamoli, PIN – 246473 | Dr. Sanjeev Kumar Juyal (9412115761) |
| 7. | 14048 | Than Singh Rawat Govt Degree College | Nainidanda Patotia, Distt. Pauri Garhwal, PIN – 246277 | Dr. Vivek Kumar Kedia (8755614449) |
| 8. | 14049 | Government Degree College Thalisain (Pauri) | Thalisain Patti, Choprakot, Distt. Pauri Garhwal, PIN – 246285 | Dr. Jagsish Chandra Bhatt (9411319412) |
| 9. | 14050 | Government Degree College Chaubattakhal | Chaubattakhal, Chamnau Post, Garhwal, Pin – 246162 | Dr. Praveen Kumar Dhobal (9690636549) |
| 10. | 14051 | Government Degree College Mazra Mahadev | Mazra Mahadev, Sunar Gaon, Chaura, Distt. Pauri Garhwal, PIN - 246130 | Dr. Rakesh Chandra Joshi (9760785039) |

## Region: Uttarkashi (15)

| # | Code | Study Centre | Address | Coordinator/ Head of Institution |
|---|---|---|---|---|
| 1. | 15016 | RCU Govt. P.G. College Uttarkashi | Near Azad Maidan/ Police Kotwali, Uttarkashi, PIN – 249193 | Dr. Devendra Dutt Painuly (9410781617) |
| 2. | 15024 | P.S.B. Govt. Degree College Lambgaon | Lambgaon, Pratapnagar, Distt. Tehri Garhwal, PIN – 249165 | Dr. Bharat Singh Chufal, 9557661778 |
| 3. | 15027 | Rajendra Singh Rawat Govt. Degree College Barkot | Barkot, Distt. Uttarkashi, PIN – 249193 | Dr. Vijay Bahuguna (9456300001) |
| 4. | 15028 | Government Degree College Thatyur | Thatyur, Distt. Tehri Garhwal, PIN – 249180 | Dr. Kunwar Singh (7895435281) |
| 5. | 15029 | Government Post Graduate College New Tehri | New Tehri, Distt. Tehri Garhwal, PIN – 249001 | Dr. D P S Bhandari (9412921719) |
| 6. | 15030 | B L J Govt. Degree College Purola | Purola, Distt. Uttarkashi, PIN – 249185 | Sh. Krishna Dev Raturi (9639825252) |

## Region: Haldwani (16)

| # | Code | Study Centre | Address | Coordinator/ Head of Institution |
|---|---|---|---|---|
| 1. | 16000 | UOU Model Study Centre, Open University, HQ | University Road, Behind Transport Nagar (Teenpani Bypass), Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139 | Dr. Dinesh Kumar (9837875234) |
| 2. | 16003 | Amrapali Institute of Applied Sciences | Shiksha Nagar, Lamachaur, Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139 | Sh. Pankaj Pandey (7055500715) |
| 3. | 16022 | PNG Government PG College | Ramnagar, Distt. Nainital, PIN – 244715 | Dr. Kiran Kumar Pant (9410779508) |
| 4. | 16023 | S.B.S Government P.G College | Fazalpur Mahraula, Rampur Road, Distt. U.S Nagar, PIN - 263153 | Dr. Harish Chadra (997803455) |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 5. | 16034 | M.B.P.G College | Nainital Road, Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139 | Dr. Rashmi Pant (9411162527) |
| 6. | 16047 | Renaissance College of Hotel Management & Catering Techonology | Basai, Peerumadara, Ramnagar, Distt. Nainital, PIN – 244715 | Mr. Jitendra Joshi (9927083058) |
| 7. | 16052 | Radhey Hari Government Degree College Kashipur | Kashipur, Distt. U.S Nagar, PIN – 244713 | Dr. Mahipal Singh (9412518666, 7830587872) |
| 8. | 16071 | Govt. Degree College Kotabagh | Selsiya, Chak Dhauladi , Kotabagh, Distt. Nainital, PIN – 263159 | Dr. H. C Joshi (9456780252) |
| 9. | 16072 | Pt. Poornand Tiwari Government Degree College Doshapani | Pokhrad, Dhari, Distt. Nainital, PIN – 263136 | Dr. R S Bhakuni (9412364210) |
| 10. | 16090 | H.N.B. Govt. PG College | Near Telephone Exchange, Khatima, Distt. Udham Singh Nagar, PIN – 262308 | Dr. Ashutosh Kumar (9412986341) |
| 11. | 16097 | Pal College of Technology and Management | RTO Road Kusumkhera, Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139 | Mr Bhanu Bisht (8477973333) |
| 12. | 16101 | Govt. Degree College Banbasa | Banbasa, Chandani, Tanakpur, Distt.- Champawat, PIN – 262310 | Dr. B N Dixit (9473900123, 9410101810) |
| 13. | 16104 | Ayurvedic College | Panchayat Ghar, Rampur road, Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139 | Sh. Vimal Katiyar (9897110510) |
| 14. | 16116 | Govt. Degree College Tanakpur | Tanakpur,Distt- Champawat, Pincode-262309 | Dr. Sunil Kumar Katiyar (8126222894) |
| 15. | 16117 | Indira Priyadarshni Govt. P G Women Commerce College | Nawabi Road, Haldwani, Distt – Nainital, PIN – 263139 | Dr. Fakeer Singh (9412504182) |
| 16. | 16118 | Govt. Degree College Sitarganj | Sisouna, Distt. Udham Singh Nagar, PIN – 262405 | Dr. Rajvinder Kaur (8279688114) |
| 17. | 16119 | R.L.S Memorial Degree College Jaspur | NH-74, Afzalgarh Road Kishanpur Teh-Jaspur | Mohd. Salim (7351986736) |
| 18. | 16120 | Govt. P G College Rani Nangal | Rani Nangal, Fauzi Colony, Bazpur, Distt. Udham Singh Nagar | Dr. Satya Prakash Sharma (9412929795) |
| 19. | 16121 | Dr. Sushila Tiwari Private degree College | Chintimazra, Sitarganj, Distt. Udham Singh Nagar | Dr. Shivendra (9634246369) |
| 20. | 16122 | Government Degree College Patlot | Patlot, Distt. Nainital | Dr. Abha Tripathi (8126487969) |
| 21. | 16123 | Lal Bahadur Shastri Government Degree College | Halduchaur, Haldwani, Distt. Nainital, Pin – 263139 | Dr. Sunil Pant (9412017307) |
| 22. | 16125 | MIET Kumaun Engineering College | Lamachaur, Haldwani , Distt. Nainital Pin – 263139 | Sh. Tarun Kumar (9720615304) |
| 23. | 16126 | Devsthali Vidyapeeth (Department of Professional Education) | Kachchi Khamariya, Lalpur, Kichcha Rudrapur Road Rudrapur, Distt. Udham Singh Nagar, PIN -263148 | Sri Gurpreet Singh (9917130150) |
| 24. | 16127 | Aman Education Trust (Educity Institute) | Majhola, Khatima, Distt. Udham Singh Nagar, PIN – 262308 | Sh. Jagjeet Singh (9719595193) |
| 25. | 16128 | Govt. Degree College, Kichha | Kichha, Distt. Udham Singh Nagar, PIN – 263148 | Dr. Naresh Kumar (9412451665, 7454859510) |
| 26. | 16129 | Goct. Degree College | Maldahanchaur, tehsil- Ramnagar, Dist.- Nainital, 244713 | Sri Manoj Kumar 8006781086 |

## Region: Ranikhet (17)

| # | Code | Study Centre | Address | Coordinator/ Head of Institution |
|---|---|---|---|---|
| 1. | 17007 | Govt. P.G. College Ranikhet | Ranikhet, Distt. Almora, PIN – 263645 | Dr. J S Rawat (9410958526) |
| 2. | 17013 | Govt. P.G. College Dwarahat | Dwarahat, Distt. Almora, PIN – 263653 | Dr. Nazish Khan (9897443821) |
| 3. | 17030 | Government Degree College Karanprayag | Karanprayag, Distt. Chamoli, PIN – 246444 | Dr. Ramesh Chandra Bhatt (9456153590) |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 4. | 17059 | Government Degree College Bhikiyasen | Bhikiyasen, Ranikhet Sadar Bazar | Dr. Kamal Kishore (9760433632) |
| 5. | 17062 | Govt. Degree College Chaukhutia | Chaukhutia (Ganai) Distt. Almora, PIN – 263656 | Dr. Siraz Ahmad (9917314786) |
| 6. | 17063 | Government Degree College Gairsain | Gairsain, Distt. Chamoli, Pin – 246428 | Dr. Ram Chandra Singh (7895973342) |
| 7. | 17065 | Govt. Degree College Bhatronjkhan | Bhatronjkhan, Distt. Almora, PIN – 263646 | Dr. Ajay Kumar (7500938912) |
| 8. | 17066 | S.R.D.U. government P.G. College | Manila, Distt. Almora, PIN – 263667 | Dr. Yogesh Chandra (7248455032) |
| 9. | 17067 | Government Post Graduate College Siyalde | Siyalde, Distt. Almora, PIN – 263667 | Dr. Gokul Singh Satyal (9410184248) |
| 10. | 17068 | Government Post Graduate College Gopeshwar | Gopeshwar, Distt. Chamoli, PIN – 246401 | Dr. Akhilesh Kukreti (9528021480) |
| 11. | 17069 | Kumaun University S.S.J. Campus | Almora, Distt- Almora, PIN – 263601 | Prof. P S Bisht (9412092013) |
| 12. | 17070 | Shri Ram Singh Dhoni Government Degree College | Jainti, Distt. Almora, PIN – 263626 | Prof. Neeta Pande (9412084016) |
| 13. | 17071 | Hukum Singh Bora Govt. Degree College | Someshwar, Distt. Almora PIN – 263637 | Dr. Chandra Prakash Verma |
| 14. | 17072 | Government Degree College Nandasain | Malai, Distt. Chamoli, PIN – 246487 | Dr. Amar Chand Vishwakarma |
| 15. | 17073 | Government Degree College Gurudabaj | Gurudabaj, Tehsil Bhanoli, Distt. Almora, PIN – 263623 | Dr. Manju Chandra (9410309610) |
| 16. | 17074 | Govt. Degree College | Masi, Almora | Dr. Sanjeev Kumar Asst. Professor |
| 17. | 17075 | Govt. Post graduate college | Joshimath, Dist.-Chamoli, 246443 | Sri Nandan Singh Rawat 7500042842 |

## Region: Pithoragarh (18)

| # | Code | Study Centre | Address | Coordinator/ Head of Institution |
|---|---|---|---|---|
| 1. | 18002 | L .S. M. Govt. P.G. College Pithoragarh | Pithoragarh ,Distt. Pithoragarh, PIN – 262502 | Dr. Jeevan Singh Garia (9412344737) |
| 2. | 18004 | Govt. P.G. College Narayan Nagar | Narayan Nagar, Distt. Pithoragarh, PIN – 262550 | Dr. Pramod Kothari (9412093637) |
| 3. | 18011 | Govt. P.G. College Lohaghat | Chori, Lohaghat, Distt. Champawat, Pin – 262524 | Dr. Dharmendra Rathor (9412032748) |
| 4. | 18029 | Govt. Degree College Champawat | Fulara Gaon, Champawat, Distt. Champawat, PIN – 262523 | Dr. B P Oli (9412042292) |
| 5. | 18031 | Govt. Degree College Dharchula | Baluwakote, Dharchula, Distt. Pithoragarh, PIN – 262576 | Dr. Jagat Singh Kathayat (9412952139) |
| 6. | 18032 | Govt. PG College Berinag | Berinag, Distt. Pithoragarh, PIN–262531 | Dr. J N Pant (9756536121, 9411347657) |
| 7. | 18033 | Govt. Degree College Gangolihat | Gangolihat, Distt. Pithoragarh, PIN–262522 | Dr. Shashi Pratap Singh (7248508011, 9453466892) |
| 8. | 18035 | Govt. Degree CollegeGanai Gangoli | Ganai Gangoli, Distt. Pithoragarh, PIN – 262532 | Dr. Munish Kumar Pathak (9690770069) |
| 9. | 18036 | Govt. Degree College Muwani | Muwani, Distt. Pithoragarh, PIN – 262572 | Dr. Ashish Kumar Gupta (9336076924, 8392897587) |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 10. | 18037 | Govt. Degree College Amodi | Amodi, Distt. Champawat, PIN – 262523 | Dr. Sanjay Kumar (9412943265) |
| 11. | 18038 | Government Degree College Munsyari | Munsyari, Distt. Pithoragarh, PIN – 262554 | Dr. Pradeep Mandol (9091949198) |
| 12. | 18039 | Government Degree College Devidhura | Kanvad, Devidhura, Distt. Champawat, PIN – 262580 | Dr. S K Singh (8006759831) |

## Region: Bageshwar (19)

| # | Code | Study Centre | Address | Coordinator/ Head of Institution |
|---|---|---|---|---|
| 1. | 19001 | Govt. P.G. College Kathayatbara | Kathayatbara , Distt. Bageshwar, PIN - 263642 | Dr. Lalit Mohan (9410965615) |
| 2. | 19016 | Late Chandra Singh Shahi Govt. Degree College Kapkot | Ason, Kapkot, Distt. Bageshwar, PIN – 263632 | Dr. Munna Joshi (9690114546) |
| 3. | 19022 | Govt. Degree College Kanda | Kanda, Distt. Bageshwar, PIN - 263631 | Prof. Dinesh Joshi (8755086027) |
| 4. | 19023 | Govt. PG College Talwari | Talwari, Tharali, Distt. Chamoli, PIN – 246482 | Sh. Shankar Ram (7017143861, 9456175089) |
| 5. | 19024 | Govt. Degree College Garur | Garur, Distt. Bageshwar, Pin – 263641 | Dr. Awadesh Tiwari (9997575114) |

क्रम संख्या - 137 (ख)

पंजीकृत संख्या– यू.ए./डी.एन.-30/03
लाइसेन्स टू पोस्ट विदाउट प्रीपेमेन्ट

उत्तरांचल शासन

# सरकारी गजट , उत्तरांचल

## उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

## असाधारण

**विधायी परिशिष्ट**

**भाग-1, खण्ड (क)**

**(उत्तरांचल अधिनियम)**

**देहरादून, सोमवार, 31 अक्टूबर, 2005 ई.**

**कार्तिक 09, 1927 शक सम्वत्**

**उत्तरांचल शासन**

**विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग**

**संख्या 608/विधायी एवं संसदीय कार्य/ 2005**

**देहरादून, 31 अक्टूबर, 2005**

**अधिसूचना**

**विविध**

"भारत का संविधान" के अनुच्छेद 200 के अधीन महामहिम राज्यपाल ने उत्तरांचल विधान सभा द्वारा पारित उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय विधेयक, 2005 पर दिनांक 27 अक्टूबर, 2005 के रूप में सर्व-साधारण की सूचनार्थ इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।"

## उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम, 2005

**(अधिनियम संख्या 23, वर्ष 2005)**